" अमीर तो बनूंगा, मगर पैसों से नहीं अपनी पहचान से। "

# दैनिक अर्थ प्रकाश

खबरों की विश्वसनीयता, हमारी पहचान

चंडीगढ़, दिल्ली, हरियाणा एवं उत्तर प्रदेश से प्रकाशित पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, राजस्थान, छत्तीसगढ़ में प्रसारित

सुबल वाणी

थोड़ा सा आदर से स्पर्श करके देखें, इंसान का हृदय भी टच स्क्रीन से कम नहीं।

वर्ष 40 | चंडीगढ़, बुधवार, 15 अक्तूबर, 2025 | कार्तिक कृष्ण पक्षः नवमी/दशमी विक्रमी संवत-2082 | www.arthparkash.com | YouTube/Arth Parkash TV | अंक: 285 | मूल्य 2.00 रुपये | पृष्ठः 12


## न्यूज ब्रीफ

### ईडी ने पूर्व आयुक्त अनिल पवार समेत कई आरोपियों की 71 करोड़ की संपत्ति की जब्त

**मुंबई (अप्रस)।** प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) 2002 के तहत कार्रवाई करते हुए पूर्व आयुक्त अनिल पवार, सीताराम गुप्ता और अन्य आरोपियों की 71 करोड़ रुपए की अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से जब्त कर लिया। ईडी ने यह कार्रवाई मीरा-भायंदर पुलिस आयुक्तालय द्वारा दर्ज कई प्राथमिकी के आधार पर की है। ये मामले वसई-विरार सिटी म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (वीवीसीएमसी) क्षेत्र में सरकारी और निजी जमीन पर अवैध निर्माण से जुड़े हैं, जो वर्ष 2009 से लगातार चल रहे थे। जांच में सामने आया कि वसई-विरार नगर निगम की स्वीकृत विकास योजना के अनुसार, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट और डंपिंग ग्राउंड के लिए आरक्षित जमीन पर कुल 41 अवैध आवासीय व व्यावसायिक इमारतें बनाई गईं। बॉम्बे हाईकोर्ट ने 8 जुलाई 2024 को इन सभी इमारतों को गिराने का आदेश दिया था। इसके खिलाफ निवासियों ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका (एसएलपी) दायर की थी, जिसे खारिज कर दिया गया। इसके बाद 20 फरवरी 2025 को वीवीसीएमसी ने सभी 41 इमारतों को ध्वस्त कर दिया। ईडी की जांच में पता चला कि वीवीसीएमसी के अधिकारी, टाउन प्लानिंग विभाग के इंजीनियर, आर्किटेक्ट्स, चार्टर्ड अकाउंटेंट्स और लायजनर्स की मिलीभगत से एक संगठित भ्रष्टाचार का गिरोह काम कर रहा था। इस गिरोह का नेतृत्व अनिल पवार (तत्कालीन आयुक्त) कर रहे थे। उन्होंने अवैध निर्माणों को संरक्षण देने और कार्रवाई से बचाने के बदले रिश्वत की तय दर निर्धारित कर रखी थी। जांच के अनुसार, अवैध इमारतों पर प्रति वर्ग फुट 150 रुपए की दर से कमीशन लिया जाता था, जिसमें से 50 रुपए प्रति वर्ग फुट सीधे अनिल पवार को दिया जाता था। टाउन प्लानिंग विभाग में भी पवार ने मंजूरी देने के लिए रिश्वत की दर तय की थी, जिसमें अर्बन जोन में 20-25 रुपए प्रति वर्ग फुट और ग्रीन जोन में 62 रुपए प्रति वर्ग फुट शामिल थे। ईडी की जांच में यह भी सामने आया कि इस तरीके से अनिल पवार ने कुल 169 करोड़ रुपए का अवैध धन अर्जित किया। 13 जुलाई 2025 को ईडी ने अनिल पवार (आईएएस) सहित तीन अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया था। फिलहाल सभी न्यायिक हिरासत में हैं।

**आईपीएस आत्महत्या केस में आया नया मोड़**

# हरियाणा में एक और पुलिस अधिकारी ने किया सुसाइड, पूरन कुमार पर लगाए गंभीर आरोप

अर्थ प्रकाश संवाददाता

**रोहतक/ चंडीगढ़ 14 अक्टूबर।** हरियाणा आईपीएस अधिकारी सुसाइड मामले में एक नया मोड़ आ गया है। असल में, एक और पुलिस अधिकारी की आत्महत्या का मामला सामने आया है और उसने सुसाइड नोट में कथित तौर पर दिवंगत आईपीएस वाई. पूरन कुमार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। मृतक की पहचान असिस्टेंट सब-इंस्पेक्टर (एएसआई) संदीप लाठर के रूप में हुई है, जो वर्तमान में रोहतक के साइबर सेल में तैनात थे। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने शव को कब्जे में ले लिया।

संदीप लाठर ने अपने सुसाइड नोट और एक वीडियो मैसेज में आईपीएस वाई. पूरन कुमार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। नोट में उन्होंने लिखा है कि पूरन कुमार एक भ्रष्ट अधिकारी हैं, जिनके खिलाफ कई ठोस सबूत मौजूद हैं। संदीप ने दावा किया कि पूरन कुमार के स्टाफ के खिलाफ चल रही वसूली की जांच के दौरान उन्हें गिरफ्तारी का डर सता रहा था।

सुसाइड नोट में लिखा कि मैं इस दबाव को और सहन नहीं कर पाया। पूरन

साहब ने मुझे फंसाने की साजिश रची थी। वीडियो मैसेज में भी संदीप ने अपनी बात दोहराई है, जो जांच एजेंसियों के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। यह घटना आईपीएस वाई. पूरन कुमार केस में एक नया मोड़ ला रही है। पूरन कुमार पर वसूली, भ्रष्टाचार और अन्य आपराधिक गतिविधियों के आरोप हैं। 11 अक्टूबर को रोहतक में विशेष जांच टीम (एसआईटी) पहुंची थी, जो इसी मामले की तहकीकात कर रही है। सूत्रों के अनुसार, संदीप जांच के दौरान महत्वपूर्ण बयान देने वाले थे, लेकिन उनकी अचानक मौत ने पूरे केस को और जटिल बना दिया है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। यह मामला आईपीएस अधिकारी वाई. पूरन कुमार से जुड़े वसूली कांड से गहराई से संबंधित नजर आ रहा है।

## सरकार तमाशा बंद करे, पीएम मोदी और हरियाणा सीएम ले एक्शनः राहुल गांधी

**हरियाणा सरकार तुरंत कठोर कार्रवाई करे, 8 दिन बीत जाने के बाद भी नहीं हुआ पोस्टमार्टम**

अर्थ प्रकाश/ रंजीत शम्मी

**चंडीगढ़।** हरियाणा के सीनियर आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार के सुसाइड मामले को लेकर पूरे देश में चर्चा हो रही है। आज लगभग 8 दिन हो गए हैं।और अभी तक पूरन कुमार के शव का पोस्टमार्टम और अंतिम संस्कार नहीं हो सका है। इस बीच लोकसभा नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने आईपीएस के शोक संतप्त परिवार से चंडीगढ़ में मुलाक़ात की। राहुल मंगलवार सुबह 11 बजे के करीब सेक्टर 24 स्थित पूरन कुमार की आईएएस पत्नी अमनीत पी कुमार के सरकारी आवास पहुंचे थे। वही 8 दिन बीत जाने के बाद भी पोस्टमार्टम नहीं हुआ। राहुल गांधी ने पूरन कुमार के परिवार से मुलाक़ात करते हुए शोक संवेदना व्यक्त की और परिजनों के साथ दुख-दर्द बांटा। साथ ही आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार को श्रद्धांजलि भी अर्पित की। राहुल लगभग 40 मिनट तक पूरन कुमार के परिवार के साथ रुके और बातचीत करते रहे। उन्होंने पूरन कुमार की दोनों बेटियों को हौसला भी बंधाया। वहीं पूरे परिवार को यह भरोसा दिया कि पूरी कांग्रेस पार्टी और वह इस दुख की घड़ी में परिवार के साथ खड़े हैं और उन्हें इंसाफ दिलाने के लिए हर कदम उठाया जाएगा।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा है कि आत्महत्या करने वाले आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार लंबे समय से दबाव में थे। वाई सिस्टेमैटिक भेदभाव का शिकार हो रहे थे। राहुल गांधी मंगलवार को चंडीगढ़ पहुंचे और वाई पूरन कुमार की पत्नी अमनीत पी कुमार व उनकी बेटियों के साथ मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान हरियाणा के नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा, कांग्रेस अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह, सांसद कुमारी सैलजा, वरूण चौधरी, दीपेंद्र सिंह हुड्डा समेत कई नेता मौजूद थे।

परिवार से मुलाकात के बाद राहुल गांधी ने मीडिया से बातचीत में कहा कि वाई पूरन कुमार का मनोबल गिराने और उन्हें डैमेज करने के लिए दूसरे अधिकारी सिस्टेमेटिक तरीके से काम करते रहे। राहुल ने कहा कि यह एक परिवार का मामला नहीं है। देश के करोड़ों दलित भाई-बहनों में इससे गलत मैसेज जा रहा है। देशभर के दलितों में यह मैसेज जा रहा है कि वे कितने ही उच्च मानसिक क्षमता वाले, योग्य और कामयाब क्यों न हों, अगर वे दलित हैं तो उन्हें दबाया जा सकता है। उन्हें कुचला जा सकता है। राहुल गांधी ने कहा कि इसे किसी भी सूरत में सहन नहीं किया जा सकता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को सीधा संदेश देते हुए राहुल गांधी ने कहा कि सरकार ने बेटियों को जो आश्वासन दिया है, उसे पूरा कीजिए। उन्होंने कहा कि सरकार अब तमाशा बंद करे। उन्होंने कहा कि मैं नेता प्रतिपक्ष होने के नाते प्रधानमंत्री और हरियाणा के मुख्यमंत्री को यह मैसेज देना चाहता हूं कि तुरंत कार्रवाई करें। परिवार पर जो दबाव है, उसे तुरंत हटाया जाए। अमनीत पी. कुमार कार्यरत आईएएस अधिकारी हैं। ऐसे में उन पर कैसे प्रेशर आ सकते हैं,यह देश समझता है और हर कोई जानता है। राहुल गांधी ने कहा कि इस मामले में तुरंत और सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। मीडिया के सवाल पर राहुल गांधी ने कहा कि दोषी अधिकारियों को तुरंत गिरफ्तार किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार तुरंत कार्रवाई शुरू करें। वाई पूरन कुमार के परिवार से हुई बातचीत से जुड़े सवाल पर राहुल ने कहा कि परिवार संदेश दे रहा है। उनकी पत्नी कह रही हैं कि पति का अपमान हुआ है। उनके करियर को खत्म करने की कोशिश हुई। इसलिए वाई पूरन कुमार ने आत्महत्या की। राहुल ने कहा कि आईपीएस अधिकारी को मरने के बाद सम्मान मिलना चाहिए। परिवार ने दो-टूक कहा है कि अगर सम्मान नहीं दिया तो हम मानेंगे नहीं। परिवार की मांग को पूरी तरह से सही ठहराते हुए राहुल ने कहा कि यह एक परिवार की नहीं बल्कि हिंदुस्तान के हर दलित भाई-बहन के सम्मान की बात है।

**नेता प्रतिपक्ष ने की अमनीत पी कुमार व परिजनों से मुलाकात**

### पोस्टमार्टम में देरी, यूटी पुलिस पहुंची कोर्ट

आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार सुसाइड मामले में यूटी पुलिस ने अब पोस्टमार्टम में हो रही देरी के चलते कोर्ट का रुख किया है। पुलिस ने अदालत से अनुरोध किया है कि शव की पहचान कर पोस्टमार्टम की प्रक्रिया में सहयोग करने का निर्देश दिया जाए। पुलिस सूत्रों के अनुसार जांच अधिकारी,एसएसपी,और आईजीपी द्वारा परिवार को कई बार संपर्क कर पोस्टमार्टम करने का अनुरोध किया गया था। लेकिन परिवार की ओर से कोई अपेक्षित सहयोग नहीं मिला। जिसके चलते पुलिस को कोर्ट का दरवाजा खटखटाना पड़ा।

### 21वीं सदी में भी जाति व मजहब के नाम पर मतभेदः चिराग पासवान

**चंडीगढ़।** केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान ने कहा है कि आईपीएस वाई पूरन कुमार के घटनाक्रम ने समाज की उन कुरीतियों को उजागर किया है जिनमें यह दर्शाया गया है कि 21वीं सदी में भी जाति व मजहब के नाम पर भेदभाव हो रहा है। चिराग पासवान मंगलवार को चंडीगढ़ पहुंचे और उन्होंने वाई पूरन कुमार की पत्नी अमनीत पी कुमार तथा परिवार के अन्य सदस्यों के साथ मुलाकात की। इसके बाद मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि चंडीगढ़ में हुए घटनाक्रम में होने वाली कार्रवाई देश के लिए नजीर बनेगी। चिराग पासवान ने कहा कि उन्होंने मुख्यमंत्री नायब सैनी को पत्र लिखा और बात की है। इस मामले में जितने भी आरोपी हैं अगर वह दोषी साबित होते हैं उन्हें कानूनन सजा मिलेगी। सरकार की तरफ से परिवार की मांगों पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि चंडीगढ़ की इस घटना ने यह बताया कि पुलिस विभाग में आला पदों पर किस तरह से जातिगत भेदभाव हो रहा है। चिराग पासवान ने खुद को परिवार के साथ जोड़ते हुए कहा कि इस मामले में अगर प्रभावशाली व्यक्तियों के विरूद्ध कार्रवाई नहीं हुई तो कोई दलित परिवार अपने बच्चों को आईएएस व आईपीएस की तरफ नहीं भेजेगा।

# जब बेटियां पढ़ती हैं तो पूरा परिवार, समाज और देश बढ़ता है आगे : सीएम नायब सैनी

**कहा- पिछले 11 वर्षों में प्रदेश में 80 नए राजकीय कॉलेज खोले, इनमें 30 केवल लड़कियों के लिए**

अर्थ प्रकाश संवाददाता

**कुरुक्षेत्र, 14 अक्तूबर।** हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि शिक्षा किसी भी देश व समाज की सच्ची शक्ति होती है। जब बेटियां पढ़ती हैं तो पूरा परिवार, पूरा समाज और पूरा देश आगे बढ़ता है। इसलिए ही प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रव्यापी बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान शुरू किया था। सेठ नवरंग राय लोहिया जयराम कन्या महाविद्यालय जैसी संस्थाएं प्रधानमंत्री के इसी विजन को आगे बढ़ाने का काम कर रही हैं। मुख्यमंत्री मंगलवार को सेठ नवरंग राय लोहिया जयराम कन्या महाविद्यालय लोहार माजरा, कुरुक्षेत्र की रजत

जयंती समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। इससे पहले मुख्यमंत्री ने दीप शिखा प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत रूप से शुभारंभ किया। इस दौरान मुख्यमंत्री व अन्य अतिथियों ने श्री जयराम शिक्षण संस्थान के 25 वर्षों की गतिविधियों पर आधारित स्मारिका का विमोचन भी किया। नायब सिंह सैनी को जयराम शिक्षण संस्थानों के चेयरमैन परम पूज्य ब्रह्म स्वरूप ब्रह्मचारी महाराज ने स्मृति चिन्ह और शॉल भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सेठ नवरंग राय लोहिया जयराम कन्या महाविद्यालय संस्थान को 21 लाख रुपए देने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज वे ऐसे सरस्वती मंदिर में आए हैं, जो 25 वर्षों से ग्रामीण क्षेत्र की बेटियों को शिक्षित और स्वावलंबी बनाने का काम कर रहा है। शिक्षण संस्था के जीवन में 25 वर्ष केवल एक संख्या नहीं, बल्कि संघर्ष, समर्पण और सफलता का एक लंबा इतिहास है। उन्होंने कहा कि परम पूज्य ब्रह्मलीन देवेंद्र स्वरूप ब्रह्मचारी की ही प्रेरणा से स्वर्गीय मोहन लाल लोहिया ने इस जमीन पर अपने पिता की याद में यह कॉलेज बनवाया था। जिस समय इस कॉलेज की नींव रखी गई थी, उस समय गांवों में बेटियों की शिक्षा के प्रति जागरूकता नहीं थी। यह कॉलेज आज आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों की हजारों बेटियों के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि यहां की छात्राओं ने शिक्षा के क्षेत्र के साथ-साथ खेल, सांस्कृतिक गतिविधियों, सामाजिक उत्तरदायित्व और शोध के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय उपलब्धियां प्राप्त की हैं। यहां से पढ़ी लिखी बेटियां आज राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त कर चुकी हैं। उन्होंने कहा कि सेठ नवरंग राय लोहिया जयराम गर्ल्स कॉलेज जैसी संस्थाएं हरियाणा प्रदेश और हमारे समाज की सच्ची धरोहर हैं, जो विकसित हरियाणा के निर्माण में महान योगदान दे रही है।

## लुधियाना रेंज के डीआईजी के साथ तैनात एएसआई ने डीआईजी निवास पर गोली मार कर की आत्महत्या

अर्थ प्रकाश संवाददाता

**लुधियाना 14 अक्तूबर।** पंजाब में लुधियाना रेंज के पुलिस महानिरीक्षक के साथ तैनात 50 वर्षीय सहायक उप-निरीक्षक (एएसआई) ने मंगलवार सुबह लुधियाना के रानी झांसी रोड स्थित डीआईजी आवास पर आत्महत्या कर ली। मूल रूप से मुल्लांपुर दाखा के रहने वाले तीर्थ सिंह ने ड्यूटी के दौरान तड़के करीब तीन बजे अपनी सर्विस रिवॉल्वर से खुद को गोली मार ली। पुलिस ने मौके पर पहुँचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जाँच शुरू कर दी है। आत्महत्या के पीछे का मकसद अभी स्पष्ट नहीं है और कोई सुसाइड नोट भी नहीं मिला है। स्टोरकीपर के तौर पर काम करने वाले सिंह करीब पाँच साल से डीआईजी कार्यालय में तैनात थे। उनके तीन बच्चे कनाडा में रहते हैं, जिन्हें घटना की जानकारी दे दी गई है।

सिविल लाइंस के सहायक पुलिस आयुक्त गुरइकबाल सिंह ने बताया कि सिंह की आत्महत्या के सही कारण का अभी पता नहीं चल पाया है। पुलिस इस मामले को गलती से रिवाल्वर से गोली चलने से हुआ हादसा भी मानकर चल रही है। पुलिस का कहना है कि संभवतः सुबह रिवॉल्वर सेट करते हुए यह हादसा हुआ होगा। डीआईजी सतिंदर सिंह ने भी इसी ओर इशारा किया है। हालांकि अभी जांच जारी है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में स्थिति ज्यादा साफ होगी।

**मीटिंग** | **मुख्यमंत्री ने बेंगलुरु के औद्योगिक दिग्गजों से मुलाकात कर पंजाब में निवेश का किया आह्वान**

# हमारी सरकार ने उद्योग के लिए पारदर्शी नीतियां बनाईः सीएम मान

**विश्व भर से उद्योगपति पंजाब में कर रहे हैं निवेशः मुख्यमंत्री**

अर्थ प्रकाश संवाददाता

**बेंगलुरु/चंडीगढ़, 14 अक्टूबर।** मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज पंजाब को निवेश के लिए प्राथमिकता वाला स्थान बताते हुए उद्योगपतियों को अपने व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिए राज्य में निवेश करने का निमंत्रण दिया। यहां प्रमुख उद्योगपतियों के साथ बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने दक्षिणी भारतीय राज्य कर्नाटक की राजधानी में औद्योगिक क्षेत्र के दिग्गजों का गर्मजोशी से स्वागत किया। उन्होंने कहा कि बेंगलुरु को भारत का सूचना प्रौद्योगिकी केंद्र और भारत की सिलिकॉन वैली के रूप में जाना जाता है। उद्यमियों को पंजाब में निवेश के लिए आमंत्रित करते हुए, भगवंत सिंह मान ने

कहा कि यह पवित्र भूमि महान गुरुओं, संतों-महापुरुषों और शहीदों की कृपा से समृद्ध है। उन्होंने कहा कि पंजाब के पास एक समृद्ध और अनूठी सांस्कृतिक विरासत है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बहादुरी, कड़ी मेहनत और उद्यमी भावना पंजाब की मिट्टी के कण-कण में समाई हुई है। उन्होंने कहा कि पंजाब ने लंबे समय से देश की सीमाओं की रक्षा करने के साथ-साथ देश की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि इन कारणों से पंजाब को अक्सर भारत का अन्नदाता और भारत की खड्गभुजा कहा जाता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब के मेहनती लोग अपने समर्पण और लगन के लिए जाने जाते हैं, जिसके कारण राज्य में उद्योग और उद्यम लगातार फल-फूल रहे हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब लगातार औद्योगिक विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है और राज्य की उद्योग-समर्थक नीतियों, पारदर्शी प्रशासन और व्यवसाय-अनुकूल माहौल के कारण बड़ी संख्या में निवेश राज्य की ओर आकर्षित हो रहा है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि यह बेहद खुशी की बात है कि पंजाब के सौहार्दपूर्ण और शांतिपूर्ण माहौल ने औद्योगिक निवेश को बड़ा बढ़ावा दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मार्च 2022 से अब तक पंजाब को 1.23 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जिससे लगभग 4.7 लाख युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे। उन्होंने कहा कि पंजाब के खाद्य प्रसंस्करण, कपड़ा, ऑटो कंपोनेंट, हैंड टूल, साइकिल, आईटी और पर्यटन जैसे क्षेत्र अन्य राज्यों के लिए मिसाल बन रहे हैं। भगवंत सिंह मान ने आगे कहा कि यह बहुत गर्व की बात है कि पंजाब में नेस्ले, क्लास, फरूडेनबर्ग, कारगिल, वरबियो, डैनोन और विश्व स्तर की अन्य प्रमुख कंपनियों ने अपनी इकाइयां स्थापित की हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि जमशेदपुर के बाद टाटा का भारत में दूसरा सबसे बड़ा स्टील प्लांट लुधियाना में विकसित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि लुधियाना, जो विश्व स्तर पर एक औद्योगिक केंद्र के रूप में जाना जाता है, राज्य की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और इसे वास्तव में पंजाब की वाणिज्यिक राजधानी माना जाता है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाब जापान, अमेरिका, जर्मनी, यूके, यूएई, स्विट्जरलैंड, फ्रांस और स्पेन जैसे विकसित देशों से निवेश आकर्षित कर रहा है।

# दिवाली को ध्यान में रखते हुए डीजीपी गौरव यादव ने पूरे राज्य में पुलिस की अधिकतम तैनाती और हाई अलर्ट बढ़ाने के दिए निर्देश

पाकिस्तान नार्को-आतंकवाद को बढ़ावा देकर पंजाब में अस्थिरता फैलाने का प्रयास कर रहा है; पाक के नापाक मंसूबों को सफलतापूर्वक नाकाम कर रही है पंजाब पुलिस: गौरव यादव

डी जी पी पंजाब ने तरनतारन और बटाला पुलिस जिलों में सुरक्षा समीक्षा बैठकें कीं

अर्थ प्रकाश संवाददाता

**तरनतारन/बटाला, 14 अक्टूबर।** आने वाले दिनों में दीवाली के त्योहार को शांतिपूर्ण ढंग से मनाने को सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, पंजाब के निदेशक जनरल ऑफ पुलिस (डीजीपी) गौरव यादव ने मंगलवार को जिला पुलिस प्रमुखों को पूरे राज्य में पुलिस बल की अधिकतम तैनाती और हाई-एलर्ट नाकों पर चौकसी बढ़ाने के निर्देश दिए। डी जी पी गौरव यादव जो ए डी जी पी एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स प्रमोद बान और ए डी जी पी काउंटर इंटेलिजेंस अमित प्रसाद के साथ दो पुलिस जिलों-तरनतारन और बटाला में सुरक्षा समीक्षा बैठकें की अध्यक्षता कर रहे थे, ने नार्को-आतंकवाद और संगठित अपराध के उभरते खतरों से निपटने के लिए विचार-विमर्श किया। उन्होंने त्योहारों के सीज़न की तैयारियों और पुलिस बल की तैनाती का भी विस्तार से जायज़ा लिया।

मौजूदा सुरक्षा चुनौतियों के बारे में पत्रकारों को जानकारी देते हुए, डी जी पी गौरव यादव ने कहा कि पाकिस्तान पंजाब में नार्को-आतंकवाद फैला रहा है। उन्होंने कहा, 'पिछले कुछ दिनों में, पाकिस्तान नार्को-आतंकवाद को बढ़ावा देकर पंजाब में अशांति पैदा करने का प्रयास कर रहा है, लेकिन पंजाब पुलिस पाकिस्तान के नापाक मंसूबों को सक्रिय रूप से नाकाम कर रही है।' उन्होंने बताया कि पाकिस्तान नशीले पदार्थों और हथियारों की खेप पहुंचाने के लिए ड्रोन और अन्य साधनों का इस्तेमाल कर रहा है। डी जी पी ने स्पष्ट किया कि इस हवाई खतरे से निपटने के लिए पंजाब सरकार द्वारा तैनात एंटी-ड्रोन प्रणालियों का प्रभावी ढंग से उपयोग किया जा रहा है।

आतंकवाद के खिलाफ की जा रही प्रभावी कार्रवाई के विवरण देते हुए, उन्होंने कहा कि सितंबर 2024 से अब तक पंजाब पुलिस ने 90 मुल्ज़िमों को गिरफ्तार करके 26 आतंकवादी मॉड्यूलों का पर्दाफाश किया है।

उन्होंने आगे कहा कि इन आतंकवादियों के कब्जे से बड़ी मात्रा में हथियार, विस्फोटक, गोली-गोलियां, हैंड ग्रेनेड और आर डी एक्स बरामद किया गया, जिससे आतंकवादी नेटवर्क को बड़ा झटका लगा है।

संगठित अपराध के संबंध में डी जी पी ने उन मामलों की समीक्षा की जिनमें गिरफ्तारी अभी लंबित है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को फरार मुल्ज़िमों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने के निर्देश दिए। उन्होंने संगठित अपराध के माहौल को पूरी तरह समाप्त करने के लिए पेशेवर और वैज्ञानिक जांच की आवश्यकता पर जोर दिया।

डी जी पी गौरव यादव ने खुलासा किया कि आतंकवादी नेटवर्क या संगठित अपराध से जुड़े 203 विदेशी हैंडलर्स की पहचान की गई है। उन्होंने कहा, 'भारत में लाकर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए, केंद्रीय एजेंसियों के साथ तालमेल करके उनके खिलाफ रैड कॉर्नर/ब्लू कॉर्नर नोटिस जारी करने की प्रक्रिया आरंभ की गई है।'

डी जी पी ने चल रही नशा-विरोधी मुहिम 'युद्ध नशों विरुद्ध' की भी समीक्षा की। 'युद्ध नशों विरुद्ध' मुहिम के नतीजे साझा करते हुए डी जी पी गौरव यादव ने कहा कि पंजाब पुलिस ने 1 मार्च, 2025 से अब तक 21,707 एफ आई आर दर्ज की हैं और 32,903 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया है, जिनमें 2,533 नशा सप्लायर शामिल हैं, और उनके कब्जे से 1,446 किग्रा हेरोइन, 475 किग्रा अफीम, 25 टन भुक्की, 35 किग्रा चरस, 511 किग्रा गांजा, 12 किग्रा आई सी ई , 3.6 किग्रा कोकीन, 39.29 लाख नशीली गोलियां और 13.39 करोड़ रुपये की ड्रग मनी बरामद की गई है। उन्होंने कहा कि पंजाब पुलिस ने एन डी पी एस एक्ट की धारा 68 एफ के तहत नशा तस्करों की 205 करोड़ रुपये की गैर-कानूनी संपत्तियों को भी फ्रीज़ कर लिया है।

उन्होंने कहा कि पुनर्वास के संबंध में पंजाब पुलिस ने 62,000 लोगों को मुख्य धारा में लाने के लिए नशा छुड़ाने वाले केंद्रों या ओ ओ टी केंद्रों में भेजा है।

डी जी पी गौरव यादव ने कहा कि पंजाब के 'सेफ पंजाब' व्हाट्सएप चैटबोट पोर्टल 9779100200 पर मिली सूचनाओं में 33त्र पर कार्रवाई की गई है; लोगों से प्राप्त जानकारी के आधार पर 7,285 एफ आई आर दर्ज की गई हैं। उन्होंने लोगों से बिना किसी डर के इस चैटबोट पर नशा तस्करों के बारे में गुप्त रूप से जानकारी साझा करने को कहा।

बैठक में पुलिस कमिश्नर अमृतसर गुरप्रीत सिंह भुल्लर, डी आई जी फिरोजपुर रेंज नीलांबरी जगदले, डी आई जी बॉर्डर रेंज नानक सिंह, डी आई जी ए जी टी एफ गुरमीत चौहान, एस एस पी तरनतारन रवजोत कौर गरेवाल और एस एस पी बटाला सुहेल कासिम मीर सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

# पंजाब को बाढ़ के प्रकोप से बचाने के लिए रावी सतलुज और ब्यास दरियाओं की होगी सफाई: चीमा

हिमाचल प्रदेश और राजस्थान को बीबीएमबी के स्थायी सदस्य के रूप में शामिल करने के प्रस्ताव का कड़ा विरोध

दिड़बा के लिए दिवाली के तोहफे के रूप में 11.46 करोड़ रुपये के विकास प्रोजेक्टों की घोषणा

अर्थ प्रकाश संवाददाता

**दिड़बा, 14 अक्टूबर।** पंजाब के वित्त, योजना, आबकारी और कराधान मंत्री एडवोकेट हरपाल सिंह चीमा ने आज घोषणा की कि पंजाब सरकार राज्य को बाढ़ के खतरे से स्थायी रूप से सुरक्षित करने के लिए बेहद गंभीर है। इस उद्देश्य के लिए रावी और सतलुज दरियाओं के पंजाब क्षेत्र के हिस्सों की सफाई, गहराई और चौड़ाई बढ़ाने की योजना बनाई गई है, जबकि रामसर साइट मनोनीत ब्यास दरिया की सफाई के लिए केंद्र सरकार से अनुमति मांगी गई है। दिड़बा में पत्रकारों से बातचीत करते हुए श्री चीमा ने वर्ष 2023 और 2025 में आई बाढ़ से पंजाब को हुए भारी नुकसान को उजागर किया और इस बात पर ज़ोर दिया कि दीर्घकालिक बाढ़ से सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए दरियाओं की सफाई बेहद आवश्यक है। उन्होंने बताया कि ब्यास दरिया के 28 स्थानों की पहचान की गई है जिन्हें तत्काल सफाई की ज़रूरत है और केंद्र सरकार से इस पहल के लिए अधिकतम सहयोग प्रदान करने की अपील की गई है। श्री चीमा ने भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड (बीबीएमबी) में हिमाचल प्रदेश और राजस्थान को स्थायी सदस्यता देने के केंद्र सरकार के प्रस्ताव का कड़ा विरोध करते हुए इसे पंजाब के लोगों के साथ अन्याय करार दिया। उन्होंने कहा कि इसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और पंजाब सरकार किसी भी अन्य राज्य को बीबीएमबी पर नियंत्रण नहीं करने देगी। श्री चीमा ने अपने दिड़बा विधानसभा क्षेत्र के निवासियों को 11.46 करोड़ रुपये के विकास प्रोजेक्टों का नींव पत्थर रखकर और विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन कर दिवाली का तोहफ़ा दिया। इनमें छाजली गांव में 2.5 करोड़ रुपये की नहरी जल परियोजना शामिल है, जिसके तहत भूमिगत जल स्तर में गिरावट के कारण बंद पड़े ट्यूबवेलों की समस्या का समाधान करते हुए 13 किलोमीटर पाइपलाइन के माध्यम से किसानों के खेतों को नहरी पानी की सुविधा मिलेगी। इसके अतिरिक्त, 8.81 करोड़ रुपये की लागत से 17.35 किलोमीटर सड़कों पर कार्य शुरू हो चुका है, जिसमें ढंडियाल से पातरां तक 4 किलोमीटर सड़क के हिस्से को 18 फीट चौड़ा करना और ढंडियाल से हरियाऊ (4.25 किमी), ढंडियाल से शादीहेड़ी (3.10 किमी), ढंडियाल से चुनग्गरा (3 किमी) और खेतला से काकूवाला (3 किमी) तक नई सड़कों का निर्माण शामिल है। इसके साथ ही उन्होंने मैदेवास गांव में अनुसूचित जाति समुदाय के लिए 15 लाख रुपये की लागत से निर्मित एक धर्मशाला भी जनता को समर्पित की।

इन कार्यक्रमों में एसडीएम दिड़बा राजेश कुमार शर्मा, प्रीतम सिंह पीतू (चेयरमैन, इंप्रूवमेंट ट्रस्ट, संगरूर), तपिंदर सिंह सोही (वित्त मंत्री के ओएसडी), जसवीर कौर शेरगिल (चेयरपर्सन, मार्केट कमेटी, दिड़बा) तथा बड़ी संख्या में स्थानीय निवासी उपस्थित थे।

### मुख्यमंत्री मान के नेतृत्व में सरकार राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए कर रही निरंतर कार्य

विभिन्न कार्यक्रमों को संबोधित करते हुए श्री चीमा ने दोहराया कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार पिछले साढ़े तीन वर्षों से राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने स्वास्थ्य, शिक्षा और बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के प्रयासों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पिछली सरकारों की गलत नीतियों ने राज्य की प्रगति में बाधा डाली थी। वर्तमान सरकार विकास परियोजनाओं की गुणवत्ता से कोई समझौता किए बिना पूरी ईमानदारी से जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि यह पहली बार है कि ठेकेदार पांच वर्षों तक गांवों की नई सड़कों का रखरखाव करेंगे। श्री चीमा ने क्षेत्र के निवासियों से अपील की कि वे परियोजनाओं की संतोषजनक पूर्णता सुनिश्चित करने के लिए इनकी निगरानी करें।

# कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा जी के तत्काल प्रयासों से कनाडा हादसे में मारे गए पुत्र का पार्थिव शरीर परिवार को देश वापिस लाने में सफलता मिली

अर्थ प्रकाश संवाददाता

**चंडीगढ़, 14 अक्टूबर।** लुधियाना के एक दुखी परिवार के लिए पंजाब सरकार के एनआरआई मामलों के कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा द्वारा समय पर की गई कार्रवाई बड़ा सहारा साबित हुई। कनाडा में हुए सड़क हादसे में मारे गए 27 वर्षीय हरनूर सिंह का पार्थिव शरीर समय रहते लुधियाना पहुंचाया गया, जिससे परिवार को अपने बेटे को अंतिम विदाई देने का अवसर मिला।

हरनूर सिंह, प्रसिद्ध उद्योगपति श्री गुरचरण सिंह के पुत्र थे। 6 अक्टूबर को वह ओरो-मेडोंटे (ओंटारियो) में मोटरसाइकिल पर जा रहे थे, जब एक नशे में धुत ट्रक चालक ने टक्कर मार दी। इस अचानक हुई घटना से परिवार गहरे सदमे में चला गया और विदेश से पार्थिव शरीर लाने की प्रक्रिया में कई बाधाएँ आई, जो सामान्यतः कई दिन लेती है।

परिवार ने 8 अक्टूबर की रात वर्ल्ड एमएसएमई फोरम के अध्यक्ष बदिश जिंदल के माध्यम से मंत्री संजीव अरोड़ा से संपर्क किया। साथ ही सीआइसीयू के प्रधान उपकार सिंह आहुजा ने भी परिवार की ओर से तुरंत सहायता की अपील की। मामले की गंभीरता को समझते हुए मंत्री अरोड़ा ने विदेश मंत्रालय (एमइए) और भारतीय उच्चायोग ओटावा से रातोंरात तालमेल कर पूरी प्रक्रिया को तेज कराया।

अपने पत्र में मंत्री अरोड़ा ने लिखा, ''परिवार गहरे शोक में है। पंजाब सरकार के एनआरआई मामलों के कैबिनेट मंत्री के रूप में मैं विनम्र अनुरोध करता हूँ कि हरनूर सिंह का पार्थिव शरीर शीघ्र से शीघ्र भारत लाने हेतु दयापूर्वक हस्तक्षेप किया जाए।''

मंत्री अरोड़ा की इस त्वरित कार्रवाई के बाद भारतीय दूतावास ने कनाडाई अधिकारियों के साथ मिलकर फास्ट-ट्रैक प्रक्रिया के तहत मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करवाया और पार्थिव शरीर की क्लीयरेंस दिलाई। इसके परिणामस्वरूप हरनूर सिंह का पार्थिव शरीर कुछ ही दिनों में लुधियाना पहुंच गया और परिवार ने सिख रीति-रिवाजों के अनुसार अंतिम संस्कार किया।

वर्ल्ड एमएसएमई फोरम के प्रधान बदिश जिंदल, फास्टनर्स मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष नरेंद्र भम्मरा और लुधियाना वायर मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष रवि मिगलानी ने संकट की इस घड़ी में जिम्मेदार और त्वरित कार्रवाई के लिए मंत्री संजीव अरोड़ा का धन्यवाद किया।

यह घटना इस बात का प्रमाण है कि आदरणीय अरविंद केजरीवाल और माननीय मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार एनआरआई और उनके परिवारों की सहायता के लिए सदैव तत्पर और प्रतिबद्ध है। विदेशी दूतावासों के साथ मिलकर पंजाब सरकार आपात स्थितियों में त्वरित सहयोग सुनिश्चित करती है।

# पंजाब सरकार द्वारा पिछड़ी जातियों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लाभार्थियों के लिए 8.76 करोड़ रुपये जारी: डॉ. बलजीत कौर

आशीर्वाद योजना के तहत 16 जिलों के 1718 लाभार्थियों को मिलेगा लाभ

अर्थ प्रकाश संवाददाता

**चंडीगढ़, 14 अक्टूबर।** सामाजिक न्याय, अधिकारिता एवं अल्पसंख्यक मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने बताया कि पंजाब सरकार द्वारा आशीर्वाद योजना के तहत चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 में पिछड़ी जातियों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के 1718 लाभार्थियों के लिए 8.76 करोड़ रुपये की राशि जारी की गई है। इस संबंध में अधिक जानकारी देते हुए डॉ. बलजीत कौर ने कहा कि आशीर्वाद योजना के तहत जिला बरनाला, बठिंडा, फरीदकोट, फिरोजपुर, श्री फतेहगढ़ साहिब, गुरदासपुर, होशियारपुर, जालंधर, मोगा, श्री मुक्तसर साहिब, पटियाला, रूपनगर, एस.ए.एस. नगर, एस.बी.एस. नगर, संगरूर और मालेरकोटला के कुल 1718 लाभार्थियों की आवेदन प्राप्त हुए थे। इन सभी को कवर करने के लिए 8.76 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं।

डॉ. बलजीत कौर ने बताया कि बरनाला के 7, बठिंडा के 171, फरीदकोट के 14, फिरोजपुर के 46, श्री फतेहगढ़ साहिब के 61, गुरदासपुर के 344,होशियारपुर के 23, जालंधर के 174, मोगा के 163, श्री मुक्तसर साहिब के 42, पटियाला के 148, रूपनगर के 154, एस.ए.एस. नगर के 52, एस.बी.एस. नगर के 123, संगरूर के 101 और मालेरकोटला के 95 लाभार्थियों को लाभ दिया गया है। उन्होंने कहा कि आशीर्वाद योजना के तहत कम आय वाले परिवारों की लड़कियों के विवाह के लिए 51,000 रुपये की वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाती है। कैबिनेट मंत्री ने बताया कि इस योजना का लाभ लेने के लिए आवेदक पंजाब का स्थायी निवासी होना चाहिए, परिवार गरीबी रेखा से नीचे होना चाहिए, और वार्षिक आय 32,790 रुपये से कम होनी चाहिए। ऐसे परिवारों की दो बेटियां तक इस योजना का लाभ ले सकती हैं। उन्होंने कहा कि वित्तीय सहायता की भुगतान सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में डी.बी.टी. के माध्यम से की जाती है। डॉ. बलजीत कौर ने कहा कि पंजाब सरकार हर वर्ग के लोगों का जीवन स्तर ऊंचा उठाने और उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री स भगवंत सिंह मान की अगुवाई में पंजाब सरकार जहाँ अन्य वर्गों की भलाई के लिए काम कर रही है, वहीं अनुसूचित जातियों, पिछड़ी जातियों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों की भलाई के लिए भी लगातार प्रयासशील है।

### केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आईसीएआर-भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान, लुधियाना में प्रशासनिक भवन का उद्घाटन किया

# बाढ़ से क्षतिग्रस्त 36,703 घरों के पुनर्निर्माण के लिए प्रति परिवार 1 लाख 60 हज़ार रुपये स्वीकृत: चौहान

कहा-केंद्र सरकार ने पंजाब में फसल के नुकसान की भरपाई के लिए गेहूं के बीज की मुफ्त आपूर्ति के लिए 74 करोड़ रुपये जारी किए

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत 11.09 लाख किसानों के खातों में 222 करोड़ रुपये अग्रिम रूप से हस्तांतरित किए जा चुके हैं

अर्थ प्रकाश संवाददाता

**लुधियाना, 14 अक्तूबर।** केंद्रीय कृषि, किसान कल्याण एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान (आईआईएमआर) लुधियाना, पंजाब का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने संस्थान के नवनिर्मित प्रशासनिक भवन का उद्घाटन किया और मक्का हितधारकों, किसानों, ग्रामीण विकास योजनाओं के लाभार्थियों और महिला स्वयं सहायता समूहों की दीदियों से बातचीत भी की। इसके बाद, केंद्रीय मंत्री ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया, जिसमें पंजाब क्षेत्र के लिए केंद्र सरकार की प्रमुख कृषि और ग्रामीण विकास पहलों और योजनाओं की जानकारी साझा की गई।

इस अवसर पर केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री श्री भागीरथ चौधरी, केंद्रीय रेल एवं खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री श्री रवनीत सिंह बिट्टू और पंजाब के कृषि मंत्री श्री गुरमीत सिंह खुडियां भी उपस्थित थे।

श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश का खाद्यान्न उत्पादन बढ़ाना, उत्पादन लागत कम करना और किसान की आय बढ़ाना हमारा मुख्य लक्ष्य है। गेहूं और चावल की खेती के मामले में हम पूरी तरह आत्मनिर्भर हैं, लेकिन कृषि में विविधता लाना बेहद जरूरी है। गेहूं और धान के बाद तीसरी सबसे बड़ी फसल मक्का है, जिसका उपयोग भोजन के अलावा कई अन्य कार्यों में भी किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि धान का मुकाबला केवल मक्का ही कर सकता है, जिससे पानी की भी बचत होगी और किसानों को अधिक लाभ मिलेगा। इस दृष्टि से मक्का अनुसंधान संस्थान बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि यहाँ किए जा रहे अनुसंधान मक्का के उत्पादन को बढ़ाने में काफी मददगार साबित हो रहे हैं।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने पंजाब में फसल के नुकसान की भरपाई के लिए गेहूं के बीज की मुफ्त आपूर्ति के लिए 74 करोड़ रुपये जारी किए हैं और सरसों सहित अन्य बीजों के लिए धनराशि स्वीकृत की गई है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत 11.09 लाख किसानों के खातों में 222 करोड़ रुपये अग्रिम रूप से हस्तांतरित किए जा चुके हैं। बागवानी क्षेत्र में हुए नुकसान की भरपाई के लिए भी एमआईडीएच योजना के माध्यम से सहायता भेजी जाएगी।

श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि केंद्र सरकार पंजाब की मदद के लिए हमेशा तैयार है। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री पंजाब में बाढ़ से हुए नुकसान को लेकर चिंतित हैं और उन्होंने पंजाब को 1600 करोड़ रुपये का पैकेज दिया है ताकि बाढ़ प्रभावित परिवारों का जीवन पटरी पर लौट सके।

केंद्रीय मंत्री ने पंजाब में बाढ़ के कारण क्षतिग्रस्त हुए 36,703 घरों के पुनर्निर्माण के लिए प्रति परिवार 1 लाख 60 हजार रुपये स्वीकृत किए हैं। इसमें से 1 लाख 20 हजार रुपये मकान निर्माण के लिए और 40 हजार रुपये मजदूरी और शौचालय निर्माण के लिए हैं।

उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास होना चाहिए कि हम अपने देश में बनी वस्तुएं ही खरीदें। इससे स्थानीय कारीगरों को लाभ होगा, देश का पैसा देश में ही रहेगा और देश आर्थिक रूप से और समृद्ध होगा।

# पंजाब में प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को और मजबूत करने के लिए खोले जा रहे 236 नए आम आदमी क्लीनिक: डॉ. बलबीर सिंह

आम आदमी क्लीनिकों में इलाज करवा रहे 96 प्रतिशत मरीज उन्हें दी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं से संतुष्ट: स्वास्थ्य मंत्री

कहा, पंजाब सार्वजनिक स्वास्थ्य अवसंरचना में अत्याधुनिक एआई तकनीक के उपयोग में अग्रणी

अर्थ प्रकाश संवाददाता

**चंडीगढ़, 14 अक्टूबर।** राज्य में सार्वजनिक स्वास्थ्य देखभाल ढांचे को और मजबूत करने के व्यापक मिशन की शुरुआत करते हुए, मुख्यमंत्री श्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार राज्य में 236 नए आम आदमी क्लीनिक खोलने के लिए पूरी तरह तैयार है। इन नए क्लीनिकों के साथ कुल क्लीनिकों की संख्या 1,117 हो जाएगी। यह घोषणा आज यहां पंजाब के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. बलबीर सिंह ने की।

स्वास्थ्य मंत्री सिविल सर्जनों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। आम आदमी क्लीनिकों की उल्लेखनीय सफलता पर प्रकाश डालते हुए, डॉ. बलबीर सिंह ने कहा कि इस पहल ने आम जनता की गुणवत्तापूर्ण प्राथमिक देखभाल तक पहुँच में उल्लेखनीय वृद्धि की है। पंजाब विकास आयोग द्वारा हाल ही में कराए गए मरीज फीडबैक सर्वेक्षण का हवाला देते हुए उन्होंने बताया कि 96 प्रतिशत मरीजों ने क्लीनिकों की सेवाओं से संतुष्टि व्यक्त की है, जो इन क्लीनिकों की प्रभावशीलता को दर्शाता है।

राज्य सरकार की नागरिकों के स्वास्थ्य और कल्याण को प्राथमिकता देने की प्रतिबद्धता दोहराते हुए, डॉ. बलबीर सिंह ने सिविल सर्जनों को नए आम आदमी क्लीनिकों की स्थापना में तेजी लाने और इनके समयबद्ध संचालन को सुनिश्चित करने के लिए डॉक्टरों एवं आवश्यक स्टाफ की भर्ती तुरंत शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आशा वर्करों को स्वास्थ्य किट और सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों (सीएचओ) को आवश्यक उपकरण प्रदान कर प्राथमिक हेल्थकेयर नेटवर्क को सशक्त किया जाएगा, जिससे जमीनी स्तर पर देखभाल सेवाएं बेहतर ढंग से उपलब्ध हो सकेंगी।

डॉ. बलबीर सिंह ने घोषणा की कि पंजाब छाती के कैंसर और स्ट्रोक जैसी गंभीर बीमारियों की शीघ्र पहचान और इसके प्रबंधन के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीक के उपयोग में अग्रणी है। बाल स्वास्थ्य सुरक्षा पहल के तहत, सभी 250 आरबीएसके टीमों को एआई ऑटो रिफ्रेक्टर उपकरणों से लैस किया जाएगा ताकि स्कूली बच्चों में दृष्टि/रिफलेक्टिव दोषों की समय पर पहचान की जा सके। इस कार्याक्रम के तहत प्रभावित बच्चों को चश्मे भी उपलब्ध कराए जाएंगे जिससे उनकी दृष्टि और भविष्य सुरक्षित रहेगा।

राज्य सरकार द्वारा वेक्टर जनित बीमारियों की रोकथाम के लिए किए जा रहे सक्रिय और व्यापक उपायों, जिनके परिणामस्वरूप इन बीमारियों के विरूद्ध लड़ाई के शानदार नजीजे प्राप्त हुये है, पर प्रकाश डालते हुए, डॉ. बलबीर सिंह ने ''हर शुक्रवार डेंगू ते वार'' अभियान की शानदार सफलता का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि इसके परिणामस्वरूप वर्ष 2023 की तुलना में डेंगू के मामलों में 80 प्रतिशत की भारी कमी दर्ज की गई है। उन्होंने सिविल सर्जनों को संभावित हॉटस्पॉट क्षेत्रों में डेंगू रोधी गतिविधियों को और तेज करने के निर्देश दिए ताकि यह सकारात्मक रुझान जारी रहे। अपने कर्तव्य में उत्कृष्टता और समर्पण को प्रोत्साहित करने के लिए, स्वास्थ्य मंत्री ने हाल ही में आई बाढ़ के दौरान डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ के साहसिक प्रयासों की सराहना की और परिश्रमी कर्मचारियों को वार्षिक रूप से सम्मानित करने एवं मान्यता देने के लिए नई नीति शुरू करने का वादा किया। मंत्री ने सिविल सर्जन डॉ. संगीता जैन, डॉ. अर्शदीप कौर, डॉ. मनहर कौर, डॉ. वसुधा, डॉ. धर्मवीर अहीर और भवंदीप कौर को विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित भी किया।

# 'युद्ध नशों विरुद्ध' के 227वें दिन 3 किलो हेरोइन समेत 76 नशा तस्कर किए काबू

अर्थ प्रकाश संवाददाता

**चंडीगढ़, 14 अक्तूबर।** मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों पर राज्य से नशे के पूर्ण उन्मूलन के लिए चलाए जा रहे 'युद्ध नशों विरुद्ध' अभियान के 227वें दिन, पंजाब पुलिस ने आज 365 स्थानों पर छापेमारी की। इस दौरान राज्यभर में 55 एफआईआर दर्ज कर 76 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया गया। इसके साथ ही 227 दिनों में गिरफ्तार किए गए कुल नशा तस्करों की संख्या 32,979 तक पहुंच गई है। इन छापों के दौरान गिरफ्तार किए गए नशा तस्करों के कब्जे से 3 किलोग्राम हेरोइन, 506 ग्राम अफीम, 44 किलो भुक्की, 406 नशीली गोलियां/कैप्सूल और 1500 रुपये की ड्रग मनी बरामद की गई है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पुलिस आयुक्तों, उपायुक्तों और एसएसपीज़ को पंजाब को नशा-मुक्त राज्य बनाने के निर्देश दिए हैं। नशे के खिलाफ चल रही इस मुहिम की निगरानी के लिए पंजाब सरकार ने वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा की अध्यक्षता में 5 सदस्यीय कैबिनेट सब-कमेटी का गठन भी किया है।

इस अभियान के दौरान 72 गज़टेड अधिकारियों की निगरानी में 1100 से अधिक पुलिस कर्मियों वाली 120 से ज्यादा पुलिस टीमों ने पूरे राज्य में 365 स्थानों पर छापेमारी की। बताया गया कि दिनभर चले इस ऑपरेशन के दौरान पुलिस टीमों ने 406 संदिग्ध व्यक्तियों की जांच भी की। यह भी उल्लेखनीय है कि पंजाब सरकार ने राज्य से नशे के उन्मूलन के लिए तीन-स्तरीय रणनीति - प्रवर्तन, डि-एडिक्शन और प्रिवेंशन (ईडीपी) - लागू की है। इसी रणनीति के तहत पंजाब पुलिस ने आज 32 व्यक्तियों को नशा छोड़ने और पुनर्वास उपचार लेने के लिए राजी किया है।

### मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने देश विदेश से आने वाले पर्यटकों और कुरुक्षेत्र के नागरिकों को दी इलेक्ट्रिक बस सेवा की सौगात

# देश विदेश से आने वाले पर्यटक कर सकेंगे अब इलेक्ट्रिक बसों में सफर: नायब सैनी

मुख्यमंत्री ने 10 इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी देकर किया रवाना

अर्थ प्रकाश/अरविंद मोहन शर्मा

**कुरुक्षेत्र, 14 अक्तूबर।** मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि गीता स्थली कुरुक्षेत्र में इलेक्ट्रिक सिटी बस सेवा शुरू की है। अब देश विदेश से आने वाले पर्यटक व स्थानीय नागरिक इन इलेक्ट्रिक बसों में सफर कर सकेंगे। इस शहर में 10 इलेक्ट्रिक बस सेवा शुरू कर दी गई है और दीपावली तक यात्री इलेक्ट्रिक बसों में निशुल्क सफर कर सकेंगे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मंगलवार को गीता स्थली ज्योतिसर में हरियाणा राज्य परिवहन विभाग की तरफ से आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे। इससे पहले मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हरियाणा राज्य परिवहन विभाग की तरफ से पर्यावरण अनुकूल 10 इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी देकर रवाना किया। इसके उपरांत मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हरियाणा के पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा, हरियाणा राज्य परिवहन विभाग के महानिदेशक एवं एचसीबीएसएल के सीईओ सुजान सिंह, एचसीबीएसएल के सहायक सीईओ एवं हरियाणा राज्य परिवहन विभाग के संयुक्त नियंत्रक अशोक बंसल, भाजपा नेता जय भगवान शर्मा, भाजपा के जिला अध्यक्ष तिजेन्द्र सिंह गोल्डी, उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा, जीएम रोडवेज शेर सिंह सहित मीडिया के साथियों के साथ गीता स्थली ज्योतिसर से लेकर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के द्वितीय गेट तक इलेक्ट्रिक बस में सफर किया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने इलेक्ट्रिक बस सेवा के लिए नागरिकों को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए पत्रकारों से बातचीत की और कहा कि दीपावली तक कुरुक्षेत्र शहर की 10 इलेक्ट्रिक बसों में यात्री निःशुल्क सफर कर सकेंगे। यह इलेक्ट्रिक बसें अलग अलग रूट पर चलाई जाएंगी। इस इलेक्ट्रिक बस सेवा से देश विदेश से आने वाले पर्यटकों को भी फायदा मिलेगा। इसके साथ ही अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव, सूर्य ग्रहण मेला, सोमवती अमावस्या के साथ-साथ अन्य मेलों में इलेक्ट्रिक बस सेवा का यात्री फायदा उठा सकेंगे। उन्होंने कहा कि शुन्य उत्र्सन सार्वजनिक परिवहन शुरू करने के उद्देश्य से राज्य परिवहन हरियाणा ने भारत सरकार के राष्ट्रीय इलेक्ट्रिक मोबिलिटी मिशन 2020 के अंतर्गत राष्ट्रीय इलेक्ट्रिक मोबिलिटी मिशन को प्राप्त करने के लिए हरियाणा और उसके आस-पास के राज्य में पर्यावरण अनुकूल इलेक्ट्रिक बस सेवा चलाने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि सरकार सार्वजनिक परिवहन बस सेवा प्रदान करने के लिए 10 नगर निगमों, पंचकूला, अम्बाला, यमुनानगर, करनाल, पानीपत,सोनीपत, रोहतक, हिसार, गुरुग्राम और फरीदाबाद के लिए 50-50 ई बसे खरीदने का निर्णय लिया गया है। जिसमें कुल 500 बसे और दिल्ली, गुरुग्राम और अन्य आस-पास के शहरों व उप शहरों के निकट होने के कारण रेवा?ी के लिए 50 बसे होंगी। इस प्रदेश में विभगा की तरफ से सकल लागत अनुबंध( जीसीसी ) मॉडल के तहत 12 मीटर मानक फ्लोर 375 एसी इलेक्ट्रिक बसों की खरीद के लिए निर्णय लिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा के पानीपत, यमुनानगर, करनाल, पंचकुला, हिसार, रोहतक, रेवा?ी, सोनीपत में 5-5 बसे और अम्बाला में 10 बस ई सेवा शुरू की जा चुकी है और अब दीपावली के पावन पर्व से पहले ऐतिहासिक एवं धार्मिक महत्व के स्थल कुरुक्षेत्र शहर में श्रद्धालुओं व तीर्थ यात्रियों को इलेक्ट्रिक सिटी बस सेवा प्रदान की है। यह राज्य सरकार के लिए एक बड़ी उपलब्धि है क्योंकि यह पूरे देश में किसी भी राज्य की एक अनूठी परियोजना है। इस सिटी बस सेवा से ना केवल कुरुक्षेत्र के नागरिकों को लाभ होगा बल्कि शून्य प्रदूषण और शून्य ध्वनि प्रदूषण भी होगा। उन्होंने कहा कि 375 बसों के संचालन के लिए सभी 10 शहरों में अलग-अलग सिटी बस सेवा डिपो का निर्माण भी किया जा रहा है। इसमें पानीपत इलेक्ट्रिक बस डिपो का निर्माण पूरा हो चुका है और यमुनानगर में शीघ्र पूरा होने वाला है। हरियाणा रोडवेज विभाग के महानिदेशक सुजान सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कुरुक्षेत्र के लिए 10 इलेक्ट्रिक एसी बसों का उद्घाटन किया है। इन बसों के लिए ज्योतिसर, पिहोवा, शाहाबाद, इस्माइलाबाद सहित चार रुट बनाए गए हैं। पिपली से ज्योतिसर के लिए दो बसों को संचालित किया जाएगा। इन बसों के रूट को जिला प्रशासन और केडीबी ने मिलकर तैयार किया है। उन्होंने कहा कि नागरिकों का सफर काफी सुगम रहेगा। इससे पहले 9 जिलों में इन बसों को सफलता से चलाया जा रहा है। इस मौके पर उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा,पुलिस अधीक्षक नीतीश अग्रवाल,चेयरमैन धर्मवीर मिजार्पुर, एसडीएम शाश्वत सांगवान, सीईओ केडीबी पंकज सेतिया, जिला परिषद सीईओ शंभू राठी, भाजपा जिला अध्यक्ष तिजेन्द्र सिंह गोल्डी, केडीबी के मानद सचिव उपेन्द्र सिंघल,गीता जयंती मेला प्राधिकरण के सदस्य सौरभ चौधरी, सैनी समाज के प्रधान गुरनाम सैनी, भाजपा नेता हरमेश सैनी, प्रदीप झांब आदि उपस्थित थे।

# पर्यावरण को स्वच्छ रखने के लिए सभी मनाएं पटाखा मुक्त दिवाली: जडौला

कहा- सभी संकल्प लेकर स्वयं से पहल करें दीवाली पर प्रदूषण नहीं फैलाएंगे

अर्थ प्रकाश/ओम प्रकाश

**कैथल, 14 अक्तूबर।** पूर्व डायरेक्टर हैफेड एवं प्रसिद्ध समाजसेवी रामचंद्र जडौला ने दीपों का पर्व दीपावली बम-पटाखा रहित मनाने की सभी से जागरूकता की अपील करते हुए कहा कि इस बार दिवाली पर्व आतिशबाजी और पटाखे मुक्त दिवाली मनाएं, ताकि हम अपने आसपास के पर्यावरण को प्रदूषण मुक्त कर सके। जिसके लिए यह पहल हम सबको अपने आप से शुरू करनी होगी तभी जाकर प्रकृति और मानव जनजीवन के बीच में बेहतरीन तालमेल बैठ पाएगा और हमारे आसपास प्रदूषण से पैदा होने वाली समस्याओं का निवारण मिलेगा। नई अनाज मंडी ढांड में अपने प्रतिष्ठान पर एक भेंटवार्ता में बातचीत करते हुए रामचंद्र जडौला ने कहा कि हर आदमी को एक सामाजिक कार्यकर्ता की सोच रखते हुए अपने आप से पहल करनी चाहिए और इस दीवाली यह संकल्प लें कि हम अपने आसपास प्रदूषण नहीं फैलाएंगे और अपने आसपास इस दीवाली घी के दीए जलाकर धूमधाम से अपने स्वजनों व परिजनों के साथ दीपावली मनाने का काम करेंगे। रामचंद्र जडौला ने कहा कि आतिशबाजी से पैदा होने वाले प्रदूषण से हमारे पर्यावरण को नुकसान पहुंचता है और हवा में सांस लेना तक मुश्किल हो जाता है। उन्होंने कहा कि वायु प्रदूषण के कारण लोगों के स्वास्थ्य पर भी इसका गंभीर असर पर पडता है। हर साल लोगों को दिपावली पर होने वाले वायु प्रदूषण के कारण परेशानी का सामना करना पड़ता है। बम पटाखे जलाते समय कई बार बड़े हादसे भी होते है। जिससे की जान व माल का भी नुकसान होता है। वायु प्रदूषण को एक साथ मिलकर रोका जा सके और लोगों को खुशहाल एवं स्वस्थ जीवन मिल सके।

## न्यूज ब्रीफ

### भाटिया सेवा मंच का दीपावली मिलन समारोह 16 को

**करनाल (अप्रस/शैलेंद्र जैन)।** भाटिया सेवा मंच द्वारा दीपावली मिलन समारोह जगमग कार्यक्रम 16अक्तूबर को शाम छह बजे से पंजाबी विरादरी भवन में आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर कला और उत्साह के सब रंग प्रस्तुत किए जाएंगे। कार्यक्रम में खान पान के साथ दैनिक उपयोग की वस्तुओं के स्टाल लगाए जाएंगे। इस अवसर पर बहु आयामी सांस्कृतिक कार्यक्रम लोकनृत्य मनोरंजक उत्साह पूर्वक आयोजन किए जाएंगे। यह जानकारी नरेश भाटिया वनीत भाटिया, अंकित भाटिया राजेश भाटिया श्रीमती रेनू भाटिया ने दी। गत दिवस इस आयोजन को लेकर बैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बताया गया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधायक जगमोहन आनंद तथा नगरनिगम की मेयर रेनू वाला गुप्ता होंगी। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि कुरुक्षेत्र विकास वोर्ड के चेयरमैन संजय बठला, राज्य सूचना आयोग के आयुक्त संजय मदान, व्यवसायी घनश्याम भाटिया, महेश भाटिया डा. वंदना भाटिया होंगे। इस कार्यक्रम में बेहतर आयोजन किए जाएंगे। कार्यक्रम में करनाल काछवा कुंजपुरा, घरौंडा नीलोखेड़ी इंद्री से बड़ी संख्या में भाटिया समाज के सदस्य भाग लेंगे। भाटिया सेवा मंच समाजिक गतिविधियों में बड़ चढ़ कर भाग लेता रहता हैं। इस अवसर पर अकित भाटिया, अनीता भाटिया, सीमा भाटिया, अलित भाटिया, दिनेश भाटिया, रधुनाथ भाटिया, विकास भाटिया, सीमा भाटिया, अमित भाटिया, डा. कपिल भाटिया सीमा भाटिया मौजूद थीं।

### कर्ण नगरी गूंज उठी स्वदेशी लाओ देश बचाओ के उद्घोष से

**करनाल (अप्रस/शैलेंद्र जैन)।** आज कर्ण नगरी स्वदेशी लाओ विदेशी भगाओ के नारे से गूंज उठी। स्वदेशी जागरण मंच द्वारा आज स्वदेशी जागरण मंच द्वारा स्वदेशी जन जागरण रैली का आयोजन किया। इस रैली में बड़ी संख्या में स्कूली बच्चों ने भाग लिया। बच्चे स्वदेशी लाओ विदेशी भगाओ विदेशी कंपनिया भारत छोड़ो वायकाट विदेशी सामान जैसे नारों से लिखी तख्तियां लिए हुए थे। यह यात्रा स्वामी विवेकानंद स्कूल से शुरू हुई। इस यात्रा की अगुवाई स्वदेशी जागरण मंच के राष्ट्रीय पदाधिकारी सतीश चावला कर रहे थे। यह यात्रा स्वामी विवेकानंद स्कूल से शुरू होकर आटो मार्कीट, कुंजपुरा रोड,पुरानी सब्जी मंडी चौक, भगवान महाबीर चौक, पुराना जीटी रोड, कर्ण गेअ, कलंदरी गेट, सें होते हुए अर्जुन गेट सेवा समिति आश्रम पहुंचीं। स्वदेशी जागरण मंच के कार्यकर्ता रास्ते में स्वदेशी पत्रक दुकानदारो को वितरित कर रहे थे। रास्ते में बच्चों पर व्यापारियों ने पुष्प वर्षा की। इस यात्रा में सुरेश पुरी,सतीश कुकरेजा, सुरेंद्र गोयल, अशोक दुआ, सरोज चावला, मीनू चावला, तथा सकूल के प्राचार्य प्रमोद वालिया तथा शिक्षक शामिल हुए। यात्रा का स्वागत चवनीत खेड़ा, संकल्प भंडारी, परमानंद खुराना, डा. भरत ठाकुर, तथा रामा मदान ने स्वागत किया।

### वाई पूरन कुमार सुसाइड मामले को लेकर दिया ज्ञापन

**पिहोवा (अप्रस/मोहित पौलस्त्य)।** आईपीएस वाई पूरन कुमार सुसाइड मामला तूल पकडता जा रहा है । इस मामले को लेकर आज पिहोवा में अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग, सर्व समाज संगठनों के मुख्य प्रतिनिधियों द्वारा महेन्द्र कंथला के नेतृत्व में मुख्य चौक पर प्रदर्शन करके उपमंडल अधिकारी नागरिक को मुख्यमंत्री नायब सैनी व राज्यपाल के नाम ज्ञापन दिया । ज्ञापन में मांग की गई कि डीजीपी शत्रुघ्न कपूर व रोहतक एसपी व अन्य के खिलाफ चंडीगढ़ में दिवंगत अधिकारी की पत्नी ने शिकायत दी है। सुसाइड नोट में अधिकारियों के खिलाफ आरोप लगाए गए है । उन सभी आरोपो की निष्पक्ष जांच हो। मुख्य आरोपियों को निलंबित करके गिरफ्तार किया जाए, ताकि जांच की निष्पक्षता प्रभावित न हो। इस मौके पर भगवान सिंह मट्ठ, श्याम लाल बागड़ी, महिंद्र कंथला, सतपाल स्योंसर, विक्की बिड़लान, मोहन लाल भंवरा, लाल चंद, रघुबीर मांगना, अजय कुमार, कृष्ण कुमार सहित अनेक लोग मौजूद थे।

# नगर परिषद द्वारा केशव पार्क में लगाया जाएगा सांझा स्वदेशी मेला

अर्थ प्रकाश/अरविंद मोहन शर्मा

**कुरुक्षेत्र, 14 अक्तूबर।** नगर परिषद के कार्यकारी अधिकारी राजेश कुमार ने कहा कि 17 से 19 अक्टूबर तक केशव पार्क में लगने वाले सांझा स्वदेशी मेला को लेकर नगर परिषद के अधिकारियों ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया और कर्मचारियों को जरुरी दिशा-निर्देश दिए। कार्यकारी अधिकारी राजेश कुमार ने कहा कि केशव पार्क में कहा-कहां फूड स्टॅाल लगेंगे, झूले, मुख्य अतिथियों के लिए मंच, हाथ से निर्मित वस्तुएं बेचने के लिए स्टॅालें, पीने के पानी की व्यवस्था, वेडर्स कहां-कहां खड़े होंगे इसकी रुपरेखा तैयार की गई है। इसके लिए बकायदा एक नक्शा भी तैयार किया गया है। इसके लिए अधिकारियों के साथ-साथ कर्मचारियों की जिम्मेवारी भी निर्धारित की गई है। नगर परिषद के द्वारा पहली बार इस तरह से मेले का कार्यक्रम आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि स्वदेशी अपनाओं अभियान को सफल बनाने के लिए इस कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। केशव पार्क में 17 अक्टूबर से 19 अक्टूबर तक लगने वाले इस सांझा स्वदेशी मेले में संगीतकार भी आएंगे जो लोगों का मनोरंजन भी करेंगे। इसके अलावा बच्चों के लिए झूले व लोगों को कई आकर्षक वस्तुए खरीदने व देखने को मिलेंगी। इस मौके पर नगर परिषद से सचिव अरविंद कुमार, एमई मंगूराम, मुख्य सफाई निरीक्षक जितेंद्र नरवाल, सफाई निरीक्षक प्रदीप कुमार, फिल्ड सुपरवाईजर अनूप सिंह, राजेश, विशान, सीटीएल अजय सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित थे।

# अधोया में गर्माया खाल का मुद्दा: सरपंच बोले- सरकारी है, किसानों ने कहा- कोर्ट ने दिया मालिकाना हक

अर्थ प्रकाश/जयबीर राणा थंबड

**बराड़ा, 14 अक्तूबर।** गांव अधोया में पानी की खाल की जगह को लेकर मामला गर्मा गया है। अधोया हिंदुआन के सरपंच प्रतिनिधि कैलाश कुमार ने बताया कि बराड़ा के दहिया माजरा रोड पर स्थित बाजीगर बस्ती है। जिसका रकबा और वोट अधोया हिंदुआन के अधीन आते हैं। इस बस्ती में पानी निकासी का कोई प्रबंध नहीं है। इसके अलावा बस्ती वालों ने एक लिखित मांगपत्र बराड़ा के एसडीएम को दिया था। बस्ती के लोगों ने मांगपत्र में यह भी लिखा था कि उनके घरों के पास से करीब 22 फुट का सरकारी खाल जाता है, जिसपर अब किसानों ने खेत काट रखे हैं। यदि यह खाल खुदवाई जाए तो उनकी पानी निकासी की समस्या हल हो जाएगी। एसडीएम द्वारा इस संबंध में पंचायत अधिकारियों को जांच के निर्देश दिए। नंबरदार कैलाश कुमार ने बताया कि इसके बाद सरंपच द्वारा ग्राम पंचायत का रेजुलेशन डालकर विभाग से खाल की पैमाइश और खुदाई कराने की मांग की। पैमाइश और खुदाई के दौरान पुलिस सुरक्षा की भी मांग की गई। जिसके बाद मंगलवार को डयूटी मजिस्ट्रेट पंचायत विभाग के एसडीओ शिवम चंदा की अगुवाई में कानूनगो सोनिया और उनकी टीम मौके पर पहुंची और खाल की पैमाइश करवाई। कानूनगो सोनिया ने बताया कि इस सबंध में बीडीपीओ कार्यालय की तरफ से तहसील कार्यालय को पत्र भेजा गया था। जिसके बाद वह आज पैमाइश करने पहुंचे। उन्होंने बताया कि यह खाल 22 फुट का है जिसका कुल क्षेत्र19 कनाल 7 मरले का है। वहीं, डयूटी मजिस्ट्रेट शिवम चंदा ने कहा कि विभाग के निर्देशानुसार खाल की पैमाइश करवाई गई है।

वहीं इस संबंध में किसान राजकुमार सांगवान और इन्द्रजीत ने बताया कि उनके खेतों से गुजरने वाला यह खाल पंचायती टयूबवैल के लिए था। जिसके माध्यम से किसानों के खेतों में पानी जाता था। उन्होंने कहा कि सितंबर में कोर्ट ने आदेश दिए कि किसानों को उन जमीनों का मालिकाना हक दे दिया जो उनकी जमीन के साथ लगते हैं और जिन जमीनों का किसानों को कोई मुआवजा नहीं मिला। इसलिए अब इस खाल पर उनका हक है। मंगलवार को जब पंचायत विभाग की टीम पैमाइश के लिए पहुंची तो हमने उन्हें रोका नहीं बल्कि उन्हें कोर्ट के आदेशों की प्रति दिखाई। इस संबंध में वह बुधवार सुबह बराड़ा के एसडीएम से मिलकर अपना पक्ष रखेंगे।

> पंचायत की तरफ से आज पैमाइश और पुलिस सुरक्षा की मांग की गई थी। विभाग द्वारा सुरक्षा के बीच खाल की पैमाइश करवाई गई है। विभाग की ओर से जो उन्हें निर्देश मिले थे, उनके अनुसार टीम ने आज पहुंचकर खाल की पैमाइश करवाई।
>
> **सुशील मंगला, बीडीपीओ बराड़ा**

# बीआरडीएम स्कूल में रही दीपावली मेले की धूम

रंगारंग प्रस्तुतियों पर झूमें छात्र, एक दिया सैनिकों के नाम प्रस्तुति ने कर दर्शकों की आंखें नम

अर्थ प्रकाश संवाददाता

**कैथल, 14 अक्तूबर।** बीआरडीएम पब्लिक स्कूल में दीपावली उत्सव 2025 का आयोजन बड़े हर्षोल्लास और उत्साह के साथ किया गया। विद्यालय परिसर को रंग बिरंगी झालरों, दीपों और फूलों से सजाया गया था। चारों ओर जगमगाते दीपकों और बच्चों के उत्साह से पूरा वातावरण भक्तिमय और आनंदमय बना हुआ था। कार्यक्रम की अध्यक्षता एसएस सोसाइटी के चेयरमैन रविभूषण गर्ग ने की जबकि वे मुख्य अतिथि के रूप में भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्रीराम के चरणों में दीप प्रज्वलन और मंगलाचरण से हुआ। विद्यालय के शिक्षकों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर मुख्य अतिथि का हार्दिक स्वागत किया। कार्यक्रम की शुरुआत कक्षा नौवीं के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत सैनिकों को समर्पित देशभक्ति कोरियोग्राफी से हुई। एक दिया देश के सैनिकों के नाम शीर्षक से दी गई यह प्रस्तुति दर्शकों की आंखें नम कर गई। बच्चों ने दीपावली के इस पावन पर्व पर देश की सीमाओं की रक्षा में तैनात जवानों के प्रति कृतज्ञता और सम्मान व्यक्त किया। इसके बाद नर्सरी और केजी कक्षा के नन्हे-मुन्ने बच्चों ने बॉलीवुड गीतों पर रंगारंग नृत्य प्रस्तुत कर सबका मन मोह लिया। उनके मासूम हावभाव और सुंदर पोशाकों ने दर्शकों से खूब तालियां बटोरीं। कक्षा दसवीं के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत जोशीले भांगड़े ने पूरे सभागार को ऊर्जा और जोश से भर दिया। वहीं विद्यालय की छात्राओं ने हरियाणवी और पंजाबी गीतों पर अपनी बेहतरीन प्रस्तुतियों से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए चेयरमैन रविभूषण गर्ग ने कहा कि दीपावली का पर्व अंधकार से प्रकाश की ओर, बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक है। ऐसे आयोजन बच्चों में न केवल आत्मविश्वास बढ़ाते हैं बल्कि भारतीय संस्कृति, परंपरा और नैतिक मूल्यों से भी जोड़ते हैं।

# नारायण सेवा केंद्र द्वारा दिव्यांगजनों हेतु नि:शुल्क छात्रावास सुविधा शुरू

अर्थ प्रकाश/ओम प्रकाश

**कैथल, 14 अक्तूबर।** नारायण सेवा संस्थान द्वारा संचालित नारायण सेवा केंद्र द्वारा आज दिव्यांगजनों के लिए निशुल्क छात्रावास सुविधा की शुरुआत की गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि एवं प्रमुख दानदाता बलवान ने रिब्बन काटकर शुभारंभ किया। कार्यक्रम में संस्थान के राष्ट्रीय शाखा प्रमुख डॉ विवेक गर्ग, कैथल शाखा संयोजक दुर्गा प्रसाद, नरवाना शाखा संयोजक राजेंद्र पाल गर्ग, सेवा प्रचारक मनोज गर्ग, प्रवीन जिंदल, कैथल सेंटर इंचार्ज पंकज शर्मा एवं दिव्यागजन उपस्थित रहे। इस नई सुविधा का उद्देश्य ऐसे दिव्यांग विद्यार्थियों को सुरक्षित, समर्पित और सुलभ आवास उपलब्ध कराना है जो नारायण सेवा केंद्र में व्यवसायिक प्रशिक्षण के लिए अन्य स्थानों से कैथल आते हैं। मुख्य अतिथि ने कहा कि दिव्यांगजनों के आत्मनिर्भर जीवन की दिशा में नारायण सेवा संस्थान का यह कदम अतुलनीय और प्रेरणादायक है। उन्होंने आगे भी हर संभव सहयोग देने का आश्वासन दिया। नारायण सेवा केंद्र के प्रतिनिधियों और डा. विवेक गर्ग ने बताया कि यह छात्रावास पूर्ण रूप से निःशुल्क है और इसमें रहने वालों के लिए भोजन, अध्ययन सामग्री तथा आवश्यक चिकित्सकीय सहायता की भी व्यवस्था की गई है। उन्होंने इस निस्वार्थ सहयोग के लिए बलवान का संस्थान की ओर से धन्यवाद किया। शाखा संयोजक दुर्गा प्रसाद ने सभी भामाशाहों से निरंतर सहयोग की अपील की।

# प्राथमिक चिकित्सा की जानकारी होने पर आपात समय में दे सकते हैं जीवनदान: बेनीवाल

अर्थ प्रकाश/ओम प्रकाश

**कैथल, 14 अक्तूबर।** जाट शिक्षण संस्थान में जिला रेड क्रॉस सोसाइटी कैथल द्वारा सीपीआर जागरूकता सप्ताह के तहत विशेष प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण सत्र में मुख्य अतिथि के तौर पर जाट हाई स्कूल सोसाइटी के प्रधान राजकुमार बेनीवाल ने शिरकत की। कार्यक्रम में पहुंचने पर जाट कॉलेज के प्राचार्य डॉ दिनेश सिंह ढिल्लों ने मुख्य अतिथि राजकुमार बैनिवाल, जिला रेड क्रॉस सचिव रामजीलाल, प्रशिक्षण अधिकारी डॉ बीरबल, प्राथमिक चिकित्सा होम नर्सिंग प्रवक्ता दीपक कुमार व अन्य प्रबंधन समिति सदस्यों का स्वागत किया। मुख्य अतिथि ने कहा कि सीपीआर की जानकारी होने पर हम किसी व्यक्ति जिसे अचानक हार्ट अटैक आ जाए या पानी में डूब जाए एक्सीडेंट हो जाए या सामान्य चलते हुए भी बेहोश हो जाए आदि विभिन्न समस्या होने पर प्राथमिक उपचार के माध्यम से जीवनदान दे सकते हैं। जिला प्रशिक्षण अधिकारी डॉ. बीरबल ने बताया कि प्रशिक्षण शिविर का मुख्य उद्देश्य भारत सरकार के स्वास्थ्य व बाल कल्याण विभाग द्वारा 13 अक्टूबर से 17 अक्टूबर तक सीपीआर जागरूकता सप्ताह मनाते हुए आमजन को सीपीआर बारे जागरूक करना है। प्रशिक्षण में प्राथमिक चिकित्सा व नर्सिंग प्रवक्ता दीपक कुमार ने डेमो देकर सीपीआर के बारे में जागरूक किया। इस अवसर पर जाट हाई स्कूल सोसाइटी के उप प्रधान बलजिंदर बनवाला, महासचिव एडवोकेट रश्मि ढुल, कोषाध्यक्ष बलकार नैन व सदस्य डॉ. सत्यवान माजरा, दलबीर कैरों, महावीर राविश, महावीर कुंडू, कुलदीप सिंह, विक्रम सोंगल, रजत रापड़िया, जसवीर मानस, राजपाल गुहणा, सन्नी चौशाला, स्वतंत्र पाल सिंह व कॉलेज स्टाफ सदस्य राजपाल चहल, अनिल कुमार, डा. सुधीर कुमार, प्रदीप श्योकंद आदि उपस्थित रहे।

# पानी से भरा मौजगढ़ रेलवे अंडरपास, लोगों को हो रही परेशानी

अर्थ प्रकाश/जयबीर राणा थंबड

**बराड़ा, 14 अक्तूबर।** अम्बाला-सहारनपुर रेलमार्ग पर बराड़ा में बने अंडरपास में जरा सी बारिश होने से पानी खड़ा हो जाता है। हालांकि जब से यह अंडरपास बने हैं तभी से लोग इन पर सवालिया निशान लगा रहे हैं। क्योंकि ना तो इनमें से पानी निकासी हो पाती है और इसकी दीवारों से भी पानी रिसता रहता है जो अंडरपास में जमा हो जाता है। पानी भरने का खामियाजा यहां के लोगों को भुगतना पड़ता है। क्योंकि कई गांवों के लोगों को इन्हीं अंडरपास से बराड़ा में आना-जाना पड़ता है, लेकिन पानी भरा होने के कारण उन्हें काफी दूरी तय करके अन्य मार्ग से आना पड़ता है। लोगों का कहना है कि जब से यह अंडरपास बने हैं तभी से लोग परेशान हैं। इससे अच्छा तो यहां फाटक थे, कम से कम पानी की समस्या तो नहीं रहती थी। पिछले दिनों में बारिश में इन अंडरपास में पानी भरा रहा। लेकिन अब बिना बारिश के भी मौजगढ़ के पास रेलवे अंडरपास में पानी भर रहा है। हैरानी वाली बात है कि अंडरपास में नीचे से पानी के फव्वारे फूट रहे हैं, जिसका सारा पानी अंडरपास में जमा हो रहा है। जमीन से ऐसे पानी निकल रहा है मानों जमीन में नल लगे हों। कई जगह से यह पानी काफी मात्रा में निकल रहा है। इसके अलावा अंडरपास की दीवारें भी रिस रही हैं। जिस कारण अंडरपास में करीब डेढ़-दो फुट पानी भर गया है। इसी गंदे पानी के बीच से लोग जान जोखिम में डालकर गुजर रहे हैं।

**कई गांवों के लोग रोजाना गुजरते हैं इस अंडरपास से:** दरअसल यह अंडरपास गांव राजोखेड़ी, सुभरी, उगाला, सज्जन माजरी, दादुपुर, तंदवाल, तंदवाली, सोहाता, खानपुर समेत कई गांवों को बराड़ा से जोड़ता है और रोजाना भारी संख्या में लोग यहां आवागमन करते हैं। लेकिन अंडरपास में पानी भरा होने के कारण उन्हें काफी परेशानी उठानी पड़ रही है। जिस हिसाब से इसमें पानी भरा खड़ा है और दीवारों से पानी रिस रहा है, ऐसे में लोगों को खतरा बना हुआ है कि कोई हादसा ना हो जाए। जागृति सेवा ट्रस्ट के संस्थापक डॉ. कुलदीप शर्मा और इनेलो महिला जिलाध्यक्ष रीटा केसरी ने कहा कि बराड़ा रेलवे स्टेशन के पास और मौजगढ़ के पास बने दोनों अंडरपास में हर वर्ष बुरा हाल रहता है। यहां के लोग लगातार रेलवे प्रशासन से मांग कर चुके हैं कि यहां निकासी का उचित प्रबंध किया जाए, लेकिन फिर भी हाल जस के तस हैं। हालांकि पिछले दिनों मौजगढ़ रेलवे अंडरपास में पानी के कारण स्लैब टूट गए थे, जिस कारण इस अंडरपास से कई

> इस मामले की जानकारी संबंधित विभाग को दी जाएगी ताकि लोगों से जुड़ी इस समस्या का समाधन हो सके।
>
> **एनके झा, वरिष्ठ वाणिज्य प्रबंधक, अंबाला मंडल।**

# सोसायटी में दो दिन में डॉग बाइट के तीन मामले आए सामने

पिछले करीब एक महीने में दस लोगों को काट चुके हैं लवारिस कुत्ते, लोग परेशान

सीसीटीवी में कैद हुई घटना

अर्थ प्रकाश/संदीप सिंह बावा

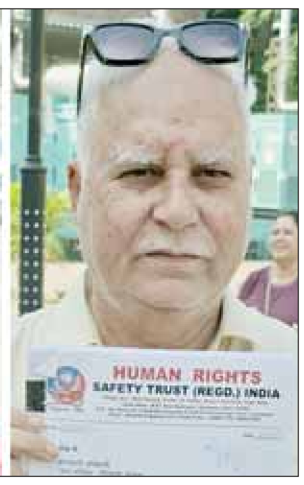

**जीरकपुर, 14 अक्तूबर।** वीआईपी रोड़ पर स्थित निर्मल छाया सोसायटी में पिछले दो दिन में लावारिस कुत्तों द्वारा तीन लोगो को काटा गया है। जिनमें एक 13 वर्षीय युवती व दो महिलाओं को काटा है। जिनका निजी व सरकारी अस्पताल में इलाज करवाया जा रहा है। मंगलवार को सुबह करीब 11 बजे एक लवारिश कुत्ते ने 13 वर्षीय ज्योति को काट लिया, यह पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हो गई। युवती के शोर मचाने पर आसपास के लोग इकठा हो गए और युवती को बचाया। जिसके बाद युवती को निजी अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती करवाया गया। मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने बताया के एक दिन पहले सोमवार को भी इसी कुत्ते ने काम करने वाले दो महिलाओं ललिता व कुसुम को काट लिया था। जिसे लेकर सोसायटी में डर का माहौल बना हुआ है और प्रसाशन से इस समस्या से छुटकारे की मांग की जा रही है। इस समस्या को लेकर स्थानीय लोगों द्वारा नगर परिषद के कार्यकारी अधिकारी को लिखित शिकायत भी दी है। सोसायटी निवासियों रूचि गुप्ता, शिखा विज, इंदु जिंदल, वंदना, संतोष गर्ग, अंशु सेठी, निर्मल बंसल, संतोष, नीलम, आशा राणी, पूनम वर्मा ने बताया कि उनकी सोसायटी में पिछले तीन सप्ताह में दस लोगों को काटा है। जिसे लेकर लोगों ने बच्चों को बाहर खेलने को भेजने के लिए गुरेज किया जा रहा है। लावारिस कुत्तों का इतना आतंक है के सैर करने के लिए निकलते हैं तो हाथों में डंडे लेकर निकलना पड़ता है। लोगों ने बताया के कुत्तों का डर इतना ज्यादा है के लोग एकेले घर से निकले से घबराते है। लोगों ने बताया के उनकी सोसायटी काफी सेफ मानी जाती है लेकिन मौजूद समय में वह भी डर के साए में जीने को मजबूर है। लोगों ने शिकायत में लिखा है के वीआईपी रोड पर बड़ी बड़ी सोसायटियां है और विधायक का दफ्तर भी मौजूद है। बावजूद इसके कोई सुधार नही हो रहा है। लोग दो पहिया वाहन पर निकलते है तो सड़कों पर घूमते लावारिस कुत्ते पीछे पड़ जाते है। जिस कारण कई हादसे भी हो रहे है। लोगों ने नगर परिषद के कार्यकारी अधिकारी को लिखित शिकायत में लावारिस कुत्तों कि समस्या से झूटकारा दिलाने की मांग की है।

**दिन प्रति दिन बढ़ रहे हैं डॉग बाइट के मामले:** शहर में डॉग बाइट के मामले दिन प्रति दिन बढ़ते जा रहे है। लेकिन उसके समाधान के लिए नगर परिषद नाकाम साबित हो रही है। हालांकि नगर परिषद द्वारा डॉग पाउंड बनाया गया है लेकिन अब पूरी तरह चालू नही है। बता दें के पिछले दो महीने से टैंडर खत्म होने के कारण स्ट्रेलाईजेशन का काम बंद पड़ा है। जबकि डॉग 2018 में बना दिया गया था लेकिन वह कई वर्ष बंद ही रहा था। जिस कारण शहर में लावारिस कुत्तों की संख्या इतनी ज्यादा बढ़ गई है के लोगों को घरो में कैद रहना पड़ रहा है। आंकड़ों की बात करें तो शहर में रोजाना पांच से 7 डॉग बाइट के मामले समने आ रहे है। बावजूद इसके इस समस्या का ठोस समाधान नही किया जा रहा है। इससे पहले भी डॉग बाइट के दर्जनों बेहद खतरनाक मामले डॉग बाइट के सामने आ चुके है।

स्ट्रेलाइजेशन का काम पहले चल रहा था, टैंडर के चलते पिछले दो महीने से काम बंद है। नए टैंडर के लिए मता हैड ऑफिस भेजा हुआ है। उमीद है के अगले सप्ताह तक पास हो जाएगा और स्ट्रलाइजेशन का काम साथ की साथ शुरू कर दिया जाएगा।

-रंजीत सिंह, सेनेटरी इंस्पेक्टर नगर परिषद जीरकपुर।

## न्यूज ब्रीफ

### जरूरतमंद कन्याओं का विवाह करवाएगा 'एक उम्मीद किरण फाउंडेशन'

**कैथल (अप्रस)।** समाज सेवा के क्षेत्र में सक्रिय संस्था 'एक उम्मीद किरण फाउंडेशन' द्वारा मार्च 2026 में गरीब व जरूरतमंद कन्याओं के सामूहिक विवाह का आयोजन किया जाएगा। इस पुनीत कार्य की जानकारी संस्था की संस्थापक श्रीमती निधि मोहन ने दी। निधि मोहन ने बताया कि संस्था निरंतर सामाजिक upliftment के कार्य कर रही है। समय-समय पर फ्री मेडिकल चेकअप कैंप, शिक्षा सहायता, एवं रोजगार मार्गदर्शन कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। उनका कहना है, 'हरियाणा में अब कोई बच्चा शिक्षा से वंचित नहीं रहेगा और कोई भी युवा बेरोजगार नहीं रहेगा। हम घर-घर तक सरकार की योजनाएं पहुँचाएंगे।' निधि मोहन हरियाणा सरकार की योजनाओं एवं भाजपा की नीतियों का प्रचार-प्रसार भी करती हैं, जिससे कि अधिक से अधिक लोगों तक सरकारी सहायता और कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुँच सके। एक उम्मीद किरण फाउंडेशन की यह पहल समाज के उन वर्गों के लिए आशा की किरण बनकर सामने आ रही है, जिन्हें वास्तव में सहायता की जरूरत है।

### मंडियों में नहीं हो रही धान की एमएसपी पर खरीद, किसानों में रोष

**कैथल (अप्रस/ओम प्रकाश)।** हरियाणा की अनाज मंडियों में अब तक धान की सरकारी न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद शुरू नहीं हो पाई है। कैथल अनाज मंडी में मंगलवार को किसान, मजदूर व कमेरा वर्ग यूनियन की टीम ने पहुंचकर विरोध जताया। किसान नेताओं ने आरोप लगाया कि नमी का बहाना बनाकर खरीदार धान 200 से 300 रुपए प्रति क्विंटल कम दाम पर खरीद रहे हैं, जबकि केंद्र सरकार द्वारा एमएसपी 2389 रुपये प्रति क्विंटल तय की गई है। युवा किसान नेता नरेंद्र मागो ने कहा कि कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा अब किसी भी मंडी में किसानों की सुध नहीं ले रहे। किसानों को औने-पौने दामों पर लूटा जा रहा है और प्रशासन मूकदर्शक बना हुआ है। किसान नेता महाबीर चहल नरड़ ने कहा कि राइस मिलरों और अधिकारियों की मिलीभगत से किसानों की फसल कम दामों पर खरीदी जा रही है जबकि बाहर के प्रदेशों से धान मंगवाकर मिलों में भरा जा रहा है। मार्केट कमेटी और मार्केटिंग बोर्ड के उच्च अधिकारी सभी नियम-कायदों को ताक पर रख अनजान बने बैठे हैं। उन्होंने कहा कि पहले बरसात और बौना वायरस की बीमारी ने फसल को नुक़सान पहुंचाया और अब बची हुई फसल को मिल मालिक कम रेट देकर किसानों को पूरी तरह तबाह कर रहे हैं। चहल ने आरोप लगाया कि सरकार और प्रशासन मिलकर किसानों को बर्बाद करने पर तुला है। कैथल मंडी में इस समय धान 2100 से 2200 रुपये प्रति क्विंटल में बिक रही है, जो एमएसपी से 150-200 रुपये कम है। इस मौके पर दिलबाग भैनी माजरा, कृष्ण मालखेड़ी, धर्मा गुर्जर, दीपक, जोगेंद्र कुंडू सहित कई किसान मौजूद रहे।

### सेक्टर 19 में महिलाओं ने मनाया अहोई अष्टमी का त्योहार

**कैथल (अप्रस)।** कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी के दिन सनातन धर्म में माताएं अपने बच्चों की दीर्घायु, अच्छे स्वास्थ्य, सुरक्षा व समृद्धि के लिए अहोई माता का व्रत रखती हैं और अहोई माता की पूजा करती हैं। कैथल सेक्टर 19-1 में भी महिलाओं ने सुबह लगभग 4 बजे सरगी का सेवन कर अहोई अष्टमी का व्रत रखा। सुबह 10 बजे सभी महिलाओं ने इकट्ठे होकर कीर्तन शुरू किया जो दोपहर एक बजे तक चला। अहोई माता के भजन गाए व युवा माताओं और कन्याओं को सनातन संस्कृति व रीति-रिवाज के बारे में बताया। इसके बाद अहोई अष्टमी की कथा सुनी अपने अपने घरों में अहोई माता की मूर्ति की स्थापना की व पूजा अर्चना कर बच्चों की दीर्घायु व सुख समृद्धि की कामना की। रात को आसमान में तारों के दर्शन कर जल दिया, घर के बच्चों व पुरुषों को भोजन कराया। उसके बाद महिलाओं ने खुद भोजन किया। रात 9 बजे फिर कीर्तन शुरू हुआ जो रात 11 बजे तक चला। सबने हर्षोल्लास अहोई अष्टमी का त्योहार मनाया।

# अमेरिका के भारत पर टैरिफ से भारत के डायमंड और स्वर्ण ज्यूलरी कारोबारियों को फायदा होगा : ढोलकिया

अर्थ प्रकाश/शैलेंद्र जैन

**करनाल, 14 अक्तूबर।** हरि कृष्णा ग्रुप के संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक घनश्याम ढोलकिया ने कहा है कि अमरीका द्वारा भारत पर टैरिफ लगाने से भारत के डायमंड और स्वर्ण ज्यूलरी कारोवारियों को फायदा होगा। उन्होंने कहा कि जब अमरीका में मंहगी ज्यूलरी मिलेगी और भारत में सस्ती होगी तो एनआरआई और वहां के लोग भारत से समान खरीदेंगे। उन्होंने कहा कि विश्व में ज्यूलरी और डायमंड कारौबार पर भारत का कब्जा हैं। भारतीय डिजाइन की धाक पूरे विश्व में हैं। उन्होंने कहा कि अमरीका के टैरिफ लगाने से भारतीय डोमेस्टिक बाजार को फायदा होगा। उन्होंने कहा कि भारत में स्वदेशी ज्यूलरी उद्योग भारत को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा। वह आज किसना डायमंड एंड गोल्ड ज्वेलरी ने हरियाणा के करनाल में कुंजपुरा रोड स्थित अपने छठे एक्सक्लूसिव शोरूम के भव्य उद्घाटन अवसर पर पहुंचें। उन्होने उद्घाटन किया। त्योहारों के इस मौसम का जश्न मनाने के लिए, किसना हीरे के आभूषणों के मेकिंग चार्ज पर 75प्रतिशत तक और सोने के आभूषणों के मेकिंग चार्ज पर 25 प्रतिशत तक की छूट दे रहा है। साथ ही, आईसीआईसीआई बैंक के क्रेडिट और डेबिट कार्ड पर 5 प्रतिशत की अतिरिक्त तत्काल छूट भी दे रहा है। किसना एक विशेष शॉप एंड विन अभियान भी चला रहा है, जिसके तहत उपभोक्ताओं को हीरे और सोने के आभूषणों की खरीद पर 1000 से ज़्यादा स्कूटर और 200 से ज़्यादा कारें जीतने का मौका मिलेगा। हरि कृष्णा ग्रुप के संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक घनश्याम ढोलकिया ने कहा किहरियाणा हमेशा से गौरव और समृद्धि की भूमि रहा है, और त्योहारों के मौसम में इस शोरूम का शुभारंभ उत्सवों की खुशी को और बढ़ा देता है। यह हमें हमारे विजन, हर घर किसना के और करीब लाता है, क्योंकि हम हीरे के आभूषणों को भारत भर की हर महिला तक पहुँचाने की अपनी यात्रा जारी रखे हुए हैं। किसना डायमंड एंड गोल्ड ज्वैलरी के सीईओ, पराग शाह ने कहा- करनाल किसना के खुदरा विस्तार में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। त्योहारों का मौसम हमारे उत्कृष्ट हीरे और सोने के आभूषण संग्रह को पेश करने का एक बेहतरीन अवसर प्रदान करता है, जिसमें आधुनिक कलात्मकता और पारंपरिक शिल्प कौशल का मिश्रण है। हम करनाल के लोगों के उत्सवों और दिलों में किसना की चमक लाने के लिए उत्सुक हैं। किसना के फ्रैंचाइज़ी पार्टनर, गौरव अग्रवाल ने कहा- किसना के साथ साझेदारी करके और करनाल में इसकी विश्वसनीय कारीगरी को पेश करके हमें बेहद खुशी हो रही है। हमारा लक्ष्य ऐसे आभूषण उपलब्ध कराना है जो सुंदरता और भावना दोनों को दर्शाते हों, जिससे हर यात्रा वाकई खास बन जाए। किसना की समुदाय को कुछ वापस देने की प्रतिबद्धता के अनुरूप, ब्रांड ने लॉन्च कार्यक्रम के एक हिस्से के रूप में रक्तदान शिविर का आयोजन किया और वंचितों के लिए भोजन वितरण और वृक्षारोपण अभियान भी चलाया।


**उत्तर रेलवे**

**निविदा सूचना**

मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, उत्तर रेलवे अंबाला छावनी, भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु निर्धारित प्रपत्र पर खुली निविदाएँ आमंत्रित करते हैं।

| | | |
|---|---|---|
| 1 | टैंडर नं | एलपी-01-मेड-सीडीजी, एलपी-01-मेड-एसएमएल, एलपी-01-मेड-केएलके, एलपी-01-मेड-डीयूआई |
| 2 | कार्य का नाम | स्वास्थ्य इकाई चंडीगढ़, शिमला, कालका, धुरी के लिए दो साल के लिए समय-समय पर जारी दवा खरीद नीति और आईआरएमएम के अनुसार दवा, सर्जिकल आइटम और उपभोग्य सामग्री आदि की दिन-प्रतिदिन की खुदरा स्थानीय खरीद के लिए खुदरा आपूर्तिकर्ता का पैनल। |
| 3 | धरोहर राशि / चंडीगढ़ | निविदा संख्या: एलपी-01-एमईडी-सीडीजी के लिए आईआरईपीएस पोर्टल पर उपलब्ध ऑनलाइन भुगतान मोड के माध्यम से 17,500/- रुपये |
| 4 | धरोहर राशि / शिमला | निविदा संख्या: एलपी-01-एमईडी-एसएमएल के लिए आईआरईपीएस पोर्टल पर उपलब्ध ऑनलाइन भुगतान मोड के माध्यम से 3,200/- रुपये |
| 5 | धरोहर राशि / कालका | निविदा संख्या: एलपी-01-एमईडी-केएलके के लिए आईआरईपीएस पोर्टल पर उपलब्ध ऑनलाइन भुगतान मोड के माध्यम से 16,000/- रुपये |
| 6 | धरोहर राशि / धुरी | निविदा संख्या: एलपी-01-एमईडी-डीयूआई के लिए आईआरईपीएस पोर्टल पर उपलब्ध ऑनलाइन भुगतान मोड के माध्यम से 9,600/- रुपये |
| | पूर्णता अवधि | 2 साल |
| | टैंडर जमा करने और खोलने की अंतिम तिथि और समय | 06.11.2025 को 15:00 बजे तक और 06.11.2025 को 15:10 बजे मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, उत्तर रेलवे अंबाला कैंट के कार्यालय में खुलेगा। |
| | उत्तर रेलवे वेबसाइट | https://ireps.gov.in, निविदाकर्ता अपने जोखिम पर बोली लगाना शुरू कर सकते हैं। |

संख्या 43-01-मेड-एलपी-मेडिसिन-एमयू/सीडीजी,
संख्या 43-01-मेड-एलपी-मेडिसिन-एमयू/एसएमएल
संख्या 43-01-मेड-एलपी-मेडिसिन-एमयू/केएलके
संख्या 43-01-मेड-एलपी-मेडिसिन-एमयू/डीयूआई

दिनांक: 13.10.2025

3147/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ



**सार्वजनिक सूचना**

[illegible]

आवेदक: हरीश कुमार, सतीश कुमार और परमजीत



सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय
MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

**72वां राष्ट्रीय फ़िल्म पुरस्कार 2024**

**प्रविष्टि हेतु सूचना**

फ़िल्मों और सिनेमा पर लेखन

पात्रता

❖ फ़ीचर और गैर फ़ीचर फ़िल्म
केंद्रीय फ़िल्म प्रमाणन बोर्ड द्वारा प्रमाणित
फ़िल्में अंग्रेजी सब-टाइटल के साथ

❖ सिनेमा पर प्रकाशित
पुस्तकें एवं लेख/समीक्षाएँ

01/01/2024 – 31/12/2024
(दोनों दिन शामिल)

किसी भी जानकारी के लिए फोन करें – 011-26499370/86
(सुबह 09:30 – शाम 05:00 बजे तक)

विनियम की विस्तृत जानकारी और आवेदन करने के लिए कृपया www.mib.gov.in पर जाएं
आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि: 31/10/2025 (शाम 5 बजे तक)

**सभी अपेक्षित दस्तावेज़ नीचे दिए गए पते पर भेजें :**

**राष्ट्रीय फ़िल्म पुरस्कार सेल**
सूचना और प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार
सिरी फोर्ट सभागार परिसर, अगस्त क्रांति मार्ग
नई दिल्ली-110049

ई-मेल : nfa.mib.gov.in | 72nfa2024@gmail.com
वेबसाइट: www.mib.gov.in

CBC 22201/11/0016/2526



न्यायालय तहसीलदार कम - संयुक्त सब रजिस्ट्रार साहब, जीन्द।

[illegible]

तहसीलदार-कम-संयुक्त सब रजिस्ट्रार साहब, जीन्द।



**सेतु का कार्य**

ई-निविदा सूचना संख्या: LMG/Engg/73 of 2025। नीचे उल्लेखित कार्यों के लिए अधोहस्ताक्षरी द्वारा ई-निविदा आमंत्रित किया गया है। [illegible] निविदा बंद होने की तारीख एवं समय: 06-11-2025 तारीख के 15.00 बजे में एवं खुलेगी: 07-11-2025 तारीख के 15.00 बजे में। [illegible] www.ireps.gov.in वेबसाइट पर उपलब्ध होगी।

डीआरएम (इन्फ्रा)/ लामडिंग

पूर्वोत्तर सीमा रेलवे



**न्यायालय तहसीलदार कम सब रजिस्ट्रार साहिब जीन्द**

मनके हिमांशु एवं तरूण पुत्र सतीश कुमार पुत्र श्री चौधरी राम निवासी वेद नगर कालोनी जीन्द जिला जीन्द बनाम जनरल पब्लिक इस इश्तहार के माध्यम से हर आम खास को सूचित किया जाता है कि हमारे पिता जी श्री सतीश कुमार पुत्र श्री चौधरी राम निवासी वेद नगर कालोनी जीन्द का देहांत दिनांक 07.11.2023 हो चुका है। हमारे पिता जी ने एक वसीयत नंबर 52 दिनाक 05.07.2022 हमारे नाम की थी। जो कि वसीका नं0 2260 दिनांक 12.07.2012 अनुसार मालिक व काबिज थे जिसमें से रकबा 163.75 वर्गमज की मलकियत बाका रकबा गुप्ता कालोनी अमरहेडी रोड रूपया चौक से नहर वाला रोड है जो कि वसीयतनामा अनुसार हमारे नाम दर्ज की थी जिसका प्रोपर्टी आई.डी. नंबर 3KDYGK76 है सहवन गलती से वसीयतनामा नंबर 52 दिनांक 05.07.2022 में वसीका नंबर 2260 दिनांक 12.07.2012 की जगह वसीका नंबर 260 दिनांक 12.07.2012 दर्ज हो गया था जिसकी पूर्णतः जिम्मेवारी हम हिमांशु व तरूण लेते हैं। इस बारे हमने एक संयुक्त ब्यान हल्फिया दे दिया है। अब हम हिमांशु एवं तरूण उक्त जमीन को अपने नाम करवाना चाहते हैं जिसके संबंध में हम प्रार्थीगण ने अपना शपथ पत्र भी प्रस्तुत कर दिया है। इसलिए हर आम व खास को इस नोटिस / इश्तहार के माध्यम से सूचित किया जाता है कि उक्त वसीयत अनुसार जमीन नाम करवाने बारे किसी को कोई शक या इतराज हो तो वह स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से इस नोटिस के प्रकाशन के उपरान्त 15 दिन के अन्दर अन्दर इस कार्यालय के कार्यदिवस पर अपना इतराज प्रस्तुत कर सकता है। अन्यथा उपरोक्त तथ्यों के आधार पर पंजिकरण कर दिया जावेगा। यह नोटिस बाबत इश्तहार ओज दिनांक 14/10/25 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मोहर द्वारा जारी किया गया।

तहसीलदार-कम-सब रजिस्ट्रार साहिब जीन्द



**न्यायालय तहसीलदार-कम-सब रजिस्ट्रार साहिब जीन्द।**

मनके मंजू बाला पत्नी स्व0 श्री सतीश कुमार निवासी पटियाला चौक जीन्द जिला जीन्द बनाम जनरल पब्लिक इस इश्तहार के माध्यम से हर आम व खास को सूचित किया जाता है कि मेरी सास श्रीमती लाजवंती पत्नी अमीरचन्द निवासी पटियाला चौंक जीन्द जिला जीन्द का देहान्त दिनांक 25.04.2000 को हो चुका है व मेरे ससुर अमीरचन्द का देहान्त 50 वर्ष पहले ही हो चुका है। मेरे पति सतीश कुमार पुत्र अमीरचन्द का देहान्त दिनांक 03.11.2024 को हो चुका है एंव मेरे देवर सुभाष पुत्र अमीरचन्द का देहान्त 21.12.2023 को हो चुका है। इनकी मृत्यु के पश्चात इनके निम्नलिखित वारिस हैं:- 1. नरेश पुत्र स्व0 अमीरचन्द 2. मंजू बाला पत्नी स्व0 सतीश कुमार 3. पूजा 4. दीपमाला पुत्रीयान स्व0 सतीश कुमार 5. पारस पुत्र स्व0 सतीश कुमार, 6. ज्योति पत्नी स्व0 सुभाष, 7. गुंजन पुत्री स्व0 सुभाष, 8. दीपक पुत्र स्व0 सुभाष। इनके अलावा उक्त मृतक का दीगर वारिस नही है जिसके संबंध मे प्रार्थी ने अपना शपथ पत्र भी प्रस्तुत कर दिया है। इसलिए हर आम व खास को इस नोटिस / इश्तहार के माध्यम से सूचित किया जाता है कि उपरोक्त मृतक के बताए गए वारसान / उत्तराधिकारी के बाबत कोई शक या इतराज हो तो वह स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से इस नोटिस के प्रकाशन के उपरान्त 30 दिन के अन्दर अन्दर इस कार्यालय के कार्यदिवस पर अपना इतराज प्रस्तुत कर सकता है। अन्यथा उपरोक्त तथ्यों के आधार पर पंजिकरण कर दिया जावेगा। यह नोटिस बाबत इश्तहार आज दिनांक 14/10/2025 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मोहर द्वारा जारी किया गया।

तहसीलदार कम-सब रजिस्ट्रार साहिब जीन्द



संपदा कार्यालय, यूटी., चंडीगढ़

**सार्वजनिक सूचना**

**संपदा अधिकारी, यूटी., चंडीगढ़ की शक्तियों के निर्वहन में श्री नवीन, डेनिक्स, सहायक संपदा अधिकारीके समक्ष**

**विषय:** क्र.सं. 2857, बुक सं. 1, वॉल सं., पृष्ठ सं., दिनांक 26.08.2008 पर पंजीकृत, बिक्री विलेख के आधार पर 100.00% हिस्से के विस्तार तक रिहायशी स्थल 26, सेक्टर 23-डी, चंडीगढ के संबंध में स्वामित्व हस्तांतरण के संबंध में।

आम जनता एवं सभी संबंधित की जानकारी हेतु एतदद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि इस कार्यालय के रिकार्ड के अनुसार, श्री सुरेश्वर लाल साही 100.00% हिस्से के विस्तार तक रिहायशी स्थल सं. 26, सेक्टर 23-डी, चंडीगढ के स्वामी/लीजी है।

श्री कमलजीत कौर ने जीपीए/एसपीए गुरदेव सिंह के माध्यम से सूचित किया गया है कि श्री सुरेश्वर लाल साही100.00% हिस्से के विस्तार उक्त कथित संपत्ति के स्वामी हैं, ने 26.08.2008 को कमलजीत कौर के पक्ष में जीपीए/एसपीए गुरदेव सिंह के माध्यम से 100.00% हिस्से के विस्तार तक बिक्री विलेख निष्पादित की है और जो कार्यालय सब रजिस्ट्रार, यूटी, चंडीगढ़ में क्र.सं. 2857, बुक सं. 1, वॉल सं., पृष्ठ सं., दिनांक 26.08.2008 पर पंजीकृत है। अब, कमलजीत कौर ने जीपीए/एसपीए गुरदेव सिंह के माध्यम से बिक्री विलेख दिनांक 26.08.2008 के आधार पर अपने पक्ष में उक्त कथित संपत्ति के 100.00% हिस्से के हस्तांतण हेतु आवेदन किया है।

यदि किसी व्यक्ति को उक्त नामतः आवेदकों के पक्ष में कथित संपत्ति में कथित हिस्से के हस्तांतरण के विरूद्ध कोई आपत्ति है, तो वह इस सूचना के प्रकाशन के 30 दिनों के भीतर अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में (मजीस्ट्रेट/नोटरी द्वारा पूर्ववत सत्यापित शपथपत्र के साथ समर्थित) लिखित में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता/सकती/सकते हैं, जिसमें असफल होने पर कथित संपत्ति में कथित हिस्सा उक्त नामतः लाभार्थियों के नामों में उक्त अनुसार हस्तांतरित कर दिया जाएगा एवं बाद में कोई दावा विचारणीय नही होगा।

**नवीन, डेनिक्स, सहायक संपदा अधिकारी, संपदा अधिकारी, यूटी., चंडीगढ़ की शक्तियों का निर्वहन करते हुए**



ਗਰੇਟਰ ਮੋਹਾਲੀ ਏਰੀਆ ਡਿਵੈਲਪਮੈਂਟ ਅਥਾਰਿਟੀ, ਪੁੱਡਾ ਭਵਨ, ਸੈਕਟਰ-62, ਸਾਹਿਬਜ਼ਾਦਾ ਅਜੀਤ ਸਿੰਘ ਨਗਰ।
ਮਿਲਖ ਦਫਤਰ (ਹਾਊਸਿੰਗ)
(ਜਨਤਕ ਸੂਚਨਾ)

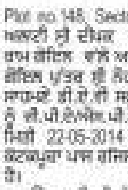

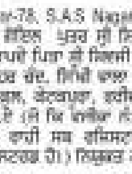

Plot no.148, Sector-78, S.A.S Nagar [illegible]

ਖਪਤਕਾਰ (ਪ)
ਗਮਾਡਾ, ਐਸ.ਏ.ਐਸ ਨਗਰ।



ਗਰੇਟਰ ਲੁਧਿਆਣਾ ਏਰੀਆ ਵਿਕਾਸ ਅਥਾਰਟੀ, ਗਲਾਡਾ ਕੰਪਲੈਕਸ, ਰਾਜਗੁਰੂ ਨਗਰ, ਫਿਰੋਜ਼ਪੁਰ ਰੋਡ, ਲੁਧਿਆਣਾ
ਜਨਤਕ ਸੂਚਨਾ

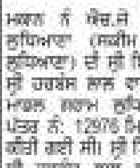

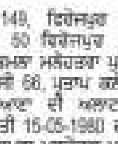

[illegible]

ਮਿਲਖ ਅਫਸਰ
ਗਲਾਡਾ ਲੁਧਿਆਣਾ



ਗਰੇਟਰ ਮੋਹਾਲੀ ਏਰੀਆ ਡਿਵੈਲਪਮੈਂਟ ਅਥਾਰਿਟੀ, ਪੁੱਡਾ ਭਵਨ, ਸੈਕਟਰ 62, ਐਸ.ਏ.ਐਸ. ਨਗਰ
(ਜਨਤਕ ਸੂਚਨਾ)

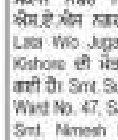

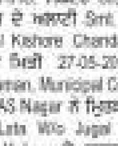

ਮਕਾਨ ਨੰਬਰ H-616, ਸੈਕਟਰ-55, ਫੇਜ਼-1, ਐਸ.ਏ.ਐਸ ਨਗਰ ਦੇ ਅਲਾਟੀ Smt. Nimesh Lata W/o Jugal Kishore Chandan/Jugal Kishore ਦੀ ਮੌਤ ਮਿਤੀ 27-05-2023 ਨੂੰ ਹੋ ਗਈ ਹੈ। Smt. Suman, Municipal Councilor, Ward No. 47, SAS Nagar [illegible]

1. Dheeraj Chandan Son
2. Neeraj Chandan Son (Unmarried expired on 21.3.20)

[illegible]

ਮਿਲਖ ਅਫਸਰ (ਹ),
ਗਮਾਡਾ, ਐਸ.ਏ.ਐਸ ਨਗਰ।

# मुख्य सचिव का शहर में सड़कों, सरकारी और संस्थागत भवनों पर फोकस

इंजीयरिंग विभाग के अधिकारियों को परियोजनाओं के समय पर क्रियान्वयन के निर्देश दिए

अर्थ प्रकाश संवाददाता

**चंडीगढ़, 14 अक्टूबर।** केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के मुख्य सचिव, राजेश प्रसाद ने सड़कों, सरकारी और संस्थागत भवनों से संबंधित महत्वपूर्ण निर्माण और रखरखाव परियोजनाओं की प्रगति के संबंध में इंजीनियरिंग विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए। वह मंगलवार को प्रेरणा पुरी सचिव (इंजीनियरिंग), सी. बी. ओझा, मुख्य अभियंता, तथा इंजीनियरिंग विभाग के सभी अधीक्षण अभियंता के साथ बैठक कर रहे थे। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इंजीनियरिंग विभाग शहर के बुनियादी ढांचे की योजना, विकास और रखरखाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और परियोजनाओं का समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित किया जाना चाहिए। मुख्य सचिव ने विभाग को परियोजनाओं के निष्पादन में आने वाली बाधाओं की बारीकी से निगरानी करने और उनकी पहचान करने तथा जहाँ अंतर-विभागीय मुद्दे शामिल हैं, वहां अन्य विभागों के परामर्श से उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। मुख्य सचिव ने कुशल शासन, सतत बुनियादी ढाँचे और इसकी स्थापत्य और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के माध्यम से चंडीगढ़ को एक आदर्श शहर बनाने के प्रशासन के संकल्प को दोहराया।

### विभाग में कर्मियों की संख्या बढ़ाने पर विचार

मुख्य सचिव ने शहर के बुनियादी ढांचे को उसकी बढ़ती प्रशासनिक और नागरिक आवश्यकताओं के अनुरूप बनाए रखने के लिए नवीनीकरण, क्षमता और जवाबदेही की आवश्यकता पर बल दिया। तकनीकी कर्मचारियों की स्वीकृत संख्या, रिक्त पदों और रिक्त पदों को भरने के लिए किए जा रहे प्रयासों के संबंध में एक व्यापक प्रस्तुति दी गई। मुख्य सचिव ने कार्यों के निष्पादन में कार्य कुशलता लाने के लिए, विशेष रूप से तकनीकी संवर्ग में, रिक्त पदों को शीघ्र भरने के निर्देश दिए।

### गृह मंत्रालय की स्वीकृति जरूरी

मुख्य सचिव ने निर्देश दिया कि वित्तीय शक्तियों के संशोधित प्रत्यायोजन के मद्देनजर, जिन नए प्रस्तावों/योजनाओं के लिए गृह मंत्रालय की स्वीकृति आवश्यक है, उन्हें सहमति के लिए शीघ्रता से मंत्रालय को प्रस्तुत किया जाए। उन्होंने विभाग को परियोजनाओं के क्रियान्वयन में समय-सीमा का पालन सुनिश्चित करने और वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए आवंटित बजट का उपयोग करने का भी निर्देश दिया। बैठक के दौरान, मुख्य सचिव को विभाग की प्रमुख पहलों और सर्वोत्तम प्रथाओं से अवगत कराया गया। चंडीगढ़ में बिजली वितरण के निजीकरण को एक ऐतिहासिक सुधार के रूप में देखा गया, जिसका उद्देश्य परिचालन क्षमता बढ़ाना, सेवा वितरण में सुधार करना और पारेषण हानियों को कम करना है।

### शहर में यूनेस्को धरोहर की भी दी जानकारी

यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल, कैपिटल कॉम्प्लेक्स के जीर्णोद्धार और संरक्षण पर भी चर्चा की गई और किए जा रहे कार्यों का विवरण प्रस्तुत किया गया। सड़क रखरखाव के लिए जीआईएस और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीकों को अपनाने की दिशा में विभाग के कदम को शहरी बुनियादी ढाँचे के प्रबंधन के लिए डेटा-संचालित उपकरणों के उपयोग में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा गया। विभाग की ग्रीन इनिशिएटिव, जिनमें पर्यावरणीय रूप से टिकाऊ सामग्रियों का उपयोग, ऊर्जा-कुशल प्रकाश व्यवस्था को बढ़ावा देना और नगर नियोजन में शहरी हरित प्रयासों का एकीकरण शामिल है, से अवगत कराया गया।

### मुख्य सचिव ने परियोजनाओं की समीक्षा की

मुख्य सचिव ने शहर के बुनियादी ढाँचे के विकास में योगदान देने वाली प्रमुख परियोजनाओं की समीक्षा की। इनमें सेक्टर 50 में नया हॉस्टल ब्लॉक, कजहेड़ी स्कूल और सेक्टर 46 में आईटी ब्लॉक उल्लेखनीय हैं, जिन्होंने शैक्षिक और सामुदायिक बुनियादी ढांचे को बढ़ाया है। इसके अतिरिक्त, धनास में 144 सरकारी आवासों और जीएमसीएच-32 में आपातकालीन ब्लॉक के निर्माण को केंद्र शासित प्रदेश के आवास और स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढाँचे को मजबूत करने के उद्देश्य से प्रमुख विकास के रूप में रेखांकित किया गया।

### निगरानी प्रणालियों को मजबूत करने का भी निर्देश

मुख्य सचिव ने निर्देश दिया कि विभिन्न विभागों के बीच समन्वय संबंधी मुद्दों को हल करके और उभरती इंजीनियरिंग तकनीकों को अपनाकर विभिन्न परियोजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने पर ध्यान केंद्रित किया जाए। उन्होंने विभाग को निगरानी प्रणालियों को मजबूत करने का भी निर्देश दिया ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि सभी परियोजनाएँ गुणवत्ता और सुरक्षा के उच्चतम मानकों को पूरा करें। मुख्य सचिव ने भविष्य की पहलों को सतत और नागरिक-केंद्रित शहरी विकास के व्यापक दृष्टिकोण के साथ संरेखित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

# मंडी में अब व्यवस्थाओं को खुद जांचेंगे कृषि सचिव, एक्शन में अधिकारी

- मंडी में अतिक्रमण, अनाधिकृत विक्रेताओं और बढ़ती भीड़ पर लगेगी लगाम, बनी रणनीति
- बैठक में स्कूटर, कार और ट्रक पार्किंग की मार्किंग करने के निर्देश दिए
- आंतरिक सड़कों और पार्किंग के बहाली, मरम्मत, उन्नयन के लिए, एनआईटीटीटीआर की रिपोर्ट का अभी इंतजार

अर्थ प्रकाश संवाददाता

**पंचकूला, 14 अक्तूबर।** सेक्टर 26 मंडी में अतिक्रमण, अनाधिकृत विक्रेताओं का जमावड़ा और लोगों की बढ़ती भीड़ हमेशा से प्रशासन की सिरदर्दी बने रहे हैं। यहां लोगों को पेश आ रही दिक्कतों के समाधान के लिए मंगलवार को खुद कृषि सचिव प्रदीप कुमार ने खुद व्यवस्थाओं की जांच करने का फैसला किया और अधिकारियों को मंडी के विकासात्मक और बुनियादी ढांचे के कार्यों की समीक्षा की। मंडी में खामियों को दूर करने के लिए दिए गए निर्देश के बाद अधिकारी एक्शन में नजर आए। मार्केट कमेटी, चंडीगढ़ के प्रशासक पवित्र सिंह, पीसीएस ने सचिव, कृषि, चंडीगढ़ प्रशासन को स्वच्छता कार्यों की स्थिति, अनधिकृत विक्रेताओं को हटाने और सेक्टर 26 मंडी में भीड़भाड़ कम करने और बेहतरी के लिए उठाए जा रहे अन्य कदमों के बारे में जानकारी दी। इसके अलावा, इंजीनियरिंग विभाग, चंडीगढ़ प्रशासन, पुलिस विभाग, चंडीगढ़ के वरिष्ठ अधिकारी और सेक्टर 26 मंडी की एसोसिएशनों के प्रतिनिधि भी बैठक में उपस्थित थे।

### कंक्रीट सड़कों के निर्माण, एलईडी लाइटों, हाई मास्ट सीसीटीवी का एजेंडा

बैठक का एजेंडा सीमेंट कंक्रीट सड़कों के निर्माण, एलईडी लाइटों, हाई मास्ट सीसीटीवी कैमरों की स्थापना, जन स्वास्थ्य संबंधी कार्यों और सेक्टर 26 मंडी, चंडीगढ़ में स्वच्छता और अतिक्रमण हटाने के कार्यों में और सुधार की स्थिति की समीक्षा पर केंद्रित था। चंडीगढ़ मार्केट कमेटी के प्रशासक ने चंडीगढ़ प्रशासन के कृषि सचिव को सेक्टर 26 मंडी में भीड़भाड़ कम करने और बेहतरी के लिए कई उपायों से अवगत करवाया।

### मंडी में अब इन पर फोकस

प्रशासन का अब मंडी के लिए अतिक्रमण और अनधिकृत विक्रेताओं को हटाने के लिए प्रवर्तन शाखा को मजबूत करने पर फोकस रहेगा। इसके अलावा मंडी में प्रवेश करने वाले वाहनों के बेहतर प्रबंधन के लिए प्रवेश और निकास द्वारों पर बैरियर, बैरिकेड्स लगाना, घोड़ा पार्किंग और चक्की नंबर 3 पार्किंग में जी.आई. (जीआई) पाइप चेन लिंक बाड़ लगाने का फैसला हुआ। एससीएफ नंबर 151 पर पार्किंग का निर्माण, मरम्मत और अनाज मंडी नीलामी प्लेटफॉर्म के चारों ओर जी.आई. जीआई पाइप लगाने के साथ स्कूटर, कार और ट्रक पार्किंग की मार्किंग करना और सब्जी और प्याज, आलू नीलामी प्लेटफॉर्म की मरम्मत और रखरखाव पर बल दिया।

### एनआईटीटीटीआर की रिपोर्ट का अभी इंतजार

इसके अलावा, इंजीनियरिंग विभाग के अधिकारियों ने चंडीगढ़ प्रशासन के कृषि सचिव को बताया कि मंडी स्थित अनाज मंडी सेक्टर 26, चंडीगढ़ में आंतरिक सड़कों और पार्किंग के बहाली/मरम्मत/उन्नयन के लिए, उनका विभाग एनआईटीटीटीआर से परामर्श ले रहा है और एनआईटीटीटीआर की रिपोर्ट का अभी इंतजार है। इसके अलावा, उन्होंने बताया कि रोशनी व्यवस्था के लिए अनुमान और डीएनआईटी को पहले ही मंजूरी मिल चुकी है और टेंडर प्रक्रिया में है।

### विकास कार्यों के समय पर निष्पादन के लिए निर्देश

हाई मास्ट सीसीटीवी कैमरों के संबंध में, अनुमान शीघ्र ही प्रस्तुत किए जाएंगे। बैठक के दौरान, चंडीगढ़ प्रशासन के कृषि सचिव ने इंजीनियरिंग विभाग के अधिकारियों को उपरोक्त कार्यों को पूरा करने के लिए स्पष्ट समय-सीमा साझा करने और कार्य आवंटन के बाद ठेकेदार के साथ उचित समन्वय सुनिश्चित करने, गुणवत्ता के उच्च मानकों को बनाए रखने और विकास कार्यों के समय पर निष्पादन के लिए निर्देश दिए।

### पुलिस कर्मियों को तैनात

इसके अलावा, पुलिस विभाग को निर्देश दिए गए कि वे सेक्टर 26 मंडी क्षेत्र में कुछ और पुलिस कर्मियों को तैनात करें ताकि वाहनों की आवाजाही को नियंत्रित किया जा सके और त्योहारों के मौसम के दौरान यातायात का सुचारू प्रवाह सुनिश्चित किया जा सके, जब वाहनों और आगंतुकों की भारी आवाजाही हो। इसके अलावा, मार्केट कमेटी के अधिकारियों को नियमित रूप से चल रही कार्यप्रणाली के अनुसार प्रवर्तन अभियान चलाने और मंडी की स्वच्छता की स्थिति में सुधार के लिए सभी आवश्यक उपाय करने के सख्त निर्देश दिए गए।

### मंडी की स्वच्छता में हुआ सुधार

इसके अलावा, अनाज मंडी कल्याण संघ, सेक्टर 26, चंडीगढ़ के प्रतिनिधि ने मार्केट कमेटी चंडीगढ़ के चल रहे प्रयासों पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि दिन के समय, सभी विक्रेताओं को हटा दिया गया है और मंडी की स्वच्छता की स्थिति में सुधार हुआ है। उन्होंने आगे बताया कि मार्केट कमेटी द्वारा चलाए गए अतिक्रमण हटाओ अभियान के कारण, अब चल रहे त्यौहारी सीजन के लिए सेक्टर 26 मंडी के प्रवेश/निकास द्वार को टेंट से सजाना संभव हो गया है।

### एक्शन में आए अधिकारी

बैठक के बाद, सभी अधिकारियों ने सेक्टर 26 मंडी का व्यापक दौरा किया और पाया कि समग्र स्थिति में काफी सुधार हुआ है। क्षेत्र में सफाई बढ़ा दी गई है, अनधिकृत विक्रेताओं और अतिक्रमणों को हटा दिया गया है, और सभी आंतरिक सड़कें अब साफ हैं। चंडीगढ़ प्रशासन के कृषि सचिव ने मार्केट कमेटी के प्रयासों की सराहना की और इस बात पर जोर दिया कि मुख्य सचिव, यू.टी. के निर्देशों का कड़ाई से पालन किया जाए। चंडीगढ़ के निर्देशों का पालन सुनिश्चित किया जाना चाहिए ताकि व्यापारियों और आम जनता की सुविधा के लिए लंबित कार्यों को समयबद्ध और प्रभावी तरीके से निष्पादित किया जा सके।

# आधुनिक शहरी नियोजन और स्थापत्य कला का उत्कृष्ट उदाहरण है चंडीगढ़: गुलाब चंद कटारिया

चंडीगढ़ के प्रशासक उदयपुर में आयोजित 'राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के पर्यटन मंत्रियों के सम्मेलन' में हुए शामिल

अर्थ प्रकाश संवाददाता

**चंडीगढ़/उदयपुर, 14 अक्तूबर।** दो दिवसीय 'राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के पर्यटन मंत्रियों का सम्मेलन' 14-15 अक्तूबर को उदयपुर में आयोजित किया जा रहा है, जिसका मुख्य उद्देश्य वैश्विक मानकों के अनुरूप पर्यटन स्थलों के विकास पर केंद्रित है। इस सम्मेलन में देशभर से पर्यटन मंत्री एवं वरिष्ठ अधिकारी भाग ले रहे हैं। सम्मेलन का लक्ष्य राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के बीच सहयोग को बढ़ावा देना है ताकि प्रधानमंत्री के उस दृष्टिकोण को साकार किया जा सके जिसके तहत प्रत्येक राज्य में कम से कम एक ऐसा पर्यटन स्थल विकसित किया जाए जो विश्व स्तरीय सुविधाओं और आधारभूत ढांचे से सुसज्जित हो।

सम्मेलन में पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया ने गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। वे इस अवसर पर भारत सरकार के पर्यटन मंत्री, माननीय गजेन्द्र सिंह शेखावत के साथ मंच साझा कर रहे थे। उन्होंने इस महत्वपूर्ण आयोजन के लिए पर्यटन मंत्रालय का आभार व्यक्त किया और राजस्थान राज्य से अपने गहरे व्यक्तिगत संबंधों का उल्लेख किया। प्रशासक ने चंडीगढ़ के विविध पर्यटन स्थलों और इसके विश्व स्तरीय पर्यटन गंतव्य के रूप में उभरने की अपार संभावनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि चंडीगढ़ आधुनिक शहरी नियोजन और स्थापत्य कला का उत्कृष्ट उदाहरण है तथा प्रशासन स्वच्छता और पर्यावरणीय स्थिरता के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि शहर का हरित क्षेत्र पिछले दो वर्षों में 45त्न से बढ़कर 51त्न हो गया है, जो सतत शहरी विकास की दिशा में एक नई मिसाल है।

पर्यटन सचिव, मनदीप सिंह बराड़, आईएएस ने चंडीगढ़ को विश्व स्तरीय पर्यटन गंतव्य के रूप में स्थापित करने की रणनीति प्रस्तुत की, जो एकीकृत पर्यटन परिपथ की अवधारणा पर आधारित है। उन्होंने कैपिटल कॉम्प्लेक्स, रॉक गार्डन, सुखना झील, ले कॉर्बुज़िए सेंटर तथा सरकारी संग्रहालय एवं कला दीर्घा जैसे प्रमुख स्थलों पर अवसंरचना एवं सुविधाओं को सुदृढ़ करने की योजनाओं का उल्लेख किया।

ये सभी पहल भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय के परफॉर्मेंस लिंक्ड इंसेंटिव फ्रेमवर्क के अंतर्गत की जा रही हैं। उन्होंने मंत्रालय के सहयोग से एक्ज़ीबिशन-कम-कन्वेंशन सेंटर और कॉन्सर्ट हॉल सहित एक टूरिज़्म हब विकसित करने का भी प्रस्ताव रखा।

यह सम्मेलन सतत एवं जिम्मेदार पर्यटन को बढ़ावा देने, नए पर्यटन परिपथ विकसित करने और केंद्र तथा राज्यों के बीच समन्वय को सुदृढ़ करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में कार्य कर रहा है, ताकि भारत को एक प्रमुख वैश्विक पर्यटन गंतव्य के रूप में स्थापित किया जा सके।

अधिकतम 29 डिग्री से.
18 न्यूनतम
सूर्योदय 6.25 बजे
सूर्यास्त 5.52 बजे
सोना 24 कैरेट : 1,28,500.00
सेंसेक्स : 82,029.98
अमेरिका : 88.80
कैनेडियन : 63.24
आस्ट्रेलिया : 57.36

## चंडीगढ़ से चोरी एक्टिवा के साथ नाकाबंदी में दबोचा गया चोर

**पंचकूला, 14 अक्तूबर (अप्रस)।** जिले में चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए पंचकूला पुलिस लगातार अभियान चला रही है।क्राइम ब्रांच-19 की टीम ने नाकेबंदी कर एक शातिर एक्टिवा चोर को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। एसीपी क्राइम अरविंद कंबोज ने बताया कि 13 अक्टूबर को क्राइम ब्रांच-19 पंचकूला के इंचार्ज मुकेश सैनी की अगुवाई में टीम ने वाहन चोरों को पकड़ने के लिए सेक्टर-5 में नाकेबंदी की थी। इस दौरान पुलिस टीम संदिग्ध वाहनों की गहन चैकिंग कर रही थी। नाकाबंदी के दौरान एक युवक बिना नंबर प्लेट की एक्टिवा पर वहां से गुजर रहा था। पुलिस ने उसे रोककर पूछताछ की तो वह कोई भी वैध दस्तावेज नहीं दिखा सका। पुलिस पूछताछ में युवक की पहचान सुनील कुमार उर्फ तार के रूप में जो सेक्टर-19 का रहने वाला है और इन दिनों सैणी विहार, बलटाना में रह रहा था। जांच में सामने आया कि आरोपी ने करीब एक महीने पहले यह एक्टिवा मौली जांगरा, चंडीगढ़ क्षेत्र से चोरी की थी। पकड़े जाने से बचने के लिए उसने आगे लगी असली नंबर प्लेट तोड़ दी थी और पीछे लगी नंबर प्लेट में छेड़छाड़ कर दी थी ताकि वाहन की पहचान न हो सके। डीसीपी क्राइम के अनुसार आरोपी सुनील कुमार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। साथ ही नागरिकों से अपील की है कि यदि किसी को बिना नंबर प्लेट या संदिग्ध वाहन दिखे तो तुरंत नजदीकी पुलिस थाने या हेल्पलाइन नंबर पर सूचना दें, ताकि वाहन चोरी जैसी वारदातों पर रोक लगाई जा सके।

## सड़क पर गिरा नकदी भरा बैग, पुलिस कर्मी ने लौटाया

अर्थ प्रकाश संवाददाता

**पंचकूला, 14 अक्तूबर।** पिंजौर की सड़क पर एक महिला का नकदी भरा पर्स गिर गया। गनीमत रही कि पर्स पुलिस कर्मी के हाथ लग गया और उसने थाना प्रभारी के पास इसे जमा करवा दिया। पुलिसकर्मी ने अपनी ड्यूटी के साथ-साथ इंसानियत और सत्यनिष्ठा का परिचय देते हुए एक महिला का गुम हुआ पर्स सुरक्षित लौटाकर पुलिस की साख को और ऊंचा किया है। सिपाही प्रदीप कुमार, जो कि सेक्टर-6 पंचकूला में तैनात है, 13 अक्टूबर को पिंजौर बस अड्डा क्षेत्र में मौजूद थे। इस दौरान उन्हें एक महिला का पर्स सड़क पर गिरा हुआ मिला। सिपाही प्रदीप कुमार ने बिना देर किए पर्स को थाना प्रभारी पिंजौर इंस्पेक्टर बच्चू सिंह को सौंप दिया। जब पर्स को चैक किया गया तो उसमें 14,500 नगद, एक लॉकेट, आधार कार्ड, पैन कार्ड सहित अन्य जरूरी दस्तावेज मिले। पिंजौर थाना टीम ने तत्परता दिखाते हुए पर्स के मालिक का पता लगाया। जांच के बाद यह पर्स कमलेश कौर पत्नी सुरेंद्र सिंह निवासी गांव कीरतपुर, पिंजौर का पाया गया। वह दीपावली के त्योहार के अवसर पर पिंजौर बाजार में खरीदारी करने आई थीं, इस दौरान उनका पर्स गुम हो गया था। पुलिस ने उन्हें थाना बुलाकर पर्स, नगद व अन्य सामान सुरक्षित रूप से सौंप दिया।

### डीसीपी ने की सराहना

डीसीपी सृष्टि गुप्ता ने सिपाही प्रदीप कुमार व पिंजौर थाना टीम की ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्य पुलिस बल की सकारात्मक छवि को मजबूत करते हैं और जनता का विश्वास पुलिस पर और अधिक बढ़ाते हैं। हमारे कर्मियों द्वारा दिखाया गया यह व्यवहार समाज के लिए प्रेरणादायक है।पुलिसकर्मी प्रदीप कुमार का यह कदम इस बात का उदाहरण है कि अगर ईमानदारी नीयत में हो, तो छोटी-सी जिम्मेदारी भी बड़ी प्रेरणा बन सकती है।

## वोट चोर गद्दी छोड़ मुहीम के तहत वार्ड 9 में युवा कांग्रेस ने चलाया हस्ताक्षर अभियान

अर्थ प्रकाश/वीरेन्द्र सिंह

**चंडीगढ़, 14 अक्तूबर।** वोट चोर गद्दी छोड़ मुहीम के अंतर्गत वार्ड 9 गांव दड़वा में युवा कांग्रेस अध्यक्ष गोल्डन खान द्वारा हस्ताक्षर अभियान कार्यक्रम किया गया। जिसमें मुख्य रूप से वार्ड पर्यवेक्षक करूणा और माधवी दुबे ने हिस्सा लिया। उन्होंने स्थानीय लोगो एवं दुकानदारों से मुलाकात कर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा उठाए गए वोट चोरी के मुद्दे पर सहयोग करने की अपील की। इस अवसर पर पार्टी के वरिष्ठ नेतागण केशो राम पारचा,नदीम गजनवी,डोरोथी रंगा,सीमा खातून, अशोक बुद्धिराजा,चैन सिंह शेखावत, मोहमद फैजान,परविंदर रंधावा,सनी यादव आदि कांग्रेस एवं युवा कांग्रेस के पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

## तीन बाइक चोर गिरफ्तार, चोरी की बाइक बरामद, सुखना झील से चुराई थी बाइक

अर्थ प्रकाश संवाददाता

**पंचकूला, 14 अक्तूबर।** पुलिस ने वाहन चोरी की वारदातों पर सख्त कार्रवाई करते हुए तीन शातिर बाइक चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की बाइक बरामद कर ली है। अजय कुमार उर्फ कालू (28) जिला उन्नाव, और अंकित कुमार (23) जिला हरदोई, उत्तर प्रदेश और 23 धीरज गुप्ता उर्फ रानू (42) जिला भिंड, मध्यप्रदेश का रहने वाला है। तीनों आरोपी चंडीगढ़ के गांव किशनगढ़ में किराये के मकान में रह रहे थे और आपसी मिलीभगत से वाहन चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर चोरी की बाइक बरामद कर ली है। सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश कर आज न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

### चोरी की शिकायत से आरोपियों का खुलासा

एसीपी क्राइम अरविंद कंबोज ने जानकारी देते हुए बताया कि 12 अक्टूबर को पंचकूला निवासी शिकायतकर्ता ने मनसा देवी थाना में शिकायत दर्ज करवाई थी कि वह अपने दोस्त के साथ सुखना लेक घूमने गया था। वहां तीन युवकों के साथ झगड़ा हो गया, जिसके चलते वह अपनी बाइक मौके पर छोड़कर चला गया। जब वह वापस लौटा तो देखा कि बाइक वहां से गायब थी। शिकायत प्राप्त होते ही पुलिस ने तुरंत जांच शुरू की और आसपास के क्षेत्रों में तलाश अभियान चलाया। डीसीपी क्राइम मनप्रीत सिंह सूदन ने बताया कि क्राइम ब्रांच-26 के इंचार्ज दलीप सिंह की अगुवाई में पुलिस टीम ने 13 अक्टूबर को गुप्त सूचना के आधार पर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

# मनीमाजरा पॉकेट 6 जमीन की नीलामी प्रक्रिया में होगा विलंब

- कुछ तकनीकी कारणों के चलते जमीन का सर्वे कराया
- प्रशासन व एमसी की रिपोर्ट में मिली असमानताएं

अर्थ प्रकाश/वीरेंद्र सिंह

**चंडीगढ़, 14 अक्तूबर।** मनीमाजरा की बहुमंजिली बिल्डिंग की जगह की नीलामी करके निगम अपने राजस्व में बढ़ोतरी करने की तैयारी कर रहा है। विपक्ष के पार्षदों द्वारा इस नीलामी के तरीके पर विरोध करने के चलते अब पॉकेट नंबर 6 की रिक्त पड़ी जमीन का सर्वेक्षण कराया जायेगा। इसका सर्वे नगर निगम का इंजीनियरिंग विंग और प्रशासन के तहसीलदार रेवेन्यू की टीम साथ मिलकर करेगी।

यह निर्णय विगत 13अक्तूबर को आयोजित ग्रुप हाउसिंग प्रोजेक्ट स्पेशल कमेटी की बैठक में लिया गया। इसमें नगर निगम के एक्सईएन की तरफ से पेश किये गये प्लान और अर्बन प्लानिंग डिपार्टमेंट की तरफ से रखी गई योजना में समानता नहीं मिली।

एक्सईएन ने कमेटी को बताया कि संबंधित जमीन की लाइनिंग सीधी न होकर टेढ़ी है, पैमाइशन करते वक्त अंतर हो जाता है। प्रशासन के तहसीलदार की तरफ से बताया गया कि इसके लिए स्टेशन प्वाइंट सर्वे कराया जा सकता है। उससे पता चल सकता है कि खाली जमीन कितनी पड़ी है। कमेटी की बैठक में पूर्व मेयर सर्वजीत कौर की अध्यक्षता में की गई। इसमें एक्सईएन से निरंकारी भवन और ईदगाह, सरकारी मिडल स्कूल को अलाट जमीन का स्टेट्स पूछा गया। यहां भी अर्बन प्लानिंग डिपार्टमेंट और नगर निगम की रिपोर्ट में असमानता मिली, एमसी का रिकार्ड सही नहीं होने पर ही स्टेशन प्वाइंट सर्वे का सुझाव तहसीलदार रेवेन्यू की तरफ से दिया गया।

### ईदगाह मैनेजमेंट को निगम का नोटिस

एमसी के इंजीनियरिंग विंग से ईदगाह की मैनेजमेंट को नोटिस दिया जा चुका है। उनसे जमीन के कागजात भी मांगे गये कि प्रशासन की तरफ से उन्हें कितनी जमीन अलाटमेंट की गई है। नोटिस के चार दिन बीतने के उपरांत भी निगम को ईदगाह मैनेजमेंट ने जवाब नहीं दिया। कमेटी की मीटिंग में पूछा गया तो अजय गर्ग ने बताया कि ईदगाह मैनेजमैंट को एमसी की ओर से नोटिस जारी किया गया है। किंतु ईदगाह की तरफ से जमीन के कागजात सबमिट नहीं किये गये हैं। इस पर कमेटी द्वारा कहा गया कि नोटिस की अवधि तक कागजात की प्रतीक्षा करें। इससे पता चलता है कि इस योजना में अभी समय लगेगा। इसलिए इस जमीन की नीलामी प्रक्रिया में विलंब होना स्वाभाविक है।

एमसी की तरफ से एसडीओ, जेई और पटवारी द्वारा रिपोर्ट तैयार की गई। तीनों ने केवल कागज मांगे। उन्होंने जमीन की पैमाइश नहीं की। नक्शा देखकर ही उन्होंने रिपोर्ट तैयार कर दी। अर्बन प्लानिंग डिपार्टमेंट के प्रतिनिधि द्वारा कहा गया कि फिर से प्लानिंग नगर निगम की रिपोर्ट सबमिट होने पर ही की जायेगी।

सम्पादकीय

# चंडीगढ़ एक महान विरासत है, इसे संभाल कर रखना ही होगा

पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने चंडीगढ़ में ट्रिब्यून चौक पर फ्लाईओवर के निर्माण को कुछ समय पहले हरी झंडी दी थी, लेकिन इसके बावजूद यह प्रोजेक्ट सवालों के घेरे में था। अब आखिरकार उन याचिकाओं पर सुनवाई हो रही है, जिनमें फ्लाईओवर बनने से शहर की सुंदरता को पहुंचने वाली क्षति का जिक्र किया गया है। इन याचिकाओं की सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने चंडीगढ़ प्रशासन से जो सवाल किया है, वह गौरतलब है। अदालत ने प्रशासन से पूछा है कि फ्लाईओवर के लिए क्या शहर की पहचान कुर्बान करना सही होगा। वहीं विरासत संभालें या विकास चाहिए। चीफ जस्टिस का कहना है कि चंडीगढ़ की विशेषता उसकी विरासत है और यह गई तो सब कुछ चला जाएगा। निश्चित रूप से चीफ जस्टिस की यह चिंता वाकई विचारणीय है। पूरे देश में चंडीगढ़ का अलग ही स्थान है। फ्रेंच आर्किटेक्ट ली कार्बूजिए द्वारा डिजाइन किए गए इस शहर ने अनेक वर्ष देखे हैं। और इस दौरान इसके आसपास कितना कुछ नहीं बदल गया, लेकिन यह आज भी कमोबेश वैसा ही है। बेशक, एक जमाने में इसकी सड़कें साइकिलों से भरी होती थी, लेकिन आज उन्हीं सड़कों पर नई-पुरानी, तरह-तरह के मॉडलों की हजारों गाड़ियां दौड़ रही हैं। यह प्रश्न वाकई में विचारणीय है कि क्या इस बढ़ती आबादी की जरूरतों को पूरा करने के लिए शहर की विरासत को कुर्बान कर देना चाहिए। हाईकोर्ट का प्रशासन से यह सवाल प्रमुख है कि क्या चंडीगढ़ अपनी विरासत की कीमत पर ट्रैफिक की सुविधा के लिए समझौता कर सकता है।

**गौर हो कि शहर में सुबह और दोपहर एवं शाम के समय ट्रैफिक के हालात दिन प्रति दिन बिगड़ते जा रहे हैं। चंडीगढ़ अपने विशिष्ट भौगोलिक स्वरूप की वजह से दूसरे राज्यों का भार झेल रहा है। यह दो राज्यों की राजधानी है एवं चिकित्सा, शिक्षा एवं संस्कृति का भी केंद्र है। शहर में रोजाना हजारों की तादाद में लोग हाईकोर्ट, हरियाणा-पंजाब सचिवालय, पीजीआई और शिक्षण संस्थानों में आते हैं, ऐसे में उनके वाहनों की मौजूदगी से शहर की सड़कें तंग होती जा रही हैं। ट्रिब्यून फ्लाईओवर का शिलान्यास 3 मार्च 2019 को किया गया था। इसके बाद से इस रास्ते पर पेड़ों की वजह से यह मामला हाईकोर्ट में पहुंच गया था।**

वास्तव में यह मसला नया नहीं है। शहर में मेट्रो दौड़ाने की चर्चा भी होती है। प्लान बनते हैं, रिपोर्ट बनती हैं, अधिकारी बैठते हैं। मंत्री अध्यक्षता करते हैं। कंसल्टेंट्स रखे जाते हैं। करोड़ों रुपये की फीस भरी जाती है। खबरें बनती हैं और सरकारों की हां सुनाई देती है। लेकिन फिर एकाएक न जाने क्या होता है कि सब कुछ ठंडा हो जाता है। फिर एक दिन हाईकोर्ट में सुनवाई की खबरें आती हैं। ऐसे में वह बजट जोकि पहले दिन विचारा गया था, करोड़ों रुपये की बढ़ोतरी हासिल कर चुका होता है। प्रश्न यह है कि आखिर चंडीगढ़ को प्रयोगशाला क्यों बना दिया गया है। प्रशासन का तर्क है कि उन लोगों को ट्रैफिक का कोई ज्ञान नहीं है जोकि फ्लाईओवर नहीं बनाने की बात कहते हैं। प्रशासन का यह भी कहना है कि चुनौती वे दे रहे हैं, जिन्हें बढ़ती ट्रैफिक समस्या की जानकारी नहीं है। बेशक, प्रशासन की ओर से हाईकोर्ट में कही गई यह बात विचित्र है। दरअसल, यह मामला महज ईंट-रोड़ी-पत्थर का नहीं है। एक शहर इन्हीं चीजों से नहीं बना होता है। उसे शहर बनाते हैं, वहां रहने वाले लोग। अब इस शहर को यहां रहने वाले उन्हीं लोगों ने बसाया है, जिन्हें इसके कुरूप होने की चिंता है। बेशक, वे लोग सिर्फ एक पक्ष को देख रहे हैं और वह एकपक्ष इसके जैसा है, वैसा ही बने रहने देने के पक्ष में हैं। लेकिन प्रशासन की जिम्मेदारी है कि वह जनसामान्य के सामने आ रही चुनौतियों को दूर करें। व्यवस्थित और सुचारू व्यवस्था बनाने के लिए ऐसे फैसले लेने पड़ते हैं।

गौर हो कि शहर में सुबह और दोपहर एवं शाम के समय ट्रैफिक के हालात दिन प्रति दिन बिगड़ते जा रहे हैं। चंडीगढ़ अपने विशिष्ट भौगोलिक स्वरूप की वजह से दूसरे राज्यों का भार झेल रहा है। यह दो राज्यों की राजधानी है एवं चिकित्सा, शिक्षा एवं संस्कृति का भी केंद्र है। शहर में रोजाना हजारों की तादाद में लोग हाईकोर्ट, हरियाणा-पंजाब सचिवालय, पीजीआई और शिक्षण संस्थानों में आते हैं, ऐसे में उनके वाहनों की मौजूदगी से शहर की सड़कें तंग होती जा रही हैं। ट्रिब्यून फ्लाईओवर का शिलान्यास 3 मार्च 2019 को किया गया था। इसके बाद से इस रास्ते पर पेड़ों की वजह से यह मामला हाईकोर्ट में पहुंच गया था। तब अदालत ने निर्देश दिए थे कि इस रास्ते पर 700 जिन पेड़ों को काटा जाना है, उनकी कटाई निर्माण से ठीक पहले हो और इनके स्थान पर 5 गुना पौधे लगाए जाएं।

बेशक, जन सुविधा आवश्यक है, लेकिन यह जरूरी है कि विरासत का भी उतना ही ख्याल रखा जाए। महज सड़कों पर गाड़ी चलाने के लिए ही लोग नहीं जी रहे हैं। उन्हें एक आदर्श शहर भी चाहिए है। तब जरूरी है कि विकास और विरासत के बीच संतुलन बनाया जाए। बदलते समय के अनुसार लोगों को चंडीगढ़ में बदलावों को स्वीकार करना होगा।

# सोच के स्तर पर बदल रही बिहारी राजनीति

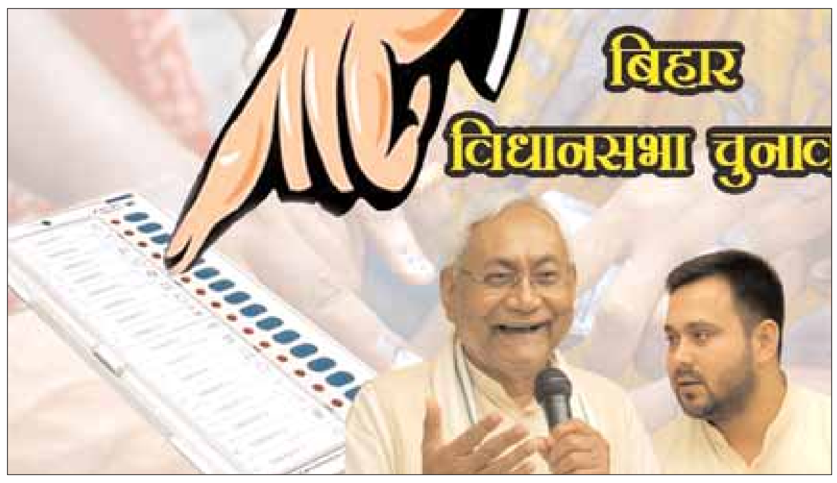


बिहार की राजनीति जाति और धर्म से कभी अलग नहीं रही। आजादी के फौरन बाद के चुनावों में जाति का असर कम रहा, क्योंकि तब स्वाधीनता संग्राम के दौरान अर्जित नैतिक मूल्यों की आभा और स्मृति बनी हुई थी। लेकिन बाद के दिनों में यह लगातार कम होता चला गया। जाति और धर्म की राजनीति तब भी होती थी, लेकिन उस पर स्वाधीन भारत को बनाने के लिए सर्वसमावेशी सोच का आवरण बना रहा। लेकिन मंडल आयोग की छाया में उभरी राजनीति के बाद जाति और धर्म का खुला-खेल शुरू हो गया। जातीय गोलबंदी खुलेआम होने लगी। बिहार के वैशाली स्थित लिच्छवी गणराज्य ने जब लोकतांत्रिक मॉडल को अपनाया था, तब शासन सौंपने वाले हाथों की योग्यता उनकी न्याय प्रियता, उनकी प्रशासनिक कुशलता और निष्पक्षता थी। इसे बिडंबना ही कहेंगे कि जिस बिहार की धरती ने छठी सदी ईसापूर्व यानी करीब ढाई हजार साल पहले शासन के बेहतरीन मॉडल को अपनाया, उसी धरती पर वैधानिकता के आधार पर लागू लोकतंत्र ने जाति, धर्म और क्षेत्रवाद को खुद में समाहित कर लिया। लेकिन इस बार के चुनावों में लोकतंत्र का जातीय और धार्मिक मॉडल को किंचित चोट पहुंचती दिख रही है।

बिहार गर्व करते नहीं अघाता कि उसकी धरती पर लोकतंत्र का जन्म हुआ। इसी लोकतंत्र की छांव में बिहार और प्रकारांतर से देश को आगे बढ़ाने का सपना जयप्रकाश नारायण ने देखा था। जब भारतीय लोकतंत्र पर आपातकाल की काली छाया पड़ी तो जेपी के नाम से विख्यात जयप्रकाश नारायण की अगुआई में बिहार की ही धरती ने बिगुल फूंक दिया। इस बिगुल ध्वनि को देश ने सुना और जेपी के पीछे हो लिया। जिसकी परिणति आपातकाल के काले दिनों के अंत और बाद में आपातकाल थोपने वाले हाथों यानी इंदिरा गांधी की लोकतांत्रिक हार के रूप में देश और दुनिया ने देखा। जेपी की राजनीति में जाति और धर्म का आधार नहीं था। जेपी के पीछे पहले बिहार और बाद में तकरीबन उत्तर भारत जब चल पड़ा, तब देश और धर्म की बातें पीछे छूट गई थीं। तब देश को बनाने और लोकतंत्र को बचाने के लिए हर धर्म, हर जाति और हर समूह ने अपने जातीय, धार्मिक और स्थानीय हितों को किनारे रख दिया और देश के लिए आगे चल पड़े थे। दुर्भाग्यवश उसी दौर में उभरे नेताओं ने जाति का सबसे बड़ा खेल खेला। बिहार की जातीय राजनीति को बढ़ावा देने में उसी दौर में उभरे नेताओं ने सबसे ज्यादा दिया। आज की बिहारी राजनीति के चमकते सितारे लालू यादव, नीतीश कुमार, शिवानंद तिवारी, नंद किशोर यादव, आदि उसी दौर में उभरे चेहरे हैं।

बाद के दौर में बिहार के चुनाव की चर्चा जाति और धर्म की बुनियाद को आधार बनाए असंभव मानी जाने लगी। वैसे यह रोग तकरीबन हर राज्य की राजनीति को लगा है। कहीं इसकी तासीर कम दिखती है तो कहीं कम, लेकिन यह हर जगह है। लेकिन बिहार के इस चुनाव में प्रशांत किशोर के जरिए कम से कम जातीय गोलबंदी की बात को लगाम पहुंची है। प्रशांत किशोर का चाहे सत्ता पक्ष या विपक्ष, जितना भी उपहास उड़ाने की कोशिश करे, उन्होंने बिहारी राजनीति को नया चेहरा जरूर दिया है। प्रशांत ब्राह्मण परिवार के बेटे हैं। उनकी राजनीतिक आभा से परेशान बिहार का सत्ता पक्ष भी है और विपक्ष भी। सत्ता पक्ष की बजाय विपक्ष की ओर से उन्हें ब्राह्मण बताने की कोशिश खूब हुई। लेकिन यह कार्ड चल नहीं पाया। दरअसल मंडलवाद की राजनीति के उभार के बाद सवर्णवाद की बात करने की हिम्मत भी दिखाना मुश्किल है। सवर्ण तबके की जातियां और उनके नेता अपनी जाति की बात कर लें तो उन पर जातिवादी ठप्पा लगाकर ट्रोल किया जाता रहा है। वैसे आज का जो विमर्श है, उसमें सवर्ण तबके की अपनी जाति की बात करना जातिवादी होना है और पिछड़े एवं दलित जातियों की बात करना उनका सशक्तीकरण एवं प्रगतिवाद का बेहतरीन उदाहरण माना जाता है।

जेपी के बाद बिहार की तकरीबन हर जातियों में जिस राजनेता की व्यापक स्वीकृति रही, वे कर्पूरी ठाकुर हैं। दिलचस्प यह है कि आज के बिहार के सत्ता पक्ष और विपक्ष के बड़े नेता हैं, सब कर्पूरी ठाकुर का नाम ही जपते हैं। यह बात और है कि कर्पूरी ठाकुर जैसी सादगी, उनके जैसी सर्वसमावेशी राजनीति की राह उनके चेलों ने नहीं अपनाई। बिहार की राजनीति के दोनों दिग्गज चेहरे जेपी और कर्पूरी की राजनीति में संकीर्णता का आधार नहीं नहीं था। वे जातीय गोलबंदी की बजाय सर्वसमावेशी राजनीति की बात करते थे। आज की राजनीति और सामाजिक संतुलन के लिए आरक्षण व्यवस्था की जरूरत को कर्पूरी ठाकुर स्वीकार करते थे, लेकिन उनकी आरक्षण व्यवस्था में किसी खास वर्ग को लक्षित करने और उस पर निशाना साधने का भाव नहीं था। उन्होंने आरक्षण का जो फॉर्मूला दिया था, उसमें पिछड़ा वर्ग को बारह प्रतिशत, अति पिछड़े वर्ग को आठ प्रतिशत, महिलाओं के लिए तीन प्रतिशत और गरीब सवर्णों के लिए तीन प्रतिशत का प्रावधान किया था। चाहे लोहिया की आरक्षण को लेकर सोच रही हो या फिर कर्पूरी का मॉडल, दोनों का मकसत सामाजिक विकास की दौड़ में पीछे रहे वर्ग को आगे रहे वर्गों के समकक्ष खड़ा करना और इस तरह बराबरी का बोध लाना था। यही वजह रही कि इन नेताओं के पीछे समाज का बड़ा हिस्सा खड़ा होता था, जहां जाति और धर्म की सीमाएं टूट जाया करती थीं। इसका यह मतलब नहीं था कि तब जातीय गोलबंदी खत्म हो चुकी थी। लेकिन यह जरूर है कि ऐसा करने वाली ताकतों को बढ़ावा नहीं मिलता था। लेकिन जेपी और कर्पूरी के बाद स्थितियां बदल गई।

बिहार के मौजूदा चुनावों में प्रशांत किशोर के अभ्युदय ने जातीय गोलबंदी की इस रूढ़ि को तोड़ने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। प्रशांत किशोर ने अपना दल बनाने के बाद एक गलती जरूर की। उन्होंने तब जरूर कहा था कि मुस्लिम समुदाय को तरजीह देंगे। ऐसा करके वे एक तरह से धार्मिक गोलबंदी की पारंपरिक अवधारणा को जरूर शह दे रहे थे। लेकिन शायद बाद में उन्हें इस गलती का अहसास हुआ और उन्होंने इस सोच का मुजाहिरा फिर नहीं किया।

प्रशांत किशोर के बिहार की राजनीति में उभार के बाद मुद्दों की बात हो रही है। महिलाओं को आर्थिक सहयोग देने का मौजूदा नीतीश सरकार का फैसला हो या फिर तेजस्वी द्वारा हर घर को एक सरकारी नौकरी देने का वादा, प्रशांत किशोर की राजनीतिक शैली का दबाव माना जा सकता है। प्रशांत किशोर बार-बार बिहार की बदहाली का सवाल उठाते हैं,वैश्विक स्तर पर मजदूर सप्लाई करने वाले राज्य के रूप में बिहार की स्थापित छवि पर सवाल उठाते हैं, बिहार को नई राह पर लेकर चलने की बात करते हैं, जाति और धर्म की बात नहीं करते हैं, बिहार की शिक्षा व्यवस्था को मुद्दा बनाते हें तो बिहार के पढ़े-लिखे युवाओं और बिहार की मौजूदा छवि से परेशान लोगों को उनकी बात अपील करती है। पिछली सदी के साठ के दशक तक प्रति व्यक्ति आय के लिहाज से देश का पांचवां बड़ा राज्य रहे बिहार की बदहाली का सवाल जब वे उठाते हैं तो बिहार का हित चाहने वाले लोगों को वह बात अपील करती है। यही वजह है कि उनके साथ हर वर्ग के लोग दिखते हैं। इसलिए बिहार की राजनीति में जाति की चर्चा पीछे छूट जाती है। खास दल के खास जातीय आधार की मान्यता के बीच से उसी जाति के बीच से जब कुछ आवाजें बिहार के पक्ष में उस दल विशेष के विरोध में उभरती हैं तो बिहार की राजनीति पर नजर रखने वालों को हैरत होती है। यह बदलाव प्रशांत किशोर की राजनीति का कमाल कहा जा सकता है।

इसका यह मतलब नहीं है कि प्रशांत किशोर के पीछे समूचा बिहार उठ खड़ा हुआ है। दकियानुसी की हद तक जाति और धर्म के खेमे में बंट चुकी बिहार की राजनीति की इस सोच में इस बार के चुनावों में खरोंच लगती दिख रही है। इस लिहाज से प्रशांत किशोर, जेपी और कर्पूरी ठाकुर की परंपरा में खड़े होते नजर आ रहे हैं। बिहार की सोच में बदलाव की यह बयार बनी रही तो तय मानिए, बिहार ही नहीं देश की राजनीति बदलने की दिशा में आगे बढ़ सकती है।

## अर्थ प्रकाश में 34 साल पहले आज का दिन

### परमाणु ट्राली कांड: बचाव अभियान सफल, पर्यटकों को निकालते समय मशीन खराब

परवाणू। सेना व वायुसेना के जवानों द्वारा भरसक प्रयास करने के बाद रोपवे की ट्राली में फंसे सभी पर्यटकों को 42 घंटे बाद हैलीकाप्टर की मदद से बाहर निकाल लिया गया। 5 पर्यटकों को सफलतापूर्वक गत स्थान ही अंधेरा पड़ने से पहले बाहर निकाल लिया था जबकि 5 पर्यटकों को बाहर निकालने का अभियान आज सुबह लगभग 6.30 बजे शुरु किया गया और 6.54 मिन्ट पर यहां के सेक्टर 20 की हरनीत बजाज जिसके पति व बच्चे को कल ही निकाल लिया गया था। सबसे पहले बाहर निकाला गया। दूसरे पर्यटकों को बाहर निकालने के लिए जब प्रयास किया गया तो हैलीकाप्टर में लगी रस्सी जो पर्यटकों को ऊपर खींचने वाली मशीन खराब हो गई जिसे पहला हैलीकाप्टर एक ही पर्यटक को निकाल कर वापिस लौट गया। वायुसेना के अधिकारियों ने सम्माना से दूसरा एस-1-17 नामक हैलीकाप्टर मंगवा लिया गया जिसकी मदद से बचाव अभियान 10 वर्ष पूरा हुआ अन्य फंसे चार पर्यटकों को जिन्हें आज बाहर निकाला गया उनमें सोनीया छाबड़ा उसका पति संजीव छाबड़ा, देविन्द्र कोमल व पंकज टंडन शामिल है। ट्राली में इन पर्यटकों के लिए गत स्थान खाना लेकर गये गुलाम मोहम्मद को सभी पर्यटकों को बाहर निकालने के बाद बाहर निकाला गया। जबकि मेजर आईजे किस्टो सबसे बाद में हैलीकाप्टर में पहुंचे ज्यों ही श्री किस्टों हैलीकाप्टर में बैठने के लिए रवाना हुए तो वहां खड़े हजारों दर्शकों ने तालिया बजा कर उनके साहस की प्रशंसा की। ट्राली में फसे एक दम्पत्ति देवेन्द्र कोमल व गुरमीत कौर की गत 11 अक्तूबर को ही शादी हुई थी जिला फिरोजपुर के रहने वाले यह दम्पति सोनिया छाबड़ा व संजीव छाबड़ा के साथ हनीमून के लिए शिमला जा रहे थे। खाना खाने के लिए टिम्बर ट्रेल रुक गये जबकि छाबड़ा दम्पत्ति की भी शादी 8 अक्तूबर को ही हुई थी।

### पंजाब में 2 पाकिस्तानियों सहित 9 खाड़कू मारे गये

चंडीगढ़। पंजाब में गत रात्रि के दौरान दो पाकिस्तानियों सहित 9 खाड़कू मारे गये। प्राप्त समाचारों के मुताबिक जालंधर जिला के गांव कंग में आज सुबह हुई एक मुठभेड़ में दो पाकिस्तानियों सहित 6 खाड़कू मारे गए जिनमें खूंखार खाड़कू तलविन्द्र सिंह परमार भी शामिल है। जबकि पाकिस्तानियों में इस्तक अहमद व अदी मुल्ला बताए जाते है। जिनके पार से 2200 अमेरिकी डालर व 305 पाकिस्तानी रुपए काफी भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री भी बरामद हुई है। यह प्रथम बार हुआ है जब पाकिस्तानी पंजाब में मारे गये हो। इसी दौरान बरनाला में सुरक्षा बलों के साथ हुई मुठभेड़ में खूंखार खाड़कू नायब सिंह व उसके दो साथी मारे गये।

## ज्ञान सागर : देखें आज के दिन क्या घटा

1686 - मुग़ल शासक औरंगजेब ने बीजापुर के साथ शांति समझौते पर हस्ताक्षर किये।

1866 - कनाडा स्थित फ्रेंच बहुल क्षेत्र क्यूबेक में जबरदस्त आग लगने से 2500 मकान जलकर खाक।

1923 - वर्ष का पांचवा उष्णकटिबंधीय तूफ़ान लीवर्ड द्वीप के उत्तर में आया।

1931 - भारत के 11वें राष्ट्रपति अब्दुल कलाम का जन्म।

1932 - टाटा कंपनी ने टाटा सन्स लिमिटेड नामक देश की पहली एयरलाइन की शुरुआत की।

1935 - टाटा एयरलाइन (जो कालांतर में एयर इंडिया बन गया) की पहली उड़ान।

1936 - दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री मदन लाल खुराना का जन्म।

1949 - त्रिपुरा राज्य को भारत में सम्मिलित किया गया।

1958 - अफ़्रीकी देश ट्यूनीशिया ने मिस्र के साथ राजनयिक संबंध समाप्त किए।

1961 - सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला का निधन। वह एक कवि, उपन्यासकार, निबन्धकार और कहानीकार थे।

1970 - अनवर सदत मिस्त्र के राष्ट्रपति चुने गए।

1978 - सोवियत संघ ने पूर्वी कजाखस्तान क्षेत्र में परमाणु परीक्षण किया।

1990 - सोवियत संघ के राष्ट्रपति मिखाइल गोर्बाचेव को नोबेल शांति पुरस्कार दिया गया।

1996 - फिजी व्यापक परीक्षण प्रतिबंध संधि की पुष्टि करने वाला प्रथम देश बना।

1997 - अरुंधति राय को उनके उपन्यास 'द गॉड आफ़ स्माल थिंग्स' के लिए ब्रिटेन के सबसे प्रतिष्ठित बुकर पुरस्कार के लिए चुना गया।

1998 - ग़रीबी उन्मूलन के लिए भारत की फ़ातिमा बी को संयुक्त राष्ट्र पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

1999 - चीन ने 12 हज़ार किलोमीटर तक मार करने वाले 'डी.एफ़.-41 आईसीबीएम' नामक प्रक्षेपास्त्र का सफल परीक्षण किया, जनरल जोसेफ़ रॉलस्टन नाटो के सर्वोच्च वाइस कमांडर नियुक्त।

2006 - संयुक्त राष्ट्र संघ ने उत्तर कोरिया पर प्रतिबंध लगाया।

2007 - वर्ष 2007 का अर्थशास्त्र का नोबेल पुरस्कार अमेरिका के तीन अर्थशास्त्रियों- लियोनिड हरविक्ज, इरिक मस्किन और रोजर मायरसन को प्रदान किया गया।

2008 - रिजर्व बैंक ने सीआरआर में एक फ़ीसदी की कटौती की घोषणा की। अरविन्द अदिग को उनकी पुस्तक 'द हाइट टाइगर' के लिए वर्ष 2008 का बुकर पुरस्कार प्रदान किया गया।

2012 - ब्रिटिश लेखिका हिलेरी मेंटल को उनके उपन्यास 'ब्रिंग अप द बडीज़' के लिए मैन बुकर पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

2013 - फिलीपीन्स में 7.2 की तीव्रता वाले भूकंप से 215 से अधिक लोगों की मौत।

## बोल ब्यूटीफुल

**हुसैन हक्कानी:** अफगानिस्तान के साथ युद्ध में पाकिस्तान की जनता का कोई भला नहीं होने वाला। असल में तालिबान के दोबारा सत्ता में आने को सुगम बनाना और उनकी ताजपोशी पर जश्न मनाना कहीं से भी सही नहीं था। उनके साथ किसी तरह का युद्ध छेड़ना बहुत भारी गलती होगी। मैं वर्षों से इसे लेकर चेता रहा हूं।

**अखिलेश शर्मा:** भारत के लेफ्ट लिबरल चाहते है कि दुनिया उनके हिसाब से ही चले। अब उन्हें वेनेजुएला में नेता प्रतिपक्ष मारिया कोरीना मचाडो को नोबेल शांति पुरस्कार पर आपत्ति है। वे उन्हें अमेरिका का मोहरा मानते है, क्योंकि वे राष्ट्रपति मादुरो के खिलाफ संघर्ष कर रही है। अर्थात ऐसा नहीं कि लेफ्ट लिबरल हमेशा विपक्ष के ही साथ रहे। उनका विरोध और समर्थन अपनी सुविधा के अनुसार होता है।

**ऐश्वर्या पालीवाल:** पाकिस्तान की सच्चाई: मुरीदके में टीएलपी के प्रदर्शन की वजह से मचा बवाल और यही पाकिस्तानी भारत पर उंगली उठाने की कोशिश करते है। जिसका घर जल रहा हो, उसे पहले अपने घर की आग बुझानी चाहिए।

# रेयर अर्थ को लेकर चीन का रोज रोज का झंझट खत्म करने की तैयारी में हैं मोदी

वैश्विक रणनीति और औद्योगिक प्रतिस्पर्धा के इस युग में 'रेयर अर्थ एलिमेंट्स' केवल वैज्ञानिक तत्व नहीं रहे बिल्क् ये अब भू-राजनीतिक शक्ति का स्रोत बन चुके हैं। चीन द्वारा रेयर अर्थ मैग्नेट के निर्यात पर लगाए गए प्रतिबंधों ने न केवल अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति श्रृंखलाओं में हलचल मचा दी है, बल्कि भारत सहित विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं को अपनी रणनीतियां पुनः परिभाषित करने पर मजबूर कर दिया है। इसी पृष्ठभूमि में भारत सरकार अब नेशनल क्रिटिकल मिनरल स्टॉकपाइल कार्यक्रम शुरू करने की तैयारी में है जो आने वाले वर्षों में भारत की तकनीकी और सामरिक आत्मनिर्भरता का आधार स्तंभ बन सकता है।

हम आपको बता दें कि रेयर अर्थ तत्व कुल 17 विशिष्ट धात्विक तत्वों का समूह हैं, जिनमें नियोडिमियम, प्रसीओडिमियम, डिसप्रोसियम आदि शामिल हैं। इन तत्वों की खासियत यह है कि ये आधुनिक प्रौद्योगिकी की लगभग हर अहम मशीनरी में काम आते हैं– इलेक्ट्रिक वाहनों के मोटर, पवन चक्कियों के टर्बाइन, मोबाइल फोन, मिसाइलों के गाइडेंस सिस्टम और यहां तक कि उपग्रहों के इलेक्ट्रॉनिक सर्किट में भी।

इनकी मांग तेजी से बढ़ रही है, लेकिन विश्व आपूर्ति का लगभग 85 प्रतिशत हिस्सा अभी भी चीन नियंत्रित करता है। जब चीन निर्यात पर रोक लगाता है, तो वैश्विक उद्योगों की नींव डगमगा जाती है। ऐसे में भारत की यह पहल केवल औद्योगिक नीति नहीं, बल्कि सामरिक आवश्यकता भी है।

हम आपको बता दें कि भारत सरकार अब दो महीने का रेयर अर्थ भंडार तैयार करने की योजना बना रही है, जिसमें निजी क्षेत्र की भागीदारी को भी प्रोत्साहन दिया जाएगा। यह कार्यक्रम 'नेशनल क्रिटिकल मिनरल मिशन' के अंतर्गत शुरू होगा, जिसके तहत पहले से ही 500 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इस पहल का पहला लक्ष्य रेयर अर्थ तत्वों की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करना है, ताकि देश में रेयर अर्थ मैग्नेट उत्पादन को गति मिल सके। इसके लिए सरकार ने पहले ही 7,300 करोड़ रुपये के प्रोत्साहन कार्यक्रम को मंजूरी दी है, जिसका उद्देश्य अगले पांच वर्षों में 6,000 टन उत्पादन हासिल करना है।

सरकार का इरादा भविष्य में इस दायरे को अन्य महत्वपूर्ण खनिजों– जैसे लिथियम, कोबाल्ट, निकल और ग्रेफाइट तक विस्तारित करने का भी है। हम आपको बता दें कि भारत में रेयर अर्थ की उपलब्धता का अनुमान लगभग 7.23 मिलियन टन रेयर अर्थ ऑक्साइड का है, जो मुख्यतः 13.15 मिलियन टन मोनाजाइट अयस्क में पाया जाता है। ये अयस्क आंध्र प्रदेश, ओडिशा, तमिलनाडु, केरल, पश्चिम बंगाल, झारखंड, गुजरात और महाराष्ट्र के तटीय इलाकों में फैले हुए हैं। हालांकि, असली चुनौती इन तत्वों को निकालने और शुद्ध करने की तकनीकी क्षमता की है। वर्तमान में भारत अपने घरेलू भंडारों से इन तत्वों का सीमित उपयोग करता है और प्रोसेसिंग के लिए बड़े पैमाने पर चीन और अन्य देशों पर निर्भर है। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत को यदि वास्तविक आत्मनिर्भरता हासिल करनी है, तो केवल भंडारण नहीं, बल्कि प्रसंस्करण और परिष्करण तकनीकों में निवेश करना होगा।

देखा जाये तो चीन के कदम ने यह स्पष्ट कर दिया है कि 'खनिज कूटनीति' आने वाले दशकों में ऊर्जा और रक्षा नीति का नया मोर्चा बनेगी। अमेरिका ने भी इस पर तीखी प्रतिक्रिया दी है और चीनी आयात पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने की चेतावनी दी है। भारत के लिए यह अवसर और चुनौती दोनों है। यदि भारत समय रहते अपनी तकनीकी क्षमता विकसित कर लेता है और वैकल्पिक आपूर्ति स्रोतों– जैसे ऑस्ट्रेलिया, वियतनाम, ब्राज़ील या अफ्रीकी देशों से साझेदारी करता है, तो वह न केवल अपनी घरेलू जरूरतें पूरी कर सकेगा बल्कि एशिया में एक सप्लाई हब के रूप में उभर सकता है।

हम आपको बता दें कि खनिज मंत्रालय ने अब तक पाँच चरणों में 55 रणनीतिक और महत्वपूर्ण खनिज ब्लॉकों की नीलामी की है, जिनमें से 34 सफलतापूर्वक आवंटित किए जा चुके हैं। छठा चरण हाल ही में आरंभ हुआ है। यह निरंतरता दर्शाती है कि भारत अब खनिज नीति को केवल संसाधन-शोधन तक सीमित नहीं रखना चाहता, बल्कि इसे राष्ट्रीय सुरक्षा और औद्योगिक नीति के साथ जोड़ रहा है। हम आपको बता दें कि रेयर अर्थ केवल 'भू-संसाधन' नहीं हैं बल्कि ये भारत के मेक इन इंडिया और ग्रीन एनर्जी ट्रांजिशन की आत्मा हैं। इलेक्ट्रिक वाहनों, सौर ऊर्जा, और रक्षा उपकरणों के लिए ये तत्व उतने ही जरूरी हैं जितना तेल किसी अर्थव्यवस्था के लिए।

देखा जाये तो भारत का यह कदम समयोचित और दूरदर्शी है। जब चीन जैसी ताकतें आपूर्ति को कूटनीतिक हथियार बना रही हैं, तब भारत अपनी स्वतंत्र आपूर्ति व्यवस्था और भंडारण नीति के माध्यम से ÷सप्लाई सिक्योरिटी÷ का मजबूत ढांचा तैयार कर रहा है। फिलहाल मात्र दो महीने का भंडार और सीमित क्षमता एक शुरुआत है, लेकिन दिशा स्पष्ट है। यह उस भारत की झलक है जो हर संकट को अवसर में बदलना जानता है। रेयर अर्थ के इस दौर में भारत ने संदेश दिया है- 'खनिज भी अब रणनीति हैं और आत्मनिर्भरता ही सर्वोच्च कूटनीति है।'

# उद्यमी बनकर युवा करेंगे आत्मनिर्भर हिमाचल के सपने को साकार : राजेश धर्माणी

अर्थ प्रकाश/अरविंद शर्मा

**शिमला, 14 अक्तूबर।** तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धर्माणी ने आज यहां तकनीकी शिक्षा संबंधी समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि प्रदेश के युवा नवोन्मेषी विचारों और ऊर्जा से परिपूर्ण हैं। युवाओं को उद्यमशीलता की ओर आकर्षित करने के लिए उद्योग विभाग के साथ विभिन्न तकनीकी संस्थानों में एंटरप्रेन्योरशिप कार्यक्रम आयोजित करवाए जाएंगे।

कार्यक्रम के तहत युवाओं में नेतृत्व के गुणों के विकास के साथ-साथ उनके नवाचारों को साकार करने के अवसर दिए जाएंगे। इसके लिए उद्योग जगत से जुड़े विशेषज्ञों की सहायता ली जाएगी। इसके अतिरिक्त हिमुडा के साथ भी प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन करवाया जाएगा।

श्री धर्माणी ने कहा कि राज्य में सूक्ष्म, लघु उद्यमों और स्टार्ट-अप इको सिस्टम का निर्माण किया जा रहा है। प्रदेश सरकार की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से युवाओं के स्टार्ट-अप को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उद्योग जगत से संबंधित विभिन्न संघों के साथ समन्वय स्थापित किया जा रहा है ताकि युवा उद्यम स्थापित कर सकें।

उन्होंने कहा कि वर्तमान परिपेक्ष्य में ब्यूटी और वेलनेस तथा फैशन उद्योग के विस्तार के दृष्टिगत युवाओं को इस इंडस्ट्री की तरफ आकर्षित करने के लिए देश के प्रतिष्ठित ब्रांड्स के साथ समन्वय स्थापित किया गया है और युवाओं को इस क्षेत्र में प्रशिक्षित किया जा रहा है। आधुनिक समय की मांग को ध्यान में रखते हुए पाठ्यक्रमों को तैयार किया जा रहा है।

तकनीकी शिक्षा मंत्री ने कहा कि हिमाचल जैसे प्राकृतिक आपदा संवेदनशील राज्य में आपदा प्रबंधन विषय का अपना महत्त्व है। इसके दृष्टिगत प्रदेश के औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों, बहु तकनीकी एवं इंजीनियरिंग संस्थानों में बच्चों को आपदा प्रबन्धन विषय की व्यावहारिक जानकारी दी जाएगी। इसके तहत उन्हें आपदा से निपटने का व्यवहारिक ज्ञान दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि डिजिटल युग में प्रदेश के युवाओं के लिए राज्य में स्किल अकेडमी और डिजिटल यूनिवर्सिटी को भी स्थापित किया जाएगा।

**बैठक में ये रहे मौजूद**

बैठक में सचिव तकनीकी शिक्षा संदीप कदम और निदेशक तकनीकी शिक्षा अक्षय सूद सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

## मुख्यमंत्री ने मेडिकल टेस्टों की ऑनलाइन पेमेंट के लिए ऐप विकसित करने के दिए निर्देश

अर्थ प्रकाश संवाददाता

**शिमला, 14 अक्तूबर।** प्रदेश सरकार के एक प्रवक्ता ने आज यहां बताया कि मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने स्वास्थ्य विभाग में डिजिटल गवर्नेंस को बढ़ावा देते हुए प्रदेश के अस्पतालों में होने वाले मेडिकल टेस्टों की ऑनलाइन पेमेंट के लिए ऐप विकसित करने निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग, डिजिटल प्रौद्योगिकी एवं गवर्नेंस विभाग से समन्वय स्थापित कर एक महीने के भीतर ऐप विकसित करेगा ताकि लोगों को सुलभ एवं कैशलैस सेवाएं प्राप्त हों। उन्होंने कहा कि अब लोगों को अस्पतालों में टेस्टों की फीस जमा करवाने के लिए कतारों में नहीं लगना पड़ेगा तथा उन्हें गुणात्मक एवं निर्बाध स्वास्थ्य सेवाएं मिलेंगी। उन्होंने कहा कि इसके अलावा इच्छुक व्यक्ति विभिन्न अस्पतालों में नियुक्त चिकित्सकों के साथ ऑनलाइन अपॉइंटमेंट भी निर्धारित कर सकेंगे।

प्रवक्ता ने कहा कि वर्तमान प्रदेश सरकार, स्वास्थ्य विभाग में अनेक सुधार कर रही है तथा प्रदेश के चिकित्सा महाविद्यालयों तथा अस्पतालों में अत्याधुनिक मशीनरी उपलब्ध करवाई जा रही है ताकि लोगों को स्वास्थ्य जांच एवं इलाज के लिए प्रदेश से बाहर न जाना पड़े। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने आगामी वर्षों में आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता तथा स्वास्थ्य अधोसंरचना के विकास और विस्तार पर 3,000 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि व्यय करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य एवं शिक्षा क्षेत्र वर्तमान प्रदेश सरकार की प्राथमिकताओं में है तथा लोगों को गुणात्मक स्वास्थ्य एवं शिक्षा प्रदान करने के लिए अनेक महत्त्वाकांक्षी योजनाएं शुरू की गई हैं।

## औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान सोलन में सी.पी.आर. पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

**सोलन, 14 अक्तूबर (अप्रस)।** ज़िला रेडक्रॉस सोसायटी सोलन द्वारा आज औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान सोलन में सी.पी.आर. पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जन शिक्षण संस्थान सोलन की संयोजक रेणु शर्मा ने की। रेणु शर्मा ने कहा कि सी.पी.आर. जीवन रक्षक तकनीक है जो हृदय रुकने या सांस लेने में कठिनाई होने पर उपयोग की जाती है। उन्होंने कहा कि सी.पी.आर. की सही जानकारी होना सभी के आवश्यक है ताकि किसी भी आपात स्थिति में व्यक्ति की जान बचाई जा सके। ज़िला रेडक्रॉस सोसायटी सोलन के उप संरक्षक लेख राज कौशिक ने इस अवसर पर सी.पी.आर. की महत्ता के बारे में जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर ज़िला रेडक्रॉस सोसायटी सोलन की सदस्य सुनीता ओबराय, शशिकांत व लगभग 150 युवाओं ने भाग लिया।

## उपायुक्त ने किया अंडर-19 राज्य स्तरीय खेलों का शुभारम्भ

अर्थ प्रकाश/रोहित शर्मा

**ऊना, 14 अक्तूबर।** उपायुक्त जतिन लाल ने मंगलवार को राजकीय उत्कृष्ट कन्या वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला, ऊना में लड़कियों की अंडर-19 आयु वर्ग की 66वीं राज्य स्तरीय इंडोर खेल प्रतियोगिता का विधिवत शुभारम्भ किया। इस अवसर पर उपायुक्त ने आयोजन समिति को सफल आयोजन के लिए बधाई दी और सभी खिलाड़ियों को श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

अपने संबोधन में उपायुक्त ने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे शिक्षा के साथ-साथ खेलों में भी बढ़-चढ़कर भाग लें। उन्होंने कहा कि खेलों से न केवल शारीरिक व मानसिक विकास होता है, बल्कि अनुशासन, टीम भावना और आपसी भाईचारे का भी संचार होता है। उन्होंने कहा कि जीवन में कभी हार नहीं माननी चाहिए, इंसान या तो जीतता है या सीखता है। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि असफलता को हार न समझें, बल्कि उसे सीखने का अवसर मानें। निरंतर प्रयास और दृढ़ निश्चय से सफलता अवश्य प्राप्त होती है। उपायुक्त ने युवाओं से नशे की बुराई के खिलाफ जागरूक रहने का आह्वान करते हुए कहा कि समाज से इस कुरीति को जड़ से समाप्त करने के लिए सभी को मिलकर प्रयास करने होंगे, ताकि युवा वर्ग को इसके प्रभाव से बचाया जा सके।

उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलों में महिला खिलाड़ियों का प्रदर्शन पुरुष खिलाड़ियों की तुलना में अधिक सराहनीय रहा है, जो समाज के लिए प्रेरणादायक है।

इससे पूर्व, उच्च शिक्षा विभाग ऊना के उपनिदेशक अनिल कुमार तक्खी ने मुख्य अतिथि और अन्य अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिताओं में प्रदेश के सभी जिलों से 690 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। यह प्रतियोगिताएं 16 अक्तूबर तक आयोजित की जाएंगी, जिनमें बैडमिंटन, बॉक्सिंग, टेनिस, कुश्ती, ताइक्वांडो, कराटे, शतरंज और जूडो जैसी विधाएं शामिल हैं। विद्यालय के प्रधानाचार्य सुरेश कुमार शर्मा ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया तथा विद्यालय की विभिन्न गतिविधियों की जानकारी साझा की। इस अवसर पर आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए।

इस अवसर पर हिमाचल प्रदेश बैडमिंटन संघ के उपाध्यक्ष अशोक ठाकुर, उप-निदेशक प्रारम्भिक शिक्षा सोम लाल धीमान ,एडीपीईओ जगजीत सिंह और राजेंद्र शर्मा सहित अन्य उपस्थित रहे।

## युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए जन-जन की सहभागिता आवश्यक : गौरव सिंह

**पुलिस अधीक्षक ने सुल्तानपुर विद्यालय में छात्रों से किया सीधा संवाद और वितरित की स्पोर्ट्स किट**

अर्थ प्रकाश/यशपाल कपूर

**सोलन, 14 अक्तूबर।** पुलिस अधीक्षक सोलन गौरव सिंह ने कहा कि युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए जन-जन की सहभागिता आवश्यक है। पुलिस अधीक्षक आज राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला सुल्तानपुर में नशीले पदार्थों के दुरुपयोग के प्रति जागरूकता बढ़ाने और छात्रों को पढ़ाई के साथ-साथ खेल-कूद, राष्ट्रीय केडिट कोर (एनसीसी), राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) और स्वास्थ्य के प्रति रुचि विकसित करने के लिए आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। गौरव सिंह ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य छात्रों को नशे से दूर रखना, उनकी संकल्प शक्ति विकसित कर उन्हें नशे के विरुद्ध समाज को जागरूक करने के लिए अग्रदूत बनाना और युवा शक्ति को इस सामाजिक बुराई से बचाना है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि ज़िला पुलिस सोलन द्वारा नशे के विरुद्ध सतत् कार्यवाही की जा रही है। उन्होंने कहा कि नशे जैसी सामाजिक समस्या के विरुद्ध विशेष रूप से स्कूली छात्रों की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए ज़िला पुलिस सोलन के सभी राजपत्रित अधिकारियों द्वारा एक-एक विद्यालय को गोद लिया गया है। उन्होंने कहा कि स्कूली छात्रों को नशे से दूर रखकर समाज को इस अभियान में सही दिशा दी जा सकती है। उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग द्वारा इस अभियान के अंतर्गत विद्यालयों में नियमित रूप से जागरूकता कार्यक्रम तथा सेमिनार आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने विद्यालय प्रबंधन एवं अभिभावकों से आग्रह किया कि छात्रों को खेल एवं अन्य रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ें और युवाओं के समग्र व्यक्तित्व विकास पर बल दें। उन्होंने छात्रों को बिना संकोच के पुलिस के साथ अपने विचार साझा करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि पुलिस जनता की सहायता के लिए है और नशे के विरुद्ध अभियान में समय पर दी गई सूचना अनेक जीवन बचा सकती है। गौरव सिंह ने इस अवसर पर शिक्षकों से आग्रह किया कि छात्रों के व्यवहार और गतिविधियों पर नज़र रखें और किसी भी प्रकार के नशे में संलिप्त होने की आशंका के बारे में जानकारी पुलिस के साथ साझा करें ताकि नशे को रोकने में सफलता प्राप्त हो सके। उन्होंने कहा कि इस दिशा में अभिभावकों की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। यदि अभिभावकों को लगता है कि उनके बच्चे सामान्य दिनचर्या से हट रहे हैं अथवा पढ़ाई में ध्यान नहीं दे रहे हैं, गुमसुम रहते हैं या उनके व्यवहार में परिवर्तन आ रहा है तो इस विषय में अध्यापकों से जानकारी लें ताकि युवाओं को नशे से दूर रखा जा सके।

## न्यूज ब्रीफ

### आपदा राहत कोष के लिए 1.55 करोड़ रुपये का अंशदान

**शिमला (अप्रस)।** मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू को आज यहां एसबीआई चंडीगढ़ सर्कल के मुख्य महाप्रबंधक कृष्ण शर्मा ने आपदा राहत कोष के लिए 1.55 करोड़ रुपये का चेक भेंट किया। मुख्यमंत्री ने इस पुनीत कार्य के लिए आभार व्यक्त करते हुए लोगों से आपदा प्रभावितों की सहायता के लिए उदारतापूर्वक योगदान देने का आग्रह किया। इस अवसर पर हिमाचल प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कामगार कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष नरदेव सिंह कंवर, एसबीआई हिमाचल के डीजीएम प्रभात कुमार तथा अन्य गणमान्य भी उपस्थित थे।

### गुशैनी विद्यालय को क्रयाश चैरिटेबल ट्रस्ट ने भेंट की शैक्षणिक सामग्री

**कुल्लू (अप्रस/अशेष शर्मा)।** एसडीएम बंजार पंकज शर्मा ने बताया कि क्रयाश चैरिटेबल ट्रस्ट, सुंदरनगर, मंडी और फॉर सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड, चंडीगढ़ के सहयोग से राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला गुशैनी को शैक्षणिक सामग्री भेंट की गई। गौरतलब है कि मानसून में भारी वर्षा के कारण विद्यालय भवन पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त हो गया था। वर्तमान में विद्यार्थियों की कक्षाएं राजकीय प्राथमिक विद्यालय भवन तथा एक निजी भवन में अस्थायी रूप से संचालित की जा रही हैं। एसडीएम ने बताया कि छात्रों की सुविधा के लिए क्रयाश चैरिटेबल ट्रस्ट ने लगभग अस्सी हजार रुपये मूल्य की शैक्षणिक सामग्री उपलब्ध करवाई है। ट्रस्ट की ओर से विद्यालय को 200 गद्देदार मैट, कार्यालय के लिए एक प्रिंटर, दो वाटर फिल्टर, छह ब्लैकबोर्ड, छह डस्टर, पांच चाक बॉक्स, प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु 30 पुस्तकें, 20 रेनकोट आदि सामग्री प्रदान की गई। उन्होंने ट्रस्ट के सदस्यों का आभार प्रकट करते हुए कहा कि इस क्षेत्र के अन्य विद्यालय, जो मानसून के दौरान क्षतिग्रस्त हुए हैं, उनमें भी गैर-सरकारी संस्थाओं के सहयोग से चरणबद्ध रूप में आवश्यक सामग्री उपलब्ध करवाई जाएगी। क्रयाश चैरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक डॉ. धर्मेश शर्मा ने बताया कि संस्था ने क्रयाश बुक बैंक पहल वर्ष 2023 में आरंभ की थी, जिसका उद्देश्य वंचित विद्यार्थियों को शिक्षा में सहयोग प्रदान करना है। यह पुस्तकें विशेष रूप से उन विद्यार्थियों के लिए उपयोगी होंगी जो 10वीं और 12वीं कक्षा के बाद पॉलिटेक्निक, कॉन्स्टेबल, सीआईएसएफ, सेना अग्निवीर, पटवारी और फॉरेस्ट गार्ड जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट सीमित संसाधनों के बावजूद लगातार योगदान देने के प्रयास में है और आपदा के बाद छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य एवं करियर मार्गदर्शन पर भी ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। विद्यालय के प्रधानाचार्य कर्म लाल शर्मा और प्रकाश दीपक ने एसडीएम तथा ट्रस्ट का आभार व्यक्त किया।

## ज्ञान से संस्कार की ओर: डॉ. अमित गुलेरिया की विद्यार्थियों के साथ भारतीय संस्कृति, योग और जीवन मूल्यों पर विचार गोष्ठी

अर्थ प्रकाश/सुभाग सचदेवा

**गोहर 14 अक्तूबर।** अभिलाषी विश्वविद्यालय, चैलचौक में आयुर्वेद विभाग, हिमाचल प्रदेश सरकार के अतिरिक्त निदेशक डॉ. अमित गुलेरिया व आयुर्वेद एवं स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के विद्यार्थियों और अध्यापकों के बीच संवाद विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया । कुलपति प्रो. डॉ. हरिन्द्र कुमार चौधरी ने माननीय कुलाधिपति और प्रति कुलाधिपति की ओर से डॉ. गुलेरिया का हार्दिक स्वागत किया। कुलपति ने बताया कि डॉ. अमित गुलेरिया एक कुशल पशु-चिकित्सक, प्रशासक और आध्यात्मिक व्यक्तित्व के धनी हैं, जिनके विचार युवाओं को सही दिशा में प्रेरित करते हैं।

विचार गोष्ठी में डॉ. गुलेरिया ने कहा कि भारत की समृद्ध संस्कृति और परंपराएँ पश्चिमी सभ्यता से कहीं अधिक गहराई और मूल्य लिए हुए हैं। उन्होंने विद्यार्थियों के साथ विचार साझा करते हुए कहा कि सही शिक्षा वही है जो ज्ञान के साथ संस्कार भी दे। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने, योग अपनाने, भारतीय चिकित्सा प्रणाली (आयुर्वेद) को समझने, माता-पिता और बड़ों के संस्कारों का सम्मान करने तथा श्रीमद्भगवद्गीता के उपदेशों को जीवन में अपनाने का आग्रह किया। डॉ. गुलेरिया के ये प्रेरणादायी विचार विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए आत्ममंथन और नई ऊर्जा का स्रोत सिद्ध हुए। कार्यक्रम के समापन में कुलपति प्रो. चौधरी ने विश्वविद्यालय परिवार और प्रबंधन की ओर से डॉ. अमित गुलेरिया का महत्व पूर्ण विचार गोष्ठी के लिए उनके अमूल्य विचारों के लिए आभार व्यक्त किया।

इस कार्यक्रम के सफल आयोजन पर विवि के कुलाधिपति डॉ आर के अभिलाषी, प्रति कुलाधिपति डॉ एल के अभिलाषी व कुलपति प्रो. एच के चौधरी ने आयोजकों की सराहना की व अभिलाषी एजुकेशन सोसायटी की वाइस चेयरपर्सन डॉ प्रोमिला अभिलाषी, जीनियस एजूकेशन सोसायटी की चेयरपर्सन डॉ नर्वदा अभिलाषी, सचिव नरेंद्र कुमार व रजिस्ट्रार डॉ कपिल कपूर एवं डीन आयुर्वेद एवं स्वास्थ्य विज्ञान डॉ. डी.के. मिश्रा ने बधाई दी।

## भारत के लिए नवाचार-पाइनग्रोव ने आयोजित किया विकसित भारत बिल्डाथॉन 2025

अर्थ प्रकाश/यशपाल कपूर

**सोलन, 14 अक्तूबर।** पाइनग्रोव स्कूल, धर्मपुर में13 अक्तूबर2025 को स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग (ष्ठश्वस्श्वरु), शिक्षा मंत्रालय, नीति आयोग के अटल इनोवेशन मिशन और एआईसीटीई के सहयोग से विकसित भारत बिल्डाथॉन (VBB) 2025 का आयोजन किया गया। यह अखिल भारतीय हैकथॉन कक्षा 6 से 12 तक के छात्रों को चार मुख्य विषयों – आत्मनिर्भर भारत, स्वदेशी, वोकल फॉर लोकल और समृद्ध भारत – पर नवाचार के लिए प्रोत्साहित करता है।कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रीय शुभारंभ के सीधे प्रसारण से हुई, जिसके बाद छात्रों ने विचार मंथन, डिज़ाइनिंग और प्रोटोटाइप निर्माण की व्यावहारिक गतिविधियों में भाग लिया। छात्रों ने टीमों में मिलकर वास्तविक जीवन की चुनौतियों के समाधान हेतु अपने विचार प्रस्तुत किए। 21 टीमों में 100 से अधिक पाइनग्रोव छात्रों ने रचनात्मक मॉडल पेश किए, जिनमें उन्होंने नवाचार का उद्देश्य और सामाजिक प्रभाव साझा किया। इस अवसर पर सीनियर सेकेंडरी प्रमुख संजय चौहान और प्राथमिक स्कूल प्रमुख डॉ. किरण अत्री तथा अनेक शिक्षकों ने उपस्थित होकर छात्रों को प्रोत्साहित किया। इस आयोजन ने युवाओं में रचनात्मक और आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा दिया जिससे उनमें टीमवर्क, आत्मनिर्भरता और राष्ट्र निर्माण के प्रति गर्व की भावना विकसित हुई है।

## ज़िला आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण द्वारा अंतरराष्ट्रीय आपदा जोखिम पर एक दिवसीय कार्यशाला

अर्थ प्रकाश/अशेष शर्मा

**केलांग (कुल्लू) 14 अक्टूबर।** ज़िला आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण द्वारा अंतरराष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण दिवस के अवसर पर आज एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन ÷समर्थ ÷ अभियान के अंतर्गत जिले के संग्रहालय सभागार में भव्य रूप से किया गया। डॉ सौरव गुप्ता एवं तन्मय गुप्ता ने इस कार्यशाला में जानकारी देते हुए बताया कि इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य भूकंप प्रतिरोधी घरों के निर्माण हेतु सुरक्षित और आधुनिक निर्माण प्रथाओं को बढ़ावा देना था, जिससे जिले में प्राकृतिक आपदाओं से निपटने की क्षमता को सुदृढ़ किया जा सके।

इस कार्यक्रम में उपायुक्त लाहौल स्पीति किरण भड़ाना मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थीं। उपायुक्त ने इस अवसर पर ने अपने संबोधन में आपदा जोखिम न्यूनीकरण के महत्व पर प्रकाश डाला और समुदाय के बीच जागरूकता फैलाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने समथ 2025 अभियान की उपलब्धियों और आने वाले लक्ष्यों पर भी प्रकाश डाला।

कार्यशाला में स्थानीय निर्माण विशेषज्ञों, इंजीनियरों, सरकारी अधिकारियों, पंचायत प्रतिनिधियों और समुदाय के अन्य सदस्यों ने भाग लिया। कार्यशाला के दौरान विशेषज्ञों ने भूकंपरोधी घरों के डिजाइन, टिकाऊ और गुणवत्ता युक्त निर्माण सामग्री, तथा सुरक्षित निर्माण तकनीकों से संबंधित विस्तृत सत्र प्रस्तुत किए। तकनीकी और व्यावहारिक दोनों पक्षों को शामिल करते हुए, प्रतिभागियों को आधुनिक निर्माण विधियों और सुरक्षा मानकों के प्रति जागरूक किया गया।

इस अवसर पर, किरण भड़ाना ने जिले में हाल ही में आई आपदा के दौरान असाधारण कार्य करने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों और महिला मंडलों,स्वयंसेवकों को प्रशंसा प्रमाणपत्र प्रदान किए। इन पुरस्कारों ने उनकी निष्ठा, साहस और समर्पण को सम्मानित किया, जो आपदा प्रबंधन में प्रेरणास्रोत हैं।

कार्यक्रम के महत्वपूर्ण अंग के रूप में पंचायत त्वरित प्रतिक्रिया टीमों का भी औपचारिक शुभारंभ किया गया। ये टीमें ग्रामीण स्तर पर आपदा के दौरान त्वरित और प्रभावी राहत एवं बचाव कार्य सुनिश्चित करने के लिए प्रशिक्षित की गई हैं। इस पहल से ग्रामीण पंचायतों में आपदा तैयारी एवं प्रतिक्रिया प्रणाली को और मजबूत बनाने की उम्मीद है।

कार्यक्रम के समापन पर जिला कलेक्टर ने सभी प्रतिभागियों, अधिकारियों, और समुदाय के सदस्यों से आवाहन किया कि वे आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए सामूहिक रूप से कार्य करें और ÷समथ 2025÷ अभियान को सफल बनाने में सक्रिय सहयोग दें। उन्होंने भरोसा व्यक्त किया कि इस तरह की कार्यशालाएं तकनीकी ज्ञान और व्यावहारिक अनुभव को साझा करने का महत्वपूर्ण मंच बनेंगी, जिससे जिले में आपदा प्रतिरोधक बुनियादी ढांचे का विकास होगा।

यह कार्यशाला न केवल आपदा जोखिम न्यूनीकरण के क्षेत्र में जागरूकता बढ़ाने में सहायक रही, बल्कि जिले की आपदा प्रबंधन क्षमताओं को सशक्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी साबित होगी ।

# अतिक्रमण, बदहाली और टूटी सड़कों के लिए निगम एचएसवीपी और पीएमडीए जिम्मेदार : फोरा

फेडरेशन ऑफ रेजिडेंट्स एसोसिएशनस के प्रतिनिधियों ने कहा शहर में अतिक्रमण पर प्रशासन की नाकामी

अर्थ प्रकाश संवाददाता

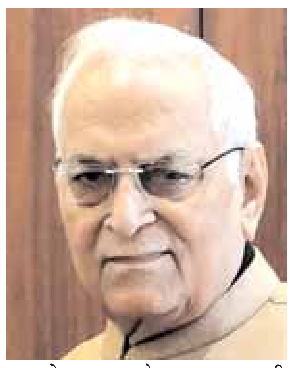

**पंचकूला।** फेडरेशन ऑफ रेजिडेंट्स एसोसिएशनस (फोरा) की नवगठित कार्यकारिणी की बैठक में अतिक्रमण, शहर की सड़कों और साफ सफाई की बदहाल स्थिति को ले कर गहरी चिंता जताते हुए इस के लिए नगर निगम, एच एसवीपी और पी एम डी ए को जिम्मेदार ठहराया है।

फोरा प्रधान आर पी मल्होत्रा की अध्यक्षता में हुई इस मीटिंग में फोरा महासचिव भारत हितैषी और वरिष्ठ उपप्रधान जी एस चहल ने शहर में अतिक्रमण पर प्रशासन की नाकामी और राजनीतिक संरक्षण पर रोष जताते हुए कहा कि अंदरूनी मार्केटों में जगह जगह खाने पीने के वाहन, बरामदों में दुकानदारों के खचाखच भरे सामान ने आम लोगों का जीवन कठिन बना दिया है। प्रधान आर पी मल्होत्रा का मानना है कि अतिक्रमण के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने में पंचकूला प्रशासन की चंडीगढ़ की तुलना में नरमी और राजनीतिक संरक्षण अतिक्रमण की भयावह समस्या को हल करने में सब से बड़ी बाधा है।

सेक्टर 16 के प्रधान आर सी गुप्ता और सेक्टर 9 के प्रधान जय राजा गर्ग ने प्रशासन पर आरोप लगाया कि वह या तो अतिक्रमणकारियों के सामने झुक गया है या उनके साथ मिला हुआ है लेकिन यदि अधिकारी दृढ़ता से कार्रवाई करें तो शहर को अवैध कब्जे से मुक्त कराया जा सकता है। फोरा उपप्रधान बी आर मेहता, विजय गुप्ता और अविनाश मलिक ने शहर की गड्ढों से भरी टूटी फूटी सड़कों पर गुस्सा व्यक्त करते हुए कहा कि सड़कों पर जगह जगह गड्ढे हादसों का कारण बन रहे हैं खास कर दोपहिया वाहनों के लिए स्थिति और भी खराब हो रही है। उन्होंने बताया कि शहर की कई सड़कें ऐसी हैं जिन की 5 साल की आयु समाप्त हो जाने के बाद भी उन की रिकॉरपेटिंग नहीं की गई।

## सबसे बड़े सेक्टर में जगह जगह कूड़े के ढेर, झाड़ियां

फोरा वित्त सचिव एन के शर्मा और सेक्टर 12 ए के प्रधान आर के सूद ने शहर की बदतर सफाई व्यवस्था का मुद्दा उठाते हुए कहा कि शहर में और सेक्टर 20 में जगह जगह कूड़े के ढेर और ऊंची ऊंची झाड़ियां शहरवासियों के लिए विभिन्न बीमारियों को न्योता दे रही हैं जो गंभीर चिंता का विषय है। शर्मा ने शहर की निकृष्ट सफाई व्यवस्था पर तंज कसते हुए कहा कि मेट्रोपॉलिटन दर्जा मिलने के बाबजूद ऐसा लगता है कि हम किसी अर्बन शहर में नहीं बल्कि किसी गांव या छोटे कस्बे में रह रहे हैं।

### सिविल अस्पताल की दवाओं पर सवाल

फोरा कोर कमेटी सदस्य डॉक्टर एम एस कंबोज ने सेक्टर 6 के सरकारी नागरिक अस्पताल में मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही दवाओं की गुणवत्ता पर सवाल खड़े करते हुए बताया कि जानकार सूत्रों के अनुसार मरीजों को मुहैया कराई जा रही दवाएं सब-स्टैंडर्ड होने के कारण मरीजों के स्वास्थ्य के लिए हितकर नहीं हैं। फोरा पदाधिकारियों ने नगर निगम, एच एस वी पी और पी एम डी ए को अतिक्रमण हटाने, सफाई व्यवस्था चुस्त दुरुस्त करने और टूटी सड़कों की तुरंत मुरम्मत करवाने के लिए प्रभावी कदम उठाने के लिए आवश्यक कार्यवाही करने का आग्रह किया है।

## मोरनी को पर्यटन का नया केंद्र बनाएंगे

# शक्ति रानी शर्मा ने किया 3.64 करोड़ की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास

अर्थ प्रकाश/जग्गी

कालका। कालका विधानसभा क्षेत्र की विधायक श्रीमती शक्ति रानी शर्मा ने मोरनी क्षेत्र में 3 करोड़ 64 लाख की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास किया। इन परियोजनाओं में सड़क सुदृढ़ीकरण, संपर्क मार्ग सुधार, रिटेनिंग वॉल निर्माण, चौपाल और सामुदायिक ढांचे के विस्तार जैसे कार्य शामिल हैं। इन परियोजनाओं से मोरनी की कनेक्टिविटी बेहतर होगी और ग्रामीण इलाकों में परिवहन व बुनियादी सुविधाओं को मजबूती मिलेगी।

मुख्य परियोजनाओं में जल्लाह से मंधाना तक सड़क निर्माण कार्य (1.46 करोड़), भोज नाइटा में रिटेनिंग वॉल और मंदिर शेड निर्माण (6 लाख), भूड़ी में चौपाल निर्माण (8 लाख), मोरनी-त्रिलोकपुर मार्ग सुदृढ़ीकरण (2 करोड़) और अन्य ग्रामीण सड़कों का निर्माण शामिल है।

ग्रामीणों ने विधायक शक्ति रानी शर्मा का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वर्षों बाद मोरनी क्षेत्र को वास्तविक विकास की सौगात मिली है। इस मौके पर विधायक ने कहा कि उनका लक्ष्य मोरनी को हरियाणा का प्रमुख पर्यटन केंद्र बनाना है। उन्होंने बताया कि टिक्करताल में पैराग्लाइडिंग की शुरुआत हो चुकी है और जल्द ही ट्रैकिंग, कैंपिंग, नेचर ट्रेल्स और वाटर स्पोर्ट्स जैसी गतिविधियाँ भी शुरू की जाएंगी।

शक्ति रानी शर्मा ने कहा कि मोरनी का विकास केवल पर्यटन तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि ऑर्गेनिक खेती और ग्रामीण रोजगार को भी प्रोत्साहन मिलेगा ताकि स्थानीय युवाओं को घर पर ही रोजगार मिल सके। उन्होंने बताया कि वर्तमान कार्यकाल में मोरनी में अब तक 5.28 करोड़ की विकास परियोजनाएँ पूरी की जा चुकी हैं। इस अवसर पर पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता और ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

## कोर्ट परिसर में लगा ट्रांसफार्मर, बार एसोसिएशन ने उपायुक्त के प्रयास को सराहा

अर्थ प्रकाश/सोनू

पंचकूला। पंचकूला स्थित जिला कोर्ट परिसर में ट्रांसफार्मर लगने के बाद बिजली की समस्या पेश नहीं आएगी। जिला बार एसोसिएशन पंचकूला के अध्यक्ष एडवोकेट राकेश शर्मा के नेतृत्व में मंगलवार को एक प्रतिनिधिमंडल ने उपायुक्त सतपाल शर्मा से मुलाकात कर बिजली ट्रांसफर की मांग को शीघ्र पूरा करने पर उनके प्रयासों की सराहना की।

इस अवसर पर एडवोकेट राकेश शर्मा ने कहा कि गत बुधवार को एसोसिएशन द्वारा बार परिसर में ट्रांसफार्मर लगाने और पार्किंग की सुविधा उपलब्ध कराने की मांग की गई थी। मात्र दो दिनों के भीतर, शुक्रवार को ट्रांसफार्मर लगवा दिया गया, जो उपायुक्त की त्वरित कार्यशैली और जनहित के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस मौके पर उपायुक्त सतपाल शर्मा ने आश्वस्त किया कि पार्किंग की सुविधा के लिए उपयुक्त स्थान जल्द ही चिन्हित कर आवश्यक व्यवस्था की जाएगी। इस अवसर पर जिला बार एसोसिएशन के प्रधान राकेश शर्मा, सचिव कुलबीर सैनी , वरिष्ठ उप प्रधान जसबीर सिंह ठोल, कोषाध्यक्ष रविन्द्र सिंह ,बार एसोसिएशन पंचकूला के पूर्व प्रधान अमित सिंगला , तारा जसिया अधिवक्ता, अनिल कालिरमन अधिवक्ता, अंकित मलिक अधिवक्ता, विनोद शर्मा एडवोकेट, एवं अन्य अधिवक्ता उपस्थित रहे।

## पंचकूला में रेड क्रॉस की ओर से सीपीआर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

अर्थ प्रकाश/सोनू

पंचकूला। हरियाणा राज्य शाखा के निर्देशानुसार जिला रेड क्रॉस सोसाइटी पंचकूला फर्स्ट ऐड ट्रेनिंग हाल में सीपीआर जागरूकता प्रोग्राम मनाया गया।13 से 17 अक्टूबर 2025 सीपीआर जागरूकता सप्ताह के पहले दिन जिला सेंट जॉन एम्बुलेंस इंडिया केंद्र पंचकूला के उपायुक्त एवं प्रधान श्री सतपाल शर्मा जी के मार्गदर्शन में रेड क्रॉस सोसायटी पंचकूला सचिव श्रीमती सविता अग्रवाल जी के निर्देशन में 13 अक्टूबर को सीपीआर जागरूकता कार्यक्रम किया गया जिसमें आमजन को सीपीआर के बारे में प्रवक्ता श्री चंद्रपाल और श्रीमती नीलम कौशिक जी ने जानकारी दी। जब व्यक्ति बेहोश हो जाता है और सांस नहीं चलती।

व्यक्ति का हार्ट और फेफड़े काम नहीं करते। या बच्चे को जो 1 साल का है उसको दो उंगलियों से छाती पर दबाव और 1-12 साल का उसको एक हाथ से छाती पर दबाव और 12 साल से ऊपर है तो उसको दोनों हाथ से छाती पर दबाव 1 मिनट मे 100-120 बार तक दबाव देना है जब तक उसको होश ना आ जाए। जब तक हम थक ना जाएं या जब तक उसको डॉक्टर के पास ना पहुंचा दे। जब तक उसको सीपीआर देते रहना है।इस प्रकार पूरे विस्तार से सीपीआर के बारे में जानकारी दी गई। रेड क्रॉस सोसाइटी कार्यालय से गंभीर सिंह भी मौजूद रहे।

## आईटीआई कालका में 35 प्रतिशत सीटें खाली, 17 तक होगा दाखिला

अर्थ प्रकाश संवाददाता

पंचकूला। जिला के कालका में बिटना स्थित आईटीआई में खाली 35 प्रतिशत सीटों पर 17 अक्टूबर तक दाखिले के लिए आवेदन कर सज्जकते हैं। यह जानकारी मंगलवार को संस्थान के प्रधानाचार्य मनदीप ने दी। उन्होंने बताया कि बताया कि अब दाखिले की तिथि बढ़ाकर 10 अक्टूबर से 17 अक्टूबर कर दी गई ह। अभी संस्थान सीटें खाली पड़ी है। ऐसे में विद्यार्थी फिजिकल काउंसलिंग के तहत भाग लेकर अपना दाखिला सुनिश्चित कर सकते हैं।

दाखिले के लिए कमेटी का गठन किया गया है। विद्यार्थी संस्थान में पहुंचकर ऑन द स्पॉट दाखिला ले सकते हैं द्व संस्थान में चल रहे सभी कोर्सेज का अवलोकन विभागीय वेबसाइट पर किया जा सकता है या 9485773042, 9813333316, 9518149397 संपर्क किया जा सकता है।

**जिला युवा महोत्सव में 27 से**

प्रधानाचार्य बनने बताया कि युवा आधिकरिता एवं उद्यमिता विभाग द्वारा दो दिवसीय जिला युवा महोत्सव 27 अक्टूबर से शुरू होगा। जिले की सभी संस्थाओं में इस बड़े आयोजन की तैयारी शुरू कर दी गई है द्व दाखिले के इच्छुक छात्र तुरंत आईटीआई बिटना में संपर्क कर सकते हैं। कला एवं संस्कृति में रुचि रखने वाले युवा महोत्सव के लिए पंजीकरण शुरू कर सकते हैं। युवा मोहत्सव के लिए पंजीकरण की अंतिम तिथि 24 अक्टूबर है।

## प्रोफेसर के.सी. यादव के सम्मान में व्याख्यान का आयोजन

अर्थ प्रकाश संवाददाता

पंचकूला। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सेक्टर-1, पंचकुला में इतिहास विभाग के तत्वावधान में चतुर्थ प्रोफेसर के.सी. यादव मेमोरियल व्याख्यान का आयोजन प्राचार्य डा. शैलजा छाबड़ा की अध्यक्षता में किया गया।

इस अवसर पर प्राचार्या डॉ. शैलजा छाबड़ा ने कहा कि प्रोफेसर के.सी. यादव ने हरियाणा के इतिहास के अध्ययन और लेखन में अमूल्य योगदान दिया है। उन्होंने कठोर शोध, गहन विश्लेषण और व्यापक प्रकाशनों के माध्यम से प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक, सामाजिक और राजनीतिक विरासत को उजागर किया। उनका कार्य इतिहासकारों और विद्यार्थियों दोनों के लिए प्रेरणास्रोत है। इतिहास विभागाध्यक्ष प्रो. भूपसिंह बलहारा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रोफेसर यादव का योगदान हरियाणा के अतीत को प्राचीन काल से आधुनिक विकास तक दस्तावेजीकृत करने में महत्वपूर्ण रहा है। उन्होंने हरियाणा के इतिहास को न केवल अकादमिक जगत बल्कि आम पाठकों तक भी पहुँचाया। कार्यक्रम के सह-समन्वयक डा. अमरदीप, एसोसिएट प्रोफेसर ने कहा कि प्रोफेसर यादव केवल एक इतिहासकार ही नहीं बल्कि छात्रों के लिए निरंतर प्रेरणा का स्रोत रहे हैं। उनके शोध और शिक्षण के प्रति जुनून ने अनेक विद्यार्थियों को ऐतिहासिक अनुसंधान में सक्रिय होने के लिए प्रेरित किया। डा. प्रिया मलिक ने कहा कि प्रोफेसर के.सी. यादव की स्थायी विरासत उनके अकादमिक योगदान और पीढ़ियों के छात्रों पर उनके परिवर्तनकारी प्रभाव में निहित है। वे अपने कार्य और दृष्टिकोण से विद्यार्थियों को निरंतर प्रेरित करते रहेंगे।इस अवसर पर डॉ. प्रवेश, डॉ. प्रिया मलिक सहित इतिहास विभाग के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

## दाखिले की अंतिम तिथि बढ़ाकर 10 से 17 अक्तूबर तक

अर्थ प्रकाश/सुनील सिंघई

पंचकूला, 14 अक्टूबर प्रधानाचार्य श्री मनदीप ने बताया जो विद्यार्थी अभी तक किसी कारण वश दाखिला नहीं ले पाए उनके लिए Govt ITI Kalka at Bitna में दाखिला लेने का सुनहरा अवसर अब दाखिले की तिथि बढाकर 10 अक्टूबर से 17 अक्टूबर कर दी गई है द्व अभी संस्थान में 35न्न सीटे खाली पड़ी है। ऐसे में विद्यार्थी फिजिकल काउंसलिंग के तहत भाग लेकर अपना दाखिला सुनिश्चित कर सकते हैं।

प्रधानाचार्य मनदीप ने बताया कि दाखिले के लिए कमेटी का गठन किया गया है। अतः इच्छुक विद्यार्थी संस्थान में पहुंचकर ऑन द स्पॉट दाखला ले सकते हैं। संस्थान में चल रहे सभी कोर्सेज का अवलोकन विभागीय वेबसाइट Admission.iti.haryana.gov.in पर किया जा सकता है या 9485773042, 9813333316, 9518149397 संपर्क किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त युवा आधिकरिता एवं उद्मिता विभाग द्वारा दो दिवसीय जिला युवा महोत्सव में इस वर्ष 27 अक्टूबर को 28 अक्टूबर 2025 को पंचकूला आयोजित किया जाएगा।

## पंजाबी समुदाय को एकजुट करने के लिए कार्ययोजना पर हुई चर्चा

अर्थ प्रकाश संवाददाता

पंचकूला। पंजाबी समुदाय के प्रमुख समान विचारधारा वाले व्यक्तियों की एक प्रारंभिक बैठक आर.के. कक्कड़ की अध्यक्षता में पंचकूला के अमरटेक्स बिल्डिंग औद्योगिक क्षेत्र फेज 1, पंचकूला में आयोजित की गई। अरुण ग्रोवर और मुकेश मल्होत्रा ने बैठक में कहा कि शहर और जिले में लगभग सभी क्षेत्रों, चाहे वह सामाजिक, धार्मिक, राजनीतिक या भौगोलिक दृष्टि से उपेक्षित पाया गया हो, समुदाय को एकजुट करने के लिए भविष्य की कार्ययोजना पर चर्चा की गई। यद्यपि, पंचकूला अपने गठन के समय से ही पंजाबी बहुल-क्षेत्र रहा है और यहां पंजाबी समुदाय की सबसे बड़ी संख्या है, तथापि पंजाबी समुदाय ने शहर और जिले दोनों की स्थापना और विकास के लिए हमेशा सक्रिय भूमिका निभाई है, फिर भी उन्हें उपेक्षित रखा है।

बैठक में आर के कक्कड़, मुकेश मल्होत्रा, अरुण ग्रोवर, केवल ढींगरा, एस के नैयर, पवन वलेचा, राकेश सोंधी, अशोक चितकारा, राजेश ढांडा खत्री, दीपक धवन, हरीश साहनी, अशोक साहनी, राकेश छाबड़ा, बिट्टू नंदा कालका, भारत भूषण सेठी, बी के खुराना, हर्ष चड्ढा, नरेश मल्होत्रा, वाई के कवात्रा, संजीव तलवार, विवेक काकरिया, हरीश कुमार, अनुपम भल्ला, अमन खुल्लर, विनय धीर, मोहिंदर सिंह तनेजा (बॉबी) उपस्थित रहे। शहर की सिटीजन वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष एसके नैय्यर ने बताया कि बैठक के दौरान सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि चंडीगढ़ में एक प्रेस-कॉन्फ्रेंस आयोजित की जाएगी, ताकि पंजाबी समुदाय के हितों में और उनके परिवार के सदस्यों के कल्याण के लिए भी आवश्यक कदम उठाए जा सकें।

## धूमधाम से मना शिक्षाविद डा. अमृता का जन्मोत्सव

कॉलेज प्रांगण में रामचरित मानस पाठ, रक्त दान शिविर व आध्यात्मिक और धार्मिक कार्यक्रमों का हुआ आयोजन

रक्तदाताओं ने 176 यूनिट रक्त किया दान

अर्थ प्रकाश/सुनील सिंघई

पंचकूला। ब्रह्मर्षि कॉलेज ऑफ एजुकेशन, विराट नगर पिंजौर की प्रधानाचार्या, शिक्षाविद, कथा वाचिका, आध्यात्मिक व आयुर्वेद के क्षेत्र में प्रतिष्ठित व्यक्तित्व की स्वामी डॉ. अमृता का जन्मोत्सव बड़े ही धूमधाम व हर्षोल्लास से मनाया गया। इस अवसर पर कॉलेज प्रांगण में श्री रामचरित मानस पाठ, रक्त दान शिविर व आध्यात्मिक और धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

रक्तदान शिविर का शुभारम्भ गुरुदेव ब्रह्मर्षि विश्वात्मा बावरा जी महाराज की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर किया गया।

रक्तदान शिविर का आयोजन सैक्टर-32 अस्पताल चण्डीगढ़ से एच ओ डी. डॉ. खनीत कौर, डॉ. राजीव भारद्वाज व उनकी सहयोगी टीम के नेतृत्व में हुआ। इस रक्तदान शिविर में 176 यूनिट रक्त एकत्रित हुआ। रक्तदानियों को प्रशस्ति पत्र व उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया। इस शुभ अवसर पर कालका विधायक शक्ति रानी शर्मा, स्वामी विज्ञानानंद मुरथल, डॉ. जयदीप आर्य चेयरमैन हरियाणा योग आयोग, भाजपा नेता डॉ. वरिन्द्र गर्ग, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती बंतो कटारिया, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता, भाजपा नेता ओम प्रकाश देवी नगर, रमाकान्त, शैलेश शर्मा, श्रीनिवास दीक्षित, पृथ्वी राज, सचिव माता मनसा देवी श्राइन बोर्ड, जगमोहन गर्ग महाराज अग्रसेन चैरिटेबल ट्रस्ट, विजय गर्ग माया गार्डन, कुसम कुमार गुप्ता,कृष्ण लाल लाम्ब चेयरमैन, आर पी मल्होत्रा आदि गणमान्य अतिथिगण ने अपनी उपस्थिति देकर स्वामी डा. अमृता जी को शुभ जन्मदिन की बधाई देकर आशीर्वाद लिया।

## बैंक ऑफ महाराष्ट्र में हिंदी माह का समापन समारोह

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़। बैंक ऑफ महाराष्ट्र चंडीगढ़ अंचल द्वारा हिंदी दिवस के अवसर पर आयोजित हिंदी माह (14 सितंबर से 14 अक्टूबर) का आज समापन समारोह अंचल कार्यालय के सभागार में आयोजित किया गया। इस अवसर पर अंचल प्रबंधक सुजीत कुमार नायक ने अध्यक्षता की। इस दौरान राजभाषा अधिकारी दिवाकर शर्मा ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी चंडीगढ़ अंचल एवं अधीनस्थ शाखाओं में हिंदी माह के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था। इन प्रतियोगिताओं में कुल 100 से अधिक अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया। आज इन प्रतियोगिताओं के विजेताओं को अंचल प्रबंधक द्वारा पुरस्कृत किया गया। मुख्य रूप से चित्र अभिव्यक्ति, मुहावरे पहचानो, शब्द ज्ञान, हिंदी वर्ग पहेली आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था।

इस अवसर पर अंचल प्रबंधक सुजीत कुमार नायक ने सभी विजेताओं को बधाई देते हुए हिंदी के प्रसार और प्रचार में बैंक की भूमिका के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने सभी से इसी उत्साह से हिंदी प्रतियोगिताओं में भाग लेने और कार्य करने का आह्वान किया। इस अवसर पर बैंक के वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे। समापन समारोह के अंत में सभी का धन्यवाद किया गया।

## अंधेरे दौर में रोशनी दिखाएगा डिवाइन लाइट हाउस : डॉ शांतनु

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़। ब्रह्मा कुमारीज मीडिया विंग के राष्ट्रीय संयोजक डॉ. शांतनु भाई ने कहा है कि संस्थान द्वारा सेक्टर 27 बी चंडीगढ़ में निर्मित 'ग्लोबल डिवाइन लाइट हाउस' समाज में नैतिक, और आध्यात्मिक मूल्यों को पुनर्स्थापित करने का केंद्र बनेगा। यह स्थान जाति, धर्म, वर्ग, उम्र से परे, हर वर्ग के व्यक्ति के लिए खुला रहेगा। भवन का उद्घाटन कार्यक्रम ब्रह्माकुमारीज़ के दिल्ली ज़ोन की राजयोगिनी बीके चक्रधारी दीदी करेंगी।

यहां आयोजित प्रेस वार्ता में केंद्र प्रभारी बी.के पूनम ने बताया कि यह स्थल आंतरिक शांति, ध्यान, और दिव्य अनुभवों के लिए एक आदर्श केंद्र होगा। केंद्र में नशा छुड़ाने के लिए प्रशिक्षण व जनहित के कार्यक्रम साल भर संचालित होंगे। उन्होंने कहा कि मुख्य कार्यक्रम में बुधवार, 15 अक्टूबर को रामलीला ग्राउंड, सेक्टर 27 में ध्यान, शांति की अनुभूति, प्रार्थना और अध्यात्मिक संबोधन होंगे।

वहीं बी.के उत्तरा दीदी ने इसे 'तनाव मुक्त जीवन जीने की कला सिखाने वाला स्थल' बताया। उन्होंने कहा कि यह स्थान मनुष्य को आत्मज्ञान, आत्म-सशक्तिकरण तथा सेवा के मार्ग पर प्रेरित करेगा। उन्होंने बताया कि केंद्र मानवता के लिए एक आध्यात्मिक प्रकाश स्तंभ के रूप में कार्य करेगा। कांफ्रेंस में बताया गया कि समारोह में पंजाब ज़ोन की वरिष्ठ निर्देशिकाएं बी के प्रेमलता दीदी और बीके उत्तरा दीदी भी संबोधन करेंगी। समारोह में माउंट आबू से, अध्यक्ष, धार्मिक प्रभाग, प्रयागराज बी के मनोरमा दीदी , राष्ट्रीय समन्वयक, धार्मिक विंग बीके रामनाथ भाई आध्यात्मिक सन्देश देंगे।

केंद्र प्रभारी बी.के पूनम ने बताया कि समारोह मे हरियाणा विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष ज्ञान चंद गुप्ता, भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य संजय टंडन आदि कई विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहेंगे। जोनल मीडिया समन्वयक बी के कर्मचंद ने बताया कि कार्यक्रम में विभिन्न धर्मों के संत, गुरुजन एवं समाजसेवी भी भाग लेंगे, जो आपसी सौहार्द और शांति का संदेश देंगे। मीडिया विंग के राष्ट्रीय संयोजक डॉ. शांतनु भाई ने बताया कि ब्रह्माकुमारीज़ संस्था संयुक्त राष्ट्र से संबद्ध एक अंतरराष्ट्रीय एनजीओ है, जिसे अब तक 7 बार संयुक्त राष्ट्र शांति दूत पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। इसका कार्यक्षेत्र जलवायु परिवर्तन, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण, नैतिक शिक्षा आदि जैसे विषयों पर फैला है।उन्होंने बताया कि 140 देशों में 4500 से अधिक राजयोग केंद्रों का संचालन करने वाली इस संस्था की प्रमुख राजयोगिनी बीके मोहिनी दीदी हैं।

## सतर्कता जागरूकता अभियान के अंतर्गत 'पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता एवं भाषण प्रतियोगिता' का आयोजन

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़। मंगलवार को नेशनल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (भारत सरकार का उपक्रम) के चंडीगढ़ क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा जी.एस.एस. विद्यालय, सेक्टर-22 'ए', चंडीगढ़ में सतर्कता जागरूकता अभियान के अंतर्गत पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। उप महा प्रबंधक के.जी. शर्मा के तत्वावधान में इस कार्यक्रम का संचालन विजिलेंस विभाग से अंकुर गर्ग (प्रबंधक), विजय वर्मा (सहायक प्रबंधक) एवं विद्यालय के अध्यापकगणों द्वारा किया गया। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए 'सतर्कता' हमारी साझा जिम्मेदारी- विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए और अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के उपरांत विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कार वितरित किए गए। इस अवसर पर उप महा प्रबंधक के. जी. शर्मा ने विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती अनीता धवन का हार्दिक आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के समापन पर कंपनी की ओर से विद्यार्थियों को मिष्ठान वितरण किया गया।

# महेंद्रगढ़ व नारनौल को विश्व पर्यटन के नक्शे पर लाने की तैयारी

## एक राज्य-एक वैश्विक गंतव्य को पर्यटन मंत्री ने राष्ट्रीय बैठक में रखा प्रस्ताव

**हरियाणा को सांस्कृतिक केंद्र बनाने की कवायद तेज**

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा के पर्यटन मंत्री डॉ.अरविंद शर्मा ने एक राज्य-एक वैश्विक गंतव्य संकल्प में महेंद्रगढ़ की ढोसी की पहाड़ी व नारनौल को दुनिया के मानचित्र पर लाने की पैरवी की है। उन्होंने कहा कि पर्यटन मंत्रालय ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक धरोहर की नगरी महेंद्रगढ-नारनौल को विकसित करे तो देश ही नहीं, विदेशी पर्यटक एक शानदार पर्यटक स्थल को अनुभव कर पाएंगे। पर्यटन मंत्री ने कहा कि प्राकृतिक एवं अरावली पहाड़ियों में इस पर्यटक स्थल के विकसित होने से दक्षिण हरियाणा में रोमांच, धरोहर, प्राकृतिक चिकित्सा एवं खेल आधारित गतिविधियों का समागम केंद्र तैयार होगा।

मंगलवार को हरियाणा के पर्यटन मंत्री डॉ अरविंद शर्मा उदयपुर

(राजस्थान) में पर्यटन मंत्रालय द्वारा आयोजित दो दिवसीय राज्य पर्यटन मंत्रियों की बैठक में संबोधित कर रहे थे। केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत की अध्यक्षता में देशभर के पर्यटन मंत्रियों की बैठक में 50 शीर्ष पर्यटक स्थल विकसित किए जाने पर राज्यों के प्रस्तावों पर मंथन हुआ। हरियाणा का प्रतिनिधित्व करते हुए पर्यटन मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि एक राज्य-एक वैश्विक गंतव्य स्थल के तहत प्रदेश में महेंद्रगढ में ढोसी की पहाड़ी और विरासत नगरी नारनौल को वैश्विक पर्यटक स्थल के तौर पर विकसित करने की पैरवी की। डॉ.शर्मा ने कहा कि ढोसी की पहाड़ी और नारनौल की बावड़ी, मकबरों पर महलों की धरोहर को दुनिया के पर्यटन मानचित्र पर स्थापित किया जाना समय की मांग है।

पर्यटन मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि विश्व स्तरीय पर्यटक स्थल बनाने के लिए ढोसी की पहाडी और नारनौल की ऐतिहासिक हवेली, किले, कुंए, बावबडी, छतरी, द्वार, मंदिर, गुंबद और स्मारकों को एकीकृत विरासत विकास योजना के तहत संरक्षण एवं पर्यटन के नजरिए से विकसित किया जा सकता है। ढोसी की पहाडी को रोमांचक एवं सांस्कृतिक पर्यटन स्थल बनाते हुए ट्रैकिंग व लंबी पैदल चढाई, रोपवे प्रोजेक्ट, पर्यावरण अनुकूल शिविर, स्काईडाइविंग, सांग व अन्य संगीतमय प्रस्तुतियों के अतिरिक्त शिल्प बाजार व कारीगरों के प्रदर्शन को बेहतरीन तरीके से पेश किया जाएगा।

पर्यटन मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने फरीदाबाद को व्यवसायिक पर्यटन के केंद्र के तौर पर विकसित करने का भी प्रस्ताव दिया। उन्होंने कहा कि गुरूग्राम, फरीदाबाद, दिल्ली, नोयडा, गाजियाबाद में फरीदाबाद जैसी अरावली पहाडियों की सुंदरता और प्राकृतिक संरचना के बीच बैठकें, सम्मेलन और प्रदर्शनियों के अवसरों को बढाने की जरूरत है। कैबिनेट मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने राष्ट्रीय बैठक के दौरान उपस्थित पर्यटन मंत्रियों को कुरूक्षेत्र में 15 नवंबर से प्रारंभ हो रहे अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव में शामिल होने व फरवरी माह में फरीदाबाद में 39वें अंतरराष्ट्रीय शिल्प मेले में शामिल होने का न्यौता भी दिया।

# 'सद्भाव यात्रा' को मिल रहा जबरदस्त जनसमर्थन, 10वें दिन जुलाना पहुंची यात्रा

अर्थ प्रकाश/सुरेश सिसोदिया

जींद । हरियाणा में शुरू हुई 'सद्भाव यात्रा' को मिल रहा जनसमर्थन दिन-ब-दिन मजबूत होता जा रहा है। मंगलवार को यात्रा अपने 10वें दिन जुलाना हलके के बराह खुर्द से प्रारंभ होकर सिंधवी खेड़ा, निडानी, पडाना, शामलों कलां गांवों से होती हुई गतौली पहुंची, जहां रात्रि विश्राम किया गया। जुलाना हलके में प्रवेश पर विधायक विनेश फौगाट ने गतौली गांव में यात्रा का जोरदार स्वागत किया। इस अवसर पर सोमवीर राठी, राजेश मलिक, राकेश लाठर, सोमवीर पहलवान, महिला कांग्रेस अध्यक्ष लाजवंती ढिल्लों सहित कई स्थानीय नेता एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

इससे एक दिन पूर्व, सोमवार को कंडेला खाप ने यात्रा को पूर्ण समर्थन दिया। बृजेंद्र सिंह ने कहा आंदोलन की धरती कंडेला खाप ने जो आशीर्वाद और समर्थन दिया, उसके लिए मैं खाप के प्रधान ओमप्रकाश जी का विशेष धन्यवाद करता हूं। जिस सद्भाव की हम बात कर रहे हैं, उसकी मिसाल खगड़ की समाध में देखने को मिलती है – जहां एक पशु के प्रति संवेदना को देवत्व का दर्जा

मिला। यही हरियाणा की असली पहचान है। उन्होंने आगे कहा हरियाणा के लोग राजनीति को गंभीरता से लेते हैं।

सरकार को बने कुछ ही महीने हुए हैं, लेकिन जनता के बीच जाकर उनकी भावना को समझना जरूरी था। कांग्रेस की पिछली हार इसलिए हुई क्योंकि बीजेपी ने समाज को बांटने का काम किया। वे राष्ट्रभक्ति की बात तो करते हैं, लेकिन राष्ट्र को एक रखने की बात कभी नहीं करते। उनका 80-20 का नारा समाज को तोड़ने की राजनीति का प्रतीक है। इस अवसर पर बृजेंद्र सिंह ने खागड़ मंदिर में पुष्प अर्पित कर यात्रा की नई शुरुआत की। यात्रा के हल्का जींद प्रभारी सोमवीर पहलवान व जयभगवान गोयल ने बताया कि 5 अक्टूबर से शुरू हुई सद्भाव यात्रा को हर दिन बढ़ता हुआ जनसमर्थन मिल रहा है। यात्रा जहां-जहां से गुजर रही है, वहां लोग बृजेंद्र सिंह का स्वागत कर रहे हैं, उन्हें आशीर्वाद दे रहे हैं और कांग्रेस में अपना विश्वास जता रहे हैं। यह केवल राजनीतिक अभियान नहीं, बल्कि सामाजिक पुनर्संवाद की एक सशक्त पहल है।

# थाना मुलाना क्षेत्र से चोरी के मामले में आरोपी गिरफ्तार

अर्थ प्रकाश/रवि पाहुजा

अम्बाला। अम्बाला पुलिस द्वारा चोरी/ लूट/ स्नैचिंग की वारदातों पर रोक लगाने के लिए अभियान चलाकर अपराधों की रोकथाम व आपराधिक मामले में वांछित आरोपियों के खिलाफ कठोरता से कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में थाना मुलाना क्षेत्र से टैऊक्टर चोरी के मामले में पुलिस ने तुरन्त कार्यवाही करते हुए 13 अक्तूबर 2025 को आरोपी सुखवन्त सिहँ निवासी गाँव मुलाना थाना मुलाना जिला अम्बाला को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के आदेशानुसार न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

इस मामले के सम्बन्ध में शिकायतकर्ता गुलाब सिहँ निवासी गाँव मुलाना थाना मुलाना जिला अम्बाला ने 13 अक्तूबर 2025 को थाना मुलाना में शिकायत दर्ज करवाई थी कि 12 अक्तूबर 2025 को गाँव मुलाना से आरोपी सुखवन्त सिहँ ने उसका टैऊक्टर चोरी किया है। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर तुरन्त कार्यवाही करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया गया।

## अवैध हथियार सहित गिरफ्तार

सोनीपत (अप्रस)। जिले की क्राईम यूनिट खरखौदा की पुलिस ने अवैध हथियार की घटना मे संलिप्त आरोपी को अवैध हथियार सहित गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी रितेश उर्फ लहरी पुत्र बलराज निवासी फरमाणा जिला सोनीपत का रहने वाला है। इस प्रकरण की विस्तृत जानकारी देते हुए बतलाया कि दिनांक 13 अक्टूबर 2025 को क्राईम यूनिट खरखौदा की पुलिस टीम मे नियुक्त सहायक उप निरिक्षक राजीव अपनी पुलिस टीम के साथ गश्त पड़ताल हेतु फरमाणा चौंक पर मौजूद था कि खुफिया जानकारी प्राप्त हुई कि रितेश उर्फ लहरी पुत्र बलराज निवासी फरमाणा जिला सोनीपत के पास अवैध पिस्तौल है जो फरमाणा सिलाना रोड़ रिढाऊ मोड़ पर किसी के इन्तजार मे खडा है अगर तुरंत रेड की जाये तो रितेश अवैध पिस्तौल सहित काबू आ सकता है।

# वित्तीय क्षेत्र में अनक्लेम्ड एसेट्स के कुशल निपटान को सुगम बनाने के लिए आयोजित होगा जिला स्तरीय वित्तीय साक्षरता एवं जागरूकता शिविर

अर्थ प्रकाश/आदेश त्यागी

सोनीपत। वित्त मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित 'आपकी पूंजी, आपकी सुरक्षा' जन-आंदोलन के अंतर्गत वित्तीय क्षेत्र में अनक्लेम्ड एसेट्स (अप्राप्त दावे) के कुशल एवं त्वरित निपटान को सुगम बनाने के उद्देश्य से जिला स्तरीय वित्तीय साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया जाएगा। 15 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे सेक्टर 15 के कम्युनिटी सेंटर में आयोजित होने वाले इस शिविर का शुभारंभ उपायुक्त सुशील सारवान करेंगे।

एलडीएम हरीश वर्मा ने बताया कि यह शिविर स्टेट लेवल बैंकर्स कमेटी, हरियाणा के दिशा-निर्देशन और अग्रणी जिला कार्यालय, सोनीपत के नेतृत्व में आयोजित किया जा रहा है। शिविर में भारतीय स्टेट बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, पंजाब नेशनल बैंक, हरियाणा ग्रामीण बैंक, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, इंडियन बैंक, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, यूको बैंक, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, बैंक ऑफ इंडिया और एलआईसी सहित अनेक प्रमुख वित्तीय संस्थान भाग लेंगे।

उन्होंने बताया कि शिविर में आम नागरिकों को अनक्लेम्ड बैंक जमा, बीमा दावा, डिविडेंड, म्यूचुअल फंड निवेश आदि से संबंधित जानकारी प्रदान की जाएगी। साथ ही बैंकिंग सुविधाओं, वित्तीय साक्षरता, डिजिटल भुगतान, सुरक्षा उपायों एवं शिकायत निवारण प्रक्रिया पर भी विस्तृत जानकारी दी जाएगी। उन्होंने बताया कि शिविर में विभिन्न बैंकों द्वारा सूचना स्टॉल लगाए जाएंगे, जहां नागरिक अपने प्रश्नों के समाधान, दावा प्रपत्र भरने तथा डिजिटल हेल्पडेस्क के माध्यम से आवश्यक सहायता प्राप्त कर सकेंगे। एलडीएम ने सभी नागरिकों से अपील की गई है कि वे अधिक से अधिक संख्या में शिविर में उपस्थित होकर इस वित्तीय जागरूकता अभियान का लाभ उठाएं।

# मुल्लापुर न्यू चंडीगढ़ में सीआईए रेड के दौरान 55 साल के शख्स की मौत

**घरवाले बोले- पिस्टल दिखाकर धमका रहे थे**

अर्थ प्रकाश/जे के बत्ता

न्यू- चंडीगढ़। मुल्लापुर न्यू चंडीगढ़ में सीआईए की रेड के दौरान एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान दुकानदार 55 वर्षीय राकेश कुमार के रूप में हुई है। घरवालों ने आरोप लगाया कि सिविल वदों में आए सी आई ए कर्मियों ने घर में घुसकर धमकाया। घबराहट में राकेश कुमार की तबीयत बिगड़ी और उसकी मौत हो गई। गुस्साए लोगों ने सीआईए के दो कर्मियों को पकड़ लिया। डीएसपी धर्मवीर, एसपी देहात मनप्रीत सिंह मौके पर पहुंचे। लोगों को समझाकर

पुलिस ने स्थिति पर काबू पाया और सीआईए कर्मियों को मुल्लांपुर थाने ले जाया गया। शाम तक कार्रवाई न होने पर गुस्स्साई भीड़ ने दोनों सीआईए कर्मियों को बाहर निकालने की कोशिश की। दरअसल, मुल्लांपुर में दोपहर करीब 2 बजे पांच लोग एक घर में घुसे। यहां कुछ लोग मार्केट बंद होने के कारण ताश खेल रहे थे। घरवालों के अनुसार बिना वर्दी में आए सीआईए कर्मियों ने पिस्तौल निकालकर धमकाना शुरू कर दिया। राकेश कुमार को तेज झटका लगा और वे बेहोश होकर गिर पड़े। अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मंजीत नामक शख्स की हालत भी बिगड़ गई थी। वहीं, मुल्लांपुर न्यू चंडीगढ़ के थाना प्रभारी अमनदीप तरीका ने कहा कि डीडीआर दर्ज की है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। गुस्साए लोगों ने सीआईए के दो कर्मियों को पकड़ा, पुलिस ने आकर छुड़वाया ।

इंस्पेक्टर हरमिंदर सिंह, सीआईए-जुआ खेलने की सूचना मिली थी. एसई जितेंद्र, हेड कॉन्स्टेबल सिमरजीत, कॉन्स्टेबल हरप्रीत सिंह, कॉन्स्टेबल सुपिंदर और सब इंस्पेक्टर परमिंदर सिंह की टीम रेड करने गई थी। सूचना मिली थी कि वहां जुआ खेला जा रहा है। इस मामले में उच्च अधिकारी जांच कर रहे हैं।

# एटीएम कार्ड बदलकर पैसे निकालने की धोखाधड़ी करने के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

अर्थ प्रकाश/रवि पाहुजा

**अम्बाला।** पुलिस अधीक्षक अम्बाला अजीत सिंह शेखावत के निर्देशानुसार अम्बाला पुलिस द्वारा अपराधों की रोकथाम व आपराधिक मामलों में वांछित आरोपियों को पकड़ने के लिए चलाए जा रहे अभियान के दौरान 13 अक्तूबर 2025 को थाना बलदेव नगर में दर्ज एटीएम कार्ड बदलकर पैसे निकालने की धोखाधड़ी करने के मामले में पुलिस ने कार्यवाही करते हुए आरोपी कपिल व रोहित उर्फ अमित निवासी जैन कालोनी विजय नगर नजदीक गैसपुरा थाना डिविजन-6 लुधियाना पंजाब को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के आदेशानुसार 02 दिन का पुलिस रिमाण्ड प्राप्त किया गया। रिमाण्ड के दौरान आरोपियों से गहनता से पूछताछ की जाएगी।

इस मामले के सम्बन्ध में शिकायतकर्ता महिन्द्र पाल निवासी सैक्टर-1 अम्बाला शहर ने 08 अक्तूबर 2025 को थाना बलदेव नगर में शिकायत दर्ज करवाई थी कि 07 अक्तूबर 2025 को प्रेम नगर अम्बाला शहर में अज्ञात आरोपियों ने धोखे से उसका एटीएम कार्ड बदलकर एटीएम मशीन से नकदी निकालने का आपराधिक कार्य किया है। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर कार्यवाही करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार किया।

अर्थ प्रकाश क्लासीफाइड CLASSIFIED ADS
आज ही बुक करें PH. : 0172-2638515, 98883-03520 Email : arthparkashadvt29@gmail.com

## सार्वजनिक सूचना

**मैं,** दिव्या पत्नी निखिल सचदेवा निवासी House No. 778-P sector 13/17 ground floor पानीपत post office पानीपत haryana ने अपना नाम दिव्या से बदल कर दिव्या सचदेवा रख लिया है भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जायेगा।

I, Shyam Prakash Narayan Singh s/o Kedar Singh r/o # 2002/16 Sector 32C Chandigarh have changed my Name from Shyam Prakash Narayan Singh to Shyam Prakash singh.
एपी-5067

**मैं,** दुर्गा रानी पत्नी कृष्ण सिंह निवासी वीपीओ आलमगढ़, तहसील अबोहर, जिला फाजिल्का, पंजाब मैंने अपना नाम दुर्गा भाई से बदलकर दुर्गा रानी कर लिया है। सभी संबंधित कृपया ध्यान दें।
एपी-5068

I, Jivan Kohli S/o Shiv Ram R/o #663 C, Sector 46-A, Chandigarh have changed my name from Jivan Kohli to Jivan Kohali.

I, Anita Devi Wife of Jivan Kohali R/o #663 C, Sector 46-A, Chandigarh have changed my name from Anita Devi to Anita.
एपी-5069

**मैं,** मयंक पुंडीर पुत्र स्वर्गीय रूप लाल पुंडीर, निवासी 96, अंबेडकर आवास योजना पलसोरा सेक्टर 56, चंडीगढ़, भारत घोषणा करता हूँ कि मेरे शैक्षिक प्रमाण पत्र में मेरे पिता का नाम गलती से रूप लाल लिख दिया गया है। मेरे पिता का वास्तविक नाम रूप लाल पुंडीर है, जिसे तदनुसार संशोधित किया जाए।

**मैं,** संजीव कुमार पुत्र स्वर्गीय पूरन चंद निवासी 246, शांति नगर, गली नंबर 3, मनीमाजरा, चंडीगढ़ ने सबसे पहले अपने बेटे का नाम पिशाल बंसल से बदलकर पीयूष रखा था और उसके जन्म प्रमाण पत्र में नाम पिशाल बंसल था, अब मैंने अपने बेटे का नाम पीयूष से बदलकर पिशाल बंसल के बजाय पिशाल कंसल रख दिया है।

**मैं,** मोहित शर्मा पुत्र लाखन शर्मा निवासी मकान नंबर 13552, गणेश बस्ती, बठिंडा, पंजाब ने अपनी नाबालिग बेटी का नाम प्रिशा शर्मा उर्फ कायनात शर्मा से बदलकर प्रिशा शर्मा रख दिया है।
एपी-5070

**मैं,** श्रीमती मोहिंदर कौर सैनी पत्नी नंबर 280425H JWO मेहर सिंह (रिटायर्ड ) पुत्र श्री साधु राम निवासी 1198, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, शाहाबाद मारकंडा, पोस्ट ऑफिस एवं तहसील शाहाबाद मारकंडा, जिला कुरुक्षेत्र (हरियाणा )-136135 की कानूनी रूप से विवाहित पत्नी हूं, ब्यान करती हूं कि जिला न्यायालय कुरुक्षेत्र की नॉटरी के एफिडेविट के अनुसार मैंने अपना नाम व जन्मतिथि मोहिंदर कौर ( जन्मतिथी 01 जुलाई 1951) से बदलकर नीरजा (जन्मतिथी 28 अप्रैल 1950) रख ली है।
एपी-5071

I BABLI W/O HAV JUGESH R/O VILLAGE KARIMPUR, TEHSIL AND DISTT PALWAL HARYANA DECLARE THAT IN MY HUSBAND ARMY RECORD MY NAME IS WRONGLY MENTIONED AS BABLE AND DOB AS 05.3.1993. MY CORRECT NAME IS BABLI AND CORRECT DOB IS 01.01.1994

**मैं,** रिम्पी पुत्री श्री रामकुमार निवासी गांव कलासर तह. कलायत जिला कैथल अपने हल्फ से बयान करती हूं कि मैंने अपना नाम रिम्पी से बदलकर रामप्यारी रख लिया है। भविष्य में मुझे सभी उदेश्यों के लिए रामप्यारी के नाम से जाना व पुकारा जाए।

**मैं,** वेद प्रकाश पुत्र भगत राम निवासी बी150, गुलमोहर सिटी, सैक्टर 29 कैथल बयान करता हूं कि मैंने अपना नाम वेद प्रकाश कैंदल से बदलकर वेद प्रकाश रख लिया है। भविष्य में सभी उदेश्यों के लिए मुझे वेद प्रकाश के नाम से जाना व पुकारा जाए।,

**मैं,** पालो बाई, पत्नी सुभाष चंद्र, गाँव पालीवाला, तहसील जलालाबाद, ज़िला फाजिल्का की निवासी हूँ। पहले मेरे बैंक खाते और वोटर कार्ड में मेरा नाम पाशो बाई (Pasho Bai) दर्ज था। अब मैंने अपना नाम बदलकर पालो बाई (Palo Bai ) कर लिया है। अब मुझे पालो बाई के नाम से जाना जाएगा।

**मैं,** जेसी-573662एन, नायब सूबेदार नाम- निरंजन सिंह पुत्र श्री राम स्वरूप निवासी गांव- सिरसोंदा, रूपवास भरतपुर, राजस्थान-321404, मैंने अपनी नाबालिग पुत्री का नाम दीक्षा कुमारी से बदलकर दीक्षा रख लिया है।

**मैं,** श्रीमती श्रीवेश देवी, पत्नी जेसी-573662एन, नायब सूबेदार नाम- निरंजन सिंह, निवासी गांव- सिरसोंदा, रूपवास भरतपुर, राजस्थान-321404, मैंने अपना नाम श्रीमती श्रीवेश देवी से बदलकर सर्वेश देवी रख लिया है।

**मैं,** निखिल दहिया पुत्र श्री नीरज दहिया निवासी 164, सैक्टर-14, सोनीपत हरियाणा अपने हल्फ से ब्यान करता हूँ कि मेरे सभी दस्तावेजो में मेरा नाम निखिल दहिया है जो कि सही है व मेरे पासपोर्ट में गलती से मेरा नाम निखिल लिखा हुआ है जो कि गलत है। मेरे पासपोर्ट में मेरा नाम ठीक करवाकर निखिल दहिया करवाना चाहता हुँ। निखिल दहिया व निखिल दोनों एक ही व्यक्ति के नाम है।

**मैं,** 13746522F, भूतपूर्व सैनिक सुखमिंदर सिंह, निवासी मेलक अकालियाँ (मोगा), घोषणा करता/करती हूँ कि मेरे सैन्य सेवा रिकॉर्ड में मेरी पत्नी का नाम दलजीत कौर (Daljit kaur) और जन्मतिथि 24-04-1969 गलत दर्ज है। आधार कार्ड संख्या 3224 5974 5607 में मेरी पत्नी का नाम दलजीत कौर (Daljeet kaur) और जन्मतिथि 01-01-1965 सही है। यह आम जनता की जानकारी के लिए है।
एपी-5072

**मैं,** सैन्य संख्या- JC-392030N, रैंक- नायब/सूबेदार नाम- स्वदेश कर ताह, स्थायी पता- रघुनाथ पल्ली, नूतनगंज, बर्धमान (M), बर्धमान, पश्चिम बंगाल- 713102, घोषणा करता हूँ कि मेरे सैन्य रिकॉर्ड में मेरा नाम गलती से स्वदेश कर ताह लिखा गया है, जबकि सभी सिविल/ सरकारी दस्तावेज़ों के अनुसार मेरा सही नाम स्वदेश कुमार ताह है। शपथ पत्र क्रमांक- 11AA219262, दिनांक- 14/10/2025 एडवोकेट एम एस सांगवान नोटरी पंचकूला, हरियाणा के समक्ष।
एपी-5074

**मैं,** गुरअमृत सिंह पुत्र मलकीत सिंह निवासी निवासी डेरा बाबा मस्तानपुरी गांव करंडी तहसील टोहाना जिला फतेहाबाद ने अपना नाम गुरअमृत सिंह से बदलकर ध्यान पुरी चेला ज्ञान पुरी रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना पहचाना जाए।
एपी-5075

**मैं,** सलीम पुत्र सतार शेख निवासी मकान नंबर #94, बार, तहसील कालका जिला-पंचकूला (हरियाणा) ने अपना नाम सलीम से बदलकर सलीम अली रख लिया है।
एपी-5076

**मैं,** Simarjeet कौर पत्नी मान सिंह वासी मकान नं 819 गली नं 01 गाँधी नगर जिला करनाल ने अपना नाम बदलकर Seemerjeet कौर रखा है।

**मैं,** Bhawna पत्नी लेट श्री विनय Chhag वासी मकान नं 1613, अर्बन एस्टेट, सैक्टर 13, करनाल ब्यान करती हूँ की मैंने अपना नाम बदलकर Bhavana Chhag से Bhawna रखा है।

**मैं,** किरन बाला पत्नी सतनाम वासी गांव मोह्हमद पुर रोही जिला फतेहाबाद ने अपना नाम बदलकर किरन रखा है।

**मैं,** वनीता उर्फ विनीता पत्नी राजिंदर वासी फतेहाबाद ब्यान करती हूँ वनीता उर्फ विनीता दोनों नाम मेरे हैं।

**मैं,** राजेंदर कुमार उर्फ राजेंदर पुत्र रमेश चन्दर वासी फतेहाबाद ब्यान करता हूँ राजेंदर कुमार उर्फ राजेंदर दोनों नाम मेरे हैं।

**मैं,** Mrs गीता पत्नी सुभाष चन्दर वासी गांव Kheowali जिला सिरसा ने अपना नाम बदलकर गीता देवी रखा है।

**मैं,** Mr सुभाष पुत्र आद राम वासी गांव Kheowali जिला सिरसा ने अपना नाम बदलकर सुभाष चन्दर रखा है।

**मैं,** Radhey श्याम पुत्र होला राम वासी थाना रोड कृष्णपुरा मोहल्ला फतेहाबाद ने अपना नाम बदलकर Radhe श्याम रखा है।

**मैं,** पिंकी गोयल पत्नी साहिल कांसल वासी मकान नं 1610 अर्बन एस्टेट-2 हिसार हरियाणा -125001. ब्यान करती हूँ की मैंने अपना नाम बदलकर पिंकी गोयल से पिंकी रखा है, भविष्य के सभी कार्यो के लिए।

**मैं,** अदिति कांसल उर्फ पिंकी पत्नी साहिल कांसल वासी मकान नं 1610 अर्बन एस्टेट-2 हिसार हरियाणा-125001.ब्यान करती हूँ की मैंने अपना नाम बदलकर अदिति कांसल उर्फ पिंकी से पिंकी रखा है, भविष्य के सभी कार्यो के लिए।

**मैं,** वीर विजय सिंह पुत्र भुपेन्द्र मान वासी मकान नं.1267, सैक्टर-7 अर्बन एस्टेट कर्नल ने अपना नाम बदलकर वीर विजय सिंह से वीरविजय सिंह मान रखा है, भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जाए।

**मैं,** अमरजीत कुमार पुत्र Nayaorti राम वासी गांव बेहरामपुर डाक Sabapur, यमुनानगर ने अपना नाम बदलकर अमरजीत (नाम) कुमार (उपनाम) रखा है।
एपी-5077

**मैं,** बलजीत पुत्र गुलाब सिंह निवासी गांव कुलतारन जिला कैथल (हरियाणा) अपना नाम बलजीत से बदलकर बलजीत सिंह रखता हूँ। संबंधित कृपया नोट करें।
एपी-5078

**मैं,** बलबीर पुत्र हरविंदर सिंह, 266 नजदीक रेलवे स्टेशन, दरिया, चंडीगढ़, ने अपना नाम बदलकर बलबीर सिंह रख लिया है।

**मैं,** दिलीप पुत्र राम कश्यप निवासी # 14 सेक्टर 18-ए, चंडीगढ़ ने अपना नाम बदलकर दलीप कुमार रख लिया है।

**मैं,** डी. सुरेश कुमार पुत्र के. धर्मराज निवासी # 997-बी, सेक्टर 47-ए, चंडीगढ़. ने अपनी नाबालिग बेटी का नाम समीक्षा से बदलकर एस. समीक्षा रख लिया है।

**मैं,** डी. सुरेश कुमार पुत्र के. धर्मराज निवासी # 997-बी, सेक्टर 47-ए, चंडीगढ़, ने अपने नाबालिग बेटे का नाम दीपक पांडी से बदलकर एस. दीपक पांडी रख लिया है।
एपी-5081

## बेदखली सूचना

**मैं,** बख्शीशा पुत्र छज्जू सिंह निवासी मकान नंबर 329/बी, खुडडा लाहौरा कॉलोनी नंबर 2, चंडीगढ़ सूचित करता हूँ कि मेरा पोता लवप्रीत और उसकी पत्नी रजनी मेरे कहने सुनने से बाहर हैं। इसलिए मैं इनको अपनी सभी चल-अचल संपत्तियों से बेदखल करता हूँ। इनसे लेन देन करने वाला खुद जिम्मेदार होगा।
एपी-5070

हम, मोहिंदर गर्ग पुत्र श्री राम पाल गर्ग एवं ऊषा रानी पत्नी मोहिंदर गर्ग, निवासी मकान नंबर 742, सेक्टर 21, पंचकूला, हरियाणा, यह घोषणा करते हैं कि हम अपने पुत्र रोहित गर्ग, उसकी पत्नी भार्वी ओबेरॉय तथा उनके परिवार को अपनी सभी चल - अचल संपत्तियों से पूरी तरह से बेदखल करते हैं भविष्य में इनसे किसी भी प्रकार का लेन-देन करने वाले स्वयं जिम्मेवार होंगे।
एपी-5072

**मैं,** अवतार पुत्र श्री गंगा राम निवासी 574, बत्रा कालोनी, पानीपत, अपने हल्फ से ब्यान करता हूं कि मेरा पुत्र विरेन्द्र पाल व इसकी पत्नी प्रीति जोकि ये दोनों मेरी व हमारे परिवार के कहने सुनने से बाहर है इसलिए मैं इन दोनों को अपनी चल अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं। भविष्य में इनके साथ लेन-देन करने वाला स्वयं जिम्मेदार होगा। मेरी कोई जिम्मेवारी नही होगी।
एपी-5073

**मैं,** जय राम पुत्र श्री नराता राम, गाँव मुस्तफाबाद (पठाना मौहल्ला) तह. जगाधरी, जिला यमुनानगर (हरियाणा) निवासी अपने हल्फ से ब्यान करता हूँ कि मेरा पुत्र सचिन व पुत्रवधू मनीषा मेरी कोई बात नही सुनते है।अपनी मनमर्जी करते है।ये मेरे कहने-सुनने से बाहर होने के कारण मैं उन्हे अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूँ। भविष्य में उनसे लेन-देन करने वाला व्यक्ति खुद जिम्मेवार होगा।
एपी-5072

**मैं,** हारून पुत्र दीन मोहम्मद, निवासी पता - गांव राक्सेडा,तहसील समालखा जिला पानीपत ब्यान करता हूं कि मेरा लड़का फिरोज मेरे व मेरे परिवार के कहने सुनने से बाहर हैं व हमारे साथ और बाहर वालों के साथ लड़ाई -झगड़ा करता है। इसलिए मैं इसको अपनी चल अचल संपति से बेदखल करता हूं। भविष्य में इसके साथ लेन-देन, कानूनी - गैर कानूनी कार्य व अन्य व्यवहार करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरी व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।
एपी-5079

**मैं,** कर्मबीर सिंह पुत्र बलवन्त सिंह, वार्ड नंबर 10 जुलाना जिला जीन्द का स्थाई निवासी हूं और अपने हल्फ से ब्यान करता हूं कि मेरा पुत्र राहुल मेरे कहने सुनने से बाहर है। इसलिए मैं इसको अपनी चल अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं। जो कोई भी इसके साथ किसी प्रकार का लेन-देन व व्यवहार रखता है वह स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरी व मेरे परिवार के अन्य सदस्यों की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।
एपी-5080

**मैं,** सपना पत्नी स्वर्गीय श्री मनसा राम, निवासी मकान नंबर 2152, सेक्टर 28-सी, चंडीगढ़ सूचित करती हूँ कि मेरा बेटा सौरभ और बहू सुखजिंदर कौर मेरे कहने सुनने से बाहर हैं। वे दोनों मेरा सम्मान नहीं करते है और मेरे साथ दुर्व्यवहार करते हैं। इसलिए मैं उन्हें अपनी सभी चल और अचल संपत्तियों से बेदखल करती हूँ। इनसे लेन देन करने वाला खुद जिम्मेदार होगा।
एपी-5081

**मैं,** सुरेश पुत्र श्री बीर सिंह निवासी गढ़ी उजाले खां (39), तह0 गोहाना जिला सोनीपत बयान करता हूं कि मेरा लड़का अंकित मेरे व मेरे परिवार के कहे सुने से बाहर है, इसलिए मैं इसे अपनी तमाम चल अचल संपति से बेदखल करता हूँ। भविष्य में जो कोई भी इससे लेनदेन या व्यवहार रखेगा वह उसका स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरी व मेरे बाकी परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।
एपी-5072

**मैं,** सुनील दत्त पुत्र स्वर्गीय रुलिया राम निवासी डाकघर बिहटा उप तहसील साहा जिला अम्बाला कि मेरा लड़का राहुल और उसकी पत्नी प्रियंका दोनों मेरे कहने सुनने से बाहर है मैं इन्हें अपनी तमाम चल-अचल सम्पति से बे-दखल करता हूँ इनसे लेन-देन करने वाला नुकसान का खुद जिमेवार होगा मै या मेरा परिवार जिम्मेवार नहीं होगा। नोट करे।

**मैं,** पवन कुमार पुत्र अजमेर राम निवासी गाँव साहा उप तहसील साहा जिला अम्बाला कि मेरा लड़का रवि कुमार और उसकी पत्नी पूजा दोनों मेरे कहने सुनने से बाहर है मै इन्हे अपनी तमाम चल-अचल सम्पति से बे-दखल करता हूँ इनसे लेन-देन करने वाला नुकसान का खुद जिमेवार होगा मै या मेरा परिवार जिम्मेवार नही होगा। नोट करे।
एपी-5082

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत चंदलाना, खंड ढांड, जिला कैथल हेतु सफाई कर्मचारी की नियुक्ति की जानी है जिसके लिए आवेदन दिनांक 13- 10- 25 से 21- 10-25 तक प्रातः 9 बजे से सांय 5 तक खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी कार्यालय ढांड में लिए जाने हैं। दिनांक 24- 10- 25 को प्रातः 11 बजे खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी कार्यालय ढांड में सरकार द्वारा गठित कमेटी द्वारा प्रस्तुत आवेदक का साक्षात्कार लिया जाएगा। आवेदन की शर्तें इस प्रकार हैं।
1. प्रार्थी की उम्र 18 वर्ष से अधिक होनी चाहिए।
2. प्रार्थी अनुसूचित जाति का होना चाहिए।
3. प्रार्थी सजायाफता नहीं होना चाहिए।
4. प्रार्थी शारीरिक रूप से ठीक होना चाहिए।
एपी-5083

आवश्यक सूचना
अर्थ प्रकाश में क्लासीफाइड विज्ञापन देने के लिए 9988934664 पर संपर्क करें।

अर्थ प्रकाश
समाचार पत्र में अपना विज्ञापन लेकर अपने व्यापार को लाभांवित करें

आवश्यक सूचना
अर्थ प्रकाश (हाउस ऑफ प्रिंट एंड डिजिटल मीडिया) का इस समाचार पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/ क्लासीफाइड) के तथ्यों संबंधी कोई दायित्व नहीं है। हमारा समाचार पत्र इनको सत्यापित नहीं करता है। किसी भी प्रकार के विज्ञापनों में पाठकों से विनती है कि वह कोई भी प्रतिक्रिया करने से पहले, विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पूर्व तथ्यों की स्वयं पुष्टि कर लें। यह समाचार पत्र उपरोक्त किसी भी विज्ञापन के प्रति उत्तरदायी नहीं होगा।

# बिजली चोरी में किसी भी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी : अनिल विज

अब ऊर्जा विभाग अनिल विज के पास आ गया है और बिजली का बिल भरना होगा, मुफत में बिजली नहीं मिलेगी

पेडों की शाखाओं के टकराने से बिजली के व्यवधान की दिक्कत को दूर किया जाएगा

अर्थ प्रकाश/रवि पाहुजा

**अंबाला, 14 अक्तूबर।** हरियाणा के ऊर्जा मंत्री श्री अनिल विज ने कहा कि अब पेडों की शाखाओं के टकराने से बिजली के व्यवधान की दिक्कत को दूर किया जाएगा और इस संबंध में व्यापक अभियान चलाकर पेडों की कटाई व छंटाई करवाई जाएगी ताकि तेज-हवाओं और ऊंचे व लंबे पेडों की शाखाओं की वजह से बिजली आपूर्ति बाधित न हो। श्री विज ने कहा कि यह अभियान पूरे हरियाणा में चलाया जाएगा और इस संबंध में सभी संबंधित अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में यह अभियान व्यापक स्तर पर चलाएंगें। श्री विज ने कहा कि ''बिजली चोरी में किसी भी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी क्योंकि अब ऊर्जा विभाग अनिल विज के पास आ गया है और बिजली का बिल भरना होगा, मुफत में बिजली नहीं मिलेगी''।

श्री विज आज यहां चण्डीगढ में यूटी गेस्ट हाउस में ऊर्जा विभाग के अधिकारियों की एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। इस बैठक में ऊर्जा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री अपूर्व कुमार सिंह सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

इसके अलावा, उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सभी प्रकार के ओवर लोडेड ट्रांसफार्मरों को बदला जाए और सभी प्रकार की ओवर लोडेड कंडक्टरों का भी अपग्रेडेशन किया जाए। इस पर विभाग के अधिकारियों ने बताया कि राज्य में इस संबंध में कार्य किया जा रहा है और शेष बचे हुए स्थानों पर यह कार्य जल्द पूरा कर दिया जाएगा। वहीं, दूसरी ओर उन्होंने कहा कि हालांकि हमारी बिजली कंपनियों ने लाईन लोसिज में कमी की है परंतु अभी हमें इस लाईन लोजिस को ओर कम करना है ताकि उपभोक्ताओं को गुणवत्तापरक बिजली आपूर्ति उपलब्ध करवाई जा सकें।

## मेंनटेंस टीम में पर्याप्त संख्या में स्टाफ की तैनाती होनी चाहिए

इसके अतिरिक्त, उन्होंने अधिकारियों से कहा कि ट्रांसफार्मर के लिए एक अलग से बैंक भी बनाकर रखें ताकि खराब ट्रांसफार्मर को तुरंत बदला जा सकें। उन्होंने कहा कि मेंनटेंस टीम में पर्याप्त संख्या में स्टाफ की तैनाती होनी चाहिए क्योंकि स्टाफ की कमी के चलते समय पर बिजली आपूर्ति सुनिश्चित होने में बाधा आती है। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि मेंटनेंस स्टाफ के पास पूरी तरह से सुरक्षा उपकरण होने चाहिए ताकि बिजली आपूर्ति को ठीक करते समय किसी भी प्रकार की दुर्घटना न हो सकें। उन्होंने कहा कि कोई भी मेंटनेंस टीम का स्टाफ बिना सुरक्षा उपकरणों के खंभों में नहीं चढना चाहिए।

## राज्य के सभी कॉल सेंटर सुचारू रूप से संचालित होने चाहिए

वहीं, दूसरी ओर श्री विज ने शिकायत केन्द्र को पुख्ता रूप से संचालित करने के लिए भी अधिकारियों को निर्देश दिए और कहा कि राज्य के सभी कॉल सेंटर सुचारू रूप से संचालित होने चाहिए। इसके अलावा, इस संबंध में सभी बिजली के कार्यालयों में लोगों की सुविधा के लिए एक बोर्ड लगाकर शिकायत केन्द्र के नंबर इत्यादि डिस्पले किए जाने चाहिए। श्री विज ने अधिकारियों से कहा कि हम सभी को मिलकर बिजली विभाग की छवि को निखारना है ताकि शेयर मार्किट में हमारी बिजली कंपनियों की लिस्टिंग की जा सकें। श्री विज ने कहा कि हम चाहते हैं कि हमारी बिजली कंपनियां बेहतर प्रदर्शन करें और ऊपरी पायदान पर हों। श्री विज ने अधिकारियों को विशेष निर्देश देते हुए कहा कि त्यौहारी सीजन चल रहा है और आने वाले दिनों में दीपों का त्यौहार दीपावली आ रहा है। दीपावली दिन सभी सर्कल के अधिकारी व वरिष्ठ अधिकारी यह सुनिश्चित करेंगें कि दीपावली के दिन बिजली न जाए क्योंकि दीपावली रोशनी का त्यौहार है। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि इस बार का पीक सीजन बिजली आपूर्ति के लिहाज से बेहतर रहा है और राज्य में लगभग सभी सर्कल में बिजली की आपूर्ति ठीकठाक रही है। हालांकि कुछ सर्कल में दिक्कतें आई परंतु उन दिक्कतों को समय रहते ठीक करने का पूरा प्रयास किया गया।

# पिस्तौल से जानलेवा हमला करने मामले के चार आरोपी गिरफ्तार

अर्थ प्रकाश/सुभाष जैन

**पानीपत, 14 अक्तूबर।** सीआईए वन पुलिस टीम ने मतलौडा अनाज मंडी में पंचायत के दौरान पिस्तौल से फायरिंग कर जानलेवा हमला करने के मामलें में चार आरोपियों को रविवार को असंध रोड सुताना मोड़ से गिरफ्तार किया। आरोपियों की पहचान खुखराना निवासी शुभम उर्फ शुभि, मतलौडा निवासी दीपक व सोनू व खंडरा गांव निवासी विकास उर्फ विक्की के रूप में हुई है।

सीआईए वन प्रभारी सब इंस्पेक्टर संदीप ने बताया कि पूछताछ में चारों आरोपियों ने मामले में नामजद फरार साथी आरोपी जीतू व अन्य के साथ मिलकर वारदात को अंजाम देने बारे स्वीकारा। आरोपियों ने पूछताछ में पुलिस को बताया मतलौडा अनाज मंडी में दुकान की पहली मंजिल पर चल रही पंचायत के दौरान दोनों पक्षों में बहस व गाली गलौच हो गई थी। इसी दौरान रंजिशन फायरिंग की वारदात को अंजाम दिया।

पुलिस ने सोमवार को चारों आरोपियों को माननीय न्यायालय में पेश किया जहा से आरोपी सोनू व दीपक को न्यायिक हिरासत जेल भेज दिया था और आरोपी विकास उर्फ विक्की को एक दिन व आरोपी सुभम उर्फ सुभी को 4 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया था।

प्रभारी सब इंस्पेक्टर संदीप ने बताया कि रिमांड के दौरान आरोपी विकास के कब्जे से वारदात में प्रयुक्त देसी पिस्तौल बरामद कर पुलिस ने मंगलवार को रिमांड अवधी पूरी होने पर आरोपी विकास को माननीय न्यायालय में पेश किया जहा से उसे न्यायिक हिरासत जेल भेज दिया। रिमांड के दौरान पूछताछ में आरोपी विकास ने पुलिस को बताया वारदात में प्रयुक्त देसी पिस्तौल उसको छिपाने के लिए दी गई थी।

आरोपी शुभम उर्फ शुभि से रिमांड के दौरान गहनता से पूछताछ की जा रही है। मामले में फरार आरोपियों को भी जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

**यह है मामला :** थाना मतलौडा में मतलौडा निवासी जितेंद्र ने पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि वह 9 अक्तूबर को दिन में मतलौडा नई अनाज मंडी में दुकान नंबर 35 पर मौजूद था। उसके साथी सुरेंद्र को मतलौडा निवासी सुरेश ने फोन कर मंडी में पचायत के लिए बुलाया था। गांव कवि निवासी जीतू ने किसी पुराने विवाद के निपटाने करने के नाम पर पंचायत बुलाई थी। पंचायत में करीब 50 से 60 लोग मौजूद थे। इसी दौरान दोनों पक्षा में बहस हो गई। इसी बीच जीतू ने उसे नीचे आकर अकेले में बात करने के लिए कहा। जीतू उससे पहले सीढियों से नीचे उतर गया। वह सीढियों से नीचे उतरने लगा तभी जीतू ने उस पर फायरिंग कर दी। जिनमे से एक गोली उसकी बाजू पर लगी। जीतू के साथियों ने पीछे से धक्का दिया उसके नीचे गिरते ही जीतू ने दोबारा से उस पर फायरिंग कर दी। और दूसरी गोली उसकी थाई पर लगी। उसके साथियों को बंधक बनाकर मारपीट की। मंडी में मौजूद अन्य लोगों ने मुक्त कराया। ईलाज के लिए उसको सरकारी अस्पताल लेकर गए। प्राथमिक उपचार मिलने के बाद जिला के एक नीजी अस्पताल में दाखिल कराया। जांन से मारने की नीयत से आरोपी हथियार लेकर आए थे।

## न्यूज ब्रीफ

### नशीली गोलियों की तस्करी के मामले में एक काबू

**टोहाना (अप्रस/संजीव सिंगला)।** पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस के दिशा-निर्देशन में नशा तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना सदर टोहाना पुलिस ने एक अन्य आरोपी को काबू किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान हुमेश उर्फ बंटू उर्फ बाबा पुत्र काका सिंह निवासी कंडेल, पंजाब के रूप में हुई है। आरोपी को माननीय न्यायालय में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। थाना सदर टोहाना प्रभारी उपनिरीक्षक शादी राम ने जानकारी देते हुए बताया कि यह कार्रवाई मुकदमा संख्या 178 दिनांक 22.08.2025, धारा 22(C), 61, 85 NDPS Act, थाना सदर टोहाना के तहत की गई। इससे पहले इसी प्रकरण में दो अन्य आरोपियों — बलवंत सिंह उर्फ गोरा और बलवंत सिंह उर्फ भूरी, दोनों निवासी कडैल, जिला संगरूर (पंजाब) — को पहले ही काबू किया जा चुका है, जिनके कब्जे से 1500 नशीली गोलियां बरामद हुई थीं। आरोपी हुमेश उर्फ बंटू उर्फ बाबा की गिरफतारी के बाद उसके आपराधिक रिकॉर्ड की जांच में सामने आया कि वह आदतन अपराधी है और एनडीपीएस एक्ट के तहत 6 अलग-अलग मुकदमों में पहले से नामजद है।

### विज्ञान विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित

**लाडवा (अप्रस/विकास कश्यप)।** मदर टेरेसा माडर्न पब्लिक स्कूल में सी.बी.पी. के अंतर्गत रसायन विज्ञान विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में विभिन्न जिलों से आए शिक्षकों ने भाग लेकर प्रशिक्षण प्राप्त किया। कार्यशाला में सी.बी.एस.ई. के प्रशिक्षक ऋतु ग्रोवर व प्रदीप सैनी ने मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए और दोनों प्रशिक्षकों ने शिक्षकों को नवीन शिक्षण तकनीकों और व्यावहारिक गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रभावी ढंग से पढ़ाने के तरीके सिखाए। उन्होंने बताया कि विभिन्न प्रयोगों, समूह गतिविधियों, मॉडल निर्माण एवं इंटरएक्टिव शिक्षण विधियों से विद्यार्थियों में विषय के प्रति रुचि और जिज्ञासा बढ़ाई जा सकती है। स्कूल की प्रधानाचार्या पूजा सक्सेना ने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षकों के व्यावसायिक विकास के साथ-साथ विद्यार्थियों की सीखने की प्रक्रिया को भी नई दिशा प्रदान करते हैं। उन्होंने प्रशिक्षकों और सभी प्रतिभागी शिक्षकों का आभार प्रकट किया और उनके उत्साह और सक्रिय सहभाग की सराहना की। कार्यक्रम के समापन अवसर पर भविष्य में भी ऐसे उपयोगी प्रशिक्षण सत्र आयोजित करने का आश्वासन दिया गया। स्कूल में आयोजित कार्यशाला में पहुंचने पर मुख्य वक्ताओं को स्कूल की तरफ से स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित भी किया गया। इस अवसर पर स्कूल स्टाफ सहित विभिन्न स्कूलों से आए शिक्षक मौजूद थे।

### खोखरी स्कूल में बाल सलाह व कल्याण कार्यक्रम आयोजित

**जींद (अप्रस/सुरेश सिसोदिया)।** हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद की राज्य स्तरीय परियोजना के तहत खोखरी गांव के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में बाल किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य, हार्मोनल बदलाव और सामाजिक समझ को बढ़ाने के लिए बाल सलाह व कल्याण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बाल कल्याण अधिकारी रोहतक व राज्य नोडल अधिकारी अनिल मलिक ने बच्चों को खेल आधारित गतिविधियों के माध्यम से भावनाओं को समझने, टीम वर्क, सामाजिक मुद्दों की पहचान और जीवन कौशल विकसित करने की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बच्चों को यौन स्वास्थ्य और संवेदनशील विषयों पर खुलकर चर्चा करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। परामर्शदाता नीरज कुमार ने परामर्श सेवाओं की निरंतरता पर जोर दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राधानाचार्य पूनम साहू ने की और कहा कि खेल गतिविधियों व संवाद के माध्यम से बच्चों की प्रतिभागिता और जीवन कौशल बढ़ाया जा सकता है। कार्यक्रम में सरपंच सुनीता, बबिता रानी, बलजीत, रेणुका, मंजु, आजाद, आशा, कमल सुमन, बिंटू समेत अन्य उपस्थित रहे।

# मैक्स हॉस्पिटल ने रोहतक में शुरू की ऑर्थोपेडिक स्पाइन सर्जरी ओपीडी सेवाएं

अर्थ प्रकाश/सुकरमपाल

**रोहतक, 14 अक्टूबर।** मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, शालीमार बाग ने संजीवनी प्लस हॉस्पिटल, रोहतक में ऑर्थोपेडिक स्पाइन सर्जरी ओपीडी सेवाओं की शुरुआत की। इन सेवाओं का शुभारंभ मैक्स हॉस्पिटल के ऑर्थोपेडिक स्पाइन सर्जरी विभाग के प्रिंसिपल कंसल्टेंट एवं यूनिट हेड डॉ. जितेश मंघवानी और संजीवनी प्लस हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. नरेंद्र रोहिल्ला ने किया।

अब डॉ. मंघवानी हर महीने के दूसरे और चौथे शुक्रवार को सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक मरीजों को परामर्श और फॉलो-अप सेवाएं देंगे। उन्होंने बताया कि कमर व गर्दन का दर्द, स्लिप डिस्क और रीढ़ की चोटें अब आम हो चुकी हैं, जो युवाओं और बुजुर्गों दोनों को प्रभावित कर रही हैं। समय पर इलाज न होने पर यह गतिशीलता और जीवन गुणवत्ता को प्रभावित कर सकती हैं।

उन्होंने कहा कि रोहतक में ओपीडी सेवाओं से अब मरीजों को विशेष स्पाइन केयर के लिए लंबी दूरी तय नहीं करनी पड़ेगी। आधुनिक मिनिमली इनवेसिव और रोबोटिक-असिस्टेड तकनीकों से अब उपचार अधिक सुरक्षित, कम दर्दनाक और जल्दी रिकवरी वाला हो गया है। मैक्स हॉस्पिटल का उद्देश्य उन्नत स्पाइन उपचार को अधिक से अधिक मरीजों तक उनके निकट उपलब्ध कराना है, ताकि समय पर विशेषज्ञ देखभाल मिल सके और जीवन की गुणवत्ता में सुधार हो।

# सुमन सैनी ने दरबार में सुनी लोगों की समस्याएं

अर्थ प्रकाश/विकास कश्यप

**लाडवा, 14 अक्तूबर।** लाडवा के पी.डबल्यू.डी.विश्राम गृह में मंगलवार को मुख्यमंत्री के आदेशानुसार खुले दरबार का आयोजन किया गया। खुले दरबार में मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी सुमन सैनी ने खुले दरबार में आकर न केवल हलके के लोगों की समस्याएं सुनी, बल्कि उनकी तुरंत स्थानीय प्रशासन को समाधान करवाने के आदेश दिए और कहा कि लाडवा हलका मुख्यमंत्री का स्वयं का हलका है। हलके के किसी भी व्यक्ति को अपना कार्य करवाने के लिए चंडीगढ़ न जाना पड़े। प्रशासन उनके कार्य यही करे। यदि कोई अधिकारी व कर्मचारी जनता के कार्य करने में आनाकानी करेगा और उसकी शिकायत मिली तो उस अधिकारी व कर्मचारी को किसी भी सुरत में बख्शा नहीं जाएगा।

लाडवा खुले दरबार में पहुंचने पर सुमन सैनी का मंडल प्रधान शिव गुप्ता, नपा प्रधान साक्षी खुराना, पार्षद अमित खुराना द्वारा पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। खुले दरबार में समस्याएं सुनने के बाद कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए सुमन सैनी ने कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना के आवेदन के लिए एप लांच की हुई है। इस एप पर महिलाएं अपने आवेदन करके इस योजना का लाभ उठा सकती है। इसके लिए एक लाख से कम इनकम वाले परिवार की महिलाओं को योजना के लिए जरूरी कागजात को पूरे कर आवेदन करने की उन्हें अपील भी की। उन्होंने कहा कि इस योजना का उद्देश्य वित्तीय स्वतंत्रता को मजबूत करके और सामाजिक सुरक्षा प्रदान करके महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देना है, जिससे उनकी समग्र भलाई और सामाजिक भागीदारी को बढ़ावा मिले और महिलाएं आत्मनिर्भर बन सके। इस योजना के अंतर्गत प्रत्येक पात्र महिला को 2100 प्रति माह लाभ दिया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान सुमन सैनी ने स्व. नरेश कुमार की धर्मपत्नी गीता रानी को 75 हजार रुपए का चैक भी दिया।

# जीन्द में स्वास्थ्य जागरूकता अभियान

**जीन्द (अप्रस/सुरेश सिसोदिया)।** जीन्द शहर की जेल कालोनी में डेगू का मामला सामने आने पर शहर और आस-पास की कालोनियों में स्वास्थ्य कर्मियों ने जागरूकता अभियान चलाया। अभियान का नेतृत्व सिविल सर्जन डॉ. सुमन कोहली के मार्गदर्शन में किया गया। इस दौरान 17 बुखार पीड़ितों के खून के नमूने जांच के लिए भेजे गए। जिला स्वास्थ्य निरीक्षक राममेहर वर्मा ने बताया कि पिछले वर्षों के मुकाबले इस वर्ष अब तक डेगू के मामले कम आए हैं। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य कर्मचारियों ने घर-घर जाकर लोगों को बताया कि गंदे पानी के जमाव, खुले टायरो, गमले और पानी की बर्तनें ढककर रखें, मच्छरदानी का प्रयोग करें और सप्ताह में एक बार पानी के बर्तनों को साफ करें। अभियान में लोगों को मच्छर जनित रोगों के अलावा मधुमेह, उच्च रक्तचाप और खून की कमी की जांच भी की गई। जिन्हें मधुमेह या एनीमिया पाया गया, उन्हें समय पर इलाज लेने की सलाह दी गई। साथ ही क्लोरीन की गोलियां, ओ.आर.एस. और जिंक गोलियां वितरित की गईं।

# आर्यन का भारतीय अंडर-18 कबड्डी टीम में चयन

बतौर कप्तान बहरीन में यूथ एशियन कबड्डी चैंपियनशिप में करेंगे भारत का नेतृत्व

अर्थ प्रकाश/कृष्ण प्रजापति

**कैथल, 14 अक्तूबर।** राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बलवंती के प्रतिभाशाली खिलाड़ी आर्यन ने अपनी मेहनत, लगन और अनुशासन के दम पर भारतीय अंडर-18 बॉयज़ कबड्डी टीम में स्थान प्राप्त कर इतिहास रच दिया है। आर्यन आगामी यूथ एशियन कबड्डी चैंपियनशिप में भारत की टीम का नेतृत्व कप्तान के रूप में करेंगे, जो 22 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक बहरीन में आयोजित की जाएगी। इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर क्रीड़ा भारती द्वारा नई दिल्ली के अंबेडकर भवन में विजय भव कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बच्चों को आशीर्वाद और शुभकामनाएं दीं। वहीं हरियाणा के खेल राज्यमंत्री गौरव गौतम ने बच्चों में नई ऊर्जा का संचार किया। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष और उड़न परी पी.टी. ऊषा, ओलंपिक पदक विजेता पहलवान योगेश्वर दत्त, और क्रीड़ा भारती के पदाधिकारी दीपक शर्मा उपस्थित रहे। सभी गणमान्य अतिथियों ने भारतीय टीम को शुभकामनाएं देते हुए बेहतर प्रदर्शन की प्रेरणा दी। विद्यालय के प्रिंसिपल मामचंद और समस्त स्टाफ ने आर्यन की इस उपलब्धि पर गर्व व्यक्त करते हुए उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। विद्यालय के डी.पी.ई. राजेश कुमार ने बताया कि आर्यन बचपन से ही अत्यंत मेहनती और अनुशासित छात्र रहा है। कुछ माह पूर्व उसका चयन साई गुजरात सेंटर में हुआ था, और आज उसने पूरे जिला कैथल और हरियाणा का नाम रोशन किया है। उन्होंने कहा कि हमें पूर्ण विश्वास है कि आर्यन और भारतीय टीम बहरीन में शानदार प्रदर्शन करेगी और गोल्ड मेडल जीतकर देश का नाम ऊंचा करेगी।

# हरियाणा के एलसीएलओ कर्मचारियों का धरना 26वें दिन भी जारी

**कुरुक्षेत्र (अरविंद मोहन शर्मा)।** हरियाणा एलसीएलओ कर्मचारी यूनियन का लघु सचिवालय के सामने धरना 26वें दिन भी जारी रहा। कर्मचारियों ने सरकार के विरोध में काली दीवाली मनाने की घोषणा की है। धरने की अध्यक्षता राज्य प्रधान नीतू ने की। उन्होंने बताया कि आज मुख्यमंत्री की पत्नी सुमन सैनी से लाडवा रेस्ट हाउस में मुलाकात कर समस्या के समाधान की अपील की गई, जिस पर उन्होंने सकारात्मक आश्वासन दिया। सर्व कर्मचारी संघ के जिला प्रधान ओमप्रकाश और रोशन फौजी ने कहा कि जब तक सरकार एलसीएलओ कर्मचारियों को ड्यूटी पर नहीं लेती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। आज क्रमिक अनशन पर रीतू नैन, प्रदीप हिसार, निशांत पलवल और प्रिंस पलवल बैठे। सीटू जिला प्रधान अनिल कुमार ने कहा कि सरकार बातचीत से समाधान निकाले, अन्यथा आंदोलन पूरे राज्य में फैलाया जाएगा। यूनियन सदस्य सचिन झज्जर ने बताया कि भर्ती सीपीएलओ पद के लिए हुई थी, लेकिन नियुक्ति पत्र एलसीएलओ पद का दिया गया, जो बेरोजगारों के साथ धोखा है।

# कृषि योजनाओं का लाभ समय पर हर पात्र किसान तक पहुँचे : डॉ. सोलंकी

अर्थ प्रकाश/सुभाष जैन

**पानीपत, 14 अक्टूबर।** कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, पंचकूला के अतिरिक्त निदेशक डॉ. राजेन्द्र सिंह सोलंकी ने मंगलवार को पानीपत का दौरा कर कृषि उपनिदेशक कार्यालय का निरीक्षण किया और अधिकारियों को विभागीय योजनाओं का लाभ समय पर हर पात्र किसान तक पहुँचाने के निर्देश दिए।

उन्होंने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना, किसान क्रेडिट कार्ड योजना आदि की प्रगति की समीक्षा की और रबी सत्र की तैयारियों पर चर्चा की। डॉ. सोलंकी ने कहा कि किसानों को बीज, उर्वरक और कीटनाशक समय पर और सुलभ दरों पर उपलब्ध कराए जाएं, जिससे कृषि उत्पादन बढ़े।

निरीक्षण के बाद उन्होंने कृषि विषय विशेषज्ञ डॉ. अरविन्द कुमार के साथ विभिन्न गांवों का दौरा किया और डीएसआर पद्धति के तहत बुआई कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने किसानों से पराली न जलाने की अपील करते हुए कहा कि पराली प्रबंधन के लिए इन-सीटू और एक्स-सीटू दोनों पद्धतियाँ अपनाई जाएं। विभाग द्वारा पराली प्रबंधन करने वाले किसानों को 1200 रुपए प्रति एकड़ की दर से अनुदान दिया जाएगा।

इस अवसर पर कृषि उपनिदेशक डॉ. आत्मा राम गोदारा, उपमंडल कृषि अधिकारी डॉ. देवेंद्र कुहाड़ और अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

# जैन समाज नरवाना ने बच्चों के साथ मिलकर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

अर्थ प्रकाश/हितेश गर्ग

**नरवाना, 14 अक्तूबर।** दीपावली जैसे पावन पर्व को प्रदूषण मुक्त और सामाजिक सद्भाव के साथ मनाने के उद्देश्य से एस.एस. जैन सभा नरवाना द्वारा एक विशेष आयोजन किया गया। शहर के कई प्रमुख स्कूलों के बच्चे और उनके शिक्षक इस कार्यक्रम में शामिल हुए, जिसका आयोजन पतराम नगर स्थित जैन स्थानक में किया गया। सभी ने जैन साधु-संतों के आशीर्वाद के साथ मिलकर इस वर्ष दीपावली पर आतिशबाजी न करने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम की शुरुआत जैन संतों के दर्शन और प्रवचनों के साथ हुई। तपस्वी श्री सुधीर मुनि जी मधुर वक्ता श्री नवीन मुनि जी और सेवाभावी श्री अक्षय मुनि जी की उपस्थिति में उपस्थित जनसमूह ने प्रेरणादायक संदेशों को सुना और उनका स्वागत किया। संतों ने कहा कि दीपावली आनंद और उजाले का पर्व है लेकिन आतिशबाजी से यह पर्व प्रदूषण डर और हानि का कारण बनता जा रहा है। उन्होंने बताया कि पटाखों की आवाज और जहरीला धुआँ न केवल मनुष्यों के लिए हानिकारक है, बल्कि इससे कई निर्दोष पशु-पक्षी भी मारे जाते हैं। बच्चों को समझाते हुए उन्होंने कहा कि असली खुशी दूसरों के चेहरे पर मुस्कान लाने से मिलती है न कि शोर और धुएं से भरे त्योहार से।

संतों ने सभी को यह संदेश दिया कि इस बार दीपावली को मिल-बांट कर मिठाई खिलाकर और जरूरतमंदों को कपड़े व अन्य सामग्री वितरित करके मनाएं। जब हम किसी गरीब के चेहरे पर मुस्कान लाते हैं तो वह खुशी हमें भीतर से प्रसन्न करती है और यही सच्चा त्यौहार होता है।

इस आयोजन में वर्धमान जैन स्कूल, एस.डी. कन्या महाविद्यालय चिराग स्कूल डिलाइट स्कूल श्याम बाल वाटिका आर्य कन्या महाविद्यालय सहित कई संस्थानों के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। सभी बच्चों ने मंच से आतिशबाजी न करने का वादा किया और अपने मित्रों व परिवार को भी इसके लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया।

# गोदाम से कंबल के बोरे चोरी करने के दो आरोपी काबू

**समालखा (अप्रस/मनदीप कुमार)।** सीआईए टू पुलिस टीम ने परढाना स्थित गोल्डन टैक्सो फेब कंपनी के गोदाम से कंबल के बोरे चोरी करने वाले दो आरोपियों को सोमवार देर शाम मिली गुप्त सूचना पर दबिश देकर पानीपत रोहतक बाईपास पर नहर पुल के पास से काबू किया। आरोपियों की पहचान गांव नारायणा निवासी मुकुल व गांव रघुनाथपुर मुरादाबाद यूपी हाल इसराना निवासी आकांक्षु के रूप में हुई है। सीआईए टू प्रभारी इंस्पेक्ट सुमित सरोहा ने बताया कि पूछताछ में दोनों आरोपियों ने गोल्डन टैक्सो फेब कंपनी के गोदाम से कंबल के बोरे चोरी करने की उक्त वारदात को अंजाम देने बारे स्वीकारा। पूछताछ में आरोपियों ने पुलिस को बताया वह दोनों काफी समय से कंपनी में काम कर रहे है। दोनों ने शार्टकट तरिके से पैसे कमाने के साजिश रचकर 9 अक्तूबर की रात कंपनी के गोदाम से 5 बोरे कंबल चोरी किए और दिवार फांदकर बाहर निकाल ऑटो में रखकर ले गए थे। पुलिस ने मंगलवार को दोनों आरोपियों को माननीय न्यायायल में पेश किया जहा से उन्हें 1 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया। रिमांड के दौरान पुलिस आरोपियों से चोरी किए कंबल बरामद करने का प्रयास करेगी।

# के एम गवर्नमेंट कॉलेज नरवाना में आर्ट एंड क्राफ्ट इंटर कॉलेज प्रतियोगिता आयोजित दिवाली थीम पर छात्रों ने दिखाया हुनर

अर्थ प्रकाश/हितेश गर्ग

**नरवाना, 14 अक्तूबर।** नरवाना स्थित के एम गवर्नमेंट कॉलेज में दिवाली के उपलक्ष्य में आर्ट एंड क्राफ्ट इंटर कॉलेज प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर कॉलेज की प्राचार्या डॉ मीनू सिंह ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। इस प्रतियोगिता में क्षेत्र के लगभग 10 कॉलेजों के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया और पारंपरिक भारतीय कला के रंगों से सराबोर रचनाएं प्रस्तुत कीं।

कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में डॉ मीनू सिंह ने कहा कि यह प्रतियोगिता दिवाली पर्व के उपलक्ष्य में आयोजित की गई है ताकि विद्यार्थियों की छुपी हुई प्रतिभा को उजागर किया जा सके। उन्होंने कहा कि मोमबत्ती बनाना लैंप सजाना तोरण और हैंगिंग्स तैयार करना मटकों की सजावट जैसे पारंपरिक कार्यकलाप न केवल हमारी सांस्कृतिक धरोहर का हिस्सा हैं बल्कि विद्यार्थियों की रचनात्मक सोच और कला कौशल को भी प्रकट करते हैं। उन्होंने बताया कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं विशेष रूप से ग्रामीण पृष्ठभूमि से आने वाले छात्रों के लिए एक बड़ा मंच प्रदान करती हैं जहाँ वे अपनी कला का प्रदर्शन कर सकते हैं। प्राचार्या डॉ. मीनू सिंह ने यह भी जानकारी दी कि यह कार्यक्रम उनके प्रयासों की एक शुरुआत है और इसी कड़ी में कॉलेज 18 अक्टूबर को एक दिवाली मेला भी आयोजित करने जा रहा है। इस मेले में प्रतिभागी छात्र-छात्राएं अपने द्वारा तैयार किए गए आर्ट एंड क्राफ्ट उत्पादों की बिक्री के लिए स्टॉल लगा सकेंगे। इससे न केवल उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर बनने की दिशा में भी एक कदम आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा।

डॉ. सिंह ने चिंता जताते हुए कहा कि आज के समय में सोशल मीडिया का प्रभाव बच्चों पर बहुत अधिक हो गया है जिसके चलते वे पारंपरिक कलाओं से दूर होते जा रहे हैं। इस तरह की प्रतियोगिताएं उन्हें अपनी जड़ों से जोड़ने और अपनी कला को पहचानने का अवसर देती हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह पहल छात्रों को सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगी। प्रतियोगिता में भाग लेने आए छात्र-छात्राओं में खासा उत्साह देखने को मिला। उन्होंने बताया कि उन्होंने अपने हाथों से दीपक मोमबत्तियां सजावटी आइटम और मटके तैयार किए हैं और इस प्रक्रिया में उन्हें अपने अंदर की रचनात्मकता को समझने और निखारने का अवसर मिला। विद्यार्थियों ने यह भी कहा कि भविष्य में वे इस तरह के आयोजनों में और भी सक्रिय रूप से भाग लेना चाहेंगे। यह प्रतियोगिता न केवल एक रचनात्मक पहल रही बल्कि विद्यार्थियों के लिए एक ऐसा मंच बनी जहाँ उन्होंने अपनी कला परंपरा और सांस्कृतिक मूल्यों को एक साथ प्रस्तुत किया। इस आयोजन ने यह साबित कर दिया कि यदि सही दिशा और अवसर मिले तो ग्रामीण पृष्ठभूमि से आने वाले छात्र भी अपनी प्रतिभा से नए आयाम स्थापित कर सकते हैं।

# दतिया की पीतांबरा पीठ सहित देश के 3 प्रसिद्ध बगलामुखी मंदिर, जहां दर्शन से दूर होते हैं संकट

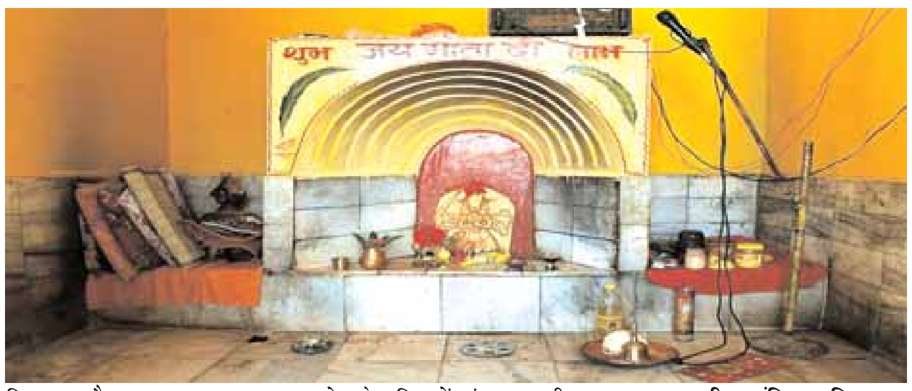

भारत की आध्यात्मिक धरा पर कई ऐसे शक्तिपीठ और मंदिर हैं। जिनका सिर्फ धार्मिक दृष्टि से ही महत्व नहीं बल्कि ऐतिहासिक और स्थापत्य कला के लिहाज से भी अद्वितीय हैं। इन मंदिरों में दूर-दूर से माता रानी के दर्शन के लिए लोग पहुंचते हैं। ऐसे में कोई वैष्णों देवी मंदिर जाता है, तो कोई शक्तिपीठ की योजना बना रहे हैं। ऐसे में अगर आप भी माता रानी के दर्शन करने का प्लान बना रहे हैं, तो आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बगलामुखी माता के मंदिरों के बारे में बताने जा रहे हैं।

बता दें कि देश में बगलामुखी माता के 3 मंदिर हैं। धार्मिक मान्यता है कि इन मंदिरों में दर्शन करने से कोर्ट-कचहरी के विवाद भी दूर होते हैं। बगलामुखी माता के इन मंदिरों में देख की कई प्रमुख हस्तियां और राजनेता भी मत्था टेकने और दर्शन करने के लिए पहुंचते हैं।

**भारत में मां बगलामुखी के मंदिर:** भारत में बगलामुखी के 3 ऐतिहासिक मंदिर हैं, जिनमें पीतांबरा पीठ मध्यप्रदेश के दतिया में, नलखेड़ा, मध्यप्रदेश (लखुंदर नदी के किनारे) और तीसरा हिमाचल प्रदेश में हैं। हिंदू पौराणिक कथाओं में माता बगुलामुखी को 10 महाविद्याओं में 8वां स्थान मिला हुआ है।

**बगलामुखी मंदिर नलखेड़ा:** मध्य प्रदेश के शाजापुर जिले के नलखेड़ा में लखुंदर नदी के किनारे तीन मुख वाली मां बगलामुखी का मंदिर मौजूद है। माना जाता है कि यह मंदिर महाभारत के समय का है। माना जाता है कि पांडवों ने महाभारत के युद्ध में विजय प्राप्ति के लिए साधना की थी। बगलामुखी माता के दरबार में कई बड़े-बड़े राजनेता दर्शन के लिए आते हैं। पहले माता को देहरा के नाम से जानते हैं और यहां पूजा में पीले रंग के फूल और पीले रंग की पूजन सामग्री का खास महत्व है। बगलामुखी मां की पूजा में हल्दी और पूजन सामग्री का भी इस्तेमाल किया जाता है।

**बगलामुखी माता दतिया:** मध्य प्रदेश के दतिया में मां बगुलामुखी का मंदिर पीताम्बरा पीठ के नाम से पूरी दुनिया में फेमस है। यह शक्तिपीठ शत्रुनाश और राजसत्ता की अधिष्ठात्री देवी पीताम्बरा देवी को समर्पित है। यहां पर भक्त देवी बगुलामुखी के रूप में पूजा-अर्चना करते हैं। मंदिर में पीताम्बरा माता के साथ खंडेश्वर महादेव और धूमावती देवी के भी दर्शन किए जा सकते हैं। धार्मिक मान्यता है कि साल 1935 में दतिया के नरेश के सहयोग से स्वामीजी महाराज ने इस मंदिर का निर्माण कराया था। मां बगलामुखी और धूमावती की प्रतिमाओं के अलावा मंदिर परिसर में काल भैरव, परशुराम, हनुमान जी और अन्य देवी-देवताओं की प्रतिमाएं भी स्थापित हैं।

**बगलामुखी मंदिर, हिमाचल प्रदेश:** हिमाचल प्रदेश में मौजूद मां बगलामुखी मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिलती है। यहां पर मत्था टेकने से भक्तों की सभी परेशानियां दूर होती हैं और कोर्ट कचहरी के मामलों से भी छुट्कारा मिलता है। इस मंदिर में आम लोगों से लेकर नेता और सेलिब्रिटी भी आते हैं। मंदिर के साथ प्राटीन शिआवली में शिवलिंग स्थापित है और लोग मां के दर्शन के बाद जलाभिषेक करते हैं। माना जाता है कि यहां पर मां हल्दी रंग के जल से प्रकट हुई थी। इस वजह से मां को पीतांबरा देवी कहते हैं। मां को पीला रंग काफी ज्यादा प्रिय है और मां के पूजन में पीले रंग की सामग्री का इस्तेमाल होता है।

# जवानी की उम्र होती है सम्भलने के लिए

सद्गुरू माता सुदीक्षा जी महाराज

रुतबा वही ऊंचा है जहां पर ऊंची सोच है, जहां पर ये ज्योति जली हुई है, जहां पर भावनाओं में उत्तमता है, जहां पर मन की निर्मलता है, जहां पर आदर और सत्कार के भाव हैं वहां पर ही वो उंचाई हुआ करती है। भकतजन, महापुरुष-संतजन इस भाव से युक्त होकर परमार्थ के रास्ते पर चलते चले जाते हैं। बंदगी, उपासना करते चले जाते हैं, सच्ची प्रीत निभाते चले जाते हैं और यही प्रार्थना-अरदास करते हैं कि दातार ऐसी कृपा करना कि हम हमेशा आठों प्रहर तुझ संग मन का नाता जोड़े रखें। तेरे संग ही ये नाता हमेशा जुड़ा रहे। ये बाकी बचे ही न कोई स्थान रिक्त ही न रहे, कोई ऐसी खला बीच में न रहे, कोई बीच में ऐसी जगह ही न रहे जहां पर कुछ और भाव को स्थान दे पाऊं। मेरी प्राथमिकता, मेरा ध्यान इसी तरफ लगा रहे।

सूफी सन्तों के वचन भी हम निरंतर पढ़ते हैं कि- हज़ काबा जरुर जाये जे दर्शन पाण ते वेल मिले।

कि दर्शनों से कहीं फुरसत मिले तभी तो हम कहीं और जायें। वही बात जो सरा और इश्क की लगातार चलती जा रही है। पहले भी इश्क हक़ीक़ी की बातें हुई हैं और दूसरी तरफ सरा की बातें हुई हैं। तो आओ साध संगत, वही बात कह रहे हैं कि-

मैं नमाज़ नूं जावां किस वेले।

कि मैं कब जाऊं, मैं तो पहले ही इसके रंग में रंगा हुआ हूं। पहले ही इतना बड़ा कार्य है कि इसी को पूरा करने में लगा हुआ हूं। कहने का तात्पर्य यही है कि जिनको ये लगन लग जाती है वो लगन कहीं पर भी उम्र की मोहताज नहीं होती है। ऐसी लगन छोटे-छोटे बच्चों में भी देखी जाती है, ऐसी लगन किशोरावस्था में भी देखी जाती है, ऐसी लगन नौजवानों में भी देखी जाती है। नौजवानों का जिक्र आता है तो उसी वक्त हमारा ध्यान चला जाता हे कि वो बहकी हुई चाल, वो भटकी हुई चाल, वो नशे, वो लड़ाई दंगे-फसाद इत्यादि और वाकई ही संसार में हमे ये देखने को मिलते हैं लेकिन वो भी नौजवानी की उम्र है जिनमें ऐसी लगन है सत्संग की तरफ, सेवा की तरफ, परोपकार की तरफ, प्रचार की तरफ हमेशा उत्साहित। तो ऐसी लगन वाले इस उम्र में भी हैं। इस उम्र को संसार में किसी और दृष्टि से देखा जाता है क्योंकि बहुत से ऐसे जवानी की उम्र में गुजरने वाले उस उम्र को भी कुछ और रुप देते चले जाते हैं। वही शायर का शेर ध्यान में आता है कि- जवानी की उम्र होती है सम्भलने के लिए। लेकिन इसी उम्र में लोग फिसलत क्यों हैं।

कि वाकई ही यही उम्र होती है सम्भलने के लिए जब ऐसे पड़ाव पर हम पहुँचते हैं जीवन के। यानि कि इस प्रकार से बाल अवस्था भक्त प्रह्लाद हों, सन्त ज्ञानेश्वर हों कितने ही ऐसे पात्र हमें मिलते हैं इतिहास के पन्नों में और आज के दौर में भी देखे जाते हैं कि छोटे-छोटे बच्चे भी इतना मन में सत्कार का भाव अदब का भाव, शब्दों का चयन इस कद्र कि जैसे कोई बुजुर्ग है।

## नोकरियां यहां देखें

**नई दिल्ली में टीचिंग के लिए**
कुल पद: 13
आवेदन की अंतिम तिथि: 17 अक्टूबर, 2025
योग्यता: पीएचडी
करें आवेदन:
**nit delhi.ac.in**

**नगर निकाय हरियाणा में इंजीनियरिंग एसोसिएट के**
कुल पद: 200
आवेदन की अंतिम तिथि: 31 अक्टूबर 2025
योग्यता: बीटेक
करें आवेदन:
**ulbharyana.com**

**बीएसएससी द्वारा विज्ञापित स्टेनोग्राफर के**
कुल पद: 23175
आवेदन की अंतिम तिथि: 25 नवंबर, 2025
योग्यता, 12वीं पास
आयु सीमा :18 से 37 साल
आवेदन करें :
**niinebssc.com**

**आरआरबी द्वारा विज्ञापित रेलवे में जूनियर इंजीनियरिंग के**
कुल पद: 2575
आवेदन की अंतिम तिथि: 30 नवंबर ,2025
योग्यता: बीटेक
आयु सीमा 18 से 33 साल
करें आवेदन:
**rrbapply.gov.in**

**राष्ट्रीय आवास बैंक में उप प्रबंधक व अन्य के**
कुल पद: 7
आवेदन की अंतिम तिथि: 21 अक्टूबर, 2025
योग्यता: पद अनुसार
आयु सीमा: न्यूनतम 23 साल
करें आवेदन:
**nhb.org.in**

**वीआईटीएम में ट्रेनी क्राफ्ट के**
कुल पद: 6
आवेदन की अंतिम तिथि: 28 अक्टूबर, 2025
योग्यता: आईटीआई पास
करें आवेदन:
**vismeum.gov.in**

जॉब्स से संबंधित सूचनाएं पाने के लिए **arthparkash.com** देखें

# हरियाणा की बेटी रिद्धिमा कौशिक ने लगातार तीसरी बार वर्ल्ड कप पर जमाया अपना कब्जा

उज्जबेकिस्तान किक बॉक्सिंग वर्ल्ड कप में रिद्धिमा कौशिक ने जीता एक गोल्ड, 2 सिल्वर व 1 ब्रॉन्ज मेडल

वर्ल्ड कप प्रतियोगिता में भारत छठवें स्थान पर

अर्थ प्रकाश/दयाराम वशिष्ठ

फ़रीदाबाद। अंतरराष्ट्रीय किक बॉक्सिंग खिलाडी रिद्धिमा कौशिक ने उज्जबेकिस्तान में शानदार प्रदर्शन करते हुए एक बार फिर वर्ल्ड कप पर अपना कब्जा जमाते हुए भारत के लिए एक गोल्ड, 2 सिल्वर व 1 ब्रॉन्ज मेडल जीत हरियाणा प्रदेश का नाम रोशन किया है। भारतीय टीम में शामिल रिद्धिमा कौशिक 25 सदस्यीय हरियाणा की अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी है। जिसने 7 अक्तूबर से 12 अक्तूबर तक उज्जबेकिस्तान में आयोजित किक बॉक्सिंग वर्ल्ड कप के फाइनल राउंड में दूसरे देशों के खिलाडियों को पटकनी देते हुए भारत की धाक जमाई। भारतीय खिलाडियों के कडे मुकाबले व बेहतर प्रदर्शन के चलते इस प्रतियोगिता में भारत छठवें स्थान पर रहा हैं।

प्रतियोगिता जीतकर लौटी फरीदाबाद के सेक्टर 19 स्थित डीपीएस स्कूल की छात्रा रिद्धिमा कौशिक का फरीदाबाद लौटने पर भव्य स्वागत किया गया।ड्रैगन मार्शल लॉ एकेडमी के कोच दिव्या व संतोष थापा ने फूल मालाओं से स्वागत करते हुए कहा कि किकबॉक्सिंग वर्ल्ड कप में 46 देशों के खिलाड़ियों ने भाग लिया था। इनमें भारत के विभिन्न राज्यों से पहुंचे करीब 25 खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता जीतने के लिए बेहतर प्रदर्शन किया। बांगर में जींद जिले के गांव भौंगरा में जन्मी रिद्धिमा कौशिक का यह लगातार वर्ल्ड कप पर तीसरा कब्जा है। इससे पहले भी रिद्धिमा कौशिक थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में और दो साल पहले उज्जबेकिस्तान में आयोजित की गई वर्ल्ड कप किक बॉक्सिंग प्रतियोगिता में भारत के लिए स्वर्ण पदक जीतकर अपने देश का नाम रोशन कर चुकी है। रिद्धिमा कौशिक के गोल्ड मेडल जीतने की खुशी में जींद व फरीदाबाद के लोग खुशी से झूम उठे।

कोच संतोष थापा ने बताया कि रिद्धिमा कौशिक ने इस बार उज्जबेकिस्तान में बेहतर प्रदर्शन करते हुए 60 किलोग्राम से कम वजन भार की लाइट कॉन्टेक्ट किक बॉक्सिंग प्रतियोगिता में एक गोल्ड मेडल व किक लाइट प्रतियोगियों में सिल्वर मेडल जीत भारत का नाम रोशन किया। इसी तरह 55 किलोग्राम वजन भार से कम किक लाइट में सिल्वर व लाइट कॉन्टेक्ट में ब्रॉन्ज मेडल जीता। इस जीत के बाद भारत के खिलाड़ी झूम उठे। खिलाड़ियों के बेहतर प्रदर्शन के चलते भारत इस प्रतियोगिता में छठवें स्थान पर रहा।

कोच संतोष थापा ने वर्ल्ड कप में लगातार तीसरी बार कब्जा जमाने पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए कहा कि रिद्धिमा कौशिक ने उज्जवेकिस्तान में कड़ा मुकाबला करते हुए एक गोल्ड, 2 सिल्वर व 1 ब्राउन मेडल जीतकर भारत के लिए बेहतर प्रदर्शन किया। वर्ल्ड कप में मेडल जीतने के बाद रिद्धिमा कौशिक अब एशियन गेम्स जीतने के लिए पसीना बहाएगी।

# मनीषीसंत मुनिश्री विनय कुमार जी आलोक के अनुज भ्राता मुनिश्री अभय कुमार जी हुए देवलोकगमन

सहज, शांत व सरलता की मूर्त रूप थे अभय मुनि

अभय मुनि की साधना-सुगंध सदैव मानवता को देती रहेगी प्रेरणा

चंडीगढ़। आज मनीषीसंत मुनिश्री विनय कुमार जी आलोक के अनुज भ्राता मुनिश्री अभयकुमार जी चंडीगढ सैक्टर 24 स्थित अणुव्रत भवन तुलसी सभागार में देवलोकगमन हो गये है। श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, चंडीगढ़ की और से बताया गया कि आज मुनिश्री अभयकुमार जी दोपहर 01.55 बजे देवलोकगमन हो गये है। देवलोक यात्रा आज (बुधवार) को प्रातः 11:30 बजे, अणुव्रत भवन, सेक्टर 24, चंडीगढ़ से प्रस्थान करेगी।

परम पूज्य मुनिश्री ने अपने पवित्र जीवन में त्याग, साधना, संयम और आत्मकल्याण के उच्च आदर्शो को जीकर समाज का मार्गदर्शन किया। आपश्री ने संयम जीवन के 70 वर्ष मुनि श्री के साथ बिताए। उनकी साधना-सुगंध सदैव मानवता को प्रेरणा देती रहेगी। मुनिश्री अभयकुमारजी का जीवन सहज, सरल और मिलनसार है वे मंत्रवादी थे और उन्होने अपने जीवन में करोडों करोडों मंत्रों का जप ही नही किया आलेखन भी किया है। वे कवि है उनकी अनेक कविताओं की पुस्तके प्रकाशित भी हुई है। उनका पूरा जीवन श्रमशील रहा है। मनीषीसंत मुनिश्री विनय कुमार जी आलोक के साथ अनेको अनेक वर्ष साथ रहने के बावजूद भी इतने सेवा के प्रति निष्ठा, वाणी मे कोमलता, व्यवहार मे सादगी हमेशा ही उनके आसपास दायर बनाकर रखती है। अभयमुनि कठिन जीवन यापन के बावजूद भी ये बहुत ही परिश्रमी और कार्य के प्रति जुनून इनका देखते ही बनता था। बचपन से ही सेवाभावी की भावना कूट कूट कर भरी हुई थी। अभयमुनि ने करोडों करोडों मंत्रो को कंठस्थ किया है। इतनी उधेड आयु के बाद भी अभय मुनि की की लेखनी रुकी ही नहीं, उनमें विचारों का निरंतर प्रभाव चलता रहा है। जो उन्हें सुनता वह मंत्रमुग्ध हो जाता था। इसके अलावा करोडो मंत्रो का लेखन भी किया।

## पंचांग

मंगलवार, 14 अक्तूबर, 2025, सूर्योदय: 06:21 ए एम, सूर्यास्त: 05:52 पी एम, चन्द्रोदय: 12:25 ए एम, अक्टूबर 15, चन्द्रास्त: 01:52 पी एम, शक सम्वत: 1947 विश्वावसु, विक्रम सम्वत: 2082 कालयुक्त, गुजराती सम्वत: 2081 नल, अमान्त महीना: आश्विन, पूर्णिमान्त महीना: कार्तिक, वार: मंगलवार, पक्ष: कृष्ण पक्ष, तिथि: अष्टमी - 11:09 ए एम तक, नक्षत्र: पुनर्वसु - 11:54 ए एम तक, योग: सिद्ध - 04:11 ए एम, अक्टूबर 15 तक, करण: कौलव - 11:09 ए एम तक, द्वितीय करण: तैतिल - 10:46 पी एम तक, सूर्य राशि: कन्या, चन्द्र राशि: कर्क, राहुकाल: 03:00 पी एम से 04:26 पी एम, गुलिक काल: 12:07 पी एम से 01:33 पी एम, यमगण्ड: 09:14 ए एम से 10:40 ए एम, अभिजित मुहूर्त: 11:44 ए एम से 12:30 पी एम, दुर्मुहूर्त: 08:39 ए एम से 09:26 ए एम, दुर्मुहूर्त: 10:52 पी एम से 11:42 पी एम, अमृत काल: 09:33 ए एम से 11:07 ए एम, अमृत काल: 05:34 ए एम, अक्टूबर 15 से 07:10 ए एम, अक्टूबर 15, वर्ज्य: 07:56 पी एम से 09:32 पी एम।

## भविष्य फल

**मेष:** आज का दिन मौज-मस्ती और आनन्द से भरा रहेगा-क्योंकि आप जिन्दगी को पूरी तरह जिएंगे। आप दूसरों पर कुछ ज्यादा खर्चा कर सकते हैं।

**वृष:** आज आपकी अपनी इच्छाएं पूरी करने की कोशिश कारगर होगी। आमतौर पर आज आप किसी बात का बुरा नहीं मानेंगे।

**मिथुन:** लोग आपसे अपने मन की बात कहने में ज्यादा उत्सुक रहेंगे। आज जीवन के कई क्षेत्रों में सफलता की उम्मीद आपके दिल और दिमाग में हो सकती है।

**कर्क:** आपकी व्यक्तिगत समस्याएँ मानसिक शांति को भंग कर सकती हैं। मानसिक दबाव से बचने के लिए कुछ रोचक और अच्छा पढ़ें।

**सिंह:** आज का दिन शानदार रहने वाला है। खुश हो जाएं क्योंकि अच्छा समय आ गया है। कोई नया विचार आपको आर्थिक तौर पर फायदा दिलायेगा।

**कन्या:** आज आपकी जीवन शैली और रहन सहन से लोगों को प्रभावित करेंगे। बच्चों की जरूरतों को पूरा करने में लगे रहेंगे। पारिवारिक जीवन अच्छा रहेगा।

**तुला:** थोड़ा विश्राम करें और काम के बीच-बीच में जितना हो सके, उतना आराम करते रहें। अपने खर्चों पर काबू रखें और आज हाथ खोलकर व्यय करने से बचें।

**वृश्चिक:** आज किस्मत आपके साथ रहने वाली है। कार्यक्षेत्र में आज कुछ नया करने की कोशिश करें। काम धीरे-धीरे ही सही लेकिन पूरा जरुर हो जायेगा।

**धनु:** आज परिवारजनों के साथ कलह के प्रसंग बन सकते हैं। आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। शिक्षा एवं नौकरी के क्षेत्र में सफलता मिलेगी।

**मकर:** आपकी जी-तोड़ मेहनत और परिवार का सहयोग इच्छित परिणाम देने में कामयाब रहेंगे।

**कुंभ:** आज किसी खास काम से आपको यात्रा पर जाना पड़ सकता है। किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति से मुलाकात होने के योग बन रहा है।

**मीन:** मीन राशि वाले आज सोच-विचार कर ही किसी बड़े फैसले को अंतिम रूप दें। आपका निर्णायक फैसला बहुत ही फायदेमंद रहेगा।

# मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना-2.0: प्लॉट आवंटन के लिए किया गया लकी ड्रा का आयोजन

गोहाना, खरखौदा मुड़लाना, गन्नौर व सोनीपत ब्लॉक के 13 गांव के लाभार्थियों को ड्रा के माध्यम से आवंटित किए गए प्लॉट

अर्थ प्रकाश/आदेश त्यागी

सोनीपत। मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना-2.0 (एमएमजीएवाई-2.0) के तहत मंगलवार को जिला परिषद हॉल सोनीपत में गोहाना, खरखौदा मुड़लाना, गन्नौर व सोनीपत ब्लॉक के 13 गांवों के ग्राम सभा द्वारा अनुमोदित पात्र लाभार्थियों को लकी ड्रा के माध्यम से प्लॉट आंवटित किए गए। इस मौके पर जिले के पॉच ब्लॉक के 13 गांव के 779 लाभार्थियों को ड्रा के माध्यम से प्लॉट आंवटित किए गए।अतिरिक्त उपायुक्त लक्षित सरीन ने बताया कि ड्रा की प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी तरीके से की गई। जिसमें विभिन्न ग्राम पंचायतों के पात्र परिवारों का चयन किया गया। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना-2.0 का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के पात्र परिवारों को आवास हेतु प्लॉट उपलब्ध कराना है, ताकि वे अपने सपनों का घर बना सकें और सम्मानजनक जीवन जी सकें।

**लाभार्थियों की सूची**

| | |
|---|---|
| गोहाना ब्लॉक के गांव बली ब्राह्मण – | 55 लाभार्थी |
| गांव बरोटा – | 69 लाभार्थी |
| गन्नौर ब्लॉक के गांव पांची जटान – | 27 लाभार्थी |
| बढ़ी – | 119 लाभार्थी |
| महमुदपुर माजरा – | 28 लाभार्थी |
| खरखौदा ब्लॉक के गांव खाण्ड़ा आलमन पाना – | 50 लाभार्थी |
| नकलोई – | 18 लाभार्थी |
| गोपालपुर राजान पना – | 57 लाभार्थी |
| मुण्ड़लाना ब्लॉक के गांव शामड़ी बुरान – | 36 लाभार्थी |
| शिवान्का – | 34 लाभार्थी |
| बुसाना – | 143 लाभार्थी |
| सोनीपत ब्लॉक के गांव दोदवा – | 55 लाभार्थी |
| किलोहड़द – | 88 लाभार्थी |

इस अवसर पर डीडीपीओ ललिता वर्मा, अतुल (एई-हाउसिंग फॉर ऑल), बीडीपीओ अंकुर, बीडीपीओ राजेश टिवाना, बीडीपीओ परमेन्द्र एवं बीडीपीओ सुरेन्द्र आर्य सहित विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

# फार्मटन फूड्स ने पंजाब के किसानों के साथ मिलकर गुजरात के 580 करोड़ के फ्रोज़न पोटैटो प्रोजेक्ट को दी नई रफ्तार

लुधियाना। फार्मटन फूड्स ने पंजाब के किसानों के साथ सीधे जुड़ाव को मजब करते हुए उच्च गुणवत्ता वाले आलू बीजों की स्थायी आपूर्ति सुनिश्चित करने की दिशा में कदम बढ़ाया है। कंपनी जल्द ही गुजरात में अपने अत्याधुनिक 580 करोड़ के फ्रोज़न पोटैटो प्रोसेसिंग प्लांट की शुरुआत करने जा रही है।फार्मटन फिलहाल पंजाब के 350 से अधिक किसानों के साथ मिलकर काम कर रही है। कंपनी का कॉन्ट्रैक्ट फार्मिंग और ओपन प्रोक्योरमेंट मॉडल किसानों को निश्चित खरीद मूल्य (बाय-बैक प्राइस) के साथ-साथ खुले बाज़ार में बेहतर दाम पाने का अवसर भी देता है। कंपनी का जी0 से जी3 तक का बीज उत्पादन मॉडल किसानों को जोखिम-मुक्त खेती का भरोसा देता है। इसमें तकनीकी मार्गदर्शन, एग्रोनॉमी सहायता और बुवाई से लेकर कटाई तक नियमित फील्ड विज़िट शामिल हैं। बीज की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए 'रॉगिंग ऑपरेशन? (गलत पौधों को हटाना) प्रक्रिया को भी विशेष महत्व दिया जाता है। फार्मटन फूड्स के प्रबंध निदेशक रमेशभाई माली ने कहा की पंजाब गुजरात प्लांट की रीढ़ है। राज्य के किसानों के साथ यह साझेदारी न सिर्फ़ उच्च गुणवत्ता वाले आलू उत्पादन में मदद करेगी, बल्कि स्थानीय किसानों को ज्ञान, आय स्थिरता और कृषि नवाचार के नए अवसर भी प्रदान करेगी।लुधियाना स्थित फार्मटन की तकनीकी टीम फसल प्रबंधन के हर पहलू में सहयोग दे रही है जैसे फसल योजना बनाना, कीट और रोग नियंत्रण, एफिड मॉनिटरिंग, साथ ही समय पर हॉल्म कटिंग और कटाई की निगरानी। अंतरराष्ट्रीय खाद्य प्रसंस्करण मानकों को ध्यान में रखते हुए किसानों को ग्रेडिंग, सॉर्टिंग और क्वालिटी कंट्रोल के लिए विशेष प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।

# नवंबर माह में सरसों तेल वितरण के जारी किए गए रेट

बीपीएल/एएवाई कार्डधारकों के लिए एक लीटर सरसों का तेल 30 रूपये में, 02 लीटर 100 रूपये में

अर्थ प्रकाश/आदेश त्यागी

सोनीपत, 14 अक्टूबर। प्रदेश में गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन करने वाले बीपीएल और अंत्योदय अन्न योजना (एएवाई) कार्डधारको को राशन डिपो पर मिलने वाले सरसों का तेल नवंबर माह में एक लीटर तेल 30 रूपये व दो लीटर तेल 100 रूपये में दिया जाएगा। हरियाणा सरकार के खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता मामले निदेशालय ने माह नवंबर 2025 के लिए फोर्टीफाइड सरसों के तेल के आवंटन की घोषणा की है। सरकार द्वार वितरण की जिम्मेवारी 15 जिलों में हैफेड को 7 जिलों हर-हिथ (एचएआईसीएल) जैसी एजेंसियों को सौंपी गई है।

जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियन्त्रक मनीषा मेहरा ने बताया कि हरियाणा सरकार से मिली हिदायतों अनुसार नवंबर माह मे सरसों के तेल का वितरण सत्यापित आय वाले बीपीएल व एएवाई परिवारों को एक लीटर 30 रूपये व दो लीटर 100 रूपये में वितरित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा गरीब परिवारों को सस्ती दरों पर सरसों का तेल दिए जाने से उनके घरेलू खर्च में कमी आएगी, जिससे वो अपने परिवारों का सही लालन-पोषण कर सकेंगे।

# अरुण जैन को मिला इंजीनियर ऑफ द ईयर का गौरवशाली सम्मान

अर्थ प्रकाश/दयाराम वशिष्ठ

फरीदाबाद। विगत 8 वर्षो से देश के गौरवशाली सेवा प्रकल्प, अमृता हॉस्पिटल फरीदाबाद में सिविल इंजिनियर के रूप में अपनी समर्पित सेवाएं दे रहे इंजी. अरुण कुमार जैन को जैन इंजिनयर्स सोसाइटी फरीदाबाद द्वारा वर्ष 2025 का इंजिनियर ऑफ द ईयर का गौरवशाली सम्मान प्रदान किया गया। जेस फरीदाबाद इकाई द्वारा ग्रेटर फरीदाबाद में डॉ सुभाष जैन जी की अध्यक्षता में आयोजित एक गरिमामय समारोह में संरक्षक डॉ सुभाष जैन, महासचिव धन कुमार जैन, श्रीमती नंदा जैन अध्यक्ष वर्धमान सेवा समिति, आर. सी. जैन महासचिव वर्द्धमान सेवा समिति, सुरेंद्र जैन

अध्यक्ष सखी संगठन ने यह अलंकरण प्रदान किया.

श्री अरुण जैन की इंजीनियरिंग सेवाओं का उल्लेख करते हुये मनोज जैन व राजेश जैन ने बताया कि विगत 45 से अधिक वर्षो में इनके द्वारा देश के महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट पूरे किये गये हैं जिनमें 50 एक? क्षेत्र में बना विद्युत लोको शेड झाँसी व रिमोट कंट्रोल सेंटर 1990 के दशक में इनके अधीन निर्मित किया गया. कटनी, दमोह खंड, भुवनेश्वर, खरगपुर, पुरी खंड में बहुमंजिलि भवन व रिमोट कंट्रोल सेंटर आदि के कार्य इनके अधीन पूर्ण हुये। उज्जैन इंदौर व इटारसी जबलपुर के मध्य भी इसी तरह के कार्यों को इन्होने पूर्ण कराया। विगत 8 वर्षो से 130 एकड़ के विशाल क्षेत्र में निर्मित 1 करोड़ वर्ग फुट के अमृता हॉस्पिटल, मेडिकल कॉलेज, आवासीय भवन, आडिटोरियम व अन्य महत्वपूर्ण निर्माण कार्य में इनकी सक्रिय सहभागिता रही। इंजिनियरिंग क्षेत्र में नीषणात श्री जैन की साहित्य के क्षेत्र में भी अपनी विशिष्ट पहिचान है। इनकी 22 पुस्तकें, 3000 से अधिक रचनाएँ अब तक प्रकाशित हुयी हैं। संपादन, मंचसंचालन व गायन में भी दक्ष श्री अरुण जैन को साहित्य के क्षेत्र में भी राष्ट्रीय स्तर के सम्मान मिले हैं। आकाशवाणी, दूरदर्शन से जुड़े श्री जैन पर्यावरण संरक्षण व समाज के निचले वर्ग को शिक्षा प्रदान करने में अपना योगदान दे रहे हैं।

# औद्योगिक क्रांति की राह पर उत्तर प्रदेश, योगी मॉडल ने बदला उद्योग जगत का नक्शा

अर्थ प्रकाश/विजय कुमार निगम

**लखनऊ।** कभी पिछड़ेपन और बेरोजगारी के प्रतीक के रूप में देखा जाने वाला उत्तर प्रदेश आज उद्योगों का नया ग्रोथ सेंटर बन गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य ने जिस गति से औद्योगिक विकास की दिशा में कदम बढ़ाए हैं, उसने पूरे देश को चकित किया है। वर्ष 2024-25 में उत्तर प्रदेश में रिकॉर्ड 4,000 नई फैक्ट्रियां स्थापित हुईं, जिससे प्रदेश में कुल फैक्ट्रियों की संख्या 27,000 के ऐतिहासिक स्तर पर पहुंच गई है। यह केवल एक सांख्यिकीय उपलब्धि नहीं, बल्कि नए उत्तर प्रदेश के आत्मनिर्भर भारत की दिशा में बढ़ते कदमों का प्रतीक है।

योगी सरकार ने विगत साढ़े 8 वर्षों में उद्योगों के लिए एक ऐसा पारिस्थितिकी तंत्र तैयार किया है जो निवेशकों को न केवल आकर्षित करता है बल्कि उन्हें लंबे समय तक जोड़े रखता है। राज्य में निवेश से संबंधी प्रक्रियाओं को पारदर्शी और निवेशक-हितैषी बनाया है, जिसके कारण उत्तर प्रदेश आज देश का ÷न्यू इनवेस्टमेंट हब÷ बन गया है। यहां स्थापित फैक्ट्रियों में इलेक्ट्रॉनिक्स, टेक्सटाइल, फूड प्रोसेसिंग, डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग, ऑटोमोबाइल, केमिकल और रिन्यूएबल एनर्जी जैसे क्षेत्रों की अग्रणी कंपनियां शामिल हैं।

वर्ष 2003 में उत्तर प्रदेश में सिर्फ 8,980 फैक्ट्रियां थीं। 2021 में यह संख्या बढ़कर 16,503 तक पहुंच गई। 2022 में यह संख्या 17,481 से होते हुए 2023 में 19,100 का आंकड़ा पार कर गई। 2025 में अब यह 27,000 तक पहुंच गई है जो उल्लेखनीय वृद्धि है। यह वृद्धि केवल संख्या तक सीमित नहीं है, बल्कि औद्योगिक भूगोल में

एक संरचनात्मक परिवर्तन का संकेत है। अब निवेश केवल नोएडा, ग्रेटर नोएडा या लखनऊ तक सीमित नहीं, बल्कि बरेली, कानपुर, झांसी, गोरखपुर, आजमगढ़ और प्रयागराज जैसे शहरों तक फैल चुका है।

2023-24 की एएसआई रिपोर्ट के अनुसार उत्तर प्रदेश देश के टॉप-15 औद्योगिक राज्यों में चौथे स्थान पर पहुंच गया था। 2023-24 तक राज्य में 22,141 फैक्ट्रियां संचालित थीं, जो देश की कुल फैक्ट्रियों का 8.5 प्रतिशत हिस्सा थीं। इन इकाइयों में 12.80 लाख से अधिक वर्कर्स कार्यरत थे जो देशभर के औद्योगिक वर्कफोर्स का 8.3 प्रतिशत था। फैक्ट्री ग्रोथ की वार्षिक दर 16 प्रतिशत और वर्कर्स की संख्या में 8 प्रतिशत की वृद्धि ने दर्शाया कि प्रदेश में न केवल उद्योग बढ़ रहे हैं, बल्कि रोजगार के अवसरों में भी लगातार विस्तार हो रहा है। 2025 में 27 हजार फैक्ट्रीज की संख्या इसी का प्रमाण है।

सरकार का लक्ष्य केवल शहरी औद्योगिक विकास नहीं, बल्कि ग्राम्य औद्योगिकरण को भी बढ़ावा देना है। एमएसएमई इकाइयों और स्थानीय कारीगरों को प्रोत्साहन देने के लिए अनुदान, प्रशिक्षण, वित्तीय सहायता और निर्यात सुविधा जैसे कदम उठाए गए हैं। आज यूपी के कई ग्रामीण इलाकों में छोटे उद्योग आत्मनिर्भर भारत की जड़ें मजबूत कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश की यह औद्योगिक कहानी केवल विकास का नहीं, बल्कि विश्वास, पारदर्शिता और परिवर्तन का उदाहरण बन रही है।

# दशहरे पर बच्चों को सम्मानित कर माता मंसा देवी मंदिर के दर्शन कराए

अर्थ प्रकाश/जे के बत्ता

न्यू- चंडीगढ़। नयागांव जनता कॉलोनी स्थित राम मंदिर के अध्यक्ष और पार्षद प्रमोद कुमार ने नवरात्रों के दौरान सेवा करने वाले बच्चों और दशहरे के दिन रावण तैयार करने वाले बच्चों को विशेष रूप से माता मंसा देवी मंदिर के दर्शनो के लिए ले जाया। इस अवसर पर बच्चों के लिए खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया जिससे उनका मनोरंजन और उनको सीखने का अवसर दोनों सुनिश्चित हुआ। पार्षद प्रमोद कुमार ने बताया कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य कॉलोनी के बच्चों को सामाजिक कार्यों से जोड़ना और उन्हें मोबाइल फोन व अन्य डिजिटल लत से दूर रखना है। बच्चों को समाज के प्रति जिम्मेदारी और अपने कर्तव्यों के प्रति सजग बनाने के लिए ऐसी बहुत सी अन्य गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि अगर हर मोहल्ले में ऐसी पहल की जाए तो आने

वाली पीढ़ी सही दिशा में बढ़ सकती है और सामाजिक जागरूकता में योगदान कर सकती है। इसके अलावा, उन्होंने यह भी बताया कि आने वाले दिनों में राम मंदिर में आयोजित होने वाले कीर्तन और अन्य कार्यक्रमों के दौरान इन बच्चों को पढ़ाई से संबंधित सामग्री देकर उनको सम्मानित किया गया । यह कदम बच्चों में शिक्षा और संस्कृति के प्रति रुचि बढ़ाने के लिए उठाया गया है।

## डॉ. एचके बाली 'इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट ऑफ द ईयर' पुरस्कार से सम्मानित

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़। लिवासा हॉस्पिटल, मोहाली के कार्डियक साइंसेज चेयरमैन, डॉ. एच.के. बाली को हाल ही में नई दिल्ली में वॉयस ऑफ हेल्थ केयर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय कार्डियोवैस्कुलर समिट एंड अवार्ड्स - बीट 2025 के दौरान 'इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट ऑफ द ईयर' राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। डॉ. बाली को उनके उत्कृष्ट नेतृत्व, नैदानिक उत्कृष्टता और इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजी में अभूतपूर्व कार्य के लिए सम्मानित किया गया। भारत में हृदय स्वास्थ्य को आगे बढ़ाने में, विशेष रूप से हृदय विफलता प्रबंधन, जटिल इंटरवेंशनल प्रक्रियाओं और रोगी-केंद्रित हृदय देखभाल में, उनका निरंतर योगदान, लिवासा के दृष्टिकोण को दर्शाता है। लिवासा

हॉस्पिटल्स के सीईओ अनुराग यादव ने कहा, डॉ. बाली का सम्मान हृदय विज्ञान में अग्रणी प्रगति और पूरे भारत में मरीजों के लिए परिणामों में सुधार के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है। डॉ. बाली ने कहा यह पुरस्कार केवल एक व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है, बल्कि लिवासा में हमारी पूरी हृदय टीम के सामूहिक प्रयास का सम्मान है। हम सब मिलकर विश्वस्तरीय हृदय देखभाल प्रदान करने और अपने मरीजों के जीवन में सार्थक बदलाव लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

## न्यू चंडीगढ़ में 55वें वार्षिक कुश्ती दंगल का आयोजन, मोहित रायेवाल रहे विजेता

अर्थ प्रकाश/जे के बत्ता

**न्यू चंडीगढ़।** दशमेश क्लब, गांव माजरा, न्यू चंडीगढ़ ने ग्राम पंचायत और ग्रामीणों के सहयोग से नौगजा पीर के वार्षिक उर्स-उत्सव के अवसर पर 55वें वार्षिक कुश्ती दंगल का आयोजन किया। शिरोमणि कमेटी के सदस्य जत्थेदार अजमेर सिंह खेड़ा, समाजसेवी दलविंदर सिंह बेनीपाल, सिनियर कांग्रेस नेता गुरप्रताप सिंह पडियाला, अकाली नेता साहिब सिंह बडाली, पूर्व चेयरमैन मेजर सिंह संगतपुरा, चेयरमैन परमिंदर सिंह गोल्डी, भाजपा नेता जगतार सिंह सिद्धू, युवा नेता अमनदीप सिंह गोल्डी, जत्थेदार

जसवीर सिंह तकीपुर विशेष अतिथियों सहित उपस्थित थे। झंडा कुश्ती÷ पहलवान मोहित रायेवाल और लवप्रीत खन्ना के बीच 10 मिनट का मुकाबला हुआ, जिसमें पहलवान मोहित रायेवाल विजयी रहे। दूसरे झंडे के मुकाबले में पहलवान भरत रायेवाल ने लक्स मुल्लांपुर को हराया। इस बीच, एक रोचक कुश्ती मुकाबले में पहलवान दिनेस मामूपुर ने आर्यन कोटा को हराया। राहुल ने मोनू को हराया, जबकि गौरव कल्याण ने सन्नी जीरकपुर को हराया। पहलवान अमरीक पाडच और जसन चमकौर साहिब सहित कई पहलवानों के बीच मुकाबले बराबरी पर रहे। आयोजक गुरमेल सिंह, मनजीत सिंह मान, जगदेव सिंह, बुजुर्ग मघर सिंह, हरिंदर सिंह, सुखदेव सिंह रूपी, रविंदर सिंह, यादविंदर सिंह टोनी, कुलविंदर सिंह, सतनाम सिंह सरपंच, गुरमेल सिंह पालनपुर, पूर्व सरपंच गुरविंदर सिंह सज्जना सहित गणमान्य लोगों ने मेहमानों और विजेता पहलवानों को सम्मानित किया।

## बोकारो में कसमार के चोली जंगल में महिला की लाश मिलने से सनसनी

अर्थ प्रकाश नेटवर्क

बोकारो। झारखंड में बोकारो जिले के कसमार प्रखंड के चोली जंगल में मंगलवार की सुबह उस वक्त सनसनी फैल गई, जब पत्ता तोड़ने गई सिंहपुर निवासी मनोरंजन महतो की पत्नी मंजू देवी का शव जंगल के भीतर बरामद हुआ। पुलिस सूत्रों ने आज यहां बताया कि मंजू देवी मंगलवार की सुबह अपने परिवार की दो अन्य महिलाओं के साथ पत्ता तोड़ने के लिए चोली जंगल गई थीं। इसी दौरान वह रहस्यमय ढंग से अचानक लापता हो गई। साथी महिलाओं ने सुबह करीब नौ बजे घर पहुंचकर मामले की जानकारी दी। उसके बाद सामाजिक कार्यकर्ता एवं सिंहपुर पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि घनश्याम महतो के नेतृत्व में ग्रामीणों और परिजनों की एक बड़ी टीम ने करीब छह घंटे तक जंगल में तलाश की। देर शाम जंगल के भीतर मंजू देवी का शव बरामद किया गया। स्थानीय लोगों ने आशंका जताई है कि महिला पर किसी हिंसक जंगली जानवर ने हमला किया होगा, जिससे उसकी मौत हुई। हालांकि, वास्तविक कारण का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही हो पाएगा। सूचना मिलते ही कसमार पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए तेनुघाट अस्पताल भेज दिया।

## मैक्स हॉस्पिटल, मोहाली ने शुरू किए पीडियाट्रिक्स ऑन्कोलॉजी और नेफ्रोलॉजी क्लिनिक

अर्थ प्रकाश नेटवर्क

चंडीगढ़। मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, मोहाली ने आज ऑन्कोलॉजी और नेफ्रोलॉजी के लिए दो नए सुपर स्पेशियलिटी एक्सक्लूसिव पीडियाट्रिक्स क्लीनिक शुरू करने की घोषणा की। क्लीनिक इस क्षेत्र में बच्चों के लिए उन्नत और विशिष्ट स्वास्थ्य सेवाओं की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। ये क्लीनिक सोमवार से शनिवार, सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक खुले रहेंगे। नए क्लीनिक चाइल्डहुड कैंसर और किडनी संबंधी विकारों जैसी जटिल स्वास्थ्य स्थितियों से जूझ रहे बच्चों के लिए केंद्रित व अत्याधुनिक देखभाल प्रदान करेंगे। मंगलवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, मोहाली की पीडियाट्रिक्स ऑन्कोलॉजी कंसलटेंट , डॉ. कृतिका गोयल ने कहा चाइल्डहुड कैंसर के प्रबंधन में शीघ्र निदान और विशेष उपचार अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस समर्पित क्लिनिक के माध्यम से, हमारा लक्ष्य बच्चों की आवश्यकताओं के अनुरूप व्यापक और उन्नत कैंसर देखभाल प्रदान करना है, जिससे सर्वोत्तम संभव परिणाम सुनिश्चित हों। पीडियाट्रिक्स नेफ्रोलॉजी सेवाओं की आवश्यकता पर चर्चा करते हुए, मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, मोहाली के सीनियर कंसलटेंट-नेफ्रोलॉजी, डॉ. मनीष सिंगला ने कहा किडनी की बीमारियों से ग्रस्त बच्चों को सटीक और दीर्घकालिक प्रबंधन की आवश्यकता होती है।

## चंडीगढ़ में आईपीएस वाई. पी. कुमार के समर्थन में विशाल कैंडल मार्च

अर्थ प्रकाश/वीरेन्द्र सिंह

**चंडीगढ़।** आई.पी.एस. वाई. पी. कुमार को न्याय दो के आह्वान पर आज सेक्टर 17 प्लाज़ा, चंडीगढ़ में एक विशाल कैंडल मार्च का आयोजन किया गया।इस मार्च में हर समाज, हर वर्ग, और हर आयु वर्ग के लोग एकजुट होकर शामिल हुए – सभी ने अपनी उपस्थिति से यह संदेश दिया कि जब बात न्याय और ईमानदारी की हो, तो समाज एक स्वर में खड़ा होता है। लोगों ने हाथों में मोमबत्तियाँ और तख्तियाँ लेकर आई.पी.एस. वाई. पी. कुमार को श्रद्धांजलि दी और माँग की कि – हरियाणा के डी.जी.पी. की तुरंत गिरफ्तारी हो और रोहतक के एस.पी. को तत्काल बर्खास्त किया जाए। सचिन गालव ने कहा यह आंदोलन किसी एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि उस व्यवस्था के खिलाफ है जो सच्चाई को कुचलने की कोशिश कर रही है। जब तक आई.पी.एस. वाई. पी. कुमार को न्याय नहीं मिलता, यह लौ बुझने नहीं दी जाएगी। न्याय के इस शांतिपूर्ण आंदोलन ने यह साबित किया कि ईमानदार अफसर के साथ पूरा देश खड़ा है। यह लौ तब तक जलती रहेगी जब तक न्याय नहीं मिलता।

**भारत ने जी-20 डीआरआर मंत्रिस्तरीय घोषणा को अपनाया**

## आपदा जोखिम न्यूनीकरण है साझा भविष्य में निवेश: डॉ. पी.के. मिश्रा

अर्थ प्रकाश नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव डॉ. पी. के. मिश्रा ने दक्षिण अफ्रीका की अध्यक्षता में आयोजित जी-20 आपदा जोखिम न्यूनीकरण (डीआरआर) मंत्रिस्तरीय बैठक में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। इस बैठक में मंत्रियों ने 13 अक्टूबर को अंतर्राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण दिवस के अवसर पर 'सभी के लिए अनुकूलता-एकजुटता, समानता और स्थिरता के माध्यम से आपदा जोखिम न्यूनीकरण को सुदृढ़ बनाने' की घोषणा को अपनाया।

इस अवसर पर अपने संबोधन में, डॉ. मिश्रा ने भारत के इस विश्वास पर बल दिया कि आपदा जोखिम न्यूनीकरण की कोई लागत नहीं है बल्कि यह हमारे साझा भविष्य में एक सामूहिक निवेश है। उन्होंने जी-20 डीआरआर कार्य समूह (2023) के गठन में भारत की अग्रणी भूमिका

और बहु-खतरे की प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियों को आगे बढ़ाने, पूर्वानुमानित कार्रवाई के लिए पूर्वानुमानित वित्तपोषण का लाभ उठाने और अनुकूलता के लिए सार्वजनिक-निजी भागीदारी को बढ़ावा देने की भारत की निरंतर प्रतिबद्धता पर बल दिया। उन्होंने आपदा रोधी अवसंरचना गठबंधन (सीडीआरआई) के माध्यम से भारत के नेतृत्व को दोहराया, जिसने 50 देशों को तकनीकी सहायता प्रदान की है। डॉ. मिश्रा ने आपदा जोखिम न्यूनीकरण एजेंडे के अंतर्गत साझेदारी की भावना को बढ़ावा देने और अफ्रीका के दृष्टिकोण को व्यापक बनाने के लिए दक्षिण अफ्रीका की अध्यक्षता की सराहना की।

डीआरआर में निवेश के लिए स्वैच्छिक उच्च-स्तरीय सिद्धांतों पर मंत्रिस्तरीय गोलमेज सम्मेलन के दौरान, डॉ. मिश्रा ने जोखिम सूचना, वित्तपोषण रणनीति, नवाचार और स्थानीय स्तर के निवेश पर आधारित भारत के एकीकृत दृष्टिकोण का भी उल्लेख किया। भारत के शासन प्रारूप ने डीआरआर को अपनी राष्ट्रीय अनुकूलन योजना, क्षेत्रीय नीतियों और वित्तपोषण साधनों में अंतर्निहित किया है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि विकास योजना के प्रत्येक स्तर में अनुकूलता, समावेशिता और स्थिरता समाहित हो।

इस अवसर पर, डॉ. मिश्रा ने दक्षिण अफ्रीका के सहकारी शासन और पारंपरिक मामले मंत्री वेलेंकोसिनी हलाबिसा, ऑस्ट्रेलिया की आपातकालीन प्रबंधन मंत्री सुश्री क्रिस्टी मैकबेन और अन्य जी-20 सदस्यों और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधिमंडल प्रमुखों के साथ द्विपक्षीय बैठक करते हुए आपदा अनुकूलन की दिशा में सहयोगात्मक प्रयासों को सुदृढ़ किया।

कार्यक्रम का समापन करते हुए डॉ. मिश्रा ने घरेलू स्तर पर तथा अंतर्राष्ट्रीय साझेदारियों के माध्यम से घोषणापत्र की प्रतिबद्धताओं को आगे बढ़ाने के प्रति भारत की प्रतिबद्धता की पुनः पुष्टि की।

## एआई प्लस स्मार्टफोन ने पेश किया स्पार्कल रेड त्योहारों के मौसम के लिए एक बोल्ड नया रंग

अर्थ प्रकाश संवाददाता

करनाल। नेक्स्टक्वांटम शिफ्ट टेक्नोलॉजीज के एआई+ स्मार्टफोन ने अपने Pulse और नोवा 5जी मॉडलों में नया स्पार्कल रेड रंग संस्करण पेश किया है। भारत के त्योहारों की जीवंतता से प्रेरित यह नया रंग एआई+ स्मार्टफोन रेंज में एक साहसिक, ऊर्जावान रूप लाता है, जो इसके उपयोगकर्ताओं के आत्मविश्वास और व्यक्तित्व को दर्शाता है।

स्पार्कल रेड संस्करण यह दर्शाता है कि एआई प्लस स्मार्टफोन किसके लिए खड़ा है- व्यक्तिगतता, उद्देश्य और लंबे समय तक टिकने वाला प्रदर्शन, एआई प्लस स्मार्टफोन के सीईओ और नेक्स्टक्वांटम शिफ्ट टेक्नोलॉजीज के संस्थापक माधव शेठ ने कहा हमारा लक्ष्य ऐसी तकनीक बनाना है जो आत्मविश्वास जगाए और भारतीय उपयोगकर्ताओं को नियंत्रण वापस दे – खूबसूरत डिज़ाइन को भरोसेमंद प्रदर्शन के साथ जोड़ते हुए। नेक्स्टक्वांटम ओएस द्वारा संचालित, जो भारत का पहला संप्रभु मोबाइल ऑपरेटिंग सिस्टम है, एआई प्लस स्मार्टफोन यह सुनिश्चित करता है कि उपयोगकर्ताओं को अपने व्यक्तिगत डेटा पर पूर्ण नियंत्रण हो। हर डिवाइस में नेक्स्टप्राइवेसी डैशबोर्ड शामिल है – एक रीयल-टाइम प्राइवेसी कंट्रोल सेंटर जो दिखाता है कि कौन-से ऐप्स आपके कैमरा, माइक, गैलरी या लोकेशन तक पहुंच रहे हैं, और उपयोगकर्ताओं को तुरंत एक्सेस रद्द करने की अनुमति देता है। बिना किसी छिपे ट्रैकर या ब्लोटवेयर के, सभी डेटा भारत के भीतर सुरक्षित रूप से संग्रहीत रहता है।

# पारंपरिक चिकित्सा की बढ़ती प्रासंगिकता

## जलवायु परिवर्तन और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों के दौर में प्राचीन चिकित्सा पद्धति स्थायी स्वास्थ्य सेवा समाधान प्रदान कर सकती है

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) की रिपोर्ट के अनुसार, इसके 88 प्रतिशत सदस्य देशों - 194 देशों में से 170 - में पारंपरिक चिकित्सा का प्रचलन है। विशेष रूप से निम्न और मध्यम आय वाले देशों में, यह चिकित्सा प्रणाली अपने सुलभ और किफायती सेवा के कारण अरबों लोगों के लिए स्वास्थ्य सेवा का प्राथमिक रूप बनी हुई है। तथापि, इसका महत्व उपचार से आगे बढ़कर जैव विविधता संरक्षण, पोषण सुरक्षा और स्थायी आजीविका को बढ़ावा देने तक विस्तृत है।

व्यापारिक रुझान दिखाते हैं कि लोग इसे तेजी से अपना रहे हैं। विश्लेषकों का अनुमान है कि वैश्विक पारंपरिक चिकित्सा बाजार 2025 तक 10 प्रतिशत -20 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर के साथ 583 बिलियन डॉलर तक पहुंच जाएगा। चीन का पारंपरिक चिकित्सा क्षेत्र 122.4 अरब डॉलर, ऑस्ट्रेलिया का हर्बल औषधि उद्योग 3.97 अरब डॉलर और भारत का आयुर्वेद, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध, सोवा रिग्पा एवं होम्योपैथी (आयुष) क्षेत्र 43.4 अरब डॉलर के मूल्य का है।

यह विस्तार स्वास्थ्य सेवा दर्शन में एक मूलभूत बदलाव को दर्शाता है - प्रतिक्रियात्मक उपचार मॉडल से सक्रिय, निवारक दृष्टिकोणों की ओर, जो केवल लक्षणों के बजाय मूल कारणों पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

**भारत का आयुर्वेदिक परिवर्तन:** भारत के पारंपरिक चिकित्सा क्षेत्र में उल्लेखनीय परिवर्तन आया है। 92,000 से अधिक सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों वाले आयुष उद्योग का एक दशक से भी कम समय में लगभग आठ गुना विस्तार हुआ है। विनिर्माण क्षेत्र का राजस्व 2014-15 के 21,697 करोड़ रुपये से बढ़कर वर्तमान में 1.37 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है, जबकि सेवा क्षेत्र ने 1.67 लाख करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया है।

भारत अब 150 से ज़्यादा देशों को 1.54 अरब डॉलर मूल्य के आयुष और हर्बल उत्पादों का निर्यात करता है और आयुर्वेद को कई देशों में एक चिकित्सा पद्धति के रूप में औपचारिक मान्यता मिल रही है। यह वैश्विक मंच पर आर्थिक अवसर और सॉफ्ट पावर, दोनों का प्रतिनिधित्व करता है।

राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय (2022-23) द्वारा आयुष पर किए गए पहले व्यापक सर्वेक्षण से लगभग सार्वभौमिक जागरूकता का पता चलता है - ग्रामीण क्षेत्रों में 95 प्रतिशत और शहरी केंद्रों में 96 प्रतिशत। पिछले वर्ष आधी से ज़्यादा आबादी ने आयुष प्रणालियों का उपयोग करने की जानकारी दी थी और आयुर्वेद कायाकल्प और निवारक देखभाल के लिए पसंदीदा विकल्प के रूप में उभरा है।

**वैज्ञानिक मान्यता, वैश्विक विस्तार:** भारत ने अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, आयुर्वेद शिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान और केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद सहित कई संस्थानों के माध्यम से अनुसंधान में महत्वपूर्ण निवेश किया है।

ये संस्थान नैदानिक सत्यापन, औषधि मानकीकरण और एकीकृत देखभाल मॉडल विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जो पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक चिकित्सा पद्धतियों के साथ जोड़ते हैं।

आयुष मंत्रालय की अंतर्राष्ट्रीय सहयोग योजना के माध्यम से भारत की वैश्विक आयुर्वेद पहुंच ने अभूतपूर्व स्तर हासिल किया है। भारत ने 25 द्विपक्षीय समझौतों और 52 संस्थागत साझेदारियों पर हस्ताक्षर किए हैं, 39 देशों में 43 आयुष सूचना प्रकोष्ठ स्थापित किए हैं और विदेशी विश्वविद्यालयों में 15 शैक्षणिक विभागों की स्थापना की है। भारत में डब्लूएचओ वैश्विक पारंपरिक चिकित्सा केंद्र की स्थापना एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। भारत सरकार से समर्थन प्राप्त इस केंद्र का उद्देश्य आधुनिक विज्ञान, डिजिटल स्वास्थ्य और कृत्रिम बुद्धिमत्ता सहित उभरती प्रौद्योगिकियों के माध्यम से पारंपरिक चिकित्सा की क्षमता का उपयोग करना है।

पारंपरिक चिकित्सा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के एकीकरण पर विश्व स्वास्थ्य संगठन का हालिया प्रकाशन इस बात पर प्रकाश डालता है कि कैसे उन्नत प्रौद्योगिकियां नैदानिक सत्यापन को मजबूत कर सकती हैं, बड़े डेटा विश्लेषण को सक्षम बना सकती हैं और आयुर्वेद व संबंधित प्रणालियों में पूर्वानुमान देखभाल प्रणाली को बेहतर बना सकती हैं।

**आयुर्वेद जन-जन के लिए, पृथ्वी के कल्याण के लिए**

आयुर्वेद का मूल दर्शन - शरीर और मन, मानव और प्रकृति, उपभोग और संरक्षण के बीच संतुलन - समकालीन चुनौतियों के लिए प्रासंगिक समाधान प्रस्तुत करता है। जहाँ एक ओर दुनिया जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों और जलवायु परिवर्तन से जूझ रही है, वहीं आयुर्वेद एक ऐसी रूपरेखा प्रदान करता है, जो व्यक्तिगत और पृथ्वी के स्वास्थ्य, दोनों का समाधान करने में सक्षम है।

भारत वैश्विक स्तर पर पारंपरिक चिकित्सा को मुख्यधारा में लाने के प्रयासों का नेतृत्व कर रहा है। यह दृष्टिकोण निवारक, किफायती, समावेशी और स्थायी स्वास्थ्य देखभाल पर ज़ोर देता है। आयुर्वेद न केवल एक चिकित्सा प्रणाली, बल्कि एक कल्याण अभियान का प्रतिनिधित्व करता है, जो पारंपरिक ज्ञान को समकालीन आवश्यकताओं से जोड़ता है। प्राचीन ज्ञान का आधुनिक विज्ञान और प्रौद्योगिकी के साथ समन्वय, पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों को वैश्विक स्वास्थ्य संरचना में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की सुविधा देता है। इस वर्ष आयुर्वेद दिवस पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों की क्षमता की याद दिलाता है, जो लोग और अपनी पृथ्वी के संदर्भ में एक अधिक संतुलित और स्थायी भविष्य में योगदान दे सकती है।

**– श्री प्रतापराव जाधव,**
केंद्रीय आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध, सोवा रिग्पा और होम्योपैथी (आयुष) राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री

# पंजाब ने बेंगलुरु रोड शो के दौरान राज्य में निवेश के व्यापक अवसरों पर डाला प्रकाश : संजीव अरोड़ा

अर्थ प्रकाश संवाददाता

**चंडीगढ़, 14 अक्टूबर।** पिछले महीने आयोजित एनसीआर रोड शो की शानदार सफलता के बाद, पंजाब सरकार ने मुख्यमंत्री के नेतृत्व में और उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री श्री संजीव अरोड़ा की मौजूदगी में प्रगतिशील पंजाब निवेशक सम्मेलन 2026 के तहत अपनी पहुंच को जारी रखते हुए बेंगलुरु में एक प्रभावशाली रोड शो आयोजित किया। कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा ने बताया कि इस कार्यक्रम के तहत विभिन्न क्षेत्रों की प्रमुख कंपनियों के साथ बैठकें की गई और इसके बाद द ओबेरॉय, एम.जी. रोड, बेंगलुरु में पंजाब सत्र का आयोजन किया गया।

उन्होंने आगे कहा कि कंपनियों के साथ बैठकों के दौरान, प्रतिनिधिमंडल ने सेमीकंडक्टर और एआई क्षेत्र की अग्रणी बहुराष्ट्रीय प्रौद्योगिकी कंपनी इंटेल के साथ बैठक की। इस बैठक के दौरान कंपनी ने इस क्षेत्र में अपनी आवश्यकताओं पर चर्चा की। उन्होंने आगे बताया कि स्पेशलिटी स्टील और अलॉय उद्योग की अग्रणी कंपनी अरजस स्टील प्राइवेट लिमिटेड ने लगभग 350 करोड़ रुपये के निवेश के साथ पंजाब में अपने संचालन के विस्तार की योजना की घोषणा की।

कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा ने कहा कि अतिथि सत्कार क्षेत्र की प्रमुख कंपनी रॉयल ऑर्किड होटल्स लिमिटेड राज्य में नए हेरिटेज होटलों और पर्यटन अवसंरचना से संबंधित परियोजनाओं का अध्ययन करेगी।

उन्होंने बताया कि आईटी और आईटीईएस सेक्टर की प्रतिनिधि कंपनी सोनेट सॉफ्टवेयर लिमिटेड ने पंजाब में डिजिटल परिवर्तन, क्लाउड, डेटा एनालिटिक्स और एआई-आधारित सेवाओं की संभावनाओं पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि एयरोस्पेस और रक्षा तकनीक की अग्रणी कंपनी आइडिया फोर्ज के साथ उन्नत यूएवी और एकीकृत एरियल निगरानी प्रणालियों पर भी चर्चा हुई।

अन्य विवरण सांझे करते हुये उन्होंने कहा कि एरोसपेस और रक्षा क्षेत्र की नुमायंदगी करने वाली कंपनी हिंदुस्तान एयरोनाटिक्स लिमटिड (एच. ए. एल.) के साथ विक्रेता और सप्लायर समर्थकी पहलकदमियां, ख़ास कर इंजीनियरिंग क्षेत्र में एम. एस. एम. ई. यूनिटों को शामिल करके क्षेत्र में रक्षा और एरोसपेस ईकोसिस्टम को मज़बूत करने के मौकों के बारे आपसी चर्चा की गई। उन्होंने बताया कि शाम के पंजाब सत्र में तकनीकी क्षेत्र के उद्यमियों और उद्योगपतियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। इस सत्र के दौरान वाइब्राकॉस्टिक के अध्यक्ष और हैड आफ ऑपरेशन इंडिया जगमिंदर सिंह बावा, नेटस्मार्ट्ज के सह-संस्थापक एवं सीईओ मनीपाल धारीवाल, आईटीसी के निदेशक हेमंत मलिक और हारटेक्स के निदेशक वरुण सुरेखा ने पंजाब में निवेश और संचालन के अपने अनुभव साझा किए। एसटीपीआई मोहाली और एसटीपीआई बेंगलुरु के निदेशकों ने निवेशकों से अपील की कि वे गुरुग्राम और बेंगलुरु के बाद मोहाली को उत्तर भारत में अगले आईटी/जीसीसी/डेटा सेंटर के लिए प्राथमिक स्थान के रूप में विचार करें, जहाँ टीयर-2 लागतों पर टीयर-1 क्षमताओं के साथ साथ ट्रैफिक और भीड़-भाड़ से दूर और प्रमुख शोध संस्थानों से प्रशिक्षित कुशल स्टाफ तक सहज पहुँच की पेशकश करता है। सेमीकंडक्टर लैबोरेटरी (एससीएल), मोहाली के महानिदेशक ने राज्य के उभरते सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम और भारत की तकनीकी तथा विनिर्माण आवश्यकताओं को पूरा करने में पंजाब की क्षमताओं पर प्रकाश डाला।

### ये रहे मौके पर मौजूद

इस अवसर पर जेट्रो, ईओ, एसटीपीआई, वाईपीओ, टीआईई, एसआईडीएम, आईईएसए और अन्य प्रमुख व्यापारिक संगठनों के सदस्यों ने पंजाब के सुधारवादी दृष्टिकोण और निवेशक-हितैषी प्रशासन पर अपने विचार साझा किए।

# डॉ. रवजोत सिंह ने अमृतसर, जालंधर और पटियाला में मैसर्स एल एंड टी द्वारा संचालित जल आपूर्ति परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की

जोन-वार कार्यान्वयन योजना और श्रमिकों की संख्या बढ़ाने के निर्देश

परियोजना के कामकाज के दौरान सड़कों की समय पर मरम्मत और मजबूत ट्रैफिक प्रबंधन पर दिया जोर

अर्थ प्रकाश संवाददाता

**चंडीगढ़, 14 अक्तूबर।** पंजाब के स्थानीय निकाय मंत्री डॉ. रवजोत सिंह ने आज अमृतसर, जालंधर और पटियाला में मैसर्स एल एंड टी द्वारा संचालित जल आपूर्ति परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा के लिए एक विस्तृत समीक्षा बैठक की। इन परियोजनाओं के कार्य की समीक्षा करते हुए कैबिनेट मंत्री ने परियोजना के योजनाबद्ध और जल्द कार्यान्वयन को यकीनी बनाने के लिये पटियाला के लिए जोन-वार कार्यान्वयन योजना तैयार करने के निर्देश दिए और अमृतसर व जालंधर में श्रमिकों की संख्या बढ़ाने के आदेश दिए ताकि कार्य को तेजी से पूरा किया जा सके।

डॉ. रवजोत सिंह ने मैसर्स एल एंड टी को निर्देश दिया कि वे सभी पहचाने गए जोनों में प्रभावी और समय पर सड़क मरम्मत सुनिश्चित करने के लिए समर्पित टीमें तैनात करें। उन्होंने कंपनी को यह भी कहा कि कार्यान्वयन चरण के दौरान यात्रियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए मजबूत ट्रैफिक प्रबंधन व्यवस्था सुनिश्चित की जाए

परियोजना को निर्धारित समय में पूरा करने के महत्व पर जोर देते हुए स्थानीय निकाय मंत्री ने कंपनी से परियोजना की समयसीमा का सख्ती से पालन करने की अपील की और विभागीय अधिकारियों को गुणवत्ता एवं समयबद्धता सुनिश्चित करने के लिए जमीनी स्तर पर निगरानी बनाए रखने के निर्देश दिए।

इस बैठक में स्थानीय निकाय विभाग के वरिष्ठ अधिकारी और मैसर्स एल एंड टी लिमिटेड के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

# शिवांगी त्रिपाठी ने जिला स्कूल गेम्स में जीता गोल्ड मेडल, स्कूल का नाम किया रोशन

अर्थ प्रकाश/चौहान

**डेराबस्सी, 14 अक्तूबर।** लार्ड महावीर जैन पब्लिक स्कूल, डेराबस्सी की छात्रा शिवांगी त्रिपाठी ने अपनी प्रतिभा और मेहनत के दम पर एक बार फिर साबित कर दिया है कि सफलता उसी की होती है जो निरंतर प्रयास करता है। कक्षा +2 कॉमर्स की छात्रा शिवांगी ने 69वीं पंजाब राज्य एवं जिला स्कूल खेल प्रतियोगिता 2025-26 में अंडर-19 गर्ल्स (-46 किलोग्राम) वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर पूरे स्कूल और जिले का मान बढ़ाया है। इस प्रतियोगिता में शिवांगी ने अपने शानदार खेल कौशल, आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प के बल पर सभी प्रतिद्वंद्वियों को पछाड़ते हुए पहला स्थान हासिल किया। इस उत्कृष्ट प्रदर्शन के बाद उन्हें राष्ट्रीय स्तर की चैम्पियनशिप के लिए चुना गया है, जहां वे जिले और अपने स्कूल का प्रतिनिधित्व करेंगी। शिवांगी की इस उपलब्धि पर स्कूल परिवार में खुशी की लहर दौड़ गई। स्कूल प्रबंधन, प्राचार्य और समस्त स्टाफ ने शिवांगी को इस शानदार उपलब्धि पर हार्दिक बधाई दी और आगामी राष्ट्रीय प्रतियोगिता में उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। स्कूल के प्रिंसिपल गीता नांदरा ने कहा कि शिवांगी की यह सफलता पूरे संस्थान के लिए गर्व का विषय है और उनकी मेहनत, अनुशासन तथा निरंतर अभ्यास ने उन्हें इस मुकाम तक पहुँचाया है। वहीं, उनके कोच ने बताया कि शिवांगी एक समर्पित, अनुशासित और मेहनती खिलाड़ी हैं, जो हमेशा अपने खेल में सुधार के लिए तत्पर रहती हैं। उनकी संघर्षशीलता और खेल भावना ने ही उन्हें यह गौरवपूर्ण उपलब्धि दिलाई है। शिवांगी ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, शिक्षकों और कोच को दिया है और कहा कि उनका अगला लक्ष्य राष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण पदक जीतकर पंजाब का नाम रोशन करना है। इस जीत के साथ न केवल शिवांगी बल्कि लार्ड महावीर जैन पब्लिक स्कूल ने भी एक बार फिर यह साबित किया है कि सही मार्गदर्शन, समर्पण और कड़ी मेहनत से कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं।

# विजयदशमी पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने मनाया 100वां स्थापना पर्व, 'पंच परिवर्तन' के माध्यम से समग्र राष्ट्र निर्माण पर बल

1925 में डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार जी ने बच्चों को लेकर नागपुर में संघ की स्थापना की थी

अर्थ प्रकाश/प्रदीप पाल

**जगराओं, 14 अक्टूबर।** विजयदशमी के पावन पर्व पर अधर्म पर धर्म की विजय का उत्सव मनाते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने अपना 100वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास से मनाया। वर्ष 1925 में डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार द्वारा स्थापित यह संगठन आज विश्व का सबसे बड़ा गैर-सरकारी संगठन बन चुका है। इस ऐतिहासिक अवसर पर देशभर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। जगराओं शहर में यह आयोजन सन्मति मातृ सेवा संघ हॉल में संपन्न हुआ, जिसमें समाज के विभिन्न वर्गों से जुड़े गणमान्य नागरिकों, स्वयंसेवकों तथा भगिनी साथियों ने भाग लिया। समारोह की अध्यक्षता परमहंस स्वामी बबला दास ने की, जबकि मुख्य अतिथि राजेन्द्र जैन थे। इस मौके पर संघ के पदाधिकारी डॉ. भारत भूषण, आकाश गुप्ता, लवनीश कुमार, विनोद कुमार सहित अन्य स्वयंसेवकों ने परंपरागत शस्त्र पूजन किया। समारोह के मुख्य वक्ता प्रमोद कुमार ने अपने विचार रखते हुए कहा कि राष्ट्र निर्माण के लिए 'स्व' बोध, पर्यावरण संरक्षण, नागरिक कर्तव्यों का पालन, सामाजिक समरसता और आदर्श परिवार व्यवस्था–ये पांच मूल आधार हैं, जिन पर संघ काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि जब तक देश का हर नागरिक चरित्रवान नहीं होगा, तब तक राष्ट्र की प्रगति संभव नहीं। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि केवल शिक्षा या तकनीकी ज्ञान पर्याप्त नहीं, चरित्र ही किसी समाज या राष्ट्र की स्थायी नींव होती है। प्रमोद कुमार ने श्री गुरु तेगबहादुर जी के 350वें बलिदान दिवस का स्मरण करते हुए कहा कि उनका जीवन बलिदान और मानवाधिकारों की रक्षा का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि गुरुजी ने अपने जीवन का त्याग कर यह संदेश दिया कि सभी धर्मों का सम्मान आवश्यक है, और किसी को जबरन धर्म परिवर्तन के लिए विवश करना अमानवीय है। उन्होंने कहा कि स्वधर्म की रक्षा के लिए जीवन का बलिदान देना भी एक सच्चे मानव का धर्म है।

उन्होंने अपने संबोधन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की पंच परिवर्तन अवधारणा को भी विस्तार से समझाया। इसके अंतर्गत पहला परिवर्तन है 'स्व' बोध–जिसका अर्थ है अपने आत्मिक, सांस्कृतिक और राष्ट्रीय मूल्यों की पहचान। इसके बिना कोई भी राष्ट्र अपनी दिशा और उद्देश्य तय नहीं कर सकता। दूसरा परिवर्तन है पर्यावरण संरक्षण, जो आज वैश्विक स्तर पर एक गंभीर चुनौती है। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन और प्रदूषण ने मानव जीवन को संकट में डाल दिया है। इसके समाधान के लिए पर्यावरण अनुकूल जीवनशैली अपनानी होगी। इस कार्यक्रम में क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिक, स्वयंसेवक और समाजसेवी उपस्थित रहे। प्रमुख रूप से बलराम कुमार, पंकज कुमार, राकेश कुमार, विपन कुमार, राजिंदर वर्मा, अशोक कुमार, राकेश (चठ्ठू जी), डॉ. राजिंदर पाल, राज कुमार, हरविंदर कुमार, विनय कुमार, प्रदीप शर्मा, प्रिं. नीलू जी, कमलदीप बांसल, डॉ. विपन, जवाहर कुमार, तरसेम कुमार, पुलकित कुमार, अरुण कुमार, अमित भट्ट, तेजस पाल, रमित भट्ट, हर्ष कुमार, हितेन, पारस उप्पल, कृष्ण उप्पल, मनु कुमार, गौरव पांडे और गौतम सहित बड़ी संख्या में स्वयंसेवक उपस्थित थे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान और प्रसाद वितरण के साथ हुआ। आयोजकों ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान की प्रेरणा दी।

# बनूड़ पुलिस की ज्यादती के खिलाफ कांग्रेस ने थाने तक निकाला रोष मार्च

पुलिस अधिकारी कांग्रेसी वर्करों के साथ की रही ज्यादती के परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहे: हरदयाल सिंह कंबोज

अर्थ प्रकाश संवाददाता

**बनूड़, 14 अक्टूबर।** बनूड़ पुलिस द्वारा दर्ज एक मामले में नगर परिषद अध्यक्ष जगतार सिंह कंबोज के बेटे हरप्रीत सिंह को थाने बुलाए जाने के विरोध में कांग्रेस पार्टी ने बनूड़ पुलिस के खिलाफ रोष मार्च निकाला और नारेबाजी की। रोष मार्च का नेतृत्व राजपुरा विधानसभा क्षेत्र के पूर्व कांग्रेस विधायक हरदयाल सिंह कंबोज और राजिंदर सिंह समाना ने किया। शहर के वार्ड नंबर 12 के पार्क में शहरी कांग्रेस अध्यक्ष कुलविंदर सिंह के नेतृत्व में एक विशाल सभा हुई। जिसमें दोनों विधायकों के अलावा पटियाला से विष्णु शर्मा भी मौजूद रहे। पूरे इलाके से आए पुरुष और महिलाओं ने भी रोष प्रदर्शन में भाग लिया।

दोनों विधायकों के नेतृत्व में कांग्रेसी नारेबाजी करते हुए थाने पहुंचे। जहां पुलिस ने पहले ही पुलिस की गाड़ी आगे लगाकर थाने का मुख्य द्वार बंद कर दिया था। कुछ देर बाद एसएचओ पुलिस बल के साथ छोटे गेट से बाहर आए और कुछ लोगों को अंदर बुलाया। बातचीत के दौरान श्री कंबोज ने एसएचओ को चेतावनी दी कि पुलिस उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और उत्पीड़न के खिलाफ कड़ा संघर्ष किया जाएगा। उन्होंने तीखे लहजे में कहा कि आप खुद जानते है कि जिन पुलिस अधिकारियों ने किसी के इशारे पर ऐसा किया, उनके हालात क्या है। उन्होंने हरप्रीत सिंह पुत्र जगतार सिंह की ओर से लिखित जवाब दिया, जिसे कानूनी नोटिस देकर जांच के लिए थाने बुलाया गया था। जिसे स्वीकार करते हुए थाना प्रमुख ने कहा कि अगर वह इस जवाब से संतुष्ट नहीं हुए, तो एक और नोटिस देकर जांच के लिए बुलाएंगे। इससे पहले सभा को संबोधित करते हुए हरदयाल सिंह कंबोज ने कहा कि हर तरफ से नाकाम सरकार के नुमाइंदे झूठे केस दर्ज करवाने लगे हैं और पुलिस के जरिए कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर अपनी पार्टी में शामिल होने का दबाव बना रहे हैं। उन्होंने बनूड़ थाना प्रमुख को होश में आने की चेतावनी दी और कहा कि कांग्रेस की सरकार बनने के बाद हर मामले की जांच की जाएगी। उन्होंने हलका विधायक की कारगुजारी पर उंगली उठाते हुए कहा कि राजपुरा में बड़े पैमाने पर सट्टे का कारोबार खुलेआम चल रहा है।

पूर्व विधायक राजिंदर सिंह समाना ने कहा कि जिले के कई विधायकों पर आपराधिक मामले दर्ज है और वे खुद भू-माफिया और रेत माफिया के नेता बन बैठे है। इस मौके पर शहरी अध्यक्ष कुलविंदर सिंह, अवतार बबला, सुरिंदर सोनी संधू, ब्लॉक अध्यक्ष खजान सिंह हुल्का, नायब सिंह मनौली सूरत, बलदीप सिंह बल्लू, पार्षद अध्यक्ष जगतार सिंह, लछमन सिंह चंगेरा, लखवीर सिंह, हरबंस सिंह धर्मगढ़, हरप्रीत सिंह सोनिक आदि ने बनूड़ पुलिस की निंदा की। इस मौके पर बड़ी संख्या में पंच सरपंच, कांग्रेसी कार्यकर्ता और महिलाएं भी मौजूद थी।

# खुशहाल एन्क्लेव, भबात में पानी की किल्लत दूर होगी, विधायक रंधावा ने ट्यूबवेल का उद्घाटन कर काम शुरू करवाया

विधायक रंधावा ने पूरा किया अपना वादा

अर्थ प्रकाश/संदीप सिंह बावा

**जीरकपुर, 14 अक्तूबर।** ज़ीरकपुर नगर परिषद के अंतर्गत भबात क्षेत्र के वार्ड संख्या 28, खुशहाल एन्क्लेव के निवासियों की लंबे समय से चली आ रही मांग को ध्यान में रखते हुए, विधायक कुलजीत सिंह रंधावा ने स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया और पानी की किल्लत की समस्या के समाधान के उद्देश्य से इस क्षेत्र में 40.53 लाख रुपये की लागत से नए लगने वाले ट्यूबवेल का उद्घाटन किया। इस अवसर पर नगर निगम पार्षद सुखवीर सिंह लक्की, वार्ड निवासियों और अधिकारियों की उपस्थिति में यह उद्घाटन किया गया। विधायक रंधावा ने कहा कि लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान जब वे यहाँ पहुँचे थे, तो सभी वार्ड निवासियों ने कहा था कि वे उनकी इस प्रमुख मांग को पूरा करेंगे, जिसके तहत आज मैं अपना वादा पूरा कर रहा हूँ। उन्होंने कहा कि कार्य पूरा करते हुए नए ट्यूबवेल लगाने का कार्य शुरू किया गया। उन्होंने कहा कि उन्होंने पंजाब में स्वच्छ पेयजल की सख्त जरूरत पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि पंजाब गंभीर जल संकट का सामना कर रहा है और यह सुनिश्चित करना हमारी सरकार की जिम्मेदारी है कि नागरिकों को पानी जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध हों। नए ट्यूबवेलों की स्थापना वार्ड के निवासियों की बुनियादी जरूरतों को पूरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। ये ट्यूबवेल न केवल स्वच्छ पेयजल प्रदान करेंगे बल्कि क्षेत्र में पानी की कमी के मुद्दे को हल करने में भी मदद करेंगे। उन्होंने कहा कि पंजाब में जल संकट को हल करने के लिए मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली सरकार के प्रयास सराहनीय हैं और इस अवसर पर वार्ड के निवासियों ने विधायक रंधावा को उन्हें एक बुनियादी जरूरत प्रदान करने के लिए धन्यवाद दिया।

# स्पेशल बच्चों की तैयार मोमबत्तियां खरीदकर हमे उनका मनोबल बढाना चाहिए : ओ पी गुप्ता

अर्थ प्रकाश/तरसेम दीवाना

**होशियारपुर, 14 अक्तूबर।** जेएसएस आशा किरन स्पेशल स्कूल जहानखेला के स्पेशल छात्रों की तरफ से जैंमस कैंबरिज स्कूल दसूहा, चौधरी बलवीर सिंह पबलिक सीनियर सेकंडरी स्कूल और एसडी कालेज होशियारपुर में मोमबत्तियों की प्रदर्शनी लगाई गई, दूसरा में प्रिंसीपल ओ.पी.गुप्ता ने, चौधरी बलवीर सिंह स्कूल में प्रिंसीपल बेदी ने, एसडी कालेज में प्रिंसीपल सविता गुप्ता ने प्रदर्शनी का उदघाटन किया और स्पेशल बच्चों के कार्य की सराहना की। प्रिंसीपल ओ.पी.गुप्ता ने कहा कि आशा किरन स्कूल के स्टाफ और प्रबंधक कमेटी की तरफ से स्पेशल बच्चों को समाज की मुखय धारा से जोडने के लिए जो काम किया जा रहा है उसके नतीजे सामने आ रहे है जिसके तहत स्पेशल बच्चे मोमबत्तियां तैयार करके स्कूलों में पहुंच रहे है, उन्होंने समाज से अपील की के दीवाली के पर्व पर इन स्पेशल बच्चों की तरफ से तैयार की गई मोमबत्तियां खरीदकर अपने घर ले जाए और इससे स्पेशल बच्चों का मनोबल भी बढेगा।

इस मौके आशादीप वैलफेयर सोसायटी के पुर्व प्रधान मलकीत सिंह महेड़ू, हरमेश तलवाड़ ने स्कूल प्रबंधन का धन्यबाद किया।

# बेगमपुरा टाइगर फोर्स ने आई.पी.एस. वाई. पूरन कुमार के संबंध में राष्ट्रपति को भेजा मांग पत्र

मौजूदा भाजपा के शासन के दौरान एस.सी. समाज के खिलाफ अपराध दिन-ब-दिन तेज़ी से बढ़ रहे हैं: हैप्पी, सतीश, बंटी

अर्थ प्रकाश/तरसेम दीवाना

**होशियारपुर, 14 अक्टूबर।** बेगमपुरा टाइगर फोर्स के चेयरमैन तरसेम दीवाना और राष्ट्रीय अध्यक्ष धर्मपाल साहनेवाल के दिशा-नि र्देशों के अनुसार, बेगमपुरा टाइगर फोर्स की ओर से आज हरियाणा के एक दलित आई.पी.एस. अधिकारी वाई. पूरन कुमार द्वारा की गई आत्महत्या के बाद कथित दोषियों पर बनती कार्रवाई न करने के संबंध में डिप्टी कमिश्नर होशियारपुर के माध्यम से माननीय राष्ट्रपति को एक मांग पत्र ज़िला अध्यक्ष हैप्पी फतेहगढ़, ज़िला सीनियर उपाध्यक्ष सतीश कुमार शेरगढ़ और ब्लॉक अध्यक्ष हरियाना भूंगा अनर कुमार बंटी की अध्यक्षता में दिया गया। मांग पत्र में नेताओं ने कहा कि मौजूदा भाजपा के शासन में दलितों के खिलाफ अपराध तेज़ी से बढ़ रहे हैं। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के माननीय मुख्य न्यायाधीश बी. आर. गवई पर भरी अदालत में राकेश किशोर नाम के वकील द्वारा जूता फेंकने की कोशिश करना और हरियाणा के एक आई.पी.एस. दलित अधिकारी वाई. पूरन कुमार द्वारा आत्महत्या करना बहुत ही शर्मनाक है। उन्होंने कहा कि जाति-पात को लेकर की जाने वाली शारीरिक और मानसिक हिंसा की सैकड़ों घटनाएँ हमारे देश में रोज़ाना होती हैं। इनमें से ज़्यादातर दूर-दराज़ ग्रामीण क्षेत्रों में होती हैं, जो मीडिया की कवरेज से बाहर हो जाती हैं। उन्होंने कहा कि दलित समाज के लोगों से मारपीट, गाली-गलौच और कई प्रकार के अन्याय तथा उनके साथ होने वाले जुल्म अक्सर न तो अख़बार के पन्नों तक पहुँचते है और न ही टेलीविज़न की चमकती स्क्रीनों पर इस बारे में बहसें होती हैं। साथ ही, उच्च पदों पर बैठे दलित वर्ग के दो व्यक्तियों के साथ हुई घटनाक्रम से तथाकथित ऊंची जातियों के लोगों का दलितों के प्रति बुरा रवैया ज़ाहिर होता है। उन्होंने कहा कि जस्टिस गवई पर जूता फेंकने के मामले को भाजपा और आर.एस.एस. ने ज़्यादा तूल न देते हुए उस वकील को फटाफट क्लीन चिट देने की कोशिश की। लेकिन हैरानी की बात यह रही कि दिल्ली पुलिस ने भी उस वकील के खिलाफ न तो कोई एफ.आई.आर. दर्ज की और न ही उसे गिरफ्तार किया। इसके विपरीत, जूता फेंकने वाले वकील की सोशल मीडिया पर प्रशंसा होती रही, जबकि सोशल मीडिया पर मुख्य न्यायाधीश का मज़ाक उड़ाने वालों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने सरकार से पूछा कि सबको न्याय देने वाले मुख्य न्यायाधीश को इस मामले में न्याय कौन देगा? हरियाणा सरकार के उच्च पुलिस अधिकारी वाई. पूरन कुमार ने अपने सुसाइड नोट में कुछ उच्च जाति के सीनियर अधिकारियों द्वारा अपमानित किए जाने का वर्णन किया है। यहाँ तक कि उक्त अधिकारियों के नाम भी सुसाइड नोट में लिखे हुए हैं, परंतु हरियाणा पुलिस की नालायकी यह है कि सुसाइड नोट में उक्त अधिकारियों के नाम होने के बावजूद भी एफ.आई.आर. में किसी भी अधिकारी का नाम नहीं डाला गया। उन्होंने कहा कि संविधान सभी को बराबर का हक देता है, जिसमें जाति-पात और ऊँच-नीच की कोई जगह नहीं। पर व्यवहारिक रूप से समाज में ये सभी भेदभाव अभी भी मौजूद हैं। भाजपा के शासन के दौरान 2014 से 2025 के बीच दलितों के खिलाफ अपराधों में 46 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है, जिससे भाजपा की दलितों के प्रति सोच जग ज़ाहिर होती है। हरियाणा के आई.पी.एस. अधिकारी वाई. पूरन कुमार की आत्महत्या उस सामाजिक ज़हर का प्रतीक है, जो जाति के नाम पर मानवता को निगल रहा है। ये घटनाएँ भाजपा शासन की नाकामी है।

उन्होंने कहा कि हमारे देश में दलित अधिकारी भी सुरक्षित नहीं हैं। उन्होंने कहा कि सदियों से होते आए इस बर्ताव के दागों को धोने के लिए पता नहीं दलितों को और कितनी सदियों तक इंतज़ार करना पड़ेगा। भाजपा आर.एस.एस. के नेतृत्व में दलितों को फिर से गुलाम बनाना चाहती है, जिसे कभी भी सफल नहीं होने दिया जाएगा।

इस मौके पर अन्य लोगों के अलावा सुखी फतेहगढ़, बिपन कुमार सीनियर उपाध्यक्ष चब्बेवाल, सतीश कुमार बस्सी बाहिद, और कार्तिक महतो आदि उपस्थित थे।

# तहसीलदार से दुर्व्यवहार करने वाले सात आरोपियों को किया गिरफ्तार : नारायण वर्मा

**त्वरित कार्यवाही करने पर राजस्व अधिकारी संघ ने किया स्वागत**

अर्थ प्रकाश/अरविंद शर्मा

**शिमला 14 अक्तूबर।** दशहरा मेला कूल्लू में तहसीलदार के साथ हुए दुर्व्यवहार मामले में पुलिस द्वारा सात आरोपियों को गिरफ्तार करने पर हिमाचल प्रदेश राजस्व अधिकारी संघ ने सरकार का आभार व्यक्त किया है । जिसके चलते संघ ने अपनी पेन डाउन स्ट्राईक वापिस ले ली है और मंगलवार को सभी तहसील व उप तहसील कार्यालयों पर कार्य सामान्य रूप से आरंभ हो गया है । हिप्र राजस्व अधिकारी संघ के अध्यक्ष एवं तहसीलदार जुन्गा, नारायण सिंह वर्मा ने बताया कि पुलिस ने सात आरोपियों को गिरफ्तार करने के अलावा अन्य आरोपियों की पहचान की जा रही है।

उन्होंने बताया कि संघ ने इस बारे मुख्य सचिव, अतिरिक्त मुख्य सचिव होम और डीजीपी के साथ इस गंभीर मुदद‍े को प्रभावी ढंग से उठाया गया था जिसके चलते पुलिस को कार्यवाही करनी पड़ी।

### कार्यालयों में हड़ताल के कारण कामकाज रहा ठप्प

संघ के अध्यक्ष नारायण वर्मा ने बताया कि 13 अक्तूबर को समूचे प्रदेश के सभी 130 तहसील और 80 उप तहसील मुख्यालय और 11 जिला राजस्व कार्यालयों में पेन डाउन स्ट्राईक होने के कारण सरकारी कार्य ठप्प रहा । इस दौरान न ही कोई भूमि का पंजीकरण, न ही कोई प्रमाण पत्र और अन्य तहसील संबधी कार्य नहीं हुए। उन्होने बताया कि प्रदेश के दूरदराज क्षेत्रों में राजस्व अधिकारी बिना किसी सुविधा के राजस्व कार्यो के अतिरिक्त आपदा प्रबंधन, अदालती कार्य, वीआईपी डियूटी, कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने सहित विभिन्न प्रकार के कार्यों का निवर्हन करते हैं। उन्होने बताया कि जिस प्रकार कूल्लू दशहरा में तहसीलदार के साथ सार्वजनिक रूप से दुर्व्यवहार और मारपीट की गई है उससे प्रदेश में राजस्व अधिकारियों का मनोबल गिरा है । उन्होने सरकार से मांग की गई है कि राजस्व अधिकारियों को डियूटी के दौरान सुरक्षा प्रदान की जाए ताकि राजस्व अधिकारी अपने दायित्व का निर्वहन भयमुक्त होकर कर सके।

# प्रदेश में चल रहा 'आत्मनिर्भर भारत' और 'हर घर स्वदेशी' अभियान : नंदा

अर्थ प्रकाश/अरविंद शर्मा

**रोहड़ू/शिमला, 14 अक्तूबर।** भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश मीडिया संयोजक कर्ण नंदा ने पार्टी मुख्यालय कोटखाई में विधानभा की एक बैठक को संबोधित किया और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर भाजपा द्वारा पूरे देश में चल रहे 'आत्मनिर्भर भारत' और 'हर घर स्वदेशी' अभियान के बारे में जानकारी दी। नंदा ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य हर नागरिक को स्वदेशी से जोड़ना है ताकि यह जन आंदोलन बने और राष्ट्रीय आंदोलन के रूप में प्रदेश एवं देशभर में फैलकर भारत को आत्मनिर्भर बनाने का संदेश घर-घर तक पहुंचे। स्वदेशी का अर्थ है, अपने देश में बने सामान को अपनाना और उसका उपयोग करना। हम किसी वस्तु का बहिष्कार नहीं कर रहे हैं, बल्कि यह कह रहे हैं कि भारतीय उत्पाद और भारतीय कौशल को प्राथमिकता दी जाए।

भाजपा मीडिया संयोजक ने यह अभियान 25 दिसंबर पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती तक चलेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाया जाएगा और इसका रास्ता आत्मनिर्भर भारत से होकर गुजरता है, जिसके मूल में स्वदेशी है। नरेन्द्र मोदी ने 140 करोड़ देशवासियों से प्रार्थना की है कि जो भी वस्तु खरीदी जाए, वह भारत में निर्मित होनी चाहिए। प्रधानमंत्री ने देशवासियों से आह्वान किया है कि हमें वे ही वस्तुएं खरीदनी होंगी जो भारत में बनी हों, जिनमें हमारे देश के बेटे-बेटियों का पसीना शामिल हो। हर दुकान पर यह बोर्ड होना चाहिए जिसमें लिखा हो कि 'गर्व से कहो, यह स्वदेशी है।' माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय जगत प्रकाश नड्डा ने पूरे देश के कार्यकर्ताओं को एक व्यापक अभियान सौंपा है, जिसके माध्यम से जन-जन को जोड़कर स्वदेशी के इस अभियान को जन आंदोलन का रूप देना है।

## न्यूज ब्रीफ

### लॉरेंस स्कूल,सनावर को मिला 'इंडिया'स बेस्ट विंटेज लेगेसी को-एड बोर्डिंग स्कूल' का सम्मान

**सोलन (अप्रस/यशपाल कपूर)।** अपने प्रसिद्ध उपनाम "The Best School of All" पर खरा उतरते हुए, द लॉरेंस स्कूल, सनावर को शिक्षा जगत की प्रतिष्ठित संस्था Education World द्वारा घोषित इंडिया स्कूल्स रैंकिंग (EWISR) 2025-26 में 'विंटेज लेगेसी को-एड बोर्डिंग स्कूल' श्रेणी में भारत और हिमाचल प्रदेश दोनों में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। यह रैंकिंग सर्वेक्षण विश्व का सबसे बड़ा और विस्तृत स्कूल मूल्यांकन सर्वेक्षण है, जो देशभर में विद्यालय शिक्षा से जुड़े 8,500 से अधिक विशेषज्ञों और हितधारकों के फील्ड इंटरव्यू पर आधारित है। 14 अक्टूबर 2025 को गुरुग्राम के द पुलमैन होटल में आयोजित भव्य समारोह में, स्कूल की ओर से यह सम्मान स्कूल मैनेजमेंट कमेटी के चेयरमैन एवं बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के सदस्य श्री विपिन सोंधी और हेडमास्टर श्री हिम्मत सिंह ढिल्लों ने ग्रहण किया। यह आयोजन देशभर के च-12 शिक्षा क्षेत्र के शीर्ष नेतृत्व की सबसे बड़ी वार्षिक संगोष्ठी रही, जिसे व्यापक रूप से प्रिंट और टेलीविजन मीडिया ने कवर किया। श्री विपिन सोंधी ने इस उपलब्धि पर गर्व और कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा, 'यह सम्मान हमारे दूरदर्शी हेडमास्टर, उत्कृष्ट शिक्षकों और विद्यार्थियों की अकादमिक उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण है। यह हमें प्रेरित करता है कि हम विश्वस्तरीय शिक्षा और समग्र विकास की दिशा में अपने प्रयासों को और आगे बढ़ाएँ।' स्कूल के हेडमास्टर श्री हिम्मत सिंह ढिल्लों ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा, 'टीम सनावर अपने को इस गौरवशाली सम्मान के लिए अत्यंत भाग्यशाली मानती है और यह विशेष है कि यह पुरस्कार हमारे विख्यात पूर्व छात्र, सेकंड लेफ्टिनेंट खेत्रपाल के जन्मदिवस के अवसर पर मिला है। यह उपलब्धि सनावर की समृद्ध विरासत को और सुदृढ़ करती है तथा हमारी टीम को और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है। हम Education World का धन्यवाद करते हैं और सनावर परिवार के प्रत्येक सदस्य को इस उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई देते हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'कोविड-19 की चुनौतियों के बाद भी द लॉरेंस स्कूल, सनावर ने उत्कृष्टता के नए मानक स्थापित किए हैं।

### प्राकृतिक खेती से उत्पादित सेबों की पहली अलग नीलामी, केवीके ताबो की अनोखी पहल

**सोलन (अप्रस/यशपाल कपूर)।** कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) ताबो, लाहौल-स्पीति द्वारा पूरी तरह प्राकृतिक खेती से उगाए गए सेबों की देश में पहली बार अलग से नीलामी की गई। 1100 वर्ग मीटर क्षेत्र में स्थित इस बगीचे की ?9 लाख में नीलामी हुई। इसमें 120 सेब के पौधे हैं, जिन्हें बिना रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के, गोबर, गोमूत्र और स्थानीय जैविक मिश्रणों से पोषित किया गया है। इन सेबों में पारंपरिक खेती की तुलना में 13 प्रतिशत अधिक फर्मनेस और 11 प्रतिशत अधिक मिठास पाई गई, जिससे गुणवत्ता व शेल्फ लाइफ बेहतर हुई। मिट्टी में 2.79 प्रतिशत जैविक कार्बन मिला, जो पर्यावरण हितैषी खेती को दर्शाता है। केवीके ताबो को सीतारा प्रणाली के तहत 2-स्टार रेटिंग प्राप्त है। कुलपति प्रो. राजेश्वर सिंह चंदेल ने इस पहल को स्पीति में टिकाऊ खेती को बढ़ावा देने वाला कदम बताया। ग्यू पंचायत को पूरी तरह प्राकृतिक खेती पंचायत बनाने की दिशा में कार्य प्रगति पर है।

### प्रो. अतुल खोसला को मेलबर्न विश्वविद्यालय ने किया हॉनोररी एंटरप्राइज प्रोफेसर नियुक्त, भारत की उच्च शिक्षा को वैश्विक मान्यता

**सोलन (अप्रस/यशपाल कपूर)।** सोलन स्थित शूलिनी विश्वविद्यालय के

कुलपति प्रो. अतुल खोसला को विश्वप्रसिद्ध मेलबर्न विश्वविद्यालय ने 'हॉनोररी एंटरप्राइज प्रोफेसर' के रूप में नियुक्त किया है। यह सम्मान उन वैश्विक नेताओं को दिया जाता है जिन्होंने अकादमिक, नवाचार और उद्यमिता में उल्लेखनीय योगदान दिया हो। मेलबर्न विश्वविद्यालय, कूएस रैंकिंग में विश्व के शीर्ष 20 संस्थानों में शामिल है। प्रो. खोसला अब फैकल्टी ऑफ साइंस के अंतर्गत वैश्विक विचारकों और उद्यमियों के प्रतिष्ठित समूह का हिस्सा बन गए हैं, जिनका उद्देश्य नवाचार-आधारित शिक्षा और वैश्विक सहयोग को बढ़ावा देना है। एक सफल वैश्विक कॉरपोरेट करियर छोड़ने के बाद प्रो. खोसला ने शूलिनी विश्वविद्यालय की स्थापना में अग्रणी भूमिका निभाई। उनके नेतृत्व में यह संस्थान न केवल भारत का नंबर 1 निजी विश्वविद्यालय बना, बल्कि शोध उद्धरणों में भी विश्व के शीर्ष 300 विश्वविद्यालयों में स्थान पाया। प्रो. खोसला डास्कालोस पहल का भी नेतृत्व कर रहे हैं, जो भारत में विदेशी विश्वविद्यालयों के कैंपस स्थापित करने हेतु वैश्विक साझेदारियों को प्रोत्साहित करती है। इस सम्मान के साथ प्रो. खोसला ग्रेग हंट, जेम्स पी. गोरमन्,ह, और डॉ. कैरोल लक्सिस जैसी अंतरराष्ट्रीय हस्तियों की सूची में शामिल हो गए हैं। यह उपलब्धि भारतीय उच्च शिक्षा के वैश्विक मंच पर बढ़ते प्रभाव और नेतृत्व की पुष्टि करती है।

# प्रदेश के जन-जन को विकास धारा से जोड़ने के लिए राज्य सरकार कृत संकल्प : संजय अवस्थी

**अर्की विधानसभा क्षेत्र की दूर-दराज ग्राम पंचायत चमदार में 'विधायक आपके द्वारा' कार्यक्रम आयोजित**

**इस क्षेत्र में लगभग 46 करोड़ रुपए की योजनाओं के कार्य शीघ्र होंगे आरम्भ**

अर्थ प्रकाश/यशपाल कपूर

**सोलन, 14 अक्तूबर।** अर्की के विधायक संजय अवस्थी ने कहा कि प्रदेश के जन-जन को विकास की धारा से जोड़ना प्रदेश सरकार का उत्तरदायित्व है और वर्तमान प्रदेश सरकार इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए निरंतर प्रयासरत है। संजय अवस्थी आज अर्की विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत चमदार में आयोजित 'विधायक आपके द्वार' कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। संजय अवस्थी ने कहा कि प्रदेश सरकार कृषि, पशुपालन, बागवानी, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे आधारभूत क्षेत्रों में अधोसंरचनात्मक कार्या पूर्ण कर रही है ताकि लोग इनसे समय पर लाभान्वित हो सके। संजय अवस्थी ने कहा कि प्रदेश के किसानों, बागवानों व पशुपालकों की आय में बढ़ौतरी के लिए मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। प्राकृतिक खेती के माध्यम से उगाई गई मक्की के लिए 40 रुपए तथा गेहूं 60 रुपए प्रति किलो ग्राम न्यूनतम समर्थन मूल्य रखा गया है। इस निर्णय से जहां किसानों की आय में वृद्धि होगी वहीं प्राकृतिक खेती को भी बढ़ावा मिलेगा। संजय अवस्थी ने कहा कि अर्की विधानसभा क्षेत्र को आदर्श विधानसभा क्षेत्र बनाने के लिए वह प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि रामशहर से चमदार-क्यारणू मार्ग तथा रामशहर-छियाछी-दिग्गल मार्ग के लिए लगभग 33 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। उन्होंने कहा कि शीघ्र ही इन मार्गों का निर्माण कार्य आरम्भ होगा। उन्होंने कहा कि पेयजल आपूर्ति योजना चमदार के लिए लगभग 4.84 करोड़ रुपए, सिंचाई योजना स्रोग बुघार के लिए लगभग 1.76 करोड़ रुपए, सिंचाई योजना खेटटा व जोहड़ी के लिए 3.37 करोड़ रुपए तथा उठाऊ पेयजल योजना मनलोग कलां के लिए 2.59 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए हैं। इन सभी योजनाओं का कार्य शीघ्र आरम्भ होगा।

विधायक ने ख्वाजा पुल के समीप मोक्षधाम निर्माण के लिए 1.50 लाख रुपए देने की घोषणा की। उन्होंने राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला चमदार में परीक्षा केन्द्र के निर्माण कार्य को पूरा करने के लिए 02 लाख रुपए देने की भी घोषणा की। संजय अवस्थी ने इस अवसर पर लोगों की पेयजल, सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, सिंचाई व अन्य विभिन्न समस्याओं को सुना और सम्बधित अधिकारियों को इनके शीघ्र निपटारे के निर्देश दिए।

इस अवसर पर ग्राम पंचायत चमदार के प्रधान कर्म चन्द कौंडल, ग्राम पंचायत दिग्गल के प्रधान पवन कौशल, ग्राम पंचायत चमदार के उप प्रधान कमलेश कुमार, बीडीसी सदस्य विकास चन्द, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सतीश कश्यप, जोगिन्द्रा केन्द्रीय सहकारी बैंक के निदेशक रोशन वर्मा, नेहरू युवा क्लब चमदार के प्रधान बलवीर, उपमण्डलाधिकारी नालागढ़ नरेन्द्र आहलूवालिया, खण्ड विकास अधिकारी नालागढ़ नयोन धैर्य शर्मा, तहसीलदार नालागढ़ हुसन चंद चौधरी, हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड के अधिशाषी अभियंता देवेन्द्र कौंडल, लोक निर्माण विभाग के अधिशाषी अभियंता परसवर सिंह, जल शक्ति विभाग के अधिशाषी अभियंता नीरज गुप्ता, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला चमदार के प्रधानाचार्य अशोक कुमार, स्कूल प्रबंधन समिति की प्रधान स्वर्णलता सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति व ग्रामीण उपस्थित थे।

# नागरिक अस्पताल बरठी में शांति पाठ व हवन का आयोजन

**स्टाफ व स्थानीय लोगों ने हवन में आहुति डालकर की आत्मिक शांति की कामना**

अर्थ प्रकाश/देशराज

**बरठी, 14 अक्टूबर।** अस्पताल प्रशासन व लोगों के सौजन्य से नागरिक अस्पताल बरठी में हवन पाठ का आयोजन किया गया। उल्लेखनीय है कि हवन का आयोजन यूँ तो प्रतिवर्ष किया जाता है। लेकिन अभी की हवन व्यवस्था का औचित्य नया वर्ष तो है ही साथ ही हॉल ही में बस दुर्घटना में अपनी जान गवा चुके क्षेत्र के 16 लोगों की आत्मिक शांति के लिए है। मेडिकल ऑफिसर बैभव वासिष्ठ, सपना कुमारी, डॉ आदित्य के साथ फार्मासिस्ट प्यारे लाल सोनी, वार्ड सिस्टर मीना कुमारी, मीरां देवी, पूजा कुमारी, मनीषा कुमारी, अंजू देवी, व्यापारी वर्ग में सतीश-बंटी, राज कुमार, अनुराग चंदेल, राजेश ठाकुर, विपन शर्मा व सुनील चौहान ने बताया कि सड़क बस हादसे में जान गवा चुके लोगों की पार्थिव देह को अस्पताल में रात भर रखा गया था। अस्पताल में भर्ती लोगों के मन में भी डर का माहौल बन रहा था। और लोग भी अस्पताल के भीतर आत्मिक शांति तथा पर्यावरण शुद्धि की मांग कर रहे थे।

इसी के चलते स्थानीय लोगों व व्यापारी वर्ग के सहयोग से अस्पताल परिसर में शांति पाठ व हवन का आयोजन किया गया है।

# बंजार व नग्गर में आपदा जोखिमों के प्रति लोगों को किया गया जागरूक

अर्थ प्रकाश/अशेष शर्मा

**कुल्लू, 14 अक्तूबर।** जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण एवं सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के संयुक्त तत्वावधान में विकासखंड बंजार के न्यू बस स्टैंड और गुशैणी में तथा नग्गर विकास खंड के नग्गर व हरिपुर महाविद्यालय में आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर आधारित जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

'समर्थ 2025' जिला स्तरीय जन जागरूकता अभियान के अंतर्गत आयोजित इन कार्यक्रमों में मन्नत कला मंच व गीत-संगीत कला मंच के कलाकारों ने गीतों और नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से लोगों को आपदा प्रबंधन से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान कीं।

कलाकारों ने लोगों को भूकंपरोधी भवन निर्माण, आपदाओं के समय बरती जाने वाली सावधानियों, तथा भूकंप, भूस्खलन और आग लगने की स्थिति में अपनाए जाने वाले उपायों के बारे में जागरूक किया।

मंच के कलाकारों ने कुल्लवी नाटियों और 'जानकारी ही बचाव' शीर्षक नाटक के माध्यम से बताया कि आपदाओं से बचाव का सबसे प्रभावी तरीका है जागरूकता और तत्परता। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि वे आपदा से संबंधित जानकारियां अपने परिवार, बच्चों और बुजुर्गों के साथ साझा करें, ताकि आपदा के समय सभी की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

कार्यक्रम के दौरान लोगों को भूकंप के समय 'झुको, ढको और पकड़ो' की रणनीति तथा आग लगने की स्थिति में 'रुको, झुको और लुढ़को' की तकनीक के बारे में विस्तारपूर्वक बताया गया।

कलाकारों ने लोगों से आग्रह किया कि भवन निर्माण से पूर्व उचित वास्तुकार से परामर्श लेकर ही भूकंपरोधी निर्माण सामग्री का प्रयोग करें, जिससे आपदाओं के समय नुकसान को न्यूनतम किया जा सके।कार्यक्रमों में हरिपुर महाविद्यालय की प्रधानाचार्या शैफाली व नग्गर स्कूल की प्रधानाचार्या शीला ठाकुर सहित संस्थान के अन्य स्टाफ व अन्य ग्रामीण भी शामिल रहे।

# ग्राम पंचायत छात्र में प्रदेश सरकार की योजनाओं का किया प्रचार

अर्थ प्रकाश/सुभाग सचदेवा

**गोहर 14 अक्तूबर।** नाचन विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत छात्र में प्रदेश सरकार द्वारा अनुसूचित जाति वर्ग के उत्थान के लिए तथा अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आम लोगों तक पहुंचाने के लिए सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा विशेष प्रचार कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस अवसर पर विभाग से संबद्ध माण्डव्य कला मंच के कलाकारों ने नुक्कड़-नाटक, गीत-संगीत और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से लोगों को विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी तथा स्थानीय लोगों को उनका लाभ लेने की प्रक्रिया से अवगत करवाया।

कार्यक्रम में विशेष रूप से अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति वर्ग के हित में चलाई जा रही स्वर्ण जयंती आश्रय योजना, छात्रवृत्ति योजना, अंतरजातीय विवाह पुरस्कार योजना, अनुवर्ती कार्यक्रम, कम्प्यूटर प्रशिक्षण एवं दक्षता योजना, हिम स्वावलंबन योजना, स्वरोजगार योजना, शिक्षा ऋण योजना, दलित वर्ग व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम, हस्तशिल्प विकास योजना, लघु व्यवसाय ऋण योजना तथा ब्याज मुक्त ऋण योजना की जानकारी दी गई। इसके साथ ही अन्य महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी योजनाओं जैसे सुख-आश्रय योजना, एकल नारी विधवा गृह निर्माण योजना, राजीव गांधी डे बोर्डिंग स्कूल, डॉ. वाई.एस. परमार विद्यार्थी ऋण योजना, राजीव गांधी स्वरोजगार स्टार्टअप योजना, वृद्धा पेंशन, विधवा एवं एकल नारी पेंशन और दिव्यांग राहत भत्ता से संबंधित जानकारी भी दी गई। कार्यक्रम के दौरान कलाकारों ने नशामुक्ति का संदेश देते हुए लोगों को नशे से बचाव और रोकथाम के उपायों से भी अवगत कराया। इस अवसर पर ग्राम पंचायत छात्र के प्रधान विशेष रूप से उपस्थित रहे।

# चैलचौक में 14 कुत्तों की दर्दनाक मौत के बाद वैटनरी विभाग हुआ सक्रिय

अर्थ प्रकाश/सुभाग सचदेवा

**गोहर 14 अक्तूबर।** गोहर उपमंडल के चैलचौक सब्जीमंडी के पास शनिवार शाम को एक पागल कुत्ते ने 14 कुत्तों को काट खाया जिससे उनकी दर्दनाक मौत हो गई थी । इस घटना के बाद अब वैटनरी विभाग हरकत में आ गया है। एस.डी.वी.एच. एवं सम्बद्ध संस्थान गोहर में अब तक 1086 आवारा कुत्तों का पागलपन से बचाने वाली वैक्सीन (Anti-Rabies Vaccine) का टीकाकरण किया जा चुका है और यह प्रक्रिया निरंतर जारी है।

गोहर वैटनरी अस्पताल में तैनात डॉ. नरेश ने विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि हाल ही में चैलचौक में शनिवार को 12 कुत्तों को काटने से हुई मौत को लेकर कहा कि प्रथम जांच में उनमें रेबीज़ (Rabies) जैसी कोई बीमारी नहीं पाई गई है।

डॉ. नरेश ने कहा कि यह घटना कुत्तों की अत्यधिक संख्या और आपसी झगड़े के कारण घटी है, इसलिए ग्रामीणों को डरने की जरूरत नहीं है। उन्होंने यह भी बताया कि अब एंटी पॉपुलेशन कंट्रोल टीकाकरण (जनसंख्या नियंत्रण वैक्सीन) भी शेष बचे कुत्तों को लगाया जा रहा है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों। आज यह कुत्ता गणई चौक में देखा गया था और प्रत्यक्षदर्शियों ने इसे यँहा से दौड़ा दौड़ाकर भगा दिया है। उल्लेखनीय है कि 4 दिनों के बाद यह कुत्ता आज गणई बाजार में घूमता हुआ मिला था, जो की 14 कुत्तों की जान लेने वाला हत्यारा कुत्ता था।

डॉ. नरेश ने स्थानीय जनता और आसपास की पंचायतों से इस अभियान में सहयोग की अपील की है ताकि इसे सफल बनाया जा सके। सभी चैलचौक निवासी सतर्क रहें और किसी भी संदिग्ध कुत्ते की जानकारी तुरंत वैटनरी विभाग को दें।

# परियोजना सलाहकार समिति की बैठक में जनजातीय विकास पर गहन चर्चा

अर्थ प्रकाश/अशेष शर्मा

**केलांग ( कुल्लू )14 अक्टूबर।** हिमाचल प्रदेश के राजस्व, जनजातीय विकास, उद्यान एवं शिकायत निवारण मंत्री जगत सिंह नेगी की अध्यक्षता में आज उपायुक्त कार्यालय, केलांग के कॉन्फ्रेंस हॉल में परियोजना सलाहकार समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। जिसके राजस्व बागवानी एवं जनजातीय मंत्री ,विधायक अनुराधा राणा एवं सभी सदस्यों का पारंपरिक तरीके से स्वागत किया गया ।का बैठक में इस बैठक में लाहौल-स्पीति जिले के जनजातीय विकास से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तारपूर्वक चर्चा हुई।

बैठक की शुरुआत में मंत्री ने केलांग में लंबे समय से लंबित सीवरेज प्लांट के कार्य को जल्द से जल्द पूरा करने पर बल दिया। इसके अतिरिक्त, स्वास्थ्य, शिक्षा और अग्निशमन विभागों के भवनों की स्थिति पर भी व्यापक चर्चा हुई।

बैठक में स्थानीय विधायक सुश्री अनुराधा राणा भी विशेष रूप से उपस्थित रहीं। चर्चा का मुख्य फोकस कृषि, मत्स्य पालन, लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी), जल शक्ति, शिक्षा एवं स्वास्थ्य विभागों से जुड़ी चुनौतियों और विकास योजनाओं पर था। बैठक में पिछली बैठक के सभी बिंदुओं की समीक्षा और उनकी प्रगति की विस्तृत जांच भी की गई। वन अधिकार अधिनियम के तहत लंबित सभी मामलों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निपटाने के भी निर्देश मंत्री ने दिए। इसके साथ ही लिंडुर एवं करपट पुनर्स्थापन से संबंधित आदेशों की समीक्षा की गई तथा जाहलमा नाले के तटबंध कार्य की प्रगति का मूल्यांकन किया गया। इसके अतिरिक्त, कुकुमसेरी कॉलेज और उदयपुर में प्रस्तावित बहुतकनीकी संस्थान के लिए भूमि संबंधी सभी आवश्यक औपचारिकताओं को तत्काल पूरा करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए।

संबंधित विभागों के अधिकारियों ने अपनी समस्याओं और विकास योजनाओं पर विस्तृत चर्चा की ताकि इन क्षेत्रों में प्रभावी सुधार सुनिश्चित हो सके।

बैठक के अंत में उपायुक्त लाहुल स्पीति किरण भड़ाना ने बैठक में आने के लिए मंत्री,विधायक एवं सभी सदस्यों का जिला प्रशासन की और से धन्यवाद किया व बैठक में उठाये गए सभी मुद्दों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने का आश्वासन दिया ।

इस बैठक में जिला परिषद अध्यक्ष वीना देवी,जनजातीय सलाहकार परिषद के सदस्य सुशील कुमार,मोहन लाल एवं केसंग , जिला परिषद सदस्य दोरजे लहरजे,बीडीसी अध्यक्ष बिपिन शाशनी,पुलिस अधीक्षक शिवानी महला,सहायक आयुक्त कल्याणी तिवाना,डीएफओ इन्द्र जीत सीरा,डीएसपी रश्मि शर्मा, बीडीओ विवेक गुलेरिया सहित सभी विभागों के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे ।

# बंद मकान पर जबरन कब्जे की कोशिश पीड़ित परिवार ने पुलिस को दी शिकायत

अर्थ प्रकाश/संदीप सिंह बावा

**जीरकपुर, 14 अक्तूबर।** दिल्ली में रहने वाले एक परिवार को उस वक्त गहरा झटका लगा, जब उन्हें पता चला कि जीरकपुर के शिवालिक विहार स्थित उनके बंद मकान के ताले तोड़कर कुछ लोगों ने जबरन कब्जा करने की कोशिश की है। यह घटना जीरकपुर में खाली पड़ी संपत्तियों पर अवैध कब्जे के बढ़ते मामलों को उजागर करती है, जहां भू-माफिया सक्रिय हैं।

पीड़ित परिवार ने इस संबंध में पुलिस को शिकायत दी है, लेकिन उनका आरोप है कि पुलिस कार्रवाई में देरी हुई और उलटा कब्जा करने की कोशिश करने वाले लोग ही पुलिस को लेकर उन पर धौंस जमाने आ गए।

मकान मालिक अमरदीप सिंह ने बताया कि यह फ्लैट उन्होंने और उनकी पत्नी जगप्रीत कौर ने 2017 में खरीदा था और इसकी रजिस्ट्री उनके नाम पर है। दिल्ली में रहने के कारण उन्होंने निगरानी के लिए मकान में कैमरे लगवा रखे थे। अमरदीप सिंह के अनुसार, रविवार को मेरे कैमरे अचानक बंद हो गए। जब हमने चेक किया तो पता चला कि किसी ने ताले तोड़कर कब्ज़ा कर लिया है।

जानकारी मिलते ही अमरदीप सिंह मंगलवार को परिवार के साथ दिल्ली से जीरकपुर पहुंचे। उन्होंने तुरंत 112 नंबर पर कॉल कर पुलिस को सूचना दी, लेकिन उनका दावा है कि लंबे समय तक कोई मदद के लिए नहीं पहुंचा। उन्होंने बताया कि यह पहली बार नहीं है; इससे पहले जब उनका प्लॉट खाली था, तब भी भू-माफियाओं ने उस पर कब्जा करने की कोशिश की थी।

### कब्जेदार लेकर आए पुलिस

मामले में चौंकाने वाला मोड़ तब आया जब शाम के समय कथित रूप से कब्जा करने की कोशिश करने वाले लोग दो पुलिसकर्मियों के साथ मौके पर पहुंचे और अमरदीप सिंह को धमकाना शुरू कर दिया। अमरदीप सिंह ने बताया, वे लोग पुलिस को लेकर आए और कहा कि थाने चलो। थाने में हमने सभी डाक्यूमेंट दिखाए। इस घटना ने पुलिस की कार्रवाई पर सवाल खड़े कर दिए हैं। पीड़ित परिवार का आरोप है कि उन्हें न्याय के बजाय उलटा परेशान किया गया।

### एसएचओ ने बुलाया, जाँच का आश्वासन

फिलहाल, पुलिस ने दोनों पक्षों को बुधवार को थाने में जमीन के अपने-अपने कागजात लेकर बुलाया है। एसएचओ जीरकपुर मामले की गहन जाँच करने की बात कह रहे हैं।

### जीरकपुर में 'कब्जा' है बड़ी समस्या

यह घटना जीरकपुर में जमीन-जायदाद से जुड़े विवादों की गंभीर प्रकृति को दर्शाती है। ऐसे कई मामले सामने आ चुके हैं, जहां लोगों के खाली प्लाटों और मकानों पर फर्जी दस्तावेज़ों के आधार पर जबरन कब्जा करके उन्हें आगे बेच दिया गया है। जानकारों का मानना है कि पंजाब, हरियाणा और हिमाचल की सीमा पर होने के कारण जीरकपुर की संपत्तियों की कीमतें बहुत ज्यादा हैं, जिसने भू-माफिया को और सक्रिय कर दिया है। प्रशासन और पुलिस के लिए यह एक बड़ी चुनौती है कि वह खाली पड़ी संपत्तियों की सुरक्षा सुनिश्चित करें और अवैध कब्जे की कोशिश करने वालों पर सख्ती बरते।

वीआईपी ड्यूटी के चलते सभी बिजी हैं और दोनों पार्टियों को कल जमीन के कागज लेकर बुलाया गया है। मामले की ठीक से जाँच की जाएगी।

**-एएसपी आईपीएस गजलप्रीत कौर**

# उकलाना क्षेत्र वासियों को मिली 50 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की सौगात

अर्थ प्रकाश संवाददाता

**चंडीगढ़, 14 अक्तूबर।** हरियाणा के लोक निर्माण एवं जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने उकलाना क्षेत्र वासियों को लगभग 50 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की सौगात दी। इनमें पेयजल के लिए 6 करोड़ 44 लाख रुपये की लागत से भाखड़ा से आपूर्ति लाइन, 20 करोड़ 25 लाख रुपये की लागत से पुरानी पाइप लाइन बदलने व नई कालोनियों में पाईप लाइन डालने सहित 2 ट्रीटमेंट प्लांट तथा 23 करोड़ रुपये की सीवरेज पाइप लाइन की योजना शामिल है।

कार्यक्रम में अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि गत विधानसभा चुनाव के दौरान जो वायदे जनता से किए गए थे, उन्हें चरणबद्ध ढंग से पूरा किया जा रहा है। सरकार के गठन के साथ ही 25 हजार युवाओं को सरकारी नौकरियों पर जॉइनिंग दी गई। डीएससी समाज को आरक्षण का प्रावधान किया गया। इसी प्रकार से महिलाओं को 2100 रुपये की राशि देने के लिए पंडित दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना आरंभ कर दी गई है। क्षेत्र के विकास के लिए भी जो वायदे किए गए थे, उन पर भी निरंतर काम किया जा रहा है। कैबिनेट मंत्री ने आमजन से स्वदेशी उत्पादों को अपनाने का आह्वान किया।

# छुट्टी पर भेजे हरियाणा के डीजीपी, ओपी सिंह को अतिरिक्त प्रभार

सात दिन बाद हुआ आत्महत्या केस का पटाक्षेप

अर्थ प्रकाश संवाददाता

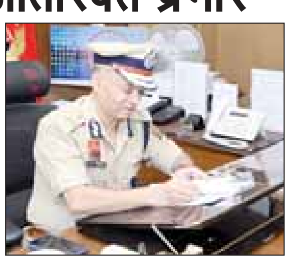

**चंडीगढ़, 14 अक्तूबर।** हरियाणा के एडीजीपी वाई पूरन कुमार आत्महत्या केस में लंबी उठापटक के बाद राज्य सरकार ने आईपीएस शत्रुजीत कपूर को लंबी छुट्टी पर भेज दिया है। सरकार ने यह आदेश सोमवार व मंगलवार की मध्य रात्रि को जारी किए। इसके बाद मंगलवार की सुबह गृह सचिव ने एक आदेश जारी करके ओपी सिंह को डीजीपी का अतिरिक्त प्रभार सौंप दिया है। ओपी सिंह ने आज कार्यभार भी संभाल लिया है।

आईपीएस वाई पूरन कुमार ने सात अक्टूबर को आत्महत्या की थी। उनके सुसाइड नोट में अन्य अधिकारियों के अलावा पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर तथा रोहतक के तत्कालीन एसपी नरेंद्र बिजरानिया का नाम मुख्य रूप से लिखा हुआ था। हरियाणा सरकार ने डैमेज कंट्रोल के लिए 11 अक्टूबर को रोहतक के एसपी नरेंद्र बिजरानिया को हटा दिया लेकिन परिवार का गुस्सा शांत नहीं हुआ।

चौतरफा दबाव में आई सरकार ने सोमवार रात 12 बजे के बाद पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर को छुट्टी पर भेज दिया। अभी तक यह साफ नहीं हुआ है कि पुलिस नियमावली के अनुसार शत्रुजीत कपूर फोर्स लीव पर गए हैं या सामान्य अवकाश पर हैं। यह भी साफ नहीं हुआ है कि कपूर कितने दिन के अवकाश पर हैं।

हरियाणा के राज्यपाल की स्वीकृति के बाद गृहसचिव सुमिता मिश्रा ने मंगलवार सुबह को इस संबंध में आदेश जारी करते हुए कहा कि वर्ष 1990 बैच के आईपीएस अधिकारी शत्रुजीत कपूर के अवकाश अवधि के दौरान वर्ष 1992 बैच के आईपीएस अधिकारी ओपी सिंह को पुलिस महानिदेशक का अतिरिक्त प्रभार सौंपा जाता है। शत्रुजीत कपूर 31 अक्टूबर 2026 को सेवानिवृत्त होंगे। ओपी सिंह इस समय हरियाणा पुलिस हाउसिंग कारपोरेशन के एमडी, एफएसएल मधुबन के निदेशक, एचएसबीएनसीबी के महानिदेशक पद पर तैनात हैं। ओपी सिंह 31 दिसंबर 2025 को सेवानिवृत्त होंगे। सरकार द्वारा जारी आदेशों में यह स्पष्ट नहीं है कि ओपी सिंह इस पद पर कब तक रहेंगे।

# ढकोली की एमएस एनक्लेव कॉलोनी में चोरों ने एक ही घर को तीसरी बार बनाया निशाना

अर्थ प्रकाश/संदीप सिंह बावा

**जीरकपुर, 14 अक्तूबर।** ढकोली की एमएस एनक्लेव कॉलोनी में चोरों के हौसले बुलंद हैं, जहां एक ही घर को तीसरी बार निशाना बनाया गया है। शाम करीब 6:40 बजे, एक अज्ञात चोर घर के बाहर से रसोई गैस सिलेंडर चुरा कर फरार हो गया। इस लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से इलाके में दहशत का माहौल है। पीड़ित परिवार ने पहले की दो चोरियों के बाद घर में सुरक्षा कैमरे लगवाए थे। इस बार की चोरी की पूरी वारदात कैमरे में कैद हो गई है, जिसमें आरोपी का चेहरा स्पष्ट दिखाई दे रहा है। पी?ित ने चोर की पहचान के लिए वीडियो और तस्वीरें कॉलोनी निवासियों के साथ साझा की हैं, ताकि वे सतर्क रहें और चोर को पकड़ने में मदद मिल सके। कॉलोनी के निवासियों का कहना है कि पिछले कुछ महीनों से चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं, लेकिन पुलिस की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने ढकोली पुलिस से कॉलोनी में रात की गश्त बढ़ाने की मांग की है। मामले की शिकायत ढकोली पुलिस को दी गई है।

अर्थ प्रकाश न्यूज पेपर्स के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक महावीर जैन द्वारा 'अर्थ प्रकाश प्रेस' से मुद्रित एवं प्रकाशित तथा अर्थ प्रकाश कार्यालय अर्थ प्रकाश भवन, सैक्टर 29-डी, चण्डीगढ़ से जारी। प्रधान सम्पादक : **महावीर जैन,** सम्पादक एवं मुख्य संवाददाता **कैलाश चन्द जैन**
आर.एन.आई. पंजीक्रम : **42427/86** डाक पंजीक्रम : **G/CHD/0197/2021-23** फोन : 0172-2638515, 9814019928 E-mail : arthparkash@gmail.com, arthparkashnews@gmail.com मुख्य सलाहकार : **हरीश चंद्र जैन,** एचसीएस (सेवानिवृत्त)

# आरबीआई ने ऑफलाइन डिजिटल रुपया लांच किया

## ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों में भी लोग बिना इंटरनेट के डिजिटल भुगतान कर सकेंगे

**मुंबई**

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने ग्लोबल फिनटेक फेस्ट 2025 के दौरान ऑफलाइन डिजिटल रुपया की शुरुआत की है। इस नई सुविधा से देश के ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों में भी लोग बिना इंटरनेट के डिजिटल भुगतान कर सकेंगे। यह फीचर उपयोगकर्ताओं को डिजिटल नकद जैसा अनुभव देता है, जिससे डिजिटल भुगतान का दायरा और पहुंच दोनों बढ़ेंगे। डिजिटल रुपया भारतीय मुद्रा का डिजिटल रूप है जिसे सीधे आरबीआई जारी करता है। यह एक सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी है जो असली रुपये की तरह ही मान्य है। इसे बैंक द्वारा उपलब्ध कराए गए सुरक्षित डिजिटल वॉलेट में रखा जाता है। उपयोगकर्ता e₹ वॉलेट से यूपीआई क्यूआर कोड स्कैन कर भुगतान कर सकते हैं और लेनदेन के लिए बैंक खाता जरूरी नहीं है। फिलहाल 15 बैंक जैसे स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, एक्सिस बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, इंडियन बैंक, फेडरल बैंक, पीएनबी, यस बैंक, कर्नाटक बैंक, केनरा बैंक, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और इंडसइंड बैंक अपने ग्राहकों को डिजिटल रुपया वॉलेट की सुविधा दे रहे हैं। ये ऐप्स गूगल प्ले स्टोर और एप्पल स्टोर पर उपलब्ध हैं। वॉलेट में न तो कोई शुल्क है, न न्यूनतम बैलेंस की आवश्यकता, और मोबाइल खो जाने की स्थिति में इसे पुनः प्राप्त किया जा सकता है।

इस डिजिटल रुपये की सबसे बड़ी खासियत इसका ऑफलाइन फीचर है। यह फीचर विशेष रूप से उन क्षेत्रों के लिए तैयार किया गया है जहां नेटवर्क या इंटरनेट की कमी है। आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि डिजिटल रुपया भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था को नई दिशा देगा।

उन्होंने बताया कि आधार, यूपीआई और डिजी लॉकर जैसे डिजिटल ढांचे ने पहले ही वित्तीय समावेशन को गति दी है, और अब डि जिटल रुपया उस प्रणाली को और सशक्त बनाएगा।

# एलजी के शेयर की एनएसई पर 1710 रुपए पर लिस्टिंग

## पलक झपकते निवेशकों को मिला 50 फीसदी रिटर्न

**नई दिल्ली**

भारतीय शेयर बाजार में दक्षिण कोरिया की दिग्गज कंपनी एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया के शेयर्स की धमाकेदार लिस्टिंग हुई है। एनएसई पर 1710.1 रुपये प्रति शेयर पर लिस्टिंग हुई है और बीएसई पर 1715.1 रुपये प्रति शेयर पर एलजी के शेयर्स लिस्ट हुए हैं। आईपीओ का सब्सक्रिप्शन 7 से 9 अक्टूबर तक खुला था और अलॉटमेंट 10 अक्टूबर को हुआ और मंगलवार को एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयर बीएसई और एनएसई दोनों एक्सचेंजों पर लिस्ट हुए हैं। इस आईपीओ ने रिकॉर्ड तोड़ दिया. कुल सब्सक्रिप्शन की रकम लगभग 4.5 लाख करोड़ रुपये रही, जो बाजाज हाउसिंग फाइनेंस के पिछले रिकॉर्ड 3.2 लाख करोड़ रुपये को आसानी से पीछे छोड़ चुकी है। कुल शेयरों की पेशकश के मुकाबले सब्सक्रिप्शन 54 गुना रहा है। इसमें संस्थागत निवेशकों ने सबसे आगे रहते हुए 166 गुना से ज्यादा बोली लगाई। गैर-संस्थागत निवेशकों (एनआईआई) की सब्सक्रिप्शन 22 गुना, रिटेल निवेशकों की 3.5 गुना और कर्मचारियों की 7.6 गुना रहा। यह आईपीओ पूरी तरह से ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) था, जिसमें 10.18 करोड़ से ज्यादा शेयर बेचे गए. साउथ कोरियाई पैरेंट कंपनी एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंक ने अपनी हिस्सेदारी कम की. शेयर की कीमत बैंड 1,080 से 1,140 रुपये प्रति शेयर तय की गई थी।

# अब किराया नहीं बढ़ेगा, एलायंस एयर की फेयर से फुर्सत स्कीम शुरू

## पायलट प्रोजेक्ट 13 अक्टूबर से 31 दिसंबर तक चुनिंदा रूट्स पर लागू

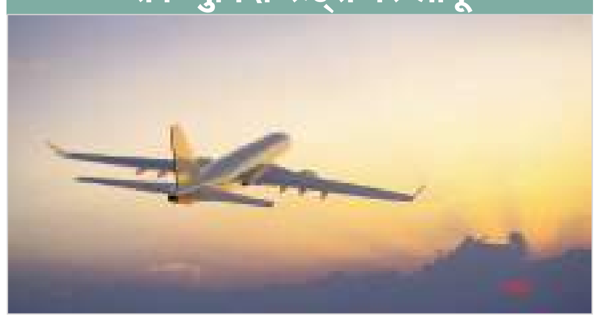

**नई दिल्ली**

देश की रीजनल एयरलाइन एलायंस एयर ने यात्रियों को राहत देने के लिए एक नई और अनोखी पहल की शुरुआत की है, जिसका नाम है 'फेयर से फुर्सत'। इस योजना के तहत अब यात्रियों को टिकट की बुकिंग कब की जा रही है, इसका किराए पर कोई असर नहीं होगा। चाहे यात्री महीनों पहले टिकट लें या उड़ान से एक दिन पहले, किराया एक समान रहेगा। इस पहल की घोषणा केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू ने की।

उन्होंने बताया कि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'उड़े देश का आम नागरिक' विजन का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य आम और मध्यमवर्गीय लोगों को हवाई यात्रा के लिए प्रेरित करना है। यह योजना 13 अक्टूबर 2025 से 31 दिसंबर 2025 तक पायलट प्रोजेक्ट के रूप में कुछ चुनिंदा मार्गों पर लागू की गई है। परिणामों के आधार पर इसे आगे बढ़ाने पर निर्णय लिया जाएगा।

एलायंस एयर के एक वरिष्ठ अे धिकारी के अनुसार यह स्कीम यात्रियों के बीच भरोसा बढ़ाने और विशेष रूप से टियर-2 व टियर-3 शहरों से यात्रा करने वालों को राहत देने के लिए लाई गई है। वहीं, एयरलाइन के अे धिकारी ने कहा कि वर्तमान में एविएशन सेक्टर डायनामिक प्राइसिंग पर चलता है, जिससे अंतिम समय में टिकट महंगे हो जाते हैं।

त्योहारों और छुट्टियों के दौरान जब किराए आसमान छूते हैं, 'फेयर से फुर्सत' स्कीम यात्रियों को एक निश्चित किराए पर टिकट उपलब्ध कराएगी, जिससे वे बिना तनाव के अपनी यात्रा की योजना बना सकेंगे।

# दिवाली पर मौका! एक्सिस सिक्योरिटीज ने बताए शेयर्स

**नई दिल्ली**

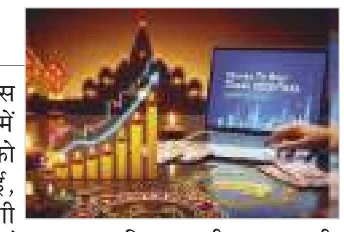

भारतीय शेयर बाजार में इस साल, यानी संवत 2081 में ज्यादा उतार-चढ़ाव देखने को मिला। कमजोर कमाई, अमेरिकी नीतियों, विदेशी निवेशकों की बिकवाली और रुपये की कीमत में कमी जैसे कारणों से बाजार पर दबाव रहा। रिपोर्ट के मुताबिक, एक्सिस सिक्योरिटीज का मानना है कि संवत 2082 में भारतीय अर्थव्यवस्था बेहतर प्रदर्शन करेगी। अगले वित्त वर्ष (2026) में अर्थव्यवस्था और मजबूत होगी और 2027 में और बेहतर नतीजे देखने को मिल सकते हैं। ऐसे में दीवाली 2025 निवेश के लिए अच्छा मौका हो सकता है।

दिवाली 2025 के लिए लंबे समय के निवेश करने के लिए आप कुछ खास स्टॉक्स चुन सकते हैं। एक्सिस सिक्योरिटीज ने कुछ ऐसे शेयरों की सलाह दी है, जिनमें कोटक महिंद्रा बैंक, फेडरल बैंक, जेएसडब्ल्यू एनर्जी और चैलेट होटल्स जैसे नाम शामिल हैं। ये शेयर लंबे समय तक अच्छा रिटर्न दे सकते हैं।एक्सिस सिक्योरिटीज ने कुछ कंपनियों के शेयरों की सलाह दी है। पहला है रेनबो चिल्ड्रन मेडिकेयर। इस कंपनी का टारगेट प्राइस 1,625 रुपये है, जिसमें 23 प्रतिशत की बढ़त की संभावना है। यह कंपनी बच्चों और मातृत्व देखभाल में विशेषज्ञता रखती है।

इसके अस्पतालों में अच्छी बुकिंग और नए अस्पतालों से आय बढ़ रही है। कंपनी का मॉडल स्केलेबल है और कम पूंजी में विस्तार कर रही है, जिससे भविष्य में अच्छी कमाई की उम्मीद है।

दूसरा है डोम्स इंडस्ट्रीज, जिसका टारगेट प्राइस 3,110 रुपये है। यह कंपनी पेन, बैग, खिलौने और डायपर जैसे नए प्रोडक्ट्स में विस्तार कर रही है। कोटक महिंद्रा बैंक का टारगेट 2,500 रुपये है। यह बैंक जमा और कर्ज में संतुलन बनाए रखने पर ध्यान दे रहा है। फेडरल बैंक का टारगेट 240 रुपये है। यह बैंक मध्यम आय वाले सेगमेंट में तेजी से बढ़ रहा है और अगले कुछ सालों में 16 प्रतिशत की वृद्धि की उम्मीद है। जेएसडब्ल्यू एनर्जी का टारगेट 625 रुपये है। यह कंपनी ऊर्जा भंडारण और 30 गीगावाट बिजली उत्पादन की दिशा में बढ़ रही है।

# अफगान विदेश मंत्री ने भारतीय उद्योग को किया आमंत्रित

## फिक्की के साथ बैठक में अफगान मंत्री ने बताया निवेश के लिए अनुकूल माहौल

**नई दिल्ली**

फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) ने अफगानिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी और उनके साथ आए उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ एक अहम बैठक का आयोजन किया। बैठक का उद्देश्य भारत-अफगानिस्तान के आर्थिक संबंधों को मजबूती देना था।

अफगान विदेश मंत्री मुत्ताकी ने कहा कि अफगानिस्तान में अब शांति और स्थिरता स्थापित हो चुकी है, जिससे व्यापार और निवेश के लिए अनुकूल वातावरण बना है। उन्होंने बताया कि भारत और अफगानिस्तान का द्विपक्षीय व्यापार पहले ही 1 अरब डॉलर तक पहुंच चुका है।

साथ ही, भारतीय कंपनियों के लिए स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, विमानन, बैंकिंग और बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों में अपार संभावनाएं मौजूद हैं। मुत्ताकी ने भारतीय उद्योगपतियों को आश्वासन दिया कि अफगान सरकार भारतीय निवेशकों को हर संभव सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने फिक्की और अफगान चैंबर ऑफ कॉमर्स की साझेदारी को भी अहम बताया। बैठक में भारतीय उद्योग जगत ने वीजा संबंधी समस्याओं को गंभीर चिंता का विषय बताया और व्यापारियों की सुगम आवाजाही की मांग की। इसके अलावा, माल की आवाजाही और लॉजिस्टिक्स में आ रही बाधाओं को दूर करने की आवश्यकता पर भी बल दिया गया।

केईसी और मैक्स अस्पताल जैसी भारतीय कंपनियों ने अफगानिस्तान में फिर से संचालन शुरू कर दिया है। वहीं एमिटी विश्वविद्यालय अफगान छात्रों को सहयोग देने और एक साझा परिसर स्थापित करने की दिशा में काम कर रहा है। यह बैठक दोनों देशों के आर्थिक रिश्तों को नई दिशा देने का संकेत है।

# गूगल विशाखापत्तनम में एआई केंद्र स्थापित करेगी

## 15 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करने की योजना

**नई दिल्ली** इंटरनेट सर्च इंजन कंपनी गूगल अगले पांच वर्ष में विशाखापत्तनम में एक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) केंद्र स्थापित करने के लिए 15 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करने की योजना बना रही है। कंपनी के एक कार्यक्रम में गूगल क्लाउड के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि यह नया एआई केंद्रज एआई बुनियादी ढांचे, नई डेटा सेंटर क्षमता, बड़े ऊर्जा स्रोतों एवं विस्तारित ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क को एकीकृत करेगा। उन्होंने कहा कि हम विशाखापत्तनम में एआई केंद्र स्थापित करने के लिए अगले पांच वर्ष में 15 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करने की योजना बना रहे हैं।

# अब रूसी तकनीक से दौड़ेगी वंदे भारत स्लीपर ट्रेन

## 2026 तक पटरी पर आने की तैयारी

**नई दिल्ली** भारतीय रेलवे की सेमी-हाईस्पीड ट्रेन वंदे भारत अब नई तकनीक के साथ स्लीपर वर्जन में दौड़ने के लिए तैयार हो रही है। इस बार इसमें रूस की एडवांस तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा, जिससे यात्रियों को अधिक सुविधा और सुरक्षा मिलेगी। रेलवे मंत्रालय को इसका फाइनल डिजाइन सौंपा जा चुका है और यह प्रोजेक्ट अब मंजूरी के अंतिम चरण में है। रूसी कंपनी ट्रांसमाशहोल्डिंग और भारतीय रेल विकास निगम लिमिटेड (आरवीएनएल) के संयुक्त उद्यम काइनेट रेलवे सॉल्यूशंस को 120 वंदे भारत स्लीपर ट्रेन सेट तैयार करने का ठेका दिया गया है। ये सभी ट्रेनें महाराष्ट्र के लातूर में मेक इन इंडिया के तहत बनाई जाएंगी। नई स्लीपर वंदे भारत में 16 कोच होंगे और यात्रियों के लिए चार टॉयलेट्स की सुविधा दी जाएगी। हालांकि, पैंट्री कार को शामिल नहीं किया गया है, जबकि रेलवे चाहता था कि लंबी दूरी की यात्रा के लिए यह सुविधा भी हो। यह ट्रेन खासतौर पर रात की यात्रा के लिए डिजाइन की गई है।इस बीच बीईएमएल द्वारा आईसीएफ चेन्नई में बनी पहली 10-कोच वाली स्लीपर वंदे भारत ट्रेन शकूरबस्ती डिपो में खड़ी है और नवंबर तक ट्रायल शुरू होने की उम्मीद है। यदि सब कुछ योजना के अनुसार हुआ तो 2026 तक ये ट्रेनें भारतीय ट्रैक पर दौड़ने लगेंगी।

# चीन ने दक्षिण कोरियाई हनव्हा ओशन की अमेरिकी अनुषंगी कंपनियों पर लगाई रोक

## अमेरिका द्वारा जहाज निर्माण में चीन की भूमिका की जांच के जवाब में उठाया गया कदम

**हांगकांग** चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने दक्षिण कोरियाई जहाज निर्माता हनव्हा ओशन की पांच अमेरिकी अनुषंगी कंपनियों के साथ चीनी कंपनियों के व्यापारिक लेन-देन पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। यह निर्णय अमेरिका द्वारा जहाज निर्माण उद्योग में चीन की भूमिका की जांच के जवाब में लिया गया है। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय ने अप्रैल 2024 में धारा 301 के तहत एक व्यापार जांच शुरू की थी, जिसमें कहा गया कि चीन की जहाज निर्माण क्षमताएं अमेरिकी कंपनियों के लिए अनुचित प्रतिस्पर्धा उत्पन्न कर रही हैं। इसके जवाब में चीन ने हनव्हा ओशन की जिन कंपनियों पर प्रतिबंध लगाए हैं, उनमें हनव्हा शिपिंग एलएलसी, हनव्हा फिली शिपयार्ड इंक और अन्य चार कंपनियां शामिल हैं। गौरतलब है कि हनव्हा ने 2024 के अंत में 100 मिलियन डॉलर में अमेरिकी फिली शिपयार्ड का अधिग्रहण किया था और अगस्त में उसने अमेरिका में 5 अरब डॉलर के निवेश की योजना घोषित की थी। जहाज निर्माण क्षेत्र अब अमेरिका-चीन व्यापारिक टकराव का नया केंद्र बनता जा रहा है, जहां दोनों देश नई शुल्क नीतियों के ज़रिए एक-दूसरे को जवाब दे रहे हैं।

# शेयर बाजार गिरावट पर बंद

## सेंसेक्स 297 , निफ्टी 81 अंक नीचे आया

**मुंबई**

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट एशियाई बाजारों से मिले-जुले संकेतों के साथ ही पीएसयू बैंक और सरकारी कंपनियों के शेयरों के नीचे आने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 297.07 अंक नीचे आकर 82,029.98 और 50 शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी 81.85 अंक टूटकर 25,145.50 पर बंद हुआ। इससे पहले गत दिवस भी बाजार नीचे आया था। आज इसेक्टोरल आधार पर निफ्टी पीएसयू बैंक इंडेक्स 1.52 फीसदी के साथ ही सबसे बड़ी गिरावट के साथ बंद हुआ। इसके बाद निफ्टी पीएसई इंडेक्स 0.91 फीसदी निफ्टी रियल्टी 0.94 फीसदी , निफ्टी एफएमसीजी 0.48 फीसदी , निफ्टी फार्मा 0.75 फीसदी और निफ्टी आईटी 0.33 फीसदी की गिरावट रही। आज कारोबार के दौरान लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में भी गिरावट रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 437.95 अंक या 0.75 फीसदी टूटकर 58,324.40 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 161.60 अंक या 0.89 फीसदी नीचे आकर 17,940.15 पर रहा।

निफ्टी के शेयरों में मैक्सहेल्थ, टेक महिंद्रा, विप्रो, अपोलो हॉस्पिटल, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज ऑटो, एचयूएल, श्रीराम फाइनेंस, पावर ग्रिड और ओएनजीसी सबसे अधिक लाभ में रहे जबकि डॉ.रेड्डी, टाटा स्टील, बजाज फाइनेंस, बीईएल, ट्रेंट, हिंडालको, टीसीएस, एनटीपीसी, एक्सिस बैंक, टाटा मोटर्स और जेएसडब्ल्यू स्टील के शेयर नुकसान में रहे। इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुले। सेंसेक्स मजबूती के साथ 82,404.54 अंक पर खुला। इसी तरह निफ्टी भी बढ़त के साथ 25,277.55 अंक पर खुला। खुलते ही यह 25,310.35 अंक तक चढ़कर 63.45 अंक की बढ़त लेकर 25,293 अंक पर कारोबार कर रहा था। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में निवेशकों की नजर अमेरिका के फेडरल रिजर्व चेयरमैन जेरोम पॉवेल के भाषण पर है। एशियाई बाजारों में मिला-जुला रुख देखने को मिला। दक्षिण कोरिया का कोस्पी इंडेक्स 1.01 फीसदी चढ़ा, जबकि जापान का निक्केई 225 1.34 फीसदी गिरा और ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी/एएसएक्स 200 0.25 फीसदी नीचे बंद हुआ। वहीं अमेरिकी शेयर बाजार सोमवार को बढ़त के साथ बंद हुए। सेमीकंडक्टर शेयरों, खासकर बोर्डकॉम में तेजी से बाजार को सहारा मिला।

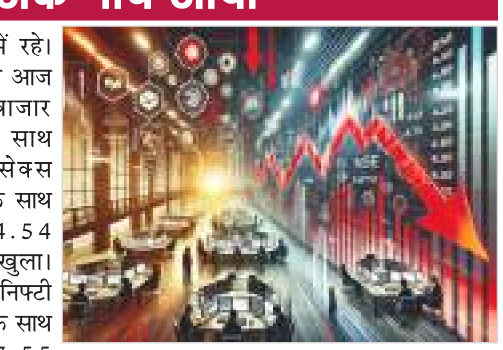

एसएंडपी 500 में 1.56 फीसदी की बढ़त रही। नैस्डेक इंडेक्स 2.21 फीसदी ऊपर आकर बंद हुआ और डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज में 1.29 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई।

# जम्मू-कश्मीर में निवेशकों की संख्या में 10 गुना बढ़ोतरी

**मुंबई** पिछले 10 वर्षों में जम्मू-कश्मीर ने नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर निवेशक आधार में 10 गुना वृद्धि दर्ज की है। 2015 में जहां यह संख्या 65,000 थी, वहीं 2025 में यह बढ़कर 6.51 लाख हो गई है। यह वृद्धि देश की औसत वृद्धि (6.2 गुना) से कहीं अधिक है। एनएसई के एक अे धिकारी ने इसे औपचारिक वित्तीय प्रणाली में बढ़ते विश्वास और युवाओं की सक्रिय भागीदारी का परिणाम बताया। एनएसई के अनुसार, महिला निवेशकों की भागीदारी जम्मू-कश्मीर में 25 फीसदी है, जो राष्ट्रीय औसत 16.3 फीसदी से अधिक है। 2025-26 तक निवेशक संख्या 7.1 लाख तक पहुंचने का अनुमान है। बेहतर इंटरनेट कनेक्टिविटी, वित्तीय साक्षरता और डिजिटलीकरण इस बदलाव के प्रमुख कारक हैं। एनएसई ने निवेशकों को दीर्घकालिक, ज्ञान-आधारित निवेश की सलाह दी है न कि सट्टेबाजी की।

# भगोड़े विजय माल्या का बैंकों पर हमलाः संपत्तियां बिक चुकीं, फिर भी मांग जारी

## यूके कोर्ट से केस वापस लेने के बाद बोले माल्या – भारत में ही निपटाना चाहता हूं मामला

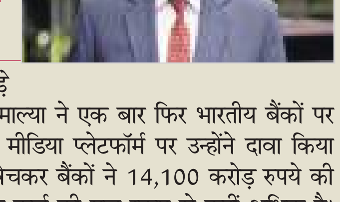

**नई दिल्ली** भगोड़े आर्थिक अपराधी विजय माल्या ने एक बार फिर भारतीय बैंकों पर निशाना साधा है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उन्होंने दावा किया कि उनकी संपत्तियों को बेचकर बैंकों ने 14,100 करोड़ रुपये की वसूली कर ली है, जो कि कर्ज की मूल रकम से कहीं अधिक है। बावजूद इसके, बैंक अब भी उनसे पैसों की मांग कर रहे हैं। माल्या ने कहा कि डेट रिकवरी ट्रिब्यूनल ने केवल 6,203 करोड़ रुपये की वसूली का आदेश दिया था, लेकिन बैंकों ने उससे दुगुनी रकम वसूल ली है। उन्होंने भारतीय वित्त मंत्रालय के बयान का भी हवाला दिया, जिसमें कहा गया था कि अब तक बैंकों को 14,100 करोड़ रुपये की वापसी मिल चुकी है। माल्या ने आरोप लगाया कि बैंकों ने अब तक वसूली की पारदर्शी रिपोर्ट तक नहीं दी है। इसी के साथ, माल्या ने ब्रिटेन की अदालत में अपने दिवालिया आदेश को रद्द कराने वाली याचिका भी वापस ले ली है। इसका मतलब है कि भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के नेतृत्व में बैंकों का समूह अब यूके में उनकी संपत्तियों की जब्ती की कार्रवाई बिना किसी रुकावट के जारी रख सकता है। माल्या ने यह भी स्पष्ट किया कि वे अब ब्रिटेन में कोई कानूनी लड़ाई नहीं लड़ेंगे और इस मामले को भारत में ही सुलझाने का प्रस्ताव दे रहे हैं। उन्होंने कहा, मेरे पास एक अच्छा प्रस्ताव है, जिसे सिर्फ भारत में ही हल किया जा सकता है।

# ईपीएफओ के नए नियम से निकासी आसान, लेकिन पैसे तक पहुंच हुई सीमित

## आंशिक निकासी संभव, लेकिन पूरी निकासी और पेंशन निकालने में अब लंबा इंतजार करना होगा

**नई दिल्ली**

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने अपने 7 करोड़ से ज्यादा खाताधारकों को बड़ी राहत देते हुए पीएफ निकासी के नियमों में अहम बदलाव किए हैं।

अब नौकरीपेशा लोग बीमारी, पढ़ाई, शादी या घर खरीदने जैसे जरूरी कारणों से सिर्फ 12 महीने की सेवा के बाद आंशिक निकासी कर सकेंगे। पहले अलग-अलग कारणों के लिए अलग-अलग सेवा अवधि तय थी। हालांकि, कुछ फैसले चिंता बढ़ाने वाले भी हैं।

ईपीएफओ ने यह तय किया है कि आपके पीएफ खाते का 25 फीसदी हिस्सा अब हमेशा संगठन के पास रहेगा। यह रकम आपकी अपनी जमा पूंजी में से होगी, जिसे अब आप पूरी तरह से कभी नहीं निकाल सकेंगे।

संगठन का कहना है कि इससे रिटायरमेंट के लिए बचत सुरक्षित रहेगी और आपको 8.25 फीसदी का ब्याज मिलता रहेगा।

इसके अलावा बेरोजगारी की स्थिति में भी अब पूरी पीएफ राशि निकालने के लिए 12 महीने का इंतजार करना होगा, जबकि पहले यह अवधि केवल दो महीने थी।

वहीं, पेंशन निकासी के नियमों को भी सख्त कर दिया गया है, अब इसके लिए 36 महीने की सेवा आवश्यक होगी।

ईपीएफओ ने डिजिटल सेवाओं को बेहतर करने के प्रयास में पेपरलेस क्लेम प्रोसेस शुरू किया है और विश्वास योजना के तहत देरी से पीएफ जमा करने पर मुकदमेबाजी कम करने का वादा किया है।

साथ ही, पेंशनधारकों को घर बैठे डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट जमा करने की सुविधा भी दी गई है।

# मिजोरम व्यापारी संगठन ने सरकार से व्यापार एक्सपो बंद करने का किया आग्रह

## फर्स्ट इंटरनेशनल स्टार एक्सपो में 36 प्रतिभागी बिना परमिट, विदेशी भागीदारी भी नहीं

**आइजोल** मिजोरम मर्चेंट एसोसिएशन (एमआईएमए) ने आइजोल के लामुअल में चल रहे **फर्स्ट इंटरनेशनल स्टार एक्सपो** को बंद करने की मांग की है। संगठन का कहना है कि इस व्यापार मेले में शामिल 36 प्रतिभागी बिना आवश्यक इनर लाइन परमिट (आईएलपी) के पाए गए। मिजोरम जैसे संरक्षित राज्य में गैर-आदिवासी लोगों के लिए आईएलपी अनिवार्य है। एमआईएमए ने आयोजकों पर केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 की धारा 89 का उल्लंघन करने का भी आरोप लगाया है। उनका कहना है कि एक्सपो का नाम इंटरनेशनल है, जबकि इसमें कोई भी विदेशी भागीदारी नहीं है, जो कि भ्रामक विज्ञापन की श्रेणी में आता है। इसके साथ ही, एक्सपो में एक खाद्य विक्रेता के पास एफएसएसएआई लाइसेंस नहीं पाया गया, जो खाद्य सुरक्षा मानकों का उल्लंघन है। एमआईएमए और मिजो छात्र संस्था एमजेडपी द्वारा चलाए गए अभियान में पकड़े गए आईएलपी उल्लंघनकर्ताओं को पुलिस के हवाले कर दिया गया। अब संगठन ने प्रशासन से एक्सपो को तुरंत बंद करने की मांग की है।

# आचार्य श्री सुबल सागर महाराज ससंघ के प्रवचन माधवगंज स्थित जैन मंदिर में चल रहे है

मनुष्य जीवन दुर्लभ है और इसकी सार्थकता तभी है जब इसे धर्ममय बनाया जाए –ः आचार्य श्री सुबल सागरजी

11 नववर से होने वाले चौबीसी पंच कल्याणक महोत्सव की जानकारी समिति के द्वारा दी गई।

अर्थ प्रकाश संवाददाता

**ग्वालियर** – मनुष्य जीवन दुर्लभ है और इसकी सार्थकता तभी है जब इसे धर्ममय बनाया जाए। देव पर्याय से मनुष्य जीवन प्राप्त कर भगवान बनने की आकांक्षा से आता है, लेकिन यहां आकर सांसारिक मोह माया के जाल में फंसा रहता है तथा अंत में सब कुछ छोड़कर खाली हांथ चला जाता है। सिकंदर ने पूरे विश्व के जीतकर खली हांथ गया। चक्रवर्ती छह खंड का वैभव को त्याग कर आत्म कल्याण करते है। यहां सभी लोग सांसारिक सुख की प्राप्ति में ही धन व परिवार के संरक्षण में लगा रहता है। अंत ये सब कुछ यही छोड़कर चल जाता है। यह विचार आचार्य श्री सुबल सागर महाराज ने आज मंगलवार को माधवगंज स्थित दिगंबर जैन मंदिर में धर्मसभा को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

आचार्य श्री ने कहा कि व्यक्ति को जीवन का वास्तविक सार समझना चाहिए। केवल भौतिक सुखों में उलझना इस अमूल्य जीवन की अवमानना है। उन्होंने कहा कि धर्म को अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाना चाहिए। धर्म ही आत्मा को शुद्ध करता है और मोक्ष का मार्ग प्रशस्त करता है। यदि आपको आत्म कल्याण की भावना है तो अपने दैनिक कार्यों को सीमित करके धार्मिक कार्यों में अपने द्रव्य को लगाकर आगे पर्याय में सुख के बीज को संचित कर सकता है। अतः हम इस जीवन में मर्यादा धन, मन, शरीर के विषय में बनाकर इच्छाओं को सीमित करके इच्छाओं को सीमित कर अपन जीवन मंगलमय, आनंदमय बनाए। वही प्रवचन से पहले आचार्य श्री सुबल सागर महाराज के चरणों में श्री फल भेंट मंदिर समिति ओर समाजजनों ने श्रीफल चढ़ाकर आशीर्वाद लिया। जैन समाज के प्रवक्ता सचिन जैन ने बताया कि आचार्य श्री सुबल सागर महाराज के 15 अक्टूबर को माधवगंज स्थित चितेरा ओली दिगंबर पार्श्वनाथ जैन मंदिर में मंगल प्रवचन 09 ः 00 बजे से होगे। वही ग्वालियर के इतिहास में पहली बार 11 नववर से होने वाले चौबीसी पंच कल्याणक महोत्सव की जानकारी आयोजन समिति के द्वारा दी गई।

**यदि आपका पुण्य होगा तो ही आपका धन अच्छे कार्यों में लगेगा**

आचार्य श्री सुबल सागर महाराज ने कहा कि आप लोगों ने भी पूर्व जन्म में धर्म किया था लेकिन कम, इसके कारण से आप लोग अच्छे कुल में पैदा तो हो गए लेकिन धनवान कम हैं। इस जन्म में आप अच्छा धर्म करो, दान करो तो अगला भव आपका और अच्छा होगा। धर्म करने से अनन्त गुणा फल प्राप्त होता है, हर व्यक्ति का धन दान के रूप में नहीं लगता है, यदि आपका पुण्य होगा तो ही आपका धन अच्छे कार्यों में लगेगा, नहीं तो आपका मन ही नहीं कहेगा कि हम दान दें। दान पाप का ब्याज चुकाना कहलाता है और त्याग मूल चुकाना कहलाता है। दान परिग्रह का प्रायश्चित है।

# 'वोट चोरी' के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान दिल्ली कांग्रेस प्रमुख, 55 अन्य को हिरासत में लिया गया

अर्थ प्रकाश/ नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव और पार्टी के अन्य कार्यकर्ताओं को कथित वोट चोरी के खिलाफ दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के नजफगढ़ इलाके में प्रदर्शन करते समय हिरासत में ले लिया गया। पुलिस ने बताया कि यादव समेत 56 लोगों को हिरासत में लिया गया है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, 'वे प्रदर्शन कर रहे थे और इलाके के जवाहर चौक की ओर बढ़ रहे थे। हमने उन्हें हिरासत में लिया है क्योंकि उनके पास प्रदर्शन की अनुमति नहीं थी। उन्हें नजफगढ़ थाने ले जाया गया।' कांग्रेस ने कहा, 'हम वोट चोरी के खिलाफ आवाज उठाते रहेंगे। पुलिस और सरकार हमारा मनोबल नहीं तोड़ सकती।' सात अगस्त को, राहुल गांधी ने भाजपा और निर्वाचन आयोग के बीच 'मिलीभगत' से चुनावों में 'बड़े पैमाने पर आपराधिक धोखाधड़ी' होने का दावा किया था। यह दावा करते हुए उन्होंने पिछले साल कर्नाटक के एक निर्वाचन क्षेत्र में मतदाता सूची के विश्लेषण का हवाला दिया था।

## न्यूज ब्रीफ

### छत्तीसगढ़ के बीजापुर में नक्सलियों के विस्फोटक बनाने का सामान और 5 आईईडी बरामद

अर्थ प्रकाश/बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर में सुरक्षाबलों के जवानों ने मंगलवार को नक्सलियों के छिपाकर रखी गई बड़ी मात्रा में विस्फोटक सामग्री बरामद की है। इतना ही नहीं सर्चिंग के दौरान नक्सलियों द्वारा सुरक्षाबलों को नुकसान पहुंचाने के लिए लगाए गए 5 प्रेशर आईईडी भी बरामद किए गए। बीजापुर के एसपी जितेंद्र यादव ने इसकी पुष्टि की है। एसपी ने बताया कि सुरक्षाबलों की सतर्कता और सूझ-बूझ से नक्सलियों की एक बड़ी साजिश को समय रहते विफल कर दिया। बरामद सामग्री से साफ जाहिर होता है कि नक्सली सुरक्षाबलों को गंभीर क्षति पहुंचाने की योजना बना रहे थे। हालांकि, सुरक्षाबलों की त्वरित कार्रवाई ने उनके नापाक मंसूबों पर पानी फेर दिया। अभी इलाके में लगातार गस्त सर्चिंग की कार्रवाई जारी है। पुलिस के अनुसार यह कार्रवाई ताड़पाला बेस कैम्प से कोबरा 206, केरिपु 229, 153 एवं 196 की संयुक्त टीम द्वारा अभियान के दौरान नक्सलियों द्वारा छिपाकर रखी गई। विस्फोटक सामग्री और बीजीएल बनाने की सामग्री बरामद की गई। बरामद सामग्री में 51 नग जिंदा बीजीएल, 100 बंडल एचटी एल्युमिनियम तार, 50 नग स्टील पाइप, बड़ी मात्रा में बिजली का तार, 20 नग लोहे की शीट और 40 नग लोहे की प्लेट शामिल हैं। इसके अलावा नक्सलियों द्वारा लगाए गए 5 नग प्रेशर आइईडी बरामद कर जिन्हें बीडीएस टीम की मदद से सुरक्षित रूप से नष्ट कर दिया गया।

### भारत की सांस्कृतिक छवि को भी विश्व मंच पर सशक्त बनाता है पर्यटन : शेखावत

**-लेकसिटी में नेशनल टूरिज्म कॉन्फ्रेंस के उद्घाटन सत्र में बोले केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री**

**-कहा, यह सम्मेलन हम सबके लिए एक आंखें खोल देने वाला अनुभव साबित होगा**

अर्थ प्रकाश/उदयपुर। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि पर्यटन एक ऐसा क्षेत्र है, जो न केवल रोजगार और अर्थव्यवस्था को बढ़ाता है, बल्कि भारत की सांस्कृतिक छवि को विश्व मंच पर सशक्त बनाता है। लेकसिटी उदयपुर में मंगलवार से प्रारंभ हुए दो दिवसीय नेशनल टूरिज्म कॉन्फ्रेंस के उद्घाटन सत्र में शेखावत ने कहा कि यह सत्र केवल एक सम्मेलन भर नहीं है, बल्कि विचारों के आदान-प्रदान का एक अद्भुत अवसर है। आज विभिन्न राज्यों से आए प्रतिनिधि और प्रतिभागी यह दिखा रहे हैं कि वे किस तरह नए और नवाचारी विचारों पर काम कर रहे हैं। यह समझना भी रोचक है कि देश के अलग-अलग हिस्सों में पर्यटन स्थलों के विकास को लेकर जो सोच विकसित हो रही है, वह कितनी विविध और रचनात्मक है। अपने उद्बोधन में केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि देश के अनेक राज्यों में कई ऐसे पर्यटन स्थल हैं, जहां समान प्रकार के अनुभव और थीम देखने को मिलते हैं। यदि किसी राज्य ने किसी नए 'आइकॉनिक डेस्टिनेशन' का विचार प्रस्तुत किया है तो कई बार दूसरे राज्यों में वैसा अनुभव पहले से मौजूद होता है। ऐसे में इस मंच से विचारों का साझा करना सभी के लिए उपयोगी रहेगा। इससे राज्यों को अपने-अपने पर्यटन मॉडल को और मजबूत करने, उन्हें नए सिरे से विकसित करने और एक-दूसरे से सीखने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन हम सबके लिए एक आंखें खोल देने वाला अनुभव साबित होगा। यह विचार-विनिमय न केवल पर्यटन क्षेत्र के विकास का मार्ग प्रशस्त करेगा, बल्कि भारत को वैश्विक स्तर पर एक नए रूप में प्रस्तुत करेगा। यह पहल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदृष्टि से प्रेरित है और भारत के भविष्य को आकार देने में बड़ी भूमिका निभाएगी। अपने संबोधन के अंत में केंद्रीय मंत्री ने सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। विशेष रूप से पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ प्रशासक गुलाबचंद कटारिया और राजस्थान की उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी का धन्यवाद किया। उन्होंने राज्यपाल कटारिया को जन्मदिन की शुभकामनाएं भी दीं और कहा कि उनके मार्गदर्शन से यह आयोजन और भी अर्थपूर्ण बना है। गौरतलब है कि कॉन्फ्रेंस में दो दर्जन से अधिक राज्यों के पर्यटन मंत्री, वरिष्ठ अधिकारी शामिल हो रहे हैं। कॉन्फ्रेंस का विषय डवलपमेंट ऑफ 50 डेस्टिनेशन एण्ड प्रोवाइडिंग परफोर्मेंस लिंक्ड इंसेंटिव रखा गया है।

### लोकायुक्त ने बेंगलुरु समेत कर्नाटक में 12 भ्रष्ट अधिकारियों के घरों पर छापा मारा

अर्थ प्रकाश / बेंगलुरु। लोकायुक्त ने बेंगलुरु सहित कर्नाटक राज्य में 12 सरकारी अधिकारियों के ठिकानों पर छापे मारे हैं। इन सभी पर आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का आरोप है। यह छापे बेंगलुरु, हासन, कालाबुरागी, चित्रदुर्ग, उडुपी, दावणगेरे, हावेरी और बागलकोट जिलों में एक साथ मारे गए। आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, लोकायुक्त कार्यालय के अधिकारियों ने बेंगलुरु में मंजूनाथ जी चिकित्सा अधिकारी मल्लसंद्रा हेरिज अस्पताल, वी सुमंगल निदेशक कर्नाटक उच्च शिक्षा बोर्ड, एनके गंगामारी गौड़ा सर्वेक्षक विशेष भूमि अधिग्रहण अधिकारी बीएमआरसीएल, ज्योति मैरी प्रथम श्रेणी सहायक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग हासन, कलबुर्गी कृषि विभाग सहायक निदेशक धुलप्पा, चित्रदुर्ग कृषि विभाग सहायक निदेशक चंद्रकुमार, उडुपी क्षेत्रीय परिवहन विभाग अधिकारी लक्ष्मीनारायण पी. नायक, जगदीश नायक सहायक कार्यकारी अभियंता कर्नाटक ग्रामीण अवसंरचना विकास नियमित दावणगेरे, बीएस धाद्रिमनी जूनियर इंजीनियर कर्नाटक खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति निगम दावणगेरे, हावेरी जिले के रानेबेन्नूर तालुक के राजस्व अधिकारी अशोक, हावेरी जिले के सावनूर तालुक पंचायत के प्रभारी कार्यकारी अधिकारी बसवेश और बागलकोट अलमट्टी राइट बैंक नहर जूनियर इंजीनियर चेतन के ठिकानों पर यह कार्रवाई की है।

# जय मिलाप मेडिकल लैबोरेटरी एसोसिएशन पंजाब (मोहाली विंग) की ओर से सिविल अस्पताल डेराबस्सी को 5000 ग्लास स्लाइड्स भेंट

अर्थ प्रकाश संवाददाता

**डेराबस्सी।** समाज सेवा के कार्यों को आगे बढ़ाते हुए, जय मिलाप मेडिकल लैबोरेटरी एसोसिएशन पंजाब (मोहाली विंग) की ओर से सिविल अस्पताल डेराबस्सी को 5000 ग्लास स्लाइड्स भेंट की गईं। यह पहल अस्पताल की लैबोरेटरी सेवाओं को और अधिक बेहतर बनाने में मदद करेगी।

इस मौके पर एसोसिएशन के जिला प्रधान राजबीर गुर्जर ने बताया कि वे समय-समय पर जरूरतमंद संस्थाओं की सहायता करते रहते हैं। इसी क्रम में सिविल अस्पताल डेराबस्सी को यह स्लाइड्स दी गई हैं। उन्होंने कहा कि मेडिकल क्षेत्र में जांच के लिए ग्लास स्लाइड्स अत्यंत आवश्यक होती हैं और इनकी आपूर्ति से अस्पताल में मरीजों के टेस्ट का काम और सुचारू रूप से हो सकेगा।

एसएमओ डेराबस्सी डॉ. धर्मेंद्र सिंह ने जय मिलाप मेडिकल लैबोरेटरी एसोसिएशन पंजाब के इस नेक कार्य की सराहना की और उनका धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि ये स्लाइड्स अस्पताल की आवश्यकताओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। इस अवसर पर एसोसिएशन के ब्लॉक डेराबस्सी प्रधान अशोक कुमार, पूर्व मीत प्रधान पंजाब परमदीप सिंह, शिव कुमार (वाइस चेयरमैन मोहाली), रवि कुमार (जॉइंट सेक्रेटरी पंजाब), बिंदर कुमार, उदित मिश्रा (ब्लॉक कैशियर डेराबस्सी), राम कुमार, सुशील कुमार सहित अन्य सदस्य और अस्पताल का स्टाफ भी उपस्थित रहा।

# दिल्ली की मुख्यमंत्री ने 10 करोड़ रुपये तक की गारंटी-मुक्त ऋण योजना की घोषणा की

अर्थ प्रकाश / नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने उद्यमियों को बिना किसी गारंटी के 10 करोड़ रुपये तक का ऋण उपलब्ध कराने की योजना की मंगलवार को घोषणा की और कहा कि कार्यबल में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी देश के विकास के लिए महत्वपूर्ण है। आंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में 'पहले इंडिया फाउंडेशन' द्वारा 'भारत में एमएसएमई क्षेत्र में महिला उद्यमियों को बढ़ावा देना' रिपोर्ट के विमोचन के अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए गुप्ता ने कहा कि पिछली सरकारें भारत की बड़ी आबादी को एक बोझ के रूप में देखती थीं, लेकिन महिलाओं को सशक्त बनाकर इसे एक संपत्ति में बदला जा सकता है। उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कहते हैं कि जब आधी आबादी घरों में बंद रहेगी तो देश का विकास कैसे होगा। हमें समाज और राष्ट्र के विकास के लिए हर संभव मदद की जरूरत है।' महिला सशक्तिकरण के लिए इसे ''स्वर्ण युग'' करार देते हुए गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार महिला उद्यमियों को उनकी क्षमता का एहसास कराने में सक्षम बनाने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। उन्होंने कहा, ''इस योजना के माध्यम से हमारे उद्यमी, सरकारी सहायता से अपने विचारों और कड़ी मेहनत के जरिये अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं।''

# मुख्यमंत्री ने 1456 अभ्यर्थियों को सौंपे नियुक्ति पत्र, बोले- अपने कार्य क्षेत्र में उत्कृष्टता के नए मानक स्थापित करें

–लोक सेवा आयोग के माध्यम से 109 नवचयनित को मिली नियुक्तिअधीनस्थ सेवा चयन आयोग से चयनित हुए 1347 सहायक शिक्षक

अर्थ प्रकाश संवाददाता

**देहरादून।** मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नवनियुक्त युवाओं से अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी निष्ठा, पारदर्शिता और समर्पण की भावना के साथ करने की अपेक्षा करते हुए कहा कि अपने कार्य क्षेत्र में उत्कृष्टता के नए मानक स्थापित करेंगे। यह अवसर नियुक्ति अभ्यर्थियों के जीवन का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है, साथ ही राज्य के उज्ज्वल भविष्य की नींव निर्धारण के लिए भी महत्वपूर्ण है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी मंगलवार को दून मेडिकल कॉलेज, पटेलनगर में आयोजित कार्यक्रम में 1456 नवनियुक्त अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपने के अवसर पर संबोधित कर रहे थे। इन नवनियुक्त अभ्यर्थियों में लोक सेवा आयोग के माध्यम से चयनित 109 समीक्षा अधिकारी एवं सहायक समीक्षा अधिकारी और उत्तराखण्ड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के माध्यम से चयनित 1347 सहायक अध्यापक (एलटी) शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने नियुक्त होने वाले सभी अभ्यर्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह अवसर नियुक्ति अभ्यर्थियों के जीवन का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। साथ ही राज्य के उज्ज्वल भविष्य की नींव निर्धारण के लिए भी महत्वपूर्ण है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी राज्य की शासन व्यवस्था का सबसे महत्वपूर्ण आधार उसका प्रशासनिक तंत्र होता है। सचिवालय को राज्य की शासन व्यवस्था का मस्तिष्क कह सकते हैं, क्योंकि यहीं पर नीतियां बनती हैं, निर्णय लिए जाते हैं और विकास परियोजनाओं को धरातल पर उतारने का खाका तैयार किया जाता है। इस पूरी व्यवस्था को प्रभावी बनाने में समीक्षा अधिकारियों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब एक बच्चे को अच्छी शिक्षा मिलती है तो वह अपने जीवन को बेहतर बनाने के साथ समाज और देश के लिए भी अमूल्य योगदान देता है। शिक्षक के कर्तव्य है कि वे बच्चों को अच्छी शिक्षा देने के साथ ही उनके भीतर समाज और देश के प्रति जिम्मेदारी की भावना का भी संचार करें, जिससे वे अच्छे नागरिक बन सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार प्रदेश में शिक्षा व्यवस्था को आधुनिक और गुणवत्तापूर्ण बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। राज्य में विद्यालयों के इन्फ्रास्ट्रक्चर से लेकर डिजिटलाइजेशन तक,प्रत्येक स्तर पर व्यापक सुधार लाने के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। प्रदेश में भर्ती की प्रक्रिया को पारदर्शी और निष्पक्ष बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले चार सालों में राज्य में 26 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी में सेवायोजित किया जा चुका है। यह संख्या राज्य के गठन के पश्चात् से पूर्ववर्ती सरकारों के कार्यकाल में मिली कुल नौकरियों से दो गुना से भी अधिक हैं। आज हमारे युवा पारदर्शी व्यवस्था और मेरिट के आधार पर सरकारी नौकरियों में अवसर पा रहे हैं। हाल ही में हरिद्वार के एक परीक्षा सेंटर पर एक व्यक्ति की ओर से नकल का एक प्रकरण सामने आया था। सरकार ने तुरंत एक्शन लेते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया और मामले की जांच के एसआईटी का गठन किया। युवाओं के हितों की रक्षा के लिए और युवाओं की मांग पर सीबीआई जांच की संस्तुति प्रदान कर पेपर को निरस्त करने का भी निर्णय लिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने स्वयं युवाओं के पास धरनास्थल पर जाकर उनकी सभी न्यायोचित मांगों को मानने का आश्वासन दिया।

शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा शिक्षा विभाग में नियुक्तियों का सिलसिला लगातार जारी रहेगा जल्द ही बीआरपी, सीआरपी, बेसिक अध्यापकों और चतुर्थ श्रेणी में नियुक्तियां प्रदान की जाएगी। उन्होंने नियुक्ति प्राप्त करने वाले सभी अध्यापकों से कहा कि सबको दुर्गम क्षेत्रों में नियुक्ति प्रदान की जा रही है। कुछ साल सभी को अनिवार्य रूप से दुर्गम क्षेत्रों में सेवाएं देनी है। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद एवं भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष महेन्द्र भट्ट, विधायक विनोद चमोली, सचिव रविनाथ रमन, दीपेन्द्र चौधरी और शिक्षा विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

# दुर्गापुर गैंगरेप पीड़ित छात्रा से फोन पर बोले ओडिशा के मुख्यमंत्री - 'चिंता मत करो, राज्य सरकार पूरी तरह तुम्हारे साथ

अर्थ प्रकाश/भुवनेश्वर, । ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने सोमवार देरशाम पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर में सामूहिक दुष्कर्म की शिकार ओडिया युवती, उसकी मां और वहां मौजूद ओडिशा राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष शोभना महांती से फोन पर बातचीत की। मुख्यमंत्री ने पीड़ित को हौसला देते हुए कहा, फ्चिंता मत करो, ओडिशा सरकार पूरी तरह तुम्हारे साथ है।फ्र उन्होंने युवती के शीघ्र स्वस्थ होने और उसके शिक्षा की व्यवस्था सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया। साथ ही कहा कि राज्य सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि दोषियों को जल्द से जल्द सख्त सजा मिले। माझी ने पीड़ित की मां से भी बातचीत की और भरोसा दिलाया कि अपराधियों को जल्द और उदाहरणात्मक दंड दिलाने के लिए ओडिशा सरकार पूरी तरह प्रयासरत है। मुख्यमंत्री ने महिला आयोग की अध्यक्ष शोभना महांती से भी चर्चा की और उन्हें निर्देश दिया कि पश्चिम बंगाल सरकार के साथ लगातार संपर्क बनाए रखें तथा पीड़िता को शीघ्र न्याय दिलाने के लिए हर संभव प्रयास करें। उन्होंने कहा कि दोषियों पर दबाव बनाने के लिए सभी मंचों का उपयोग किया जाएगा। गौरतलब है कि पीड़ित वर्तमान में उपचाराधीन है। इससे पहले मुख्यमंत्री माझी पीड़िता के पिता से भी बात कर चुके हैं।

# उत्तर पश्चिमी क्षेत्र के खान सुरक्षा उपमहानिदेशक के तत्वावधान में हिन्दुस्तान ज़िंक द्वारा इंट्रा जोनल माइन रेस्क्यू प्रतियोगिता का आयोजन

हिन्दुस्तान ज़िंक को इंट्रा जोनल माइन रेस्क्यू प्रतियोगिता 2025 में सुरक्षा में सर्वोच्च स्थान

दो महिला बचाव दलों सहित दस टीमों ने अंडरग्राउण्ड रेस्क्यू सिमुलेशन में लिया भाग

अर्थ प्रकाश संवाददाता

वेदांता समूह की कंपनी और भारत की सबसे बड़ी व एकमात्र एकीकृत जिंक उत्पादक कंपनी हिन्दुस्तान ज़िंक लिमिटेड द्वारा रामपुरा अगुचा खदान में इंट्रा जोनल माइन रेस्क्यू प्रतियोगिता 2025 का सफलतापूर्वक आयोजन किया। यह आयोजन खान सुरक्षा महानिदेशालय उत्तर पश्चिमी क्षेत्र के तत्वावधान में आयोजित हुआ, जिसमें भारत की सर्वश्रेष्ठ खदान बचाव टीम कौशल, टीम वर्क और आपातकालीन प्रतिक्रिया क्षमताओं का परीक्षण करने के लिए शामिल हुई। रामपुरा अगुचा रेस्क्यू रूम प्रशिक्षण केंद्र में आयोजित उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में डीजीएमएस उदयपुर के उत्तर पश्चिमी क्षेत्र के खान सुरक्षा निदेशक विनोद रजक उपस्थित थे, विशिष्ट अतिथि के. रविंदर, डॉ. आई. सत्यनारायण एवं टॉम मैथ्यूज सहित डीजीएमएस के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

हिन्दुस्तान ज़िंक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं पूर्णकालिक निदेशक अरुण मिश्रा ने इस आयोजन के बारे में कहा कि, हिन्दुस्तान ज़िंक में, सुरक्षा सिर्फ एक नियम-पालन नहीं है। यह एक गहरी जड़ें जमाई हुई संस्कृति है जो हमारे हर काम को संचालित करती है। इंट्रा जोनल माइन रेस्क्यू प्रतियोगिता खदान के कार्य में तैयारी, टीम वर्क और ऑपरेशनल उत्कृष्टता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। हर प्रतिभागी द्वारा दिखाए गए साहस, अनुशासन और तकनीकी सटीकता को देखना प्रेरणादायक है, खासतौर पर हमारी महिला बचाव टीमों का शानदार प्रदर्शन। वे एक ऐसे उद्योग में संभावनाओं को लगातार फिर से परिभाषित कर रही हैं जिसमें पारंपरिक रूप से पुरुषों का प्रभुत्व रहा है। ऐसी पहल न केवल हमारी सुरक्षा प्रणालियों को मजबूत करती हैं बल्कि हमारे कार्यबल में गर्व और उद्देश्य की भावना का संचार करती हैं। हम अपने सभी ऑपरेशनों में सुरक्षा, समावेशन और नवाचार के उच्चतम मानकों को आगे बढ़ाने के लिए समर्पित हैं।

आयोजन के दौरान, टीमों ने लाइव बचाव रिले प्रतियोगिताओं, वैधानिक परीक्षणों और आपातकालीन सिमुलेशन में भाग लिया, जो वास्तविक जीवन के परिदृश्यों में उनके कौशल, निर्णय लेने और तत्परता का मूल्यांकन करने के लिए डिजाइन किए गए थे। दूसरे दिन एग्जीक्यूटिव क्लब, जिंक कॉलोनी, रामपुरा अगुचा में आयोजित समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में आर.टी. मांडेकर, खान सुरक्षा उप महानिदेशक, डीजीएमएस, उत्तर पश्चिमी क्षेत्र, उपस्थित थे, हिन्दुस्तान ज़िंक के सीओओ किशोर कुमार एस., रामपुरा आगुचा के आईबीयू सीईओ राममुरारी, वरिष्ठ डीजीएमएस अधिकारी विनोद रजक, डीएमएस (खनन), एनडब्ल्यूजेड, के. रविंदर, डीएमएस (खनन) अजमेर -2, डॉ. आई. सत्यनारायण डीएमएस (खनन) अजमेर -1, उपस्थित थे। प्रतियोगिता में कुल 6 विभिन्न बचाव संबंधी कार्यक्रम आयोजित किए गए, जैसे मार्च पास्ट, थ्योरी, प्राथमिक उपचार, वैधानिक, बचाव रिले और प्रतियोगिता का सबसे महत्वपूर्ण कार्यक्रम भूमिगत खदान में आयोजित किया गया, जिसमें बचाव और पुनर्प्राप्ति सम्मिलित थे।

निदेशालय ने सभी प्रतिभागी टीमों को 25 विभिन्न श्रेणियों के पुरस्कारों के तहत पुरस्कृत किया, जिसमें समापन समारोह में कुल 8 श्रेणियों को पुरस्कृत किया गया, जिसमें रामपुरा अगुचा खदान की पुरुष टीम ने ओवर ऑल विजेता का खिताब जीता, राजपुरा दरीबा खदान उपविजेता रही और दूसरे उपविजेता के लिए हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड और रामपुरा अगुचा खदान की सभी महिलाओं की टीम के बीच शानदार मुकाबला रहा।

इंट्रा जोनल माइन रेस्क्यू प्रतियोगिता 2025 का सफल समापन हिन्दुस्तान ज़िंक के खनन में सुरक्षा उत्कृष्टता, कौशल विकास और लैंगिक समावेशन पर अटूट ध्यान केंद्रित करने को रेखांकित करता है। व्यावहारिक शिक्षा, तकनीकी नवाचार और क्रॉस-टीम सहयोग को प्रोत्साहित करने वाले प्लेटफार्म की मेजबानी कर, कंपनी जिम्मेदार खनन प्रथाओं के लिए वैश्विक मानक स्थापित कर रही है। विश्व की सबसे सस्टेनेबल मेटल और माइनिंग कंपनियों में से एक हिन्दुस्तान ज़िंक लोगो को सशक्त बनाने, ग्रह की रक्षा करने और खनन उद्योग और इसके द्वारा सेवा प्रदान किए जाने वाले समुदायों के लिए सुरक्षित, अधिक मजबूत भविष्य बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

# भारतीय टीम ने दूसरे टेस्ट में वेस्टइंडीज को सात विकेट से हराकर 2-0 से क्लीन स्वीप किया

**-प्लेयर ऑफ द मैच कुलदीप यादव**

**-प्लेयर ऑफ द सीरीज : रविन्द्र जडेजा**

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारतीय क्रिकेट टीम ने यहां के अरुण जेटली स्टेडियम में वेस्टइंडीज को दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में सात विकेट से हराने के साथ ही 2-0 से सीरीज जीत ली है। भारतीय टीम ने पांचवे और अंतिम दिन पहले सत्र में ही तीन विकेट पर 121 रनों का लक्ष्य हासिल करने के साथ ही सीरीज अपने नाम की। भारतीय टीम को अंतिम दिन जीत के लिए 58 रन बनाने थे जो उसने तीन विकेट के नुकसान पर बना लिए। भारतीय टीम ने चौथे दिन के एक विकेट पर 63 रन से आगे खेलते हुए पांचवे दिन सुबह साई सुदर्शन 39 रन और शुभमन 13 के विकेट खो दिये। वहीं के एल राहुल ने नाबाद 58 रन बनाकर टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। इससे पहले भारतीय टीम ने पहला टेस्ट पारी और 140 रन से जीता था।

दूसरे टेस्ट की जीत में स्पिनर कुलदीप यादव और सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल की अहम भूमिका रही। कुलदीप ने इस मैच की दोनो पारियों में कुल मिलाकर 8 विकेट लिए जबकि यशस्वी ने पहली पारी में 175 रन बनाकर भारतीय टीम को बढ़त दिलायी। भारतीय टीम ने पहली पारी में पांच विकेट पर 518 रन बनाये। वहीं वेस्टइंडीज की टीम पहली पारी में 248 रनों पर आउट हो गयी थी। इस प्रकार भारतीय टीम को पहली पारी के आधार पर 270 रनों की बढ़त मिली थी। जिसके आधार पर उसने वेस्टइंडीज को फॉलोऑन खेलने पर मजबूर किया। कैरिबियाई टीम ने फॉओऑन खेलते हुए दूसरी पारी में जॉन कैम्पबेल के 115 और शाई होप के 103 रनों की सहायता से 390 रन बनाए। इसके बाद भारतीय टीम को जीत के लिए 121 रनों का लक्ष्य मिला। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने जायसवाल (8) का विकेट शुरुआत में ही गंवा दिया। वहीं इसके बाद राहुल ने नाबाद 58 और साई सुदर्शन 39 ने टीम का स्कोर आगे बढ़ाया और उसे लक्ष्य की ओर अग्रसर किया। भारत की ओर से पहली पारी में यशस्वी के 175 रनों के अलावा कप्तान शुभमन गिल ने 129 और सुदर्शन ने 87 रनों की पारी खेली थी। भारतीय टीम ने इस प्रकार वेस्टइंडीज के खिलाफ 10 वीं टेस्ट सीरीज जीती है। 2002 के बाद से ही कैरेबियाई टीम भारत के खिलाफ कोई टेस्ट मैच नहीं जीत पाई है।

# स्वदेश पहुंचे विराट, ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए आज भारतीय टीम से जुड़ेंगे

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली चार महीने बाद इंग्लैंड से भारत लौटे हैं। विराट अब ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारतीय टीम से जुड़ेंगे। भारतीय टीम बुधवार को इस दौरे पर रवाना होगी। विराट आईपीएल 2025 के बाद ही अपने परिवार के साथ लंदन चले गये थे।

विराट ने इंग्लैंड दौरे के पहले ही टेस्ट प्रारुप से संन्यास ले लिया था। अब वह केवल एकदिवसीय प्रारुप में ही खेलते हैं। उन्हें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। मार्च 2025 में चैंपियंस ट्रॉफी में मिली जीत के बाद ये विराट की पहली सीरीज होगी , इसप्रकार वह सात माह के बाद खेलते नजर आयेंगे। इस सीरीज में भारतीय टीम की कप्तानी शुभमन गिल करेंगे क्योंकि क्रिकेट बोर्ड ने हाल ही में रोहित शर्मा को कप्तानी से हट दिया था। विराट के अलावा रोहित शर्मा भी इसी सीरीज से वापसी करेंगे। वह भी चैम्पियंस ट्रॉफी के बाद से ही टीम से बाहर हैं। इस सीरीज में विराट और रोहित के प्रदर्शन के बाद ही तय होगा कि वह आगे खेलेंगे या नहीं।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज 19 अक्टूबर को पर्थ स्टेडियम में शुरु होगी। इसके बाद टीम 23 अक्टूबर को एडिलेड ओवल और 25 अक्टूबर को सिडनी क्रिकेट मैदान में खेलेगी। एकदिवसीय सीरीज़ के बाद, 29 अक्टूबर से पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज भी खेली जाएगी। यह दौरा टीम इंडिया के लिए आगामी वर्ष की तैयारियों में अहम साबित होगा। भारतीय टीम ने अंतिम बार साल 2020-21 में ऑस्ट्रेलिया का दौरा किया था, जहाँ उसे एकदिवसीय सीरीज़ में 2-1 से हार का सामना करना पड़ा था।

# संजू सैमसन की केरल रणजी टीम में वापसी

**तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)।** संजू सैमसन का नाम केरल की रणजी ट्रॉफी टीम में वापस आ गया है और इसके साथ ही उत्सुकता, उत्साह और शांत जिज्ञासा की लहर आ गई है। केरल 15 अक्टूबर से तिरुवनंतपुरम में अपने रणजी ट्रॉफी 2025-26 के पहले मैच में महाराष्ट्र का सामना करने के लिए तैयार है, ऐसे में विकेटकीपर-बल्लेबाज की लाल गेंद क्रिकेट में वापसी एक तरह से घर वापसी और सामंजस्य दोनों का प्रतीक है।

संजू सैमसन को आखिरी बार प्रथम श्रेणी मैच खेले हुए लगभग एक साल हो गया है, उनका पिछला मैच कर्नाटक के खिलाफ था। पिछले एक साल में, उनका ध्यान मुख्य रूप से सफेद गेंद के प्रारूपों पर केंद्रित रहा है, जिसमें उन्होंने आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स का नेतृत्व किया और भारत की टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम में भी शामिल रहे। अब, जब वह एक बार फिर केरल की सफेद जर्सी पहन रहे हैं, तो सैमसन के पास लाल गेंद क्रिकेट की मांग वाले कौशल और धैर्य को फिर से दिखाने का मौका है। केरल के चयनकर्ताओं ने कप्तानी मोहम्मद अजहरुद्दीन को सौंप दी है, जबकि बाबा अपराजित को उप-कप्तान बनाया गया है। यह कदम टीम के निरंतरता पर ध्यान केंद्रित करने को दर्शाता है, जबकि सैमसन इस महीने के अंत में राष्ट्रीय टीम के लिए तैयारी कर रहे हैं।

# आईसीसी रैंकिंग : स्मृति मंधाना की शीर्ष पर बढ़त मजबूत

**दुबई (एजेंसी)।** मौजूदा आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप में कई शीर्ष प्रदर्शन करने वाली खिलाड़ियों ने ताजा आईसीसी महिला वनडे खिलाड़ी रैंकिंग में उल्लेखनीय बढ़त हासिल की है। विशाखापट्टनम में शानदार 80 रनों की पारी खेलकर फॉर्म में लौटी भारतीय सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में अपना दबदबा बनाए हुए हैं और शीर्ष पर अपनी मजबूत बढ़त बनाए हुए हैं। हालांकि कई खिलाड़ियों ने मौजूदा टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन के साथ अपनी स्थिति में सुधार किया है।

इनमें ऑस्ट्रेलिया की एलिसा हीली भी शामिल हैं, जो भारत के खिलाफ रोमांचक मैच में 142 रनों की शानदार पारी खेलकर नौ स्थानों की लंबी छलांग लगाकर संयुक्त चौथे स्थान पर पहुंच गई हैं। 700 रेटिंग अंकों के साथ, हीली मंधाना, इंग्लैंड की कप्तान नैट शिवर-ब्रंट और बेथ मूनी से पीछे हैं और रैंकिंग में और ऊपर पहुंचने की कोशिश करेंगी। वह दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोल्वाट के साथ चौथे स्थान पर हैं, जिन्होंने भी अपनी हालिया पारियों की बदौलत तीन स्थान की छलांग लगाई है, जिसमें भारत के खिलाफ मैच जिताऊ 70 रन भी शामिल हैं।

टूर्नामेंट में रन चार्ट में शीर्ष पर चल रही न्यूजीलैंड की कप्तान सोफी डिवाइन भी दो स्थान ऊपर चढ़कर छठे स्थान पर पहुंच गईं। दक्षिण अफ्रीका की चेज विशेषज्ञ नादिन डी क्लर्क जिन्होंने विशाखापत्तनम में दो बार प्रोटियाज के सफल चेज प्रयासों का नेतृत्व किया है, बल्लेबाजी रैंकिंग में 26 स्थान की छलांग लगाकर 32वें स्थान पर आ गईं। आईसीसी महिला वनडे गेंदबाजी रैंकिंग में सोफी एक्लेस्टोन नंबर 1 स्थान पर बनी हुई हैं, उनके ठीक पीछे गार्डनर हैं। हालांकि, क्रिकेट विश्व कप के एक आकर्षक सप्ताह के बाद शीर्ष 10 में नए नाम शामिल हुए हैं।

ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज एनाबेल सदरलैंड छह स्थान की छलांग लगाकर 8वें स्थान पर पहुंच गईं। नोनकुलुलेको म्लाबा बाएं हाथ की स्पिनर 8 विकेट लेकर टूर्नामेंट में दक्षिण अफ्रीका की ओर से सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज रही हैं। आईसीसी महिला वनडे ऑलराउंडर रैंकिंग में गार्डनर शीर्ष पर बनी हुई हैं और शीर्ष 10 में सिर्फ एक बदलाव आया है। दक्षिण अफ्रीका की क्लो ट्रायोन तीन स्थान ऊपर चढ़कर और अपना नया व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए इस सूची में शामिल हो गई हैं। आईसीसी मीडिया के एक बयान के अनुसार, ट्रायोन ने गेंदबाजों की रैंकिंग में भी उल्लेखनीय प्रगति की है और 18 स्थान ऊपर चढ़कर 30वें स्थान पर पहुंच गई हैं।

# भरत थम्मिनेनी दुनिया की 8,000 मीटर ऊंची नौ चोटियों पर चढ़ने वाले पहले भारतीय बने

कोलकाता । आंध्र प्रदेश के कुरनूल के पर्वतारोही भरत थम्मिनेनी मंगलवार को छठे सबसे ऊंचे पर्वत 'माउंट चो ओयू' (8,188 मीटर) पर चढ़ाई करने के साथ दुनिया की 14 सबसे ऊंची चोटियों में से नौ पर फतह करने वाले पहले भारतीय बन गए। इस 36 वर्षीय पर्वतारोही के करीबी सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि इस उपलब्धि से पहले थम्मिनेनी ने मई 2017 में माउंट एवरेस्ट, सितंबर 2018 में माउंट मनास्लू, मई 2019 में माउंट ल्होत्से, मार्च 2022 में माउंट अन्नपूर्णा, अप्रैल 2022 में माउंट कंचनजंगा, मई 2023 में माउंट मकालू, अक्टूबर 2024 में माउंट शीशपंगमा और अप्रैल 2025 में माउंट धौलागिरी पर चढ़ाई की थी। ये सभी 8,000 मीटर से अधिक ऊंची चोटियां हैं। बची हुई पांच शीर्ष चोटियां माउंट के2, नंगा पर्वत, गशेरब्रुम 1 और 2 तथा ब्रॉड पीक पाकिस्तान में हैं और वर्तमान में भारतीय पर्वतारोहियों के लिए वर्जित हैं। थम्मीनेनी 30 सितंबर को चीन के चो ओयू बेस कैंप पहुचे थे लेकिन खराब मौसम और भारी बर्फबारी के कारण उन्हें पहाड़ पर चढ़ने के लिए थोड़ा इंतजार करना पड़ा जिससे वह बेस कैंप में ही रुके रहे।

# भारतीय टीम के खिलाफ सीरीज के अनुभवों का लाभ एशेज में मिलेगा : मार्श

मुम्बई । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के कप्तान मिशेल मार्श ने कहा है कि भारतीय टीम के खिलाफ होने वाली एकदिवसीय और टी20 सीरीज उनकी टीम के लिए काफी फायदेमंद रहेगी। साथ ही कहा कि इसके अनुभवों का लाभ उन्हें इसके बाद होने वाली एशेज सीरीज में मिलेगा। भारतीय टीम अपने इस दौरे में तीन एकदिवसीय मैचों के अलावा पांच मैचों की टी20 सीरीज भी खेलेगी। मार्श को इस सीरीज में नियमित कप्तान पैट कमिंस के चोटिल होने के कारण टी20 के साथ ही एकदिवसीय प्रारुप की भी कप्तानी दी गयी है। मार्श ने कहा, ''हमारे सभी खिलाड़ी एशेज के लिए तैयारी कर रहे हैं पर सभी को भारत जैसे शीर्ष स्तर की टीम के खिलाफ खेलना पसंद है।'' उन्होंने कहा, ''हमारे बीच जबरदस्त प्रतिद्वंद्विता है पर एक टीम के तौर पर हम उनके लिए बहुत सम्मान रखते हैं। मुझे लगता है कि एशेज सीरीज़ से पहले भारत को ये दौरा सही समय पर हुआ है। इसमें दोनो टीमों के बीच कड़ा मुकाबला होगा।' इससे उनकी टीम को एशेज से पहले अपनी लय हासिल करने का भी अवसर मिलेगा।

# ऑस्ट्रेलिया दौरे से हो जाएगा रोहित और विराट के भविष्य का फैसला : शास्त्री

सिडनी । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने कहा है कि अनुभवी बल्लेबाजों रोहित शर्मा और विराट कोहली के लिए ऑस्ट्रेलिया दौरा काफी महत्वपूर्ण रहेगा। शास्त्री का मानना है कि इस सीरीज़ से ही विराट और रोहित का भविष्य तय होगा। साथ ही कहा कि अगर ये दोनो अपने फार्म और फिटनेस में खरे उतरे तभी 2027 विश्व कप के लिए इनके नाम पर विचार हो सकता है। वहीं असफल रहने पर इनका बाहर होना तय है। शास्त्री ने सिडनी में एक कार्यक्रम के दौरान कहा वे दोनो ही जानते हैं कि ये सीरीज बेहद महत्वपूर्ण है। इसी लिए यहां आये हैं। उनका आगे बना रहता फिटनेस, भूख और फॉर्म पर निर्भर करेगा। सीरीज़ के अंत तक उन्हें स्वयं पता चल जाएगा कि वह अपने कैरियर में किस जगह पर है। इसके बाद आगे क्या करना है ये उन्हें ही तय करना होगा। उन्होंने आगे कहा कि इस उम्र में अनुभव बहुत मायने रखता है पर वही खिलाड़ी खेल सकता है जिसके भीतर भूख बची हुई हो। साथ ही कहा कि 'जब बड़े मैच आते हैं, तो बड़े खिलाड़ी ही आगे बढ़कर जिम्मेदारी लेते हैं। अनुभव का कोई विकल्प नहीं होता, हमने इसे चैंपियंस ट्रॉफी में भी देखा है।' रोहित इस दौरे के लिए बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में अपनी फिटनेस और बल्लेबाजी पर काफी काम किया है जिसके अब वह काफी फिट नजर आते हैं जबकि विराट ने लंदन में इसकी तैयारी की। दोनों ही फिटनेस टेस्ट में भी सफल रहे हैं। ऐसे में दोनो को ही 19 अक्टूबर से पर्थ में शुरू होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए टीम में शामिल किया गया है। इसी के साथ ही ये दोनो स्टार बल्लेबाज सात महीने के बाद मैदान पर वापसी करेंगे। दोनो ने ही टेस्ट और टी20 प्रारुप से पहले ही संन्यास ले लिया है और अब केवल एकदिवसीय खेल रहे हैं।

# महिला विश्व कप क्रिकेट में आज होगा इंग्लैंड और पाकिस्तान का मुकाबला

**कोलंबो (एजेंसी)।** महिला विश्वकप क्रिकेट में बुधवार को इंग्लैंड की टीम पाकिस्तान के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मिली जीत के बाद से ही इंग्लैंड की टीम के हौसले बुलंद हैं और वह सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए ये मुकाबला भी जीतने उतरेगी। नेट स्किवर-ब्रंट की कप्तानी में टीम भारत, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड जैसी बड़ी टीमों के खिलाफ खेलने से पहले अपनी लय को बनाये रखना चाहेगी। ब्रंट ने अब तक बल्ले और गेंद दोनों से शानदार प्रदर्शन किया है। सकती हैं। इंग्लैंड की श्रीलंका के खिलाफ 89 रन की जीत में कप्तान ने 117 रन बनाने के अलावा दो विकेट भी लिए थे।

स्किवर-ब्रंट के अलावा एमी जोन्स, टैमी ब्यूमोंट, हीथर नाइट और सोफिया डंकले जैसी बल्लेबाजों ने भी अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है जिससे उसकी टीम छह अंकों के साथ तालिका में दूसरे स्थान पर है।

पाकिस्तान की टीम अपने सभी मैच कोलंबो में खेल रही है लेकिन इसके बावजूद वह अब तक नाकाम रही है। वह इंग्लैंड को हरा पायेगी इसकी संभावना नहीं है। इंग्लैंड इस मैच में जीत दर्ज करने पर अंक तालिका में पहले स्थान पर पहुंच जाएगा। पाकिस्तान को अब तक अपने तीनों मैच में हार का सामना करना पड़ा है और वह अंक तालिका में सबसे निचले पायदान पर है। उसके बल्लेबाज नहीं चल पा रहे हैं। उसकी टीम ने तीन मैच में अभी तक केवल एक बार 150 रन की संख्या को पार किया है।

**दोनो ही टीमें टीम इस प्रकार हैं**

**इंग्लैंड:** नैट स्किवर-ब्रंट (कप्तान), एम अर्लट, टैमी ब्यूमोंट, लॉरेन बेल, एलिस कैप्सी, चार्ली डीन, सोफिया डंकले, सोफी एक्लेस्टोन, लॉरेन फाइलर, सारा ग्लेन, एमी जोन्स, हीथर नाइट, एम्मा लैम्ब, लिन्सी स्मिथ, डैनी व्याट-हॉज।

**पाकिस्तान:** फातिमा सना (कप्तान), आलिया रियाज, डायना बेग, एमान फातिमा, मुनीबा अली, नाशरा संधू, नतालिया परवेज, ओमाइमा सोहेल, रमीन शमीम, सदफ शमास, सादिया इकबाल, शवाल जुल्फिकार, सिदरा अमीन, सिद्रा नवाज, सैयदा अरूब शाह।

# टीम की कप्तानी करना सम्मान की बात : शुभमन

नई दिल्ली । अपनी कप्तानी में पहली टेस्ट सीरीज जीतने से उत्साहित भारतीय टीम के युवा कप्तान शुभमन गिल ने कहा है टीम की कप्तानी करना करने के लिए सम्सान की बात है। शुभमन को इंग्लैंड दौरे के पहले टीम का कप्तान बनाया गया था। इस दौरे में सीरीज 2-2 से बराबरी पर रही थी। वहीं वेस्टइंडीज के खिलाफ भारतीय टीम ने 2-0 से सीरीज जीती है। शुभमन ने कप्तानी के अब तक के अनुभवों को लेकर कहा, मैं अब इसकी आदत डाल रहा हूं। सभी खिलाड़ियों को मैनेज करना और टीम की कमान संभालना गर्व और सम्मान की बात है। कप्तान के दौरान किसी भी हालात में सही विकल्प चयनित करना भी अहम होता है। मैं उस स्थिति में सबसे संभावित फैसले लेने का प्रयास करता हूं। कभी-कभी आपको एक साहसिक फैसला भी लेना होता है। यह इस बात पर आधारित रहता है कि कौन-सा खिलाड़ी आपको रन या विकेट दिला सकता है शुभमन ने वेस्टइंडीज के खिलाफ फॉलोऑन देने को लेकर कहा, हम लगभग 300 रन 270 रन आगे थे। हमने सोचा कि अगर हम 500 रन भी बना लेते हैं और हमें पांचवें दिन 6 या 7 विकेट लेने हैं, तो यह हमारे लिए एक कठिन दिन हो सकता है। ऑलराउंडर नीतीश रेड्डी को इस सीरीज के दोनों ही मुकाबलों में मौका दिया गया। अहमदाबाद टेस्ट में नीतीश को बल्लेबाजी का मौका नहीं मिल सका, लेकिन उन्होंने चार ओवर गेंदबाजी जरूर की। इसके बाद दिल्ली टेस्ट में उन्होंने पहली पारी में 43 रन बनाए। नीतीश को सीरीज में अवसर दिए जाने को लेकर उन्होंने कहा, हम नहीं चाहते कि खिलाड़ी केवल विदेशों में ही मैच खेलें। इससे खिलाड़ियों पर बहुत दबाव पड़ता है। हम कुछ ऐसे खिलाड़ियों को तैयार करना चाहते हैं, जो हमें लगता है कि विदेशों में मैच जीतने में हमारी सहायता कर सकते हैं, क्योंकि यह हमारे लिए एक चुनौती रही है। वहीं कप्तान ने अपने प्रदर्शन को लेकर कहा, जब मैं मैदान पर जाता हूं, तो मैं बस एक बल्लेबाज के तौर पर फैसले लेना चाहता हूं। एक चीज जो आप हमेशा चाहते हैं और ध्यान में रखते हैं वो है अपनी टीम को किस प्रकार से जीत दिलायें। ऐसे में जब मैं बल्लेबाज के तौर पर मैदान पर जाता हूं, तो मेरे दिमाग में रन बनाने का ही ख्याल आता है।

# रणजी मुकाबले आज से , ऋषभ कर सकते हैं दूसरे या तीसरें दौर से वापसी

**बेंगलुरु (एजेंसी)।** रणजी ट्रॉफी मुकाबले बुधवार से यहां शुरु होंगे। इसमें आक्रामक विकेटर बल्लेबाज ऋषभ पंत वापसी कर सकते हैं। ऋषभ इंग्लैंड दौरे में चोटिल होने के बाद से ही टीम से बाहर थे। ऐसे में उनपर सबकी नजरें रहेंगी। रणजी में युवा और अनुभवी दोनों ही वर्ग के खिलाड़ी अपनी क्षमता साबित करने के लिए मैदान में उतरेंगे।

जुलाई में मैनचेस्टर में चोटिल होने के बाद ऋषभ मैदान से बाहर थे। दिल्ली की टीम में उनका नाम पहले दौर के लिए शामिल नहीं है पर अगर बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस हरी झंडी देता है, तो वह दूसरे या तीसरे दौर में वापसी कर सकते हैं। उनके लिए यह रणजी ट्रॉफी अहम है क्योंकि इससे उन्हें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ नवंबर में शुरू होने वाली श्रृंखला से पहले खेल का अनुभव मिलेगा।

इस सत्र में कई युवा खिलाड़ियों पर भी नजरें रहेंगी। इसमें यश ढुल और प्रियांश आर्य व वैभव सूर्यवंशी (बिहार), आयुष म्हात्रे जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। वहीं गेंदबाज हर्ष दुबे, एडहेन एप्पल टॉम, मानव सुथार और गुरजपनीत सिंह भी टीम में जगह बनाने के प्रयास करेंगे।

इनके अलावा अनुभवी खिलाड़ी जैसे ईशान किशन, पृथ्वी शॉ, सरफराज खान, रुतुराज गायकवाड़ और रजत पाटीदार भी सत्र में बेहतर प्रदर्शन कर राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने का प्रयास करेंगे। वहीं मोहम्मद शमी, हनुमा विहारी और अजिंक्य रहाणे भी इस सत्र में खेलते हुए दिखेंगे। रहाणे के लिए यह संभवतः आखिरी रणजी ट्रॉफी होगी।

# रोहित-कोहली के भविष्य पर गौतम गंभीर का बड़ा बयान आया सामने

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** विराट कोहली और रोहित शर्मा 2027 में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप कप खेलने के इच्छुक हैं लेकिन भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने मंगलवार को इस स्टार जोड़ी के भविष्य को लेकर कोई वादा नहीं किया। गंभीर ने कहा कि वनडे विश्व कप में अभी दो साल से अधिक का समय है और 'वर्तमान में रहना जरूरी है'।

शुभमन गिल की वनडे कप्तान के रूप में नियुक्ति के साथ राष्ट्रीय चयनकर्ताओं ने पहले ही वनडे क्रिकेट में बदलाव की प्रक्रिया शुरू कर दी है और 2027 में कोहली (39) और रोहित (40) की उम्र को देखते हुए उनके भविष्य पर काफी संदेह है। गंभीर ने कहा, '50 ओवर का विश्व कप अभी ढाई साल दूर है। वर्तमान में रहना बहुत जरूरी है। जाहिर है वे बेहतरीन खिलाड़ी हैं। वे वापसी कर रहे हैं। उनका अनुभव ऑस्ट्रेलिया में काम आएगा।'

उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट के समापन पर कहा, 'उम्मीद है कि ये दौरा दोनों खिलाड़ियों के लिए सफल साबित होगा लेकिन इससे जरूरी बात यह है कि टीम एक सफल श्रृंखला खेले।' ऐसा माना जा रहा है कि अगले कुछ महीनों में होने वाले नौ वनडे मैचों (ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन-तीन मैच) में इन दोनों खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर काफी कुछ निर्भर करेगा।

भारतीय टीम पिछले एक साल में गंभीर की कोचिंग में सभी प्रारूपों में बदलाव के दौर से गुजर रही है। गंभीर से जब पूछा गया कि वह राष्ट्रीय टीम में शामिल करते समय किसी खिलाड़ी में किन गुणों को देखते हैं तो उन्होंने कहा, 'इस सूची में प्रतिभा सबसे पहली चीज है। फिर काम के प्रति लगन और ड्रेसिंग रूम में आपके व्यवहार खासकर टेस्ट क्रिकेट में काफी मायने रखता है।'

उन्होंने कहा, 'हम यह भी परखने की कोशिश करते है कि रन बनाने और विकेट लेने के अलावा आप किस तरह से टीम के लिए योगदान दे सकते हैं। आप में खेल के लिए जज्बा होना भी काफी जरूरी है। आप में अगर ये सारे गुण है तो आप निश्चित रूप से एक सफल टेस्ट करियर बना सकते हैं।'

# वेस्टइंडीज के खिलाफ जीत के बाद भी डब्ल्यूटीसी अंकतालिक में तीसरे नंबर पर ही है भारतीय टीम

नई दिल्ली । वेस्टइंडीज के खिलाफ यहां टेस्ट सीरीज में मिली जीत के बाद भी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2025-27 की अंक तालिका में भारतीय टीम की स्थिति में बदलाव नहीं आय है और वह पहले की तरह ही तीसरे स्थान पर ही बनी हुई है। ऑस्ट्रेलिया 100 प्रतिशत और श्रीलंकाई टीम 66.67 प्रतिशत अंकों के साथ ही पहले और दूसरे नंबर पर है। वहीं भारतीय टीम का अंक प्रतिशत बढ़कर 61.90 पर पहुंच गया है पर इसके बाद भी वह दूसरे स्थान पर चल रही श्रीलंका से पीछे है। भारतीय टीम अब तक सात मैचों में चार जीत, दो हार और एक ड्रॉ के साथ 52 अंक हासिल किए हैं। वहीं ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका के अंक उससे अधिक हैं। वेस्टइंडीज लगातार पाँच टेस्ट हारने के बाद छठे स्थान पर फिसल गयी है। भारत को अब अगली टेस्ट सीरीज घरेलू धरती पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेलनी है, उसमें अगर भारतीय टीम जीत दर्ज करती है तो वह शीर्ष दो में पहुंच सकती है।

# देश में बच्चों के जन्म की संख्या घटी, लोगों की मौत का आंकड़ा बढ़ा

## 2023 में 2.50 करोड़ पैदा हुए, यह 2022 से 2.32 लाख कम ;

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** सिविल रजिस्ट्रेशन सिस्टम पर आधारित वाइटल स्टैटिस्टिक्स ऑफ इंडिया की 13 अक्टूबर को जारी रिपोर्ट के मुताबिक कि भारत में साल 2022 की तुलना में 2023 में जन्म में कमी आई, लेकिन मौत का आंकड़ा बढ़ा। रिपोर्ट में बताया गया कि साल 2023 में 2 करोड़ 52 लाख बच्चों का जन्म हुआ था, जो साल 2022 की तुलना में 2 लाख 32 हजार कम था। क्योंकि उस साल का आंकड़ा 2 करोड़ 54 लाख 32 हजार था। वहीं, 2023 में 86.6 लाख लोगों की मौत रिकॉर्ड की गई थीं। 2022 में ये आंकड़ा 86.5 लाख रहा था। हेल्थ मिनिस्ट्री के कोविड-19 डेशबोर्ड के मुताबिक 5 मई 2025 तक देश में कोविड के कारण 5 लाख 33 हजार 665 मौतें हो चुकी हैं।

सबसे ज्यादा मौतें 2021 में हुई थीं तब कोविड की सेकेंड वेव चल रही थी। तब 2020 की तुलना में 21 लाख ज्यादा मौतें हुई थीं। 2020 में कुल 81.2 लाख मौतें और 2021 में यह आंकड़ा 1 करोड़ 2 लाख 2 हजार से ज्यादा था।

### झारखंड में सबसे कम सेक्स रेशो

रिपोर्ट के मुताबिक, 2023 में सबसे कम सेक्स रेशो बर्थ झारखंड का रहा है। यहां प्रति 1000 लडक़ों पर 899 लड़कियों का जन्म रिकॉर्ड हुआ है। दूसरे नंबर पर बिहार है, यहां का आंकड़ा 900 है। तीसरे नंबर पर तेलंगाना 906, चौथे पर महाराष्ट्र 909, पांचवे पर गुजरात 910, छठे पर हरियाणा 911, 7वें नंबर पर मिजोरम 911 है। 2020 से बिहार लगातार सबसे कम सेक्स रेशो दर्ज कर रहा है। सबसे ज्यादा सेक्स रेशो (जन्म) के मामले में अरुणाचल प्रदेश में पहले नंबर है। यहां प्रति 1000 लडक़ों पर 1085 लड़कियों ने जन्म लिया। दूसरे नंबर नगालैंड 1007, तीसरे पर गोवा 973, चौथे पर लद्दाख-त्रिपुरा 972, पांचवे पर केरल 967 है।

### इन राज्यों में सबसे ज्यादा बर्थ रजिस्ट्रेशन

ओडिशा, मिजोरम, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ और आंध्र प्रदेश में बर्थ रजिस्ट्रेशन 80-90 प्रतिशत रहा है। वहीं, 14 राज्यों में असम, दिल्ली, मध्य प्रदेश, त्रिपुरा, तेलंगाना, केरल, कर्नाटक, बिहार, राजस्थान, जम्मू और कश्मीर, झारखंड, पश्चिम बंगाल, मेघालय और उत्तर प्रदेश में बर्थ रजिस्ट्रेशन 50-80 प्रतिशत के बीच रहा है। 11 राज्य/केंद्र शासित प्रदेशों ने निर्धारित 21 दिनों के भीतर 90 प्रतिशत से अधिक बर्थ रजिस्ट्रेशन हासिल किया। इन राज्यों में गुजरात, पुडुचेरी, चंडीगढ़, दादरा और नगर हवेली और दमन एंड दीव, तमिलनाडु, लक्षद्वीप, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, गोवा और पंजाब शामिल हैं। साल 2023 में कुल दर्ज जन्मों में संस्थागत जन्मों (अस्पताल में हुए जन्म) का हिस्सा 74.7 प्रतिशत रहा। हालांकि, रिपोर्ट में सिक्किम का डेटा शामिल नहीं किया गया है। पूरे देश में जन्मों का कुल रजिस्ट्रेशन 98.4 प्रतिशत रहा।

# कुपवाड़ा में एनकाउंटर : सेना ने 2 आतंकवादियों को किया ढेर, तलाशी अभियान जारी

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में एलओसी के पास 2 आतंकवादियों को सेना ने ढेर कर दिया है। माचिल और दुदनियाल इलाकों में इस मुठभेड़ के बाद तलाशी अभियान शुरु किया गया है। सेना की ओर से जानकारी दी गई कि कुपवाड़ा सेक्टर में एलओसी के पास संदिग्ध गतिविधि देखी गई। क्षेत्र में तलाशी अभियान शुरू किया गया। इससे पहले, कठुआ जिले में सुरक्षा बलों ने एक पुराने मोर्टार गोले का पता लगाकर उसे सुरक्षित तरीके से निष्क्रिय कर दिया। यह जानकारी अधिकारियों ने सोमवार को दी। उन्होंने बताया कि गोला स्थानीय निवासियों से मिली सूचना के आधार पर रविवार शाम को हीरानगर सेक्टर के करोल मथुरा सीमावर्ती गांव में खेत में बरामद किया गया। अधिकारियों ने बताया कि बम निरोधक दस्ते को मौके पर बुलाया गया और मोर्टार गोले को सुरक्षित रूप से निष्क्रिय कर दिया गया।सीमा सुरक्षा बल ने सर्दियों से पहले जम्मू-कश्मीर में एलओसी पर अपनी चौकसी बढ़ा दी है, क्योंकि इस दौरान सीमा पार से घुसपैठ की कोशिशें बढ़ने की आशंका है। बीएसएफ के सीनियर अधिकारी ने बताया कि खुफिया जानकारी से पता चला कि आतंकवादी घाटी में घुसपैठ करने के लिए सीमा पार विभिन्न लांच पैडों पर इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'आमतौर पर देखा गया है कि सर्दियों से पहले घुसपैठ की कोशिशें बढ़ जाती हैं। इसे ध्यान में रखते हुए हमने अपने जवानों और अधिकारियों को अलर्ट पर रखा है और सीमा पर चौकसी बढ़ा दी है।

# पंजाब पुलिस ने संयुक्त अभियान में की हथियारों की एक बड़ी खेप बरामद

तरनतारन (एजेंसी)। पंजाब पुलिस के राज्य विशेष अभियान प्रकोष्ठ (एसएसओसी), अमृतसर ने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के साथ मिलकर संयुक्त अभियान में तरनतारन के खेमकरण क्षेत्र में भारत-पाक सीमा के पास से हथियारों की एक बड़ी खेप बरामद की है। पुलिस को बरामदगी में दो एके-47 राइफलें, दो एके-47 मैगजीन, एक पीएक्स5 स्टॉर्म पिस्तौल (मैगजीन सहित) और 10 जिंदा कारतूस मिले है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि ये हथियार पाकिस्तान से तस्करी के जरिए भारत लाए गए थे। एसएसओसी, अमृतसर ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। तस्करों की पहचान करना, उनके नेटवर्क का पता लगाना और उसे ध्वस्त करना। यह संयुक्त कार्रवाई पुलिस और बीएसएफ की सीमा पार से होने वाली अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने की प्रतिबद्धता दर्शाती है। यह जानकारी पंजाब पुलिस ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया एक्स हैंडल पर साझा की, और डीजीपी गौरव यादव ने भी इस संबंध में एक पोस्ट किया था। यह अभियान संगठित अपराध को खत्म करने और राज्य में शांति बनाए रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। पुलिस ने नागरिकों से संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तुरंत देने की भी अपील की है।

# जयपुर एयरपोर्ट पर इंटरनेशनल फ्लाइट का शेड्यूल फिर गड़बड़ाने लगी

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान की राजधानी जयपुर एयरपोर्ट पर इंटरनेशनल फ्लाइट का शेड्यूल फिर गड़बड़ाने लगा है। मंगलवार को फिर स्पाइस जेट एयरलाइंस की जयपुर से दुबई फ्लाइट अपने निर्धारित समय पर उड़ान नहीं भर सकी। वहीं दुबई से जयपुर आने वाली स्पाइसजेट एयरलाइंस की फ्लाइट भी अपने निर्धारित वक्त से लेट है। इसकी वजह से बड़ी संख्या में पैसेंजर्स को परेशान होना पड़ा है। दरअसल, दुबई से जयपुर के लिए उड़ान भरने वाली स्पाइसजेट एयरलाइंस की फ्लाइट अपने निर्धारित वक्त से लेट चल रही है। फ्लाइट को अल सुबह 3 बजकर 40 मिनट पर दुबई से जयपुर से लिए उड़ान भरनी थी। लेकिन तकनीकी कारणों की वजह से यह फ्लाइट अपने निर्धारित वक्त से 6 घंटे है। जो सुबह 3 बजे बाद जयपुर पहुंचेगी। वहीं स्पाइसजेट एयरलाइंस की फ्लाइट अपने निर्धारित वक्त पर उड़ान नहीं भर पाई। स्पाइस जेट एयरलाइंस की फ्लाइट को आज सुबह 9 बजकर 30 मिनट पर दुबई के लिए उड़ान भरनी थी। इसके बाद फ्लाइट को दोपहर 12 बजकर 55 मिनट पर दुबई पहुंचना था। लेकिन इनकमिंग एयर क्राफ्ट की देरी की वजह से स्पाइसजेट एयरलाइंस ने आखिरी वक्त पर दुबई फ्लाइट को री-शेड्यूल किया है। इसके बाद अब अपने निर्धारित वक्त से लेट 3 बजकर 30 मिनट बाद दुबई के लिए उड़ान भर पाएगी।

# 16 हजार रुपये के लिए गिरफ्तार जासूस मंगत सिंह ने पाकिस्तान को भेजी सेना की जानकारी

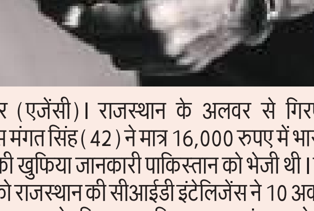

अलवर (एजेंसी)। राजस्थान के अलवर से गिरफ्तार जासूस मंगत सिंह (42) ने मात्र 16,000 रुपए में भारतीय सेना की खुफिया जानकारी पाकिस्तान को भेजी थी। मंगत सिंह को राजस्थान की सीआईडी इंटेलिजेंस ने 10 अक्टूबर को अलवर से गिरफ्तार किया था। मंगत को एक पाकिस्तानी युवती ने अश्लील वीडियो कॉल करके फंसाया। उसने मंगत के अश्लील वीडियो रिकॉर्ड कर लिए और फिर मंगत को ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। पाकिस्तानी जासूस लड़की ने उससे अलवर के आर्मी एरिया की जानकारी मांगी। मंगत ने अप्रैल की शुरुआत में अलवर के इटाराणा कैंट एरिया की बाहर से ली गई कुछ फोटो भेजीं। पहलगाम हमले के बाद, पाकिस्तानी हैंडलर्स ने उससे सैन्य वाहनों की मूवमेंट की जानकारी मांगनी शुरू कर दी। इसके बाद मंगत को कुल 16,000 रुपए (पहले 8,000 रुपए, फिर 5,000 रुपए और 3,000 रुपए) मिले। मंगत ने जासूसी करने के लिए इटाराणा आर्मी एरिया से लगभग ढाई किलोमीटर दूर एक पुलिसकर्मी का मकान किराए पर लिया ताकि सैन्य गतिविधियों पर आसानी से नज़र रखी जा सके। राजस्थान सीआईडी इंटेलिजेंस टीम को जून महीने में ही मंगत की गतिविधियों पर शक हो गया था और उन्होंने उसकी निगरानी शुरू कर दी थी।

# मोहन सरकार ने ओबीसी आरक्षण को लेकर सुप्रीम कोर्ट में पेश किया सर्वे... चर्चा का विषय बना

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** मध्य प्रदेश की मोहन यादव सरकार ने ओबीसी आरक्षण को लेकर सुप्रीम कोर्ट में चल रही सुनवाई में सर्वे का जिक्र किया। सर्वे के हवाले से मध्य प्रदेश सरकार ने कहा कि राज्य में 10 हजार शहरी और ग्रामीण परिवारों का सर्वे हुआ। सर्वे में शामिल 56 फीसदी ओबीसी वर्ग के लोगों ने बताया कि जब उच्च जाति का कोई व्यक्ति उनके घर से गुजरता है, तब वे बैठे नहीं रह सकते। वे सम्मान देने के लिए खड़े होते हैं। यह सर्वे महू स्थित डॉ. बीआर आंबेडकर सामाजिक विज्ञान विश्वविद्यालय की ओर से हुआ है। राज्य सरकार की ओर से ओबीसी आरक्षण 27 फीसदी तक बढ़ाने को सही ठहराने की दलील देकर

सर्वे को पेश किया गया है। सर्वे को 2023 में किया गया था। सर्वे में शामिल 3,797 परिवारों ने माना कि छुआछूत अब भी उनके गांवों में मौजूद है। इसके अलावा जाति के आधार पर मोहल्ले बंटे हुए हैं। इसके अलावा 3,238 परिवारों का कहना है कि उनके घर में आकर कोई ब्राह्मण पूजा-पाठ नहीं कराता। इसका कारण जाति होता है। इसके अलावा 57 फीसदी यानी करीब 6 हजार लोगों का कहना था कि उनकी जाति के लोगों को मंदिर में पुजारी नहीं बनाया जा सकता। उन्हें किसी मठ या आश्रम का प्रमुख नहीं बनाया जाता। इसके अलावा करीब 50 फीसदी लोगों का कहना था कि उनके परिवार के सदस्यों को धार्मिक शिक्षा देने वाले संस्थानों में प्रवेश नहीं मिलता। एक मजेदार बात यह भी रही कि मध्य प्रदेश सरकार ने अदालत में ओबीसी आरक्षण को लेकर जो एफिडेविट दिया है, उसमें प्राचीन भारत को जातिविहीन बताया गया है। इसके अलावा कहा गया है कि वैदिक काल में भेदभाव नहीं था, लेकिन कालांतर में चीजें बदल गईं। भारत में ही एक वर्ग का जाति के आधार पर भेदभाव हुआ। किसान और पेशेवर जातियों की आर्थिक स्थिति कमजोर होती चली गई। यही आज ओबीसी वर्ग का हिस्सा हैं। इस दलील के साथ ही राज्य सरकार ने मध्यप्रदेश में ओबीसी आरक्षण 27 फीसदी करने का प्रस्ताव रखा है। अब तक सूबे में 14 फीसदी ओबीसी कोटा ही मिलता है।

# 370 हटाने के विरोध में आईएएस की नौकरी छोड़ने वाले गोपीनाथन ने कहा- कांग्रेस देश को सही दिशा देने में सक्षम

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** 2019 में जम्मू और कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटने से व्यथित हुए भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी कन्नन गोपीनाथन ने विरोध में नौकरी छोड़ दी। अब उन्होंने कांग्रेस ज्वाइन कर ली है। इसके बाद कहा कि कांग्रेस ही देश को सही दिशा में ले जा सकती है। साल 2012 बैच के अरुणाचल प्रदेश-गोवा-मिजोरम और केंद्र शासित प्रदेश कैडर के गोपीनाथन ने 2019 में इस्तीफा दे दिया था। वह मिजोरम के आइजोल में कलेक्टर रहे और दादर और नगर हवेली और दमन और दियु में अहम विभागों में सचिव पद पर रहे। साल 2020 में मातृभूमि से बातचीत में गोपीनाथन ने बताया था कि यूपीएससी परीक्षा में उन्होंने 59वीं रैंक हासिल की थी। केरल से आने वाले गोपीनाथन के पिता भी सरकारी कर्मचारी रहे थे।

कांग्रेस में शामिल होने के बाद गोपीनाथ ने कहा, मैंने 2019 में नौकरी से इस्तीफा दिया और तब ये पता था कि सरकार देश को जिस दिशा में लेकर जा रही है, वह रास्ता गलत है। मुझे यह भी पता था कि इस गलत के खिलाफ लड़ना है। इस फैसले के बाद मैं देश के 80-90 जिलों में गया, लोगों से बातचीत की और तमाम नेताओं से मुलाकात की। मुझे समझ आया कि कांग्रेस ही इस देश को सही दिशा में ले जा सकती है। उन्होंने कहा, हम बहुत समय बाद प्रजा से नागरिक बने थे, क्योंकि हमें सवाल पूछने का हक है। मगर हमने यह भी देखा कि इस सरकार में जो भी सवाल पूछता है, उसे देशद्रोही बता दिया जाता है। उन्होंने कहा, मुझे काफी वक्त लगा लेकिन खुशी है कि आज मैं कांग्रेस पार्टी से जुड़ा हूं और मुझे पार्टी जो भी जिम्मेदारी देगी, उसे पूरी ईमानदारी से निभाऊंगा।

# वोट चोरी मामले में बीआरएस ने चुनाव आयोग से की बिहार की तरह एक्शन की मांग

**हैदराबाद (एजेंसी)।** बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने तेलंगाना के मुख्य निर्वाचन अधिकारी से मुलाकात कर वोट चोरी के सबूतों के साथ एक विस्तृत शिकायत दर्ज कराई। इस मुलाकात के बाद, उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कांग्रेस और निचले स्तर के सरकारी अधिकारियों की मिलीभगत से हुए इस लोकतांत्रिक घोटाले का पर्दाफाश किया। केटीआर ने आक्रामक रुख अपनाते हुए कहा, जुबली हिल्स में तीन तरह की बड़ी धांधलियां हो रही हैं, सबसे पहले वोटों का भारी दोहराव किया गया है। उन्होंने कहा, एक-एक आदमी को तीन-तीन वोटर आईडी कार्ड जारी किए गए हैं। हमारी जानकारी के मुताबिक, लगभग 2,000 लोगों के पास डुप्लीकेट या ट्रिप्लीकेट वोटर आईडी हैं और ये सभी जुबली हिल्स विधानसभा क्षेत्र में केंद्रित हैं।

उन्होंने आगे आरोप लगाया कि यह सिर्फ एक गलती नहीं, बल्कि एक संगठित अपराध है। उन्होंने कहा, यह कैसे संभव है कि मनचेरियल, गडवाल और नागरकुरनूल जैसे जिलों में पंजीकृत मतदाताओं को कांग्रेस पार्टी की मिलीभगत से रातों-रात जुबली हिल्स का वोटर बना दिया गया? अकेले 2 सितंबर को हजारों वोट अवैध रूप से सूची में शामिल कर दिए गए। केटीआर ने चेतावनी दी कि यदि चुनाव आयोग त्वरित कार्रवाई करने में विफल रहता है तो BRS न्याय के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाने से भी पीछे नहीं हटेगी। उन्होंने कहा, सीईओ ने हमें आश्वासन दिया है कि वे इस मामले को गंभीरता से देखेंगे। हमें उम्मीद है कि वे कार्रवाई करेंगे, लेकिन अगर ऐसा नहीं होता है तो हम इस लड़ाई को कानूनी रूप से लड़ेंगे। उन्होंने केंद्रीय चुनाव आयोग पर भी दबाव बनाते हुए कहा, यह विडंबना है कि जो कांग्रेस पार्टी बिहार में वोट चोरी का आरोप लगाती है, वही पार्टी तेलंगाना में उपचुनाव जीतने के लिए उसी तरह के कदाचार में लिप्त है। हम केंद्रीय चुनाव आयोग से भी अपील करते हैं कि वे इस मामले पर संज्ञान लें, राज्य सीईओ से रिपोर्ट मांगें और लोकतंत्र की पवित्रता को बनाए रखने के लिए निर्णायक कार्रवाई करें।

चुनाव आयोग के सामने रखीं तीन मांगें

### उच्च स्तरीय जांच

इस पूरे मामले की गहन और निष्पक्ष जांच का आदेश दिया जाए, ताकि यह पता चल सके कि निचले स्तर के अधिकारियों की मिलीभगत के बिना इतना बड़ा फर्जीवाड़ा कैसे संभव हुआ। इसके बाद दूसरी मांग इस चुनावी कदाचार के लिए जिम्मेदार सभी अधिकारियों को तत्काल उनके पदों से हटाकर दंडित करने की है। वहीं तीसरी मांग नामांकन प्रक्रिया समाप्त होने से पहले, धोखाधड़ी से जोड़े गए सभी 19,000 वोटों को मतदाता सूची से तत्काल हटाया जाए।

# डब्ल्यूएचओ ने चेताया कहा- तीन कफ सिरप जहरीले हैं, जहां दिखें सूचना दें

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** देश के कई राज्यों में जहरीले कफ सिरप से कथित तौर पर करीब दो दर्जन बच्चों की मौत हो गई। इससे डब्ल्यूएचओं की चिंता बढ़ गई है। इस पर वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन ने 3 कफ सिरप को लेकर चेतावनी दी है। इसमें जहरीला कोल्ड्रिफ सिरप भी शामिल है, जिसकी वजह से मध्य प्रदेश के छिंदबाड़ा में बच्चों की मौतें हुई हैं। डब्ल्यूएचओ ने सभी अथॉरिटीज से कहा है कि देश में अगर कहीं भी ये सिरप दिखाई दें तो तत्काल हेल्थ एजेंसी को रिपोर्ट करें। ग्लोबल हेल्थ एजेंसी ने श्रीसन फार्मा की कोल्ड्रिफ, रेडनेक्स फार्मा की रेस्पिफ्रेश टीआर और शेप फार्मा की रिलाइफ सिरप के कुछ विशेष बैचों की पहचान की है, जिनमें मिलावट पाई गई है। डब्ल्यूएचओ का कहना है कि ये सिरप स्वास्थ्य के लिए बड़े खतरे पैदा कर सकते हैं और कई गंभीर व जानलेवा बीमारियों का कारण बन सकते हैं। जांच में खांसी के इन सिरपों में डायथिलीन ग्लाइकोल (डीईजी) नाम का जहरीला कैमिकल भारी मात्रा में पाया गया है। जो एक रंगहीन और गंधहीन रसायन है, इसका उपयोग सिरप को मीठा करने के लिए किया जाता है। जबकि इसका उपयोग मानव उपभोग के लिए नहीं किया जा सकता है।

बता दें कि कोल्ड्रिफ का उत्पादन तमिलनाडु स्थित श्रीसन फार्मास्युटिकल निर्माता द्वारा किया गया था। प्रयोगशाला परीक्षणों से पता चला कि सिरप में डायथिलीन ग्लाइकोल की मात्रा 48.6 प्रतिशत थी, जो भारतीय अधिकारियों और विश्व स्वास्थ्य संगठन दोनों द्वारा निर्धारित 0.1प्रतिशत की स्वीकृत सीमा से बहुत ज्यादा थी। इसके अलावा गुजरात में रेडनेक्स फार्मास्यूटिकल्स द्वारा निर्मित रेस्पिफ्रेशटीआर कफ सिरप 1.342 फीसदी डीईजी से दूषित पाया गया और गुजरात में शेप फार्मा द्वारा निर्मित रिलाइफ कफ सिरप में भी 0.616 फीसदी डीईजी पाया गया है।

डब्ल्यूएचओ की इस चेतावनी से पहले ही भारत में इन 3 सिरपों को बैन कर दिया गया है। हाल ही में केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन ने विश्व स्वास्थ्य संगठन को सूचित भी किया था कि इन तीनों ही सिरप को सभी मेडिकल स्टोर्स से वापस मंगा लिया गया है और निर्माताओं को इनका उत्पादन रोकने का आदेश दिया गया है। हालांकि भारत सरकार ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को एडवाइजरी जारी कर खांसी का सिरप प्रिस्क्राइब करने से पहले सावधानी बरतने की सलाह दी है साथ ही कहा है कि जो सिरप आमतौर पर 5 साल तक के बच्चों के लिए प्रिस्क्राइब नहीं किया जाता है उसे किसी भी कीमत पर 2 साल से कम उम्र के बच्चों को न दिया जाए।

# एआई आने से आईटी सेक्टर की 50 हजार नौकरियों पर लटकी तलवार

**-कंपनियां छंटनियां खुलकर नहीं, 'साइलेंट लेऑफ' के रूप में कर रहीं**

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारत का आईटी सेक्टर मुश्किल दौर से गुजर रहा है। 2025 के आखिर तक करीब 50 हजार कर्मचारियों की नौकरी जा सकती है, लेकिन चौंकाने वाली बात यह है कि ये छंटनियां खुलकर नहीं, बल्कि 'साइलेंट लेऑफ' के रूप में की जा रही है। आईटी कंपनियां अब कर्मचारियों को सीधे निकालने के बजाय 'परफॉर्मेंस' या 'रोल एडजस्टमेंट' के नाम पर उन्हें निकाल रही है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक पिछले साल जहां 25 हजार लोगों की नौकरी गई थी, वहीं इस साल यह संख्या दोगुनी हो सकती है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज का है, जिसने जुलाई में अपने कुल स्टाफ का 2 फीसदी यानी करीब 12 हजार लोगों को हटाने की योजना बनाई। इसी तरह भी 11 हजार कर्मचारियों को निकालते हुए 865 मिलियन डॉलर का खर्च-कटौती कार्यक्रम शुरू किया है। आईटी सेक्टर की इस मंदी के पीछे सबसे बड़ा कारण है आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का तेजी से बढ़ता इस्तेमाल।

अब पहले जो काम सैकड़ों इंजीनियर करते थे, वो एआई टूल्स कुछ मिनटों में पूरा कर देता है। विशेषज्ञों का कहना है कि कंपनियां अब एआई-सक्षम सिस्टम्स पर ज्यादा निर्भर हैं, जिससे पुराने स्किल वाले कर्मचारी अनावश्यक हैं। कई कर्मचारियों के पास अब वे कौशल नहीं हैं जिनकी मांग नए जमाने के प्रोजेक्ट्स में है। आने वाले साल में यह संख्या 60 हजार तक पहुंच सकती है।

विशेषज्ञों का मानना है कि यह दौर लंबा चल सकता है क्योंकि कंपनियां अब कम लोगों में ज्यादा काम करवाने की ओर बढ़ रही हैं। पुराने मॉडल, जहां बड़ी संख्या में फ्रेशर्स रखे जाते थे, अब अप्रासंगिक हो चुके हैं। हालांकि विश्लेषक कहते हैं कि यह संकट नई स्किल्स सीखने वालों के लिए मौका है। क्लाउड कंप्यूटिंग, डेटा एनालिटिक्स और साइबर सिक्योरिटी जैसी फील्ड्स में नौकरी की संभावना अब भी बनी हुई है।

# ला नीना के प्रभाव से देश में इस बार पड़ेगी कड़ाके की ठंड... ऊपरी हिमालय का 86 प्रतिशत बर्फ से ढका

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** देश में इस बार कड़के की ठंड पड़ेगी, क्योंकि ऊपरी हिमालय का 86 प्रतिशत हिस्सा समय से दो महीने पहले ही बर्फ से ढंक चुका है। पिछले दिनों आए वेस्टर्न डिस्टरबेंस के कारण पूरे हिमालय पर तापमान 2 से 3एसेल्सियस कम बना हुआ है।

इसकारण ताजा बर्फ फिलहाल पिघल नहीं रही। यह अच्छा संकेत है। दिसंबर में ला नीना सक्रिय हो रहा है। जो प्रशांत महासागर के तापमान के सामान्य से ठंडा होने की एक मौसमी घटना है। इसके कारण भारत में अच्छी बारिश और ज्यादा ठंड पड़ती है।

ऊपरी हिमालय यानी 4 हजार फीट से ज्यादा ऊंचाई वाले इलाकों में औसत तापमान माइनस 15ए सेल्सियस या उससे भी कम रहता है। ला नीना के कारण उत्तर, मध्य और पूर्वी भागों में औसत तापमान 3-4एसेल्सियस तक और गिर सकता है।

देश के मध्य में मौजूद मध्य प्रदेश में ठंड ने समय से पहले दस्तक दे दी है। भोपाल में न्यूयतम तापमान 15.8एसेल्सियस रिकॉर्ड हुआ, जो सामान्य से 3.6एसेल्सियस कम है। भोपाल में यह तापमान पिछले 26 साल में अक्टूबर के पहले पखवाड़े में तीसरी बार इतना कम रिकॉर्ड हुआ है। इधर, राजस्थान में दिन और रात के तापमान में अंतर नजर आने लगा है। सीकर में रात का न्यूयतम तापमान 15एसेल्सियस से नीचे रिकॉर्ड हुआ।

नेपाल से लेकर कश्मीर तक एक ही नजारा, बर्फ का कैचमेंट भी बढ़ा डॉ. मेहता के मुताबिक ताजा बर्फबारी ने ग्लेशियरों की सेहत दुरुस्त होने के भी संकेत दिए हैं। हिमालय पर तापमान कम होने के चलते इस बार बर्फ पिघल नहीं रही। इससे ग्लेशियर 5 साल के लिए रिचार्ज हो जाएंगे। पूरे उत्तर भारत की नदियों के स्रोत नहीं सूखने वाले है।

सिक्किम, कश्मीर, उत्तराखंड, हिमाचल से लेकर नेपाल तक पूरे उच्च हिमालय पर सफेद बर्फ की चादर बिछी हुई है। बर्फ का कैचमेंट एरिया भी बढ़ गया है। इसी वजह से मध्य और निम्न हिमालयी क्षेत्रों व मैदानों में अक्टूबर से ही पारा गिरने लगा है।

दुनिया का औसत तापमान 122 साल में 0.99 डिग्री बढ़ा, अब घट रहा वैज्ञानिक आंकड़े बताते हैं कि भारतीय उपमहाद्वीप का औसत सतही तापमान पिछले 122 सालों में 0.99ए डिग्री सेल्सियस बढ़ा है, लेकिन 2025 के आखिर तक यह वृद्धि अस्थायी रूप से उलट जाएगी, क्योंकि ला नीना के कारण वैश्विक औसत तापमान 0.2ए डिग्री तक गिरने की संभावना है।